



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1 PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7] नई दिल्ली, सोमवार, मई 6, 1985/वैशाख 15, 1907
No. 7] NEW DELHI, MONDAY, MAY 6, 1985/VAISAKHA 16, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ दृष्ट्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

साधारण आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज-2

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचनाएं

बम्बई, 1 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10008/84/85.—अतः मुझे
लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है
की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी
सं. फ्लैट नं. 607, जो 6 वीं मंजिल, मोन्टाना सी-इमारत,
प्लॉट नं. 4, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, बसोवा,
अधेरी (र), बम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है तांदिख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,

ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और
अन्तरक/अन्तरको और अन्तरिती/अन्तरिनियो के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न- लिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में मरिधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मरिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी—मेमर्स लोखडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट
लि.

—(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी—श्रीमती, फरीदा इब्रहीम शेमना—
(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी— (वह व्यक्ति या जगह जिस पर सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी—यसमें ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट लि.) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में निवेश है)

को यह सच्चा पारी करने योग्य सम्पत्ति की अर्जत के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जत के संबंध में कोई भी बाधा—

(क) इस सच्चा के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सच्चा की तारीख 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सच्चा के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त राजपत्र सम्पत्ति से निवेश करने वाले व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किया जा सके।

सम्पत्ति—इसमें प्रयुक्त बच्चों और पक्षों का जो उल्लेख अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अधिसूची

“फ्लैट नं. 607, जो, 6वीं मंजिल, मोन्टाना-में इमारत, प्लॉट नं. 4, एस. नं. 41 (अंश), 4 बिल्डिंग्स बमोवा, अंधेरी (प) उबई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स अई-2/37ईई/10008/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख . 1/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSYT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQN. RANGE-III

Notices under section 269D(1) of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

Bombay, the 1st April. 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10008/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 607, 6th Floor, Montana, C. Building, Plot No. 4, S. No. 41(Pt), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the schedule annexed to it) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property is more than the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd.
(Transferor)
2. Smt. Farida Ebrahim Shemna (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 607, 6th Floor, Montana, C-Building, Plot No. 4 (Part) Four Bunglows, Versova Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10008/84-85 on 14-8-1984

Date : 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. आई-2/37ईई/8953/84/85.—अतः मुझे तत्सम दाता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें समान भाग पञ्चात् "अतः अधिनियम कहा गया है") की धारा 269B के अन्तर्गत तत्सम प्राधिकारी को यह विचारना का कारण है कि उपर्युक्त सम्पत्ति, जिसका उचित दाता मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सफाई न. 301, जो 3री मजिल इमारत होम कोर्ट, फ्लैट न. 336, एस. न. 41 (अंश), 4 बंगलोज वर्सावा, अंधेरी (प), पम्बई-58 में स्थित है (आर उक्त उपावृद्ध अनुसूची में आर पूरा रूप में वर्णित है) आर जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत तत्सम प्राधिकारी के कार्यालय पम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातफल के लिए अन्तर्गत की गई है आर मुझे यह विचारना का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रातफल में ऐसे दृश्यमान प्रातफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है आर अन्तर्गत (को) आर अन्तर्गत (ग) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(ग) अन्तरण में हुई किसी आय की वसूल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने का सुविधा के लिए और/या

(र) ऐसे किसी आगामी आय की वसूल या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत उक्त सम्पत्ति का प्रत्यक्ष अन्तर्गत किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तिओं को —

1. मेमस हाउसिंग प्राइवेट लि. (अन्तरक)
2. श्रीमती माक्सि टाटो (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. मेमस ओशिवरा लैंड डेव्लोपमेंट को (प्रायवेट) लि. (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संदर्भ में कोई भी आक्षेप —

(ग) उक्त सूचना का प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(र) उक्त सूचना का प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्म व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

रजिस्ट्रेशन.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट न. 301, जो, 3री मजिल, इमारत होम कोर्ट, फ्लैट न. 336, एस. न. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सावा, अंधेरी (प), पम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि न. स. आई-2/37ईई/8953/84-85 आर जो तत्सम प्राधिकारी पम्बई में दिनांक 4/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख. 1/4/1985

मोहर.

(जा लागू न हो उस काट दिया है)

Ref. No. AR-II/37EE/8953/84-85.—Whereas, I, LAXMIAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000, and bearing Flat No. 301, HOME COURT, 4, Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Mrs. Mavis Tatti (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, HOME COURT, Plot No. 336 of S. No. 41 (Part), 4, Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8953/84-85, on 4-8-1984.

Date : 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8915/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1102 जो, 11वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर, प्लॉट नं० 351 एस. नं० 41 (अंश), 4 बंगलों, वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (कों) और अन्तर्गती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्मिन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, से उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं उचित —

1. मेसर्स लोकडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. । (अन्तर्गत)
2. श्री जितेन्द्र मेहता (अन्तर्गती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)

4. मेसर्स ओशिवरा लैंड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. । वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाही शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के बध्नाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं 1102, जा, 11वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स प्लॉट नं 351 एस नं 41 (अंश) 4 बंगला, ज वसोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा कि स आर्डी-2/37/ईई/8915/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

साहंर

(जा लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/8915/84-85.—Whereas i, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1102, 11th floor, PREMIUM TOWER, 4, Bungalows, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- M/s Lokhandwala Estate Development Company Private Limited (Transferor)
- Mr. Jitendra Sehgal (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- M/s. Oshiwara Land Development Co. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No 1102, 11th floor, PREMIUM TOWERS, Plot No. 351 of S No 41 (Part), Four Bungalows, Verswa, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8915/84-85, on 4-8-1985.

Date: 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश स आर्डी-2, 37-ईई/8915/84-85—अन मुझे दृष्टमण राम अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है”) की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु में अधिक है और जिसकी म फ्लैट नं 604, जो 6वीं मंजिल, इमारत हम्मनी-वी, प्लॉट नं 343 एस नं 41 (अंश), 4 बंगला, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (आर हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 1/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिये अनुरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पदार्थ प्रमाणित है अधिक है और अनुरव (को) और अनुरव (या) के बाजार मूल्य अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) ऊपर से हुई किसी आय की वृद्धि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उद्देश्य से म सुविधा के लिए और/या

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/8992/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 602, 6th floor, HOME COURT, four Bungalows, Andheri(W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Yasmin Corporation (Transferor)
2. Mr. Baldev Dhawan (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, HOME COURT, Plot No. 336 S. No. 41 (Pt), Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II/37EE/8992/84-85 on 4-8-1984.

Date : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/8990/84-85 —अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे, इसमें हमने पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 369 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी प्लॉट नं. 101, जा. पड़ल मजिन, हमारन होमलैन्ड्स, प्लॉट नं. 341 एम. नं. 41 (अंश), 4 बगलोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 369 क, ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क(कों) और अंतर्गती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए देय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क क दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य दायित्वों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गतिविधि के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोकहन्डवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि. (अन्तरगत)
2. अशोक मेहता और निरा मेहता (अन्तरिनी)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. मैसर्स ओशिवारा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके परोक्ष सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर परोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्सची

“फ्लैट नं. 101, जो, पहली मंजिल, इमारत होमलैंड्स, प्लॉट नं. 341, एग. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्मोवा, अंधेरी(प), बम्बई - 58 में स्थित है।

अन्तर्सची जैसा कि क्र. स. आई-2/37ईई/8990/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

संहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8990/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), 166 GI/85—2

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 101, 1st floor, HOMELANDS, Plot No. 341, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri(W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Ashok Mehta and Neera Mehta (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, HOMELANDS, Plot No. 341, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8990/84-85 on 6-8-1984.

Date : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई.-2/37-ईई/8956/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 1502 जो, 15वीं मंजिल, इमारत मंगम टॉवर्स, प्लॉट नं. 357, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसोँवा, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उमसे बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैमर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट (अन्तरक) कंपनी प्राइवेट लि.
2. श्री धिरजलाल भगनलाल दामानिया (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
1. मैमर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट लि.)
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तरिती

“फ्लैट नं. 1502 जो, 15 वीं मंजिल इमारत मंगम टॉवर्स, प्लॉट नं. 357, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसोँवा, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थिति है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. आई.-2/37ईई/8956/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No. AR-II/37EE/8956/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1502, 15th floor, MAGNUM TOWERS, 4 Bunglows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Estate & Development Company Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Dhirajlal Bharatlal Damania (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1502, 15th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357, S. No. 41 Part, Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II/37EE/8956/84-85 on 4-8-1984.

Date : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई.- 2/37-ईई/8955/84-85.—अतः : मुझे, लक्ष्मणदास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् क्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,00,00 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1501 जो, 15वीं मंजिल, इमारत मैग्नेम टॉवर्स, प्लॉट नं. 357, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सावा, अंधेरी (पं.), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाचय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोकखंडवाला इस्टेट्स डेवलपमेंट (अन्तरक) कंपनी प्रायवेट लि०
2. श्रीमती गीता धिरजनाल दामानिया (अन्तर्गती)
3. —
4. मैसर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिस के बारे में अधो-हस्ताक्षरी जनता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 1501, जो, 15वीं मंजिल, इमारत मंगम टावर्स, प्लॉट नं. 357, एस नं. 41 (अश), 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई./8955/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/371.E. 8955/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1501, 15th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357 of S. No. 41 (Part), Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Estates and Development Co. Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mrs. Geeta Dhiralal Damania (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1501, 15th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Andheri (W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8955/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. आई० 2/37-ईई/8954/84-85.—
अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं० 1101, जो, 11वीं मजिल, इमारत प्रिमियम टावर, प्लॉट नं० 351 एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सावा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दृष्ट किमी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहाय के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट

कंपनी (प्रा०) लि० (अन्तरक)

2. श्रीमती आशा महगल (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. मैसर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट

कंपनी (प्रायवेट लि.)

(वह व्यक्ति जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 1101, जो 11वीं मजिल, इमारत प्रिमियम टावर, प्लॉट नं. 351, एस० नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सावा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/8954/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू नहीं हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE, 8954/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1101, 11th floor, PREMIUM TOWERS, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Estates and Development Co. P. Ltd. (Transferor)
2. Mrs. Asha Sehgal (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1101, 11th floor, PREMIUM TOWERS, Plot No. 351, S. No. 41 (Pt), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE, 8954/84-85, on 4-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/8918/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट सं० 603 जो 6वीं मंजिल, इमारत हरमनी-बी, प्लॉट नं० 343 एस० नं० 41 (अंश) 4 बंगलीज, बसोवगा अधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतराती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन —

1. मैसर्स लोकहन्डवाला प्रिमायमेस प्राइवेट लि० (अन्तरक)
2. श्री सी० एम० लाला (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. मैसर्स ओशिवारा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि०
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है की वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोची

“फ्लैट नं० 603, जो 6वीं मंजिल, इमारत हरमनी-बी प्लाट नं० 343, एस०नं० 41(अंश), 4 बंगलीज वर्सोवा अंधेरी(प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमोची जैसा कि क्र०सं० आई-2/37ईई/8918/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9855/34-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 603, 6th floor HARMONY-B, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian

Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.
(Transferor)

2. Mr. C. M. Lala (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor. HARMONY-B, Plot No. 343, S. No. 41 (Pt). Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8918/84-85 on 4-8-84.
Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० आई-2/37ईई/10313/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, प्राईम रोड इमारत, प्लॉट नं० 318, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्मोवा, अंधेरी (पं) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरिनीयो के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या उच्च आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स लोखंडवाला (अन्तरक) प्रिमायसेस प्राईवेट लि०
2. श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्री मोहन बाय, गांधी (अन्तरिती) और श्रीमती, सकिना मोईस गांधी।
3. श्री/श्रीमती/कुमारी :—
(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स ओशिवरा लैट डेवेलोपमेंट कंपनी (प्राईवेट) लि०।

(वह व्यक्ति, जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शीघ्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, प्राईम रोड इमारत, प्लॉट नं० 318, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्मोवा, अंधेरी (पं), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/10213/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10213/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 304, 3rd Floor, Prime Rose Building, Plot No. 318, S.No. 48 (Pt) Four Bunglows, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd;
(Transferor)
2. Shri. Moiz Y Gandhi, and Smt. Sakina Moiz Gandhi
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Co Pvt. Ltd;

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Prime Rose Building, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10213/84-85 on 21-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं० आई-2/37ईई/8971-84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जो 3री मंजिल, पर्व इमारत, अंबोली मावठाणा, प्लॉट नं० 398, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, लिप्पनलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें दान से मुक्ति के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री इस्माईल अब्दुल्ला चुनावाला (अन्तरक)

2. श्रीमती वृशाली सुभाष खेटले (अन्तरिती)

3 अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. - (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जानी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त गृहावर सम्पत्ति में, हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, ओ, 3री मंजिल, पले इमारत, अंबोली गोवठाण, प्लॉट नं० 398, अंधेरी (प.) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-2/37ईई/8971-84/85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 8971,84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 11, 3rd floor, PFARL Amboli Gauthan, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Ismail Al-dulla Chunawala (Transferor)

2. Mrs. Vrishali Subhash Khete (Transferee)

3. Transferee
(Person in occupation of the property)

4.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Pearl, Amboli Gauthan, Plot No. 398, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8971/84-85, on 4-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं० आई-2/37ईई/8972/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो 2री मंजिल, इमारत पर्ल, प्लॉट नं० 398, अंबोली गावठाण, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका दायरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किलौ धन या अन्य आम्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री इस्माईल ए० चुताबाला (अन्तरक)

2. श्री विलास गंगाराम छाटले (अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

4. वह व्यक्ति जिसके अधिभोग) में सम्पत्ति है)

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 7, जो, 2री मंजिल, पर्ल इमारत, प्लॉट नं० 398, अंबोली गावठाण, अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-2/37ईई/8972/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8972/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 7, 2nd floor, Pearl, Plot No. 398 Amboli Gauthan, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Ismail A. Chunawala (Transferor)
2. Mr. Vilas Gangaram Khatle (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, PEARL, Plot No. 398, Amboli Gauthan, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8972/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/8945/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "इस अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन गण्यमान प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संवे फ्लैट नं० 106, जो, 1ला मंजिल, "सी" बिल्डिंग, मुन्दर पार्क, बीना देगाई रोड, आफ अंधेरी दसोवा रोड, अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका वारन्तामा आचर अधिनियम की धारा 269B के अधीन गण्यमान प्राधिकारी के दायित्व, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरण की गई है और मुझे यह विवक्षा करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरण(को) और अंतर्गती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायित्व, आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घाटित :-

1. मैसर्स रमेश बिल्डर्स (अंतरांग)
2. इला अरुण अग्रवाल (अनुसूची)
3. ... (वह व्यक्ति जिसे
उक्त अधिनियम के
अनुसूची में
समर्पित है)
4. ... (वह व्यक्ति जिसे
उक्त अधिनियम में
अधिनियम
हस्ताक्षरों के बिना
है, को यह समर्पित
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आख्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 106, जो, 1ली मंजिल, “सी” विंग, सुंदर पार्क, वीरा देसाई रोड, आफ अंधेरी-वर्सोवा रोड अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/8945/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दाजिये)।

Ref. No. AR-II/37EE. 8945/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 106, 1st floor, C-Wing, Sunder Park, Veera Desai Road, Off Andheri-Versova Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Ramesh Builders (Transferor)
2. Ila Arun Agrawal (Transferee)
3. ... (Person in occupation of the property)
4. ... (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor C-Wing, SUNDER PARK, Veera Desai Road, Off Andheri Versova Road, Andhrei (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8945/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं० आई-2/37ई/8991/84-85 ---अतः मुझे नत्सण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसी पञ्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन गन्तव्य प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 100,000/- रु० में अधिष्ठित है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो, 1ली मंजिल, इमारत सिम्फोनी-बी, प्लॉट नं० 344, एस० नं० 41, (अंग), 4 बंगलाज, वर्सोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका वारंशतमा आयकर अधिनियम की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में लाभ के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ज्ञान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिष्ठित है और अंतरः (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1. मैसर्स लोखंडगाला प्रिमायसेग प्राइवेट लि० (अन्तरः)
2. श्री मरुत सुभनदेसाई और इला श्री, दनार्टी (अन्तरिती)
3. -- (यह व्यक्ति जिस के अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. मैसर्स अणिररा लैंड डेवेलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि० ।
(यह व्यक्ति जिसके बारे में अवाह्यताक्षरी जानना है, को वह में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 103, जो, 1ली मंजिल, इमारत सिम्फोनी-बी, प्लॉट नं० 344, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगलाज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ई/8991/84-85 और या सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

दिनांक : 1-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 8991/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 103, SYMPHONY-B, 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s Lokhandwala Premises Private Limited (Transferor)
2. Mr. Bharat Suman Desai and Mrs. Ila B. Desai (Transferee)
3. -Do- (Person in occupation of the property)
- 4 M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Limited. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, SYMPHONY-B, plot No. 344 of S. No. 41 (Pt.), 4 bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8991/84-85, on 6-8-1984.

Dated : 1st April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. आई- 2/37-ईई/ 10404/84-85 :-

अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. कमरा नं. 51, जो. 1वीं मजिनि रोशन लाल अग्रवाल शॉपिंग आर्केड, प्लॉट नं. 49, 50, 65, 66, एस. नं. 41 (अंश), आफ जे. पी. रोड, लोखंडवाला काम्प्लेक्स के पास, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निवों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्निमित्त नग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

उक्त यह उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स आर. एन. ए. बिन्डर्स। (अन्तरक)
2. श्री नरसिंगदाम एन. अदनानी (एच. यु. एफ.) (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“कमरा नं. 51, जो, 1 ली मंजिल, रोशनलाल अग्रवाल शांतिग्राउंड, प्लॉट नं. 49, 50, 65, 66, एस. नं. 41 (अंग), आफ जे. पी. रोड, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स के पास बसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई.-2/37ईई/ 10404/ 84-85 और जो सश्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10404/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Room No.51, 1st floor Roshanlal Agarwal Shopping Arcade, Versova, Andheri (W) Bombay-58 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R. N. A. Builders (Transferor)
2. Mr. Narsingdas Nadnani (HUF) (Transferee)
3. -Do- (Person in occupation of the property)
4. -Do- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Room No. 51, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66, S. No. 41 (pt.) Off J. P. Road, Near Lokhamawala Complex, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10404/84-85, dt. 28-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10359/ 84-85 :- अंत. मुझे लक्ष्मण दाम अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 71, जो, 7वीं मंजिल, ओम निकेतन, ओम मार्ग, 314, पाली राम रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क. ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है. तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विवरण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है. —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दत्तने में गृहस्था के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा 166 GI/85—4

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उभारित :-

1 ओम विन्ड्स प्राइवेट लि. । (अन्तरक)

2 श्री. भरत मोनाजी पंड्या । (अन्तरिनी)

3 —————
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —————
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 71, जो, 7वीं मंजिल, ओम निकेतन, ओम मार्ग, 314 पाली राम रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/ 10359/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख : 1/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10359/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 71, 7th floor, OM NIKETAN, 31, Om Pali Ram Road, Andheri (W) Bombay-58 and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Om Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Shri Bharat Momaji Pandya (Transferee)
3. -Do- (Person in occupation of the property)
4. -Do- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 71, 7th floor, Om NIKETAN, Om Marg, 31 Om Pali Ram Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37FF/10359/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37- ईई/10355/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 5, जो, ग्राउंड फ्लोर, "पिक अपार्टमेंट्स, (7 बंगलोज, गार्डन के पास, वर्मोवा, बम्बई-61 में स्थित है) और उससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगरताम आयकर अधिनियम की धारा 269 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के आयत्व में कमी करने या उससे बढ़ने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपाति —

1. मैसर्स वर्धन एस्टेट्स प्राइवेट लि. (अन्तरक)
2. श्री चंदैया पोंकरा बंगरा मनाहर। (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं. 5, जो, ग्राउंड फ्लोर, “पिंक अपार्टमेंट्स”, 7 बंलोज, गार्डन के पान, वर्सोवा बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/ 10355/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1/4/1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37FE/10355/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 5, Gr. floor, PINK APARTMENTS, 7 Bunkalows, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Vardhan Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Sri Chhandaya Pokra Bangera Manohar (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 5 on Gr. floor in 'PINK APPARTMENTS' Bungalow, near Garden, Versova, Andheri, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10355/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/ 8884/84-85 अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमने हमके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 5 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी प्लेट सं. नं० 202, जो. 2 री मजिल, फागमेट-ए, इमारत, प्लॉट नं० 334, एम. नं० 41 (अंश), 4 बंगलोज, बर्मीवा, अंधेरे (प), बम्बई-58 करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तर्गत/अन्तर्गतियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित हो किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से गृहिष्ठा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निवों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से गृहिष्ठा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारी -- मैसर्स लोखदवाला प्रिमायसेम प्राइवेट लि. - (अन्तर्गत)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी -- श्री जोसफडो. मेडेस और श्रीमती राज जे. मेडेस। - (अन्तर्गती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी -- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी -- मैसर्स ओशिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

साफ़ीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गती

प्लेट नं० 202 जो. 2 री मजिल फागमेट-ए, इमारत प्लॉट नं० 334 एम. नं० 41 (अंश) 4 बंगलोज बर्मीवा अंधेरे (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अन्तर्गती जैसा कि क्र. सं. अई-2/ईई/8884/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्ट्रार किया गया है।

तारीख. 1/4/1985

साहू

*जो लागू न हो उसे काट दिजिये।

Ref. No. AR-II/37EE/8884/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Crossgates-A, Versova, Andheri, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Joseph Diogo Mendes & Mrs. Rose J. Mendes (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Corporation (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Crossgates-A, Plot No. 334 of S. No. 41 (pt.), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8884/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8883/84-85.—अन: मुझे लक्ष्मण दास आचकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 4 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी प्लॉट नं. 303, जो 3रा मंजिल प्राईम रोड इमारत प्लॉट नं. 318 एस. नं. 41(अंण) 4 बंगलोज वर्सोवा अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और हममें उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आचकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरकों/अंतरियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दक्षत, आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मदद के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-अंतर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारी :- मैसर्स लखंडवाला प्रिमायर्सस प्राइवेट लि.

-(अन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी. - श्री कौलाश चंद्र बोहरा - (चलनरितो)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी. - ———

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी. - बैसम ओशिवरा लैंड

डैवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 303 जो 3री मंजिल, प्राईम रोस इमारत प्लॉट नं. 318, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज वर्सोवा अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. म. अई-2/37ईई/8883/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया जाये)

Ref. No. AR-II/37EE/8883/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd floor, PRIME ROSE, Versova, Andheri, Bombay 58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)
2. Mr. Kailash Chandra Bohra (Transferee)
3. Do. (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Corporation (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, PRIME ROSE, Plot No. 318 of S. No. 41 (pt.) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8883/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8815/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 26 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लॉट नं. 104, जो पहली मंजिल सिम्फोनी-ए इमारत, प्लॉट नं. 344, प.स. नं. 41 (अंग), 1 बंगलोज, वर्मीवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम में सक के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/ अन्तरकों और अन्तरगतों/ अन्तरगतियों के बीच ऐसे अन्तरगत के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरगत निखित से वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरगत में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरगत के गणित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्योगार्थ अन्तरगती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तरगत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के लिये :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारी :- मैमर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि. — (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी :- श्री राजू दिवाकर नायर (अन्तरगती)
3. श्री श्रीमती कुमारी :- — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी :- मैमर्स ओणिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्यक् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"प्लॉट सं. 104, पहली मंजिल, सिम्फोनी-ए इमारत, प्लॉट नं. 344, प.स. नं. 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्मीवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम. सं. अई-2/37ईई/8815/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ;

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे कट देंगे)

Ref. No. AR-II/37EE/8815/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 104, 1st floor, SYMPHONY A, Plot No 344 of S. No. 41 (Pl.) Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Raju Diwakar Nair (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Development Corporation (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, SYMPHONY A, Plot No. 344 of S. No. 41 (pt) Four Bungalows, Versova Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8815/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई /8816/84-85 :—
अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लेट न. 302 जो 3री मंजिल प्राईस रोड इमारत प्लॉट न. 318 एस. एन. 41(अंश) 4 बंगलोज वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई-58. में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख

के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरको और अन्तरगत/अन्तरगतियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के लिये मूल्य में कमी करने या उससे इच्छते में सन्निध के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयदाता अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्निध के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनि—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी—मैसर्स लोखंडवाला (अन्तरक) प्रिमायमेस प्रायवेट लि ।
2. श्री/श्रीमती/कुमारी—श्री हजीतसिंह आनंद (अन्तरिणी) आर. श्री. हरविंदर सिंह आनंद
3. श्री/श्रीमती/कुमारी— — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी—मैसर्स ओशिवरानन्द डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. (वह व्यक्ती जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 302 जा 3री मंजिल प्राईम रोज़ इमारत प्लॉट नं. 318 एम नं. 41 (अण) 4 बंगलोज़ वर्सोवा अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची में जैसा की एम नं. अई 2/37ईई/8816/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर

(जी लागू न हा उसे काट दिजिये)

Ref No AR-II/37EE/8816/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000 - and bearing Flat No 302 3rd floor, Prime Rose, Versova, Andheri, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- 1 M/s Lokhandwala Premises Pvt Ltd
(Transferor)
- 2 Mr Harjeet Singh Anand & Mr Harvinder Singh Anand
(Transferee)
- 3 —
(Person in occupation of the property)

166 GI/85-5

- 4 M/s Oshiwara Land Dev Corp. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No 302, 3rd floor, Prime Rose, Plot No. 318 of S No 41(pt) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/8816/84-85, Dt 2-8-1984

Dated 1-4-1985

Seal

(Strike off where not applicable)

निर्देशन म अई 2/37-ईई/10284/84-85 —

अन मुझे लक्ष्मन दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु से अधिक है और जिसकी म गाला नं. 1 एन जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट विंग देसाई रोड अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक [को] अर अन्तरितो [यो] के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ती, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मत्विध के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स इंडिया इलेक्ट्रिक पोल्स मैनुफैक्चरींग (अन्तरक) कंपनी ।
2. श्रीमती अमीनाबेन फक्रुद्दीन सैफी । (अन्तरिती)
3. अन्तरकों
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जद के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“गाला नं. 1—एन जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट वीरा देसाई रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37 ईई/10284/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड कि या गया है ।

तारीख 1-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये ।

Ref. No. AR-II/37EE/10284/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (13 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 100,000]—and bearing Gala No. 1-N, Laxmi Indl. Estate, Vecra Desai Road, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. India Electric Poles Mfg. Co.
(Transferor)
2. Smt. Aminaben Fakruddin Saifee
(Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala No. 1-N, Laxmi Indl. Estate, Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10284/84-85, dt. 25-8-1984

Dated : 1-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई / 10276 / 84 -85:-
अतः मूले लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लेट नं. 603 जो 6वां मंजिल "मिनू मिनार" वीरा देसाई रोड निर्माणाधीन इमारत अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वसी करने या उससे बचने में गृहिणा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूदिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स मनु बिल्डर्स (अन्तरक)
2. श्रीमती शशिकला सी कोतवाल। (अन्तरिती)
3. —
- (वह व्यक्ति जिसके अधिक भोग में सम्पत्ति है)
4. —
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हस्तक्षेप है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लेट नं. 603 जो 6वीं मंजिल "मिनू मिनार" वीरा देसाई रोड निर्माणाधीन इमारत अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37 ईई / 10276/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10276/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 603, 6th floor, Minoo Minar, Veera Desai Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Minoo Builders (Transferor)
2. Mrs. Shashikala C Kotwal (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, MINOO MINAR, Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10276/84-85, dt. 25-8-1984

Dated : 1-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई- 2 / 37-ईई / 10407 / 84-85 :-

अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है" को धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. (दुकान नं. 28 ए, जो, ग्राउंड फ्लोर, रोशनलाल अगरवाल शॉपिंग आर्केड, प्लॉट नं. 49, 50, 65, 66 एस. नं. 41 (अंश), आफ जे. पी. रोड लाखं-

डवाला के पास, में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-8-1984 वसंवा, अंधेरी (प), बम्बई-58. को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिती(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. मैसर्स आर. एन. ए. विल्डर्स (अन्तरक)
2. श्री लक्ष्मणदास भार्गवा (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में (अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करवा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान न. 28A, जो, ग्राउंड फ्लोर, रोशनलाल अगारवाल शॉपिंग आर्केड, प्लॉट न. 49, 50, 56, 66, एम न. 41(अण), आफ जे पी रोड, लोखंडवाला के पास, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ?

अनुसूची जैसा कि क म आई-2/ 37ईई/ 10407/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10407/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Shop No. 28A, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Off J. P. Road, Near Lokhandwala, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R.N.A. Builders. (Transferor)
2. Mr. Lakmichand N. Bhargava (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 28A, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66, S. No. 41 (pt), Off J. P. Road, Near Lokhandwala, Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10407/84-85 on 28-8-1984.

Dated : 1st April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं आई / 2/37-ईई / 10405 / 84/85 —अन मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमसे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार, मूल्य 100,000 रु से अधिक है और जिसकी सं० (कमरा नं० 49, जो, 1 ली मंजिल, रोशनलाल अगारवाल शॉपिंग आर्केड प्लॉट न. 49, 50, 65, 66, एम. न. 41 (अण), आफ जे पी रोड, लोखंडवाला काम्पलेक्स के पास, वर्सोवा, में स्थित है) और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-8-1984 अंधेरी (प), बम्बई-58, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण

के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स आर. एन. ए. बिल्डर्स (अन्तरक)
2. श्री विष्नी एन. अदनानी (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“कमरा नं. 49, जो, 1ली मंजिल, रोशनलाल अगरवाल शापिकुआर्केड, लाट नं. 49, 50, 65, 66 एस. नं. 41 (अंश), आफ जे. पी., रोड, लोखंडवाला काम्प्लेक्स के पास, ब्रामोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है ।”

अनुसूची जैसा की क्रम. सं. आई-22/37 ईई 10406 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10405/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 49, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer : and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R.N.A. Builders (Transferor)
2. Mr. Vishni N. Adnani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

SCHEDULE

Room No. 49, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66, S. No. 41 (pt.) Off J.P. Road, Near Lokhandwala Complex, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10405/84-85, dt. 28-8-1984.

Dated : 1-4-1985

Seal :

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई 10108 / 84-85-
अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. (फ्लैट नं. 2 जो विंग-बी 4थी मंजिल श्री पद्मावती डेवहलोपर्स, प्लॉट 54, एस. नं. 41 (अंश), ओशिवरा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

1. मैसर्स श्री पद्मवती डेवहलोपर्स (अंतरक)
2. श्री राजकुमार योगराज आनंद (अंतरिती)

3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 2 जो विंग बी, 4थी मंजिल श्री पद्मावती डेवहलोपर्स, प्लॉट नं. 54, एस. नं. 41 (अंश), ओशिवरा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई / 2 / 37 ईई / 10108-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 20-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हों उसे काट दिया जाये)

Bombay, the 2nd April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10108/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Wing 'B', 4th Floor, Shree Padmavati Developers Plot No. 54, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Shree Padmavati Developers,
(Transferor)
2. Mr. Rajkumar Yograj Anand (Transferee)
3. ———
(Person in occupation of the property)
4. ———
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expire later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Wing 'B', 4th Floor, Shree Padmavati Developers, Plot No. 54 S. No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10108/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/10193/84-85 —अतः मझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी स प्रमायमें नं० टी-2 111 और 112, जॉ, 11वीं मजिल, मजीव टॉवर वेहराम बाग, अंधेरी-वर्मांडा, विलेज ओशिवरा, सर्वे नं० 41 (अण), बम्बई में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्र है, तारीख 18-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गयी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिनी (यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें रचने में मदद के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 मंजीव बिन्दरम प्राइवेट लि (अन्तरक)
- 2 शानीता गोपा (अन्तरिनी)

3

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'प्रिमायसेस नं. टी 52 111 और 112 जो 11 वीं मंजिल, मंजीव टावरम, बेहराम बाग, अंधेरी, वर्सोवा, ओशिवा विल्लेज सर्वे नं. 41 (अंश) निर्माणाधीन इमारत बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/10193/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10193|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Area TII-111 and 112 Sanjeev Towers, Bahram Baug, Andheri (West), Versova, Oshiwara Village, Survey No. 41 (Part), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

166 GI/85—6

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Sanjeev Builders Private Limited
(Transferor)
- Shanita Gocnka
(Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette, for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Area TII-111 and 112, Sanjeev Towers, Bahram Baug Andheri (West), Oshiwara Village, Versova Survey No. 41 (Part), Bombay-58.

The agreement has been registered Competent Authority, Bombay under AR-II|37EE|10193|84-85 dated 18-8-19

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/10171/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं० 704, जो, “बी” विंग, 7वां मंजिल, बेन्जर इमारत, प्लॉट नं० 9 और 9-ए, एस नं० 41 (अंश), ओशिवरा, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिनी/अन्तरिनीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमति/कुमारी :—मैसर्स रवीराज कन्स्ट्रक्शन्स (अन्तरक)

श्री/श्रीमति/कुमारी :—श्रीमति सावित्री जी. खट्टनहर।

(अन्तरिनी)

श्री/श्रीमति/कुमारी :—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमति/कुमारी :—

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए तयवाहियां शुरू करना हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 704, जो “बी” विंग, 7वीं मंजिल, बेन्जर इमारत, प्लॉट नं. 9 और 9-ए, एस. नं. 41 (अंश) ओशिवरा, वर्सोवा अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10171/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10171|84-85:—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 704, ‘B’ Wing, 7th Floor, Benzer Building, Plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (Part) Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Raviraj Construction (Transferor)
2. Mrs. Savitri G. Khattanhar (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Versova, Andheri (West), Bombay-400058.
Benzer Building, Plot No. 9 & 9A,
S. No. 41 (Part), Oshiwara,
Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10171/84-85 dated 18-8-1984..

Dated : 2nd April, 1985

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10005/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है की धारा 8 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 503, जी. 5वीं मंजिल, प्राईम रोड इमारत, प्लॉट नं. 318, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कगार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या क्रिमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स लोखड़वाला
प्रिमायसंस प्राईवेट लि० (अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—रामिया मुलाना शेरी (अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स ओशिवरा लैंड डेव्लोपमेंट कंपनी
(प्राईवेट) लि.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 503, जो, 5वीं मंजिल, प्राईम रोस इमारत, प्लॉट नं. 318, एस.नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/1005/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है :

तारीख 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/1005/4-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 503, 5th Floor, Prime Rose, Plot No. 318, Sl. No. 41 (Part), Four Bungalows Versova, (Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Limited
(Transferor)
2. Raiza Sultana Sheri
(Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 503, 5th Floor,
Prime Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part),
Four Bungalows, Versova, Andheri (West),
Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/1005/84-85 dated 14-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10251/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हममें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम,” कहा गया है की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 6-बी, जो, ग्राउंड फ्लोर, “ए” “पिक अपार्टमेंट्स”, 7 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरः/अंतरकों और अंतर्-रिती/अंतरनियो के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से दथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैमर्स वर्धन इस्टेट प्रायवेट लि.।

(अन्तरः)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्रीमती, साराबाई वालीमोहमद चुनावाला
(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रयोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं. 6-बी, जो, ग्राउंड फ्लोअर, “ए” “पिंक अपार्टमेंट्स”, 7 बंगलाव, अंधेरी (प), वर्सावा, बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10251/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे वाट रोजिए)

Ref. No. AR-II/37EE./10251/84-85:—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 6B, Ground Floor ‘A’ Pink Apartments, Seven Bungalows Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Vardhan Estate Pvt. Ltd.
(Transferee)
2. Mrs. Sarabai Valimohd Choonawala
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 6B Ground Floor 'A'
Pink Apartments, Seven Bungalows, Andheri (West),
Versova, Bombay—400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10251/84-85 dated 24-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/10277/84-85.—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी न. फ्लेट न. 602 जो 6वीं मंजिल “मिन् मिनार”, बीरा देसाई रोड निर्माणाधीन इमारत अंधेरी (प) बम्बई 58. में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक वं दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए :

अतः, उक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स मिन् बिल्डर्स। (अन्तरक)
2. श्रीमती, शानिकला सो. कोतवाल। (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लेट न. 602 जो 6 वीं मंजिल “मिन् मिनार” बीरा देसाई रोड (निर्माणाधीन इमारत), बम्बई अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37-ईई/10277/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10277/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 602, 6th floor, MINOO MINAR, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Minoo Builders (Transferor)
- Mrs. Shashikala C. Kotwal (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 602, 6th floor, MINOO MINER, Veera Desai Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10277/84-85 on 25-8-1984.

Date : 2-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई-2/37/ईई/10281/84-85.—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 501 जो, 5 वीं मंजिल, "बी" विंग, बो-इमारत अपार्टमेंट, इ. एस. आर. सी. नगर के पीछे 4 बंगलोज वर्सोवा बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों बर्थात् :—

- मैमर्स ओमप्रकाश एण्ड कंपनी। (अन्तरक)
- श्री किरण रामसे। (अन्तरिनी)
- अन्तरकों।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. डा. बोमसी वाडिया।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 501 जो, 5 वीं मंजिल, “बी” विंग “बी” इमारत अभिशेक अपार्टमेंट, इ. एस. आय. सी. नगर के पिछे, 4 बंगलो, वर्सोवा, अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10281/84-85 और जो महसूम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10281/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 501, 5th floor, B Wing, B Building, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bungalows, Versova, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s. Omprakash & Co. (Transferor)
- Mr. Kiran Ramsay (Transferee)
- M/s. Omprakash & Co. (Person in occupation of the property)
- Mr. Bomsi Wadia (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Fiat No. 501, 5th floor, B Wing, B Building, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bungalows, Versova Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10281/84-85, dated 25-8-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

‘Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई-2/37ईई/10178/84-85—अन. मं. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे उपरोक्त उपरोक्त पञ्चायत, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधिनियम प्रविष्टि की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति, जिसमें उचित बाजार मूल्य 100000/- रु में अधिनियम है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 102, जो, 1 वीं मंजिल, "बी" विंग, निर्माणाधीन इमारत, अभिशेक अपार्टमेंट, इ. एस. आय सी. नगर के पीछे, 4 बंगलों, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका नगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधिनियम, लक्ष्मण दास की आयकर अधिनियम, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उपरोक्त दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिका है और अंतरण(को) और अंतरिणी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दक्षते से मन्विधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मन्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधिनियम निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनियम—

1. सैमर्स ऑसप्र एण्ड कंपनी। (अन्तरक)
2. श्रीमती. भाटीया आशा राम। (अन्तरिणी)
3. अन्तरको। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. डा. बीमाई दाडिया। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं., 102, जो, 1 वीं मंजिल, "बी" विंग, निर्माणाधीन इमारत, अभिशेक अपार्टमेंट, इ. एस. आय सी नगर के पीछे, 4 बंगलों, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई-10178/84-85 और जो लक्ष्मण दास की, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10178/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 102, 1st Floor, 'B' Wing, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bunglows, Versova, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. M/s. Omprakash & Co. (Transferor)
2. Mrs. Bhatia Asha Ram (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor, 'B' Wing, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bunglows, Versova, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10178/84-85 dated 18-8-1984.

Date : 2-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable.

सिद्धेश में आई-2/37ईई/10094/84-85.—अन : मूजे लक्ष्मणदास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) /जिने इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया (है की धारा 269घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु० से अधिक है और जिसकी में फ्लैट नं० 102, जो, 10 वीं मंजिल, संजू टावर, रोजन-लाल अगरवाल कॉम्प्लेक्स, मर्चें नं० 41 (अंश), ओशविरा, अंधरी

(ग) बम्बई-58 में स्थित है। फिर इसमें उक्त उद्देश्य अनुसूची में आरपूर नहीं वर्णित है), और जिसका बाजार मूल्य आयकर अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत, मध्यम प्राधिकारी को वास्तविक, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इनके दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि पक्षपूर्वक सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक और आमतौर पर) आरपूरगिरी (यो) के बीच ऐसे आरपूर के लिए पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त आरपूर सिद्धि का बाजार मूल्य में अधिक नहीं पाया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उसमें बचने से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. मैसर्स आर. एन. ए. बिल्डर्स (अन्तरण)
2. श्री मोगब पो वेमुना और श्रीमती (अन्तरिक्षी)
हिलना पो वेमुना
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोक्ष से सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके दार में ज्योह्मनाक्षरी जानता है, कि यह सम्पत्ति से हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अधिक हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के संदर्भित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 102, जो 10वीं मंजिल, मंजु टावर, रौशनलाल अग्रवाल कॉम्प्लेक्स, सर्वे नं. 41 (अण), आंधरी, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची अर्थात् क्रम सं. आई-2/37 ईई/10094/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट देंगे)

Ref. No. AR-II/37EE/10094/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 102, 10th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Survey No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R. N. A. Builders, (Transferor)
2. Shri Sorab P. Vesuna and
Mrs. Hilla P. Vesuna (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, 10th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Survey No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10094/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/10065/84-85 - अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "इस अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अंतर्गत मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, "जर्जियन" इमारत, 7 बंगला, बसोवा, अंधेरी, बम्बई में स्थित है (और हमने उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अंतर्गत मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 17-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गयी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर (को) और अंतर (को) के बीच ऐसा अंतरण ने तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित से वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है --

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत क दायित्व या करी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ग) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहेगा था, विलोपन में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वये, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थित अर्थात् :—

1. मैसर्स सी ब्रेज एस्टेट्स प्राइवेट लि० (अन्तर-)
2. श्री मधुसूदन डी यादव (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
1. — (वह व्यक्ति जिसके द्वारा से अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 2, जो, ग्राउंड फ्लोअर, “ओनियानिल” इमारत 7 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स अई-2/37 ईई/10065/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख . 2/4/1985

मोहर .

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10065/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 2, Ground Floor, Oceanic I, Seven Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Sea Breeze Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Madhusudan D. Yadav (Transferee)
3. —Do— (Person in occupation of the property)
4. —Do— (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Oceanic-I, Seven Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10065/84-85 dated 17-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/10101/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले पञ्चायत, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 31, जो, 3री मंजिल, ओम निकेतन, 314, पालीराम रोड अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका पञ्चायत-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अंतर्गती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें कटौती में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. ओम बिन्दुस प्रोपर्टी लि.। (अन्तरक)
2. श्रीमति, कोशल्यादेवी भारती, और श्री. रामकुमार रतनलाल (एच. यू. एफ) (अन्तरगती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अर्थात्-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 31, जो, 3री मंजिल, ओम निकेतन 314, पालीराम रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जै. ए. ए. क्र. सं. आई-2/37ईई/10101/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख. 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10101/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 31, 3rd Floor, OM NIKETAN, 314, Paliram Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Om Builders Pvt. Ltd., (Transferor)
2. Smt. Kaushlyadevi Bharatia,
Shri Ramkumar Ratanlal (H.U.F.) (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd Floor, OM NIKETAN, 314, Paliram Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10101/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/101222/84-85.—अन मुझे, दृष्टगण दाग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269क के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. ए-305, जो, जिला अपार्टमेंट्स गुलमोहर गार्डन के सामने वाली रोड, बसोवा, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका प्रारम्भिक आयकर अधिनियम की धारा 269 क के अधीन, दृष्टगण प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य उस के दृष्टमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पट्टन प्रतिफल में अधिक है और अन्तरण (को) और अन्तरिती (या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दिये नहीं गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269क के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269क की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स अनीता इंटर्प्रायजेस । (अन्तरण)

2. श्रीमती राजू मोहनदास शामदामानी (अन्तरिती)

और श्री मोहनदास लालचंद शामदामानी

3. —

(यह व्यक्ति, जिस जिन्हे अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(यह व्यक्ति, जिन्हे दाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. ए-305, जो जिला अपार्टमेंट्स, गुलमोहर गार्डन के सामने, वाली रोड, बसोवा, बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क.म. आई-2/37 ई ई/10122/84-85 और जो सभम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे वाट रॉफ़)

Ref. No. AR-II/37EE/10122/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. A-305, Lila Apartments Opposite Gulmohar Garden, Yari Road, Versova, Bombay-400061 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Anita Enterprises (Transferor)
2. Mrs. Raju Mohandas Shamdasani & Mr. Mohandas Lalchand Shamdasani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-305, Lila Apartments, Opposite Gulmohar Garden, Yari Road, Versova, Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10122/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं आई-2/37 ई ई/10170/84-85. - जहाँ मैंने लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इकाई के पञ्चान "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह निश्चित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु में अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं 201, जो 2 रा मजि, "मिटेज" फ्लैट नं 27, एस न 41(अ) 1 बंगला, ओशिवरा, अंधेरा (पं) बम्बई, में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका अंगरामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में दाम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मैंने यह निश्चित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और और/अथवा और अन्तर्गति/अन्तरिनियो के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् -

श्री/श्रीमती/कुमारी- मैमर्स रवीशंकर गणेश (अन्तर्गत)

श्री/श्रीमती/कुमारी - जयि जनदाम

वनशानी

(अन्तरितो)

श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्सा-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 201, जो 2 रो संजिव, "सिटीजन," प्लॉट नं. 27, ए. नं. 41 (अण), 4 बंगलोज, ओशिवरा, अंधेरी (पं) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्रम संख्या आर-2/37 ईई/10170/84-85 और जो सक्षम प्राधिका, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर

(जो लागू नहीं होता उसे वाट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10170/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, 'CITIZEN' Plot No. 27, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Raviraj Corporation (Transferor)
2. Mr. Jaikishandas P. Ghanshani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, 'CITIZEN' Plot No. 27, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10170/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. आई-2/37-ईई/10192/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्रमाणपत्र नं. टी-2-113 और 114 जो 11वीं मंजिल संजोव टावर, बेहराम बाग, अंधेरी-वर्मावा, ओशिवरा विल्हेज, निर्माणाधीन इमारत सर्वे नं. 41 (अंश), बम्बई में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तर्गती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किन्हीं धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्ग में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 के अधीन (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. संजोव विन्डर्स प्राइवेट लि. (अन्तरक)
2. सुनीता गोपाका (अन्तरितों)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गती

“प्रमाणपत्र नं. टी-2-113 और 114, जो 11 वीं मंजिल संजोव टावर, बेहराम बाग, अंधेरी-वर्मावा, ओशिवरा विल्हेज, सर्वे नं. 41 (अंश), निर्माणाधीन इमारत, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र.स. आई-2/37-ईई/10192/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-11/37EE/10192/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Area T II-113 and 114 Sanjeev Towers, Behram Baug, Versova, Oshiwara Village, Survey No. 41 (Part), Andheri (W) Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Sanjeev Builders Private Limited
(Transferor)
2. Sunita Goenka
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Area T II-113 and 114 Sanjeev Towers, Behram Baug, Andheri (West), Oshiwara Village, Versova, Survey No. 41 (Part), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10192/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10004/84-85:— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269D के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 507, जो, 5वीं मंजिल, मोन्टाना ए-इमारत प्लॉट नं. 4, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज वर्मीवा अंधेरी (प) बम्बई-58, में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अंतरको और अंतरित/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में तात्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की ह्रास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269D के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269D की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमति/कुमारी:— मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस (अन्तरक) प्राइवेट लि. ।

श्री/श्रीमति/कुमारी:— कुमारी अनिता मालानी । (अन्तरिती)

श्री/श्रीमति/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमति/कुमारी:— मैसर्स ओगिवरा लंड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 507 जो 5वीं मंजिल मोन्टाना-ए इमारत प्लॉट नं. 4 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज वर्मीवा अंधेरी (प.) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अ ई-2/37ईई/10004/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसकाट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10004/84-85.—Whereas, I Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 507, 5th Floor, Building Montana-A., Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises

Private Limited (Transferor)

2. Miss Anita Malani (Transferee)

3. -Do-

(Person in occupation of the property)

4. -Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 507, 5th Floor, Montana-A, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10004/84-85 dated 14-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अ ई-2/37ईई/10258/84-85:— अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है की धारा 9 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 103-104, जो 1वीं मंजिल रोडरी पार्क ब्यू को-आप, हाउसिंग सोसाइटी लि. "कृष्ण अपार्टमेंट" निर्माणाधीन इमारत प्लॉट नं. 1 बांग देमाई रोड, अधेरी (प.) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि 9 में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमति/कुमारी मंसूर ठक्कर एण्ड कारवा एसोसिएट्स
(अन्तरक)

श्री/श्रीमति/कुमारी डा. पी.सा. अन्थोनी। (अन्तरित)

श्री/श्रीमति/कुमारी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमति/कुमारी

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

फ्लैट नं. 103-104 जो 1 लॉ नंजिल रोडरी पार्क व्यू को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि. "कूश अपार्टमेंट निर्माणाधीन इमारत प्लॉट नं. 100-1 वीरा देसाई रोड अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अ ई-2/37ईई/10258/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2-4-1985

मोहर ;

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10258/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 103-104, Rotary Park View Co-operative Housing Society Limited, Kush

Apartment, Plot No. Q1, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Thakkar & Karwa Associates
(Transferor)
2. Dr. P. C. Anthony
(Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103-104, Rotary Park View Co-op. Housing Society Limited, Kush Apartment, Plot No. Q1, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10258/84-85 dated 24-8-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अ ई-2/37 ई ई/10068/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु० से अधिक है है और जिसकी सं. फ्लैट न० 602, जो, 6वीं मंजिल "कन्वेरा" इमारत जय प्रकाश रोड, बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (का) और अंतरितों (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. मैसर्स देव कारपोरेशन । (अन्तरक)
2. श्री. इंदरजीत दारीया । (अन्तरित)
3. (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट न० 602, जो, 6वीं मंजिल, कन्वेरा इमारत जयप्रकाश रोड, बम्बई, अंधेरी, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं. अ ई-2/37ईई/10068/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख:— 2-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10068/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 602, Canvea, Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Dev Corporation (Transferor)
2. Mr. Inderjit Dariya (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 602, Canvera, Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10068/84-85 dated 17th-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं० अ ई-2/37 ईई/10006/84-85:—अन: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 703, जो, 7वीं मंजिल, हरमती ए-इमारत, प्लॉट नं. 343, एम. नं. 41 (अंश), 4 बगलोज, वसोबा अंधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधिनियम व सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरको और अन्तरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-क अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी मेसर्स जोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि. ।
—(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी श्री. ए. आर. एस. चाबला ।
—(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी
(वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी मेसर्स ओशिवरा लैन्ड
डेव्हलोपमेंट कंपनी (प्राइवेट)
लि. ।

(वह व्यक्ति, जिस
के बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 703, जो, 7वीं मंजिल, हरमनी-ए इमारत,
प्लॉट नं. 343, एस. नं. 41(अंश), 4 बंग-
लोज, वर्सोवा अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10006/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/10006/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 703, 7th floor, Harmony-A, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Limited
(Transferor)
2. Mr. A. R. S. Chawla (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, Harmony-A, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/100006/84-85 dated 14-8-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10203/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 501, जो, 5वीं मंजिल, "बी" विंग, निर्माणार्थीन इमारत, बी-इमारत, अभिषेक अपार्टमेंट, एस. आई. सी. नगर के पीछे, 4 बंगलोज वर्सोवा, बम्बई में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरक/अंतरकों और अन्तरित अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आयियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ड्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मद्दिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी.—मेसर्स 'ओमप्रकाश एण्ड कंपनी (अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी.—सुशिला वामवानी और कमलेश ए. वामवानी । (अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी.—अन्तरकों । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है।)

श्री/श्रीमती/कुमारी —डा. बीमसी वाडिया । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 501, जो, 5 वीं मंजिल, “बी” विंग, निर्माणाधीन इमारत, “बी” इमारत, अभिषेक अपार्टमेंट, इ. एम. आई. सी. के नगर के पीछे, 4 बंगलोज, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची, जैसाकि फ.सं. आई-2/37ईई/10203 / 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10203/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 501, 5th floor, ‘B’ Wing, ‘B’ Building, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bungalows, Versova, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Omprakash & Co (Transferor)
2. Miss Sushilla Vaswani and Kamlesh S. Vaswani (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, 'B' Wing, 'B' Building, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bunglows, Versova, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10203/84-85 dated 18-8-1984.
Date : 2-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10095/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 84, जो, 8वीं मंजिल, मंजु टॉवर, रोशनलाल अगरवाल कॉम्प्लेक्स, सर्वे नं. 41 (अंश), ओशिवरा, अंधेरी (घ), अपनाघर के पास, बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आर्वातयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स आर. एन. ए. विल्डर्स । (अन्तरक)

2. दिवाकर ललित बाग । (अन्तरिती)

3.—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. जो, 84 जो, 8वीं मंजिल, मंजु टॉवर, रोशनलाल अगरवाल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं. में सर्वे नं., 41 (अंश), ओशिवरा, अंधेरी (घ), बम्बई-58 स्थित है । (अपना घर के पास)

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10095/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10095/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 84 8th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Plot No. Survey No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R. N. A. Builders (Transferor)
2. Shri Dibakar Lalit Bag (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 84, 8th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Plot No. Survey No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10095/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10064/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हममें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा" गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 701 जो 7वीं मंजिल "बी" विंग सी शिल्प, 7 बंगलोज, बसोवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिनी/अंतरिनीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्योजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स चेतन डेवलेपमेंट्स । (अन्तरक)
2. श्री टानीआर्थर वाझ और श्रीमती रिटा एफ. वाझ
(अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी.— —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी.— —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

'फ्लैट नं. 701' जो 7वीं मंजिल, "बी" विंग, सी शिल, 7 बंगलो, वसोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10064/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10064/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 701, 7th Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Bungalow, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Chetan Developments (Transferor)
2. Mr. Tony Arthur Uaz, Mrs. Rita Felicia Vaz (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 701, 7th Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10064/84-85 dated 17-8-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10063/84-85.—अतः, मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 702 जो 7वीं मंजिल "बी" विंग, सी शैल, 7 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मैसर्स चेतन डेवलपमेंट्स । (अन्तरक)

श्री टॉनी आर्थर वाम्न, और श्रीमती रिटा एफ. वाम्न ।
(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :— * —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :— —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 702, जो, 7वीं मंजिल, "बी" विंग, सी शैल 7 बंगलो, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10063/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10063/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 702, 7th Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Chetan Developments (Transferor)
2. Mr. Tony Arthur Vaz, Mrs. Rita Felicia Vaz (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 702, 7th Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/1063/84-85, dated 17-8-1984.

Date : 2-4-1985

SEAL

(*Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9071/84-85 --तअ: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. में अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 503/504, जो, 5वीं मंजिल, मंगम टॉवर्स इमारत, प्लॉट सं. 357, एन. नं. (अंश), 4 बंगलो ज. वर्मावा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्नरित (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में दामाविक रूप से दर्पित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्नरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट कंपनी लि. (अन्तरक)
2. अशोक यशवंत दिवेकर (अन्नरित)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. मैसर्स ओजिवरा लैन्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 503/504, जो, 5वीं मंजिल, मैग्नुम टावर इमारत, प्लॉट नं. 357, एम नं. 41 (अंश), 4 बंगलो, वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9071/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे हटा दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9071/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 503/504, 5th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Lokhandwala Estates & Development Company Private Limited (Transferor)
- Ashok Yashwant Divekar (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- M/s. Oshiwara Land Development Corporation Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 503/504, 5th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9071/84-85 dated 9-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9795/84-85.—अन., मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 3, जो, चौथी मंजिल, "ए. विंग, माता महल", प्लॉट नं. 53, श्री स्वामी समर्थ प्रवृत्त सोसाइटी, और जे. पी. रोड, 4 बंगलो, वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,

तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दयापूर्वक सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिगत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिनी(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मद्दिधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मद्दिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स डागता इस्टेट्स प्राइवेट लि. । (अन्तरक)
2. श्री प्रशांत आर. भाटीया और श्रीमती हिना आर. भाटीया ।] (अन्तरिनी)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 3, जो, 4थी मंजिल, “ए” विंग, “मोता महल”, प्लॉट नं. 53, की स्वामी समर्थ प्रसन्न सोसाइटी, ऑफ जे. पी. रोड, 4 बंगलाज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37/ईई/9795/8 4-8 5 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/198 4 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2/4/1985

मोहर :

*(जो लागू न हों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9795/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 3, 4th floor, A Wing of Mota Mahal, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Dina Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Prashant R. Bhatia & Mrs. Hina P. Bhatia (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3 on 4th floor, A Wing of 'Mota Mahal' Plot No. 53, Shri Swami Sammartha Prasanna Socy., Off J. P. Road, Four Bungalow, Versova, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9795/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9089/84-85.—अन मुझे, लक्ष्मण दास, आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पञ्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्यादा सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिः है और जिसकी स फ्लैट नं. 203, जो, सुपन इमारत, सी. टी. एन. नं. 1206, गाने रोड, वर्माडा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयाकर अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में उस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिफल के अधिः है और अंतर (कों) और अन्तर (गों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में आमादिः रूप में व्यक्त नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-पत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीनः—

1. मैगर्स हिनेश एन्स्ट्रुक्शन कंपनी (अन्तरित)

2. मधु जराणिन सचनंदानी, और श्रीजीबाई लोकनर सचनंदानी । (अन्तरित)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पयोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया गया है ।

अभ्युची

फ्लैट नं. 203, जो, सुपन इमारत, सी. टी. एन. नं. 1206, गाने रोड, वर्माडा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैत नि. क्र. सं. अई-2/37ईई/9089/84-85 और जो लक्ष्मण प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

तारीख 2/4/1985

गोहर ।

* (जो लागू हो उसे लागू दोजिये)

Ret No AR-II/37EE/9089/84-85 -Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'Said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 203, Suman Building C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri(W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- 1 M/s Hitesh Construction Co. (Transferor)
2. Madhu Jaikishan Sachanandani & Bhojibai Lokumal Sachanandani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203, Suman Building, C.T.S., No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9089/84-85 dated 9-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन म. अर्द्ध-2/37ईई/9753/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 302 जो 3री मंजिल, डी-इमारत सुंदर पार्क आफ वीरा देसाई रोड अंधेरी (पू.) बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपबद्ध अनुमूर्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख-10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के विषये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें कटने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्य या अन्य आम्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग क अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स सुंदर कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (अन्तरक)
2. श्रीमति वर्षा गणेशन। (अन्तरित)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करदा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 302, जो, 3री मजिल, "डी" इमारत, सुंदर पार्क, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9753/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख . 2/4/1985

मोहर .

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9753/84-85—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, D Building, Sunder Park, Off Veera Desai Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

transferee for the purposes of the Indian or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Sunder Construction Co. (Transferor)
2. Mrs. Varsha Ganeshan (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor, D Building, Sunder Park, Off Veera Desai Road, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9753/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन स. अई-2/37ईई/9793/84-85—अन. मृजे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. में अधिक है और जिसकी स. फ्लैट न. 1002, 10वीं मंजिल मंगम टावरम इमारत प्लॉट नं. 357 एम. नं. 41 (अण) 4 बंगलाज वर्सावा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मृजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल में अधिक है और अंतरक/अंतरको और अंतर्गती/अंतर्गतियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दूधने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थात् —

श्री/श्रीमति/कुमारी — मैसर्स लोखंडवाला इन्स्टीट्यूट लण्ड इन्व्हालपमेंट कंपनी प्राइवेट लि.। (अन्तरक)

श्री/श्रीमति/कुमारी — मास्टर होमायफा माणव लोखंडवाला और मास्टर शोहजाद खोरख लोखंडवाला। (अन्तर्गती)

श्री/श्रीमति/कुमारी —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमति/कुमारी — मैसर्स ओशिवरा लण्ड उन्व्हालपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानते हैं कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1002, जो, 10 वीं मंजिल मंगम टावरम इमारत प्लॉट नं. 757 एम. नं. 41 (अण) 4 बंगलाज वर्सावा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. स. अई-2/37ईई/9793/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख . 2-4-1985

मोहर .

(आ लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9793/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1002, 10th floor, Magnum Towers, Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Estates & Development Company P. Ltd. (Transferor)
2. Master Hozaifa Zueb Lokhandwala & Master Shehzaad Zueb Lokhandwala (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1002 on 10th floor, Magnum Towers, Plot No. 357 of S. No. 41 (pt) Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9793|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9792/84-85— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास

करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं० 404 जो 4थी मंजिल प्राईम रोज इमारत प्लॉट नं० 318, एमन. 41 (अंश), 4 बंगलाज दरवाजा अंधेरी (प०) बम्बई 58 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य मान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिफल से अधिक है और अन्तर्गत/अन्तरगत और अन्तर्गत/अन्तर्गतियों के बीच ऐसे अन्तर्गत के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व से छुटी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमति/कुमारी — मैसर्स लोखंडवाला प्रिन्सिपल्स प्राइवेट लि०। (अन्तर्गत)

श्री/श्रीमति/कुमारी — श्री. शोएब एफ० लोखंडवाला श्री मोहम्मिन एफ० लोखंडवाला, श्री हशीम एफ० लोखंडवाला श्री शागत एफ० लोखंडवाला और श्री अमीरुद्दीन एफ० लोखंडवाला अन्तर्गति

श्री/श्रीमति/कुमारी — मैसर्स फ़क़ूद्दीन इब्राहिमजो एंड कंपनी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमति/कुमारी — मैसर्स ओशिवरा लैण्ड डेव्हलपमेंट (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 40 दिनों के भीतर उक्त संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हस्ताक्षरों से किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 404 जो, 4 थी मंजिल प्राइम रोज इमारत प्लॉट जो, नं. 318 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज वर्सोवा अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

प्रतिसूचा जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/9792/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/84 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985

माहुर :

(जा लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9792/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 404, 4th floor, Prime Rose Bldg. Versova, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s Lokhandwala Premises Private Ltd.
(Transferor)
2. Mr. Zoheb F. Lokhandwala, Mr. Mohisin F. Lokhandwala, Mr. Hashim F. Lokhandwala, Mr. Shhagat P. Lokhandwala & Mr. Amiruddin F. Lokhandwala
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Prime Rose bldg., Plot No. 318 of S. No. 41(Pt) Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9792/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal ;

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9788/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 104, जो, 1 थी मंजिल सिम्कोनी-डी इमारत प्लॉट नं. 344, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज वर्सोवा, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स लाखडवाला

प्रिमायर्स प्राइवेट लि. (अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्री पंकज सुमन

देसाई। (अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मैसर्स आंशिवरा एण्ड

डेव्हलोपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता

है (वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 104, जो, 1 वीं मंजिल, सिम्फोनी-बी इमारत, प्लॉट नं. 344, एम नं. 41 (अश) 4 बंगलाज वर्सावा अधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9788/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985.

माहुर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9788/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 104, 1st floor, Symphony-B Bldg., Versova, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises P. Ltd.
(Transferor)
2. Pankaj Suman Desai
(Transferee)
3.
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Symphony B Bldg., Plot No. 344 of S. No. 41(pt), Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9788/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9785/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा" गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 104, जो, अंजली, प्लॉट नं. 2, एम. नं. 121, 7 बंगलोज, वर्सोवा व्हिलेज, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शब्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी भन या अन्य आम्सियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. बॉम्बे हाउसिंग कॉर्पोरेशन (अन्तरक)
2. श्रीमती रुखमाना सैयद रियास काद्री (अंतरिनी)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किंगी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 104 जो, अंजली, प्लॉट नं. 2, एम. नं. 121, 7 बंगलोज, व्हिलेज वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9785/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर:

.(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/3/EF/9785/84-85 —Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 104, Anjali Building, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Bombay Housing Corporation (Transferor)
2. Mrs. Rukhsana Sayed Riyaz Kudri (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Village, Andheri West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9785/84-85 dated 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9786/84-85—अतः मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 226, जो, अंजली प्लॉट नं. 2, प्लॉ. नं. 121, 7 बंगलोज वर्सोवा विलेज, अंधेरी (प), दम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, दम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने का अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोज्य अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थानों में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. वॉम्बे हाउसिंग कॉर्पोरेशन (अन्तरक)
2. कुमारी फ्रेनी बी. कोलाह (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्मचारीयां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 226, जो, अंजली, प्लॉट नं. 2, एस. नं. 121, 7 बंगलाज, वर्सोवा विल्हेज, अंधेरी (प), बम्बई 61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9786/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/841985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2/4/1985

मोहर:

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9786/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 226, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is 166 GI/85—11

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Bombay Housing Corporation (Transferor)
2. Miss Freny B Kolah (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 226, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9786/84-85, dated 10-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई- 2/37ईई/10383-84-85 अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम," कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1401 जो 14 वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स प्लॉट नं. 351 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारास्तामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (की) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मेसर्स लोखंड वाला इस्टेट्स अण्ड (अन्तरक) डेव्हलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. ।
2. मेसर्स ट्रको इन्टरप्राइजेस । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(रु) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1401 जो 14 वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स प्लॉट नं. 351 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज वर्सोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है । अनुसूची जैसा की सं. आई-22/37ईई/10383/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख :- 2-4-1985

मोहरः

(जो) लागू न हो उसे काट दीजिये

Ref. No. AR-II/37EE/10383/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1401, 14th Floor, Premium Towers, Plot No. 351 S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. M/s. Lokhandwala Estates & Develop. Co. (P), Ltd. (Transferor)
2. M/s. Traco Enterprises, (Transferee)
3. -Do- (Person in occupation of the property)
4. -Do- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1401, 14th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400053.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10383/84-85, dated 27-8-1984.
Dated : 2nd April, 1985.
SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई 10384 84-85 अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1401 जो. 14 वी मंजिल इमारत प्रियथिम टॉवर्स प्लॉट नं. 351 एम० नं. 41 अंश 4 बंगलोज वर्मोवा अंधेरी (प) बम्बई-58, में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-8-3984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य से उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल। निम्नलिखित अद्वैत से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप, से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड (अन्तरक) डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.।
2. मेसर्स इस्टर्न फायनेंस कॉर्पोरेशन (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1402, जो, 14 वी मंजिल इमारत प्रिय-
यम टावर्स प्लॉट नं. 351 एम. नं. 41 (अण),
4 बंगलोज वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा की क्र.म.अई-2/37ईई/10384/ 8-4-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
27/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10384/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1402, 14th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandawala Estates & Develop. Co. (P) Ltd. (Transferor)
2. M/s. Eastern Finance Corporation (Transferee)
3. -Do- (Person in occupation of the property)
4. -Do- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1402, 14th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10384/84-85, dated 27-8-1984.

Dated : 2nd April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देशन सं अई-2/37-ईई/10379/84-85 अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. से अधिक है और जिसकी स. युनिट नं. 4 क्यू, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतर्गति(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वारताविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी अंग या किसी धन या अन्य आस्ति्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों अधीन —

1. मैसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट । (अन्तरक)
2. मैसर्स सोनियाशाम्स—वर्क । (अन्तर्गति)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

युनिट नं. 4 ब्लू जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन अंधेरी (प) बम्बई 58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई/10379/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 2/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/10379/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 4/Q, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extension, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Laxmi Industrial Estate (Transferor)
2. M/s. Soniashams—Werke (Transferee)
- 3.
- (Person in occupation of the property)
- 4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 4/Q, Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10379/84-85 dated 27-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37ईई/9087/84-85- अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. गाला नं. 3-एन., जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्वह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (का) और अंतरिती (याँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए, नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स हामी इंडस्ट्रीज (अन्तरक)
2. श्रीमती, रमा हरेश धूत (अन्तरिती)
3. अन्तरको —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4. —————

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"गाला नं. 3-एन., जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/9087/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref No. AR-II/37EE/9087/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 3N, Laxmi Indl. Estate, Veera Desai Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hami Industries (Transferor)
2. Smt. Rama Harsh Dhoot (Transferee)
3. M/s. Hami Industries
(Person in occupation of the property),
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala No. 3-N, Laxmi Industrial Estate, Vcera Dcsai Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/37EE/9087/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9091/84-85 ---अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 103, जो, सुमन इमारत सी.टी. एम. न. 1206, यारी रोड, बसोबा, अंधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सैमर हितेश कन्स्ट्रक्शन कंपनी । (अन्तरक)
2. श्री बी. जगदीश प्रसाद घुगार । (अन्तरिती)
3. _____
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. _____

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है. की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(रु) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबुल किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 103, जो, सुमन इमारत, सी. टी. एस. नं. 1206, यारी रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9091/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9091/84-85.—Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, Suman Bldg., Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hitesh Construction Co. (Transferor)
2. Mr. B. Jagdish Prasad Ghuraboo
(Transferee)
3.
(Person in occupation of the property)
4.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103, Suman Building, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9091/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9070/84-85 :—अतः सुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ग के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और और जिसकी सं. फ्लैट नं. 703, जो, 7 वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 351, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधिन, सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोखंडवाला एस्टेट्स अण्ड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.। (अन्तरक)

2. कप्टन केल्नेथ खान और श्रीमती, दिलारों खान। (अन्तरिती)

3. ————— (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मैसर्स ओशिवरा लैन्ड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अनुच्छेद में दिया गया है।

अनुसूची

"प्लॉट नं. 703, जो, 7वीं मंजिल, प्रीमियम टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 351, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37 ईई/9070/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर

*(जो लागू न हो उसे का दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9070/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 703, 7th floor, Premium Towers, Four Bungalow, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd. (Transferor)
2. Capt. Kenneth Khan & Mrs. Dilara Khan (Transferee).
3. (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, Premium Towers, Plot No. 351 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9070/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/9092/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है की धारा 269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 102, जो. मुमन इमारत, सी. टी. एस. नं. 1206, पारी रोड, वर्मावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (कों) और अंतरिणी (गों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत क दायित्व से कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स हिल्डिग कन्स्ट्रक्शन कंपनी (अन्तरक)
2. श्री कृष्णा नंद मिश्र (अन्तरिणी)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तन्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अंतर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में, परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 102, जो मुमन इमारत, सी. टी. एस. नं. 1206, पारी रोड, वर्मावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. ग. आई-2/37 ईई/9092/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक-9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर .

* जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

Ref. No. AR-II/37EE/9092/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 102, Suman Building C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hitesh Construction Co., (Transferor)
2. Mr. Krishna Nand Singh (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, Suman Building, C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9092/84-85 dated 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :
(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/9787/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1-ग, जो, अंजली, प्लॉट नं. 2, एस. नं. 121, 7 बंगलोज, वर्सोवा व्हिलेज, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उप धारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. बाम्ब्रे हाउसिंग कॉर्पोरेशन । (अन्तरक)
2. श्री. श्याम मेहता । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1-ए, जो, अंजली, प्लॉट नं. 2, एस नं. 121, 7 बंगलोज, वर्सोवा व्हिलेज, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9787/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985

मोहर ;

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9787/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1-A Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova Village, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Bombay Housing Corporation (Transferor)
2. Mr. Shyam Mehta (Transferee)
3. (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1-A Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9787/84-85 dated 10-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/9794/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2 जो 3री मंजिल, बी-विंग, “मोता महल”, प्लॉट नं. 53, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को-आप सोसाइटी लि. 4 बंगलोज के पास आफ जे. पी. रोड वसोंवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स डायना इस्टेट्स प्रायवेट लि. (अन्तरक)

2. श्री. सतिष अच्युत किणी। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिस बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्वय

फ्लैट नं. 2, जो 3री मंजिल, बी-विंग, “मोता महल”, प्लॉट नं. 53, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को-आप सोसाइटी लि. 4 बंगलोज के पास, आफ जे.पी. रोड, वसोंवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9794/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9794/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 2, 3rd floor in B Wing, Mota Mahal, Shri Swami Samarth Prasanna CSL, Near Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Scheme annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Dina Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. Satish Achyut Kini (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd floor in B Wing of 'MOTA MAHAL'
Plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna CSL,
Near Four Bungalows, Off J.P. Road, Versova,
Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9794/84-85 dt. 10-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/9760/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. युनिट न. 15/एल. सी. जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट्स, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिनी (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स चिंगग, इन्व्हेस्टमेंट ट्रेडिंग कंपनी (अन्तरक)
2. मैसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट (अन्तरिनी)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं. 15/एन.सी., जो लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट
न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, अंधेरी (प), बम्बई-58
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र.म. आई-2/37ईई/9760/84-85
ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9760/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 15/LC in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- M/s. Chirag Investment Trading Co.
(Transferor)
- M/s. Laxmi Industrial Estate (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 15/LC in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9760/84-85, dt 10-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई/9090/84-85—अतः मुझे राष्ट्रमण्डल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें हमके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं फलेट नं. 201, जो, सुमन इमारत, सी टी एम नं. 1206, यांगी रोड बर्मोबा, अंधेरी (प) बम्बई 58 में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269AB के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिकोण प्रतिकूल के लिये अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संचालित सम्पत्ति का बाजार मूल्य हमारे द्वारा प्राप्त प्रतिकूल, ऐसे द्वारा प्राप्त प्रतिकूल के पदार्थ प्रतिकूल में अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी कार्य की नादत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का अधिनियम करने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे इस्तेमाल में सुविधा के लिये और/या

(म) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मतिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घाटित —

1. मैसर्स द्वितेश कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (अन्तरक)
2. श्रीमती, कलावन्ती आलमचन्द बालचंदानी (अन्तरिनी)
3. वही
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. वही ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्तर्ची

फ्लैट नं. 201 जो सुमन इमारत, सी टी एम नं. 1206 यारी, रोड, [वर्मावा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।]

अन्तर्ची जैसा कि क्र. सं. अई/2/37 ईई/9090/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/9090/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, Suman building, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hiteesh Construction Co. (Transferor)
2. Mrs. Kalavanti Alamchand Balchandani
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, Suman Building, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9090/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/9789/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मणदाम, आयकर अधिनियम, 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी ग. प्लॉट नं. 1001, जो, 10 वीं मंजिल, मंगनम टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 357, एस नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज बर्सावा, अंधेरी (पं), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी:—मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट लिमिटेड)
(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी:— श्रीमती ओनायसा झाएब लोखंडवाला
(अन्तरिती)

श्री /श्रीमती/कुमारी वही
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी:—मैसर्स ओशिवरा लेन्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट लि.)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लॉट नं. 1001, जो 10 वीं मंजिल, मंगनम टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 357, एस नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज, बर्सावा, अंधेरी (पं) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई०/2/37 ईई/9789/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख 2/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/9789/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1001, 10th floor, Magnum Towers, Andheri West, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Estates & Development Company Private Ltd. (Transferor)
2. Mrs. Onaiza Zobe Lokhandwala (Transferee)
3. (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1001, 10th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9789/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9754/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. , 407, जो 4 वीं मंजिल, बी—इमारत, सुन्दर पार्क, आफ बीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी:—मैसर्स सुन्दर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

—(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्री रविन्द्र वसंत नाईक ।

—(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची¹

“फ्लैट नं. 407, जो, 4 थी मजिल, बी.-इमारत, सुंदर पार्क, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/9754/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :—

. (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9754/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 407, 4th floor, B Building, Sunder Park, Off Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58 (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Sunder Construction Co. (Transferor)
2. Mr. Ravindra Vasant Naik (Transferee)
3. (Person in occupation of the property)
4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, on 4th floor, B Building, Sunder Park,
Off Veera Desai Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the
Competent Authority, Bombay under Serial No.
AR-II|37EE|9754|84-85, dated 10-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ई/9068/8 4-8 5:— अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी फलट नं. 701, जो, 7 वी मंजिल, प्राईम रोस इमारत, प्लॉट नं. 318, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है,) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैमर्स लोखंडवाला प्रिमायवर्स प्राइवेट लि. ।
(अन्तरक)
2. श्री ताहेरभाई अलीहुसैन ब्राह्राईनवाला ।
(अन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) -

4. मैमर्स ऑगिवरा लन्ड डेव्हलपमेन्ट कम्पनी (प्राइवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची ।

"फलट नं. 701, जो, 7वी मंजिल, प्राईम रोस इमारत, प्लॉट नं. 318, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है ।"

अनुसूची जैसा कि क्र.नं. अई-2/37ई/9068/8 4-8 4 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे साट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|9068|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 701, 7th floor, Prime Rose Bld. Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd.
(Transferor)
2. Mr. Taherbhai Alihusam Bahrainwala
(Transferee)
3.
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor in the building Prime Rose, plot No. 318 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9068/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई /37/ईई/9069/84-85:—अनः मुझे, लक्ष्मण दाग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,0,000/- रु. से अधिक है और जिसकी प्लट नं. 704, जो, 7 वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स इमारत, प्लट नं. 351, एस. नं. (41) अंश 4 बंगलाज, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 बख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मेरजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गती(याँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिये नय पाया, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में वांछित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. मैसर्स लॉखंडवाला इस्टेट्स अण्ड डेव्हलोपमेंट कम्पनी ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती दिलारा खान और कैप्टन केनेथ खान ।
(अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. मैसर्स ओश्वरा लैंड डेव्हलोपमेंट कम्पनी (प्रा) लि. ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लट नं. 704, 7वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 351, एस. नं. 41(अंश), 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/9069/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9069/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 704, 7th floor, Premium Towers Bldg., Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd. (Transferor)
- Mrs. Dilara Khan & Capt. Kenneth Khan (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 704 on the 7th floor in the building Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9069/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 2-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/8817/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) कि धारा 4 के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 से अधिक जिसकी फ्लट नं. 505, जो, 5वीं मंजिल, सिम्फोनी-बी इमारत, प्लॉट नं. 344, एस नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, (और जगण करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, से उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अन्तरक) मैसर्स लोकहन्डवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि.।

श्री. संजय कुमार भाटीया।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैसर्स ओशिवरा लैन्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"प्लॉट नं. 505, जो, 5वीं मंजिल, सिम्फोनी-बी इमारत, प्लॉट नं. 344, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/8817/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 8th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/8817/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 505, Symphony B Building, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd.
(Transferor)
2. Mr. Sanjay Kumar Bhatia (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 505, 5th floor in the building Symphony-B, Plot No. 344 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8817/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/8879/84-85 :—अन. मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) कि धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 1108, जो, 11वीं मंजिल, शेफिल्ड टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 354, एस नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरा/अंतरको और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से जयित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री. कृष्ण पेस्टोनजी भाभा ।

(अन्तरक)

टवीणा बाधवान ।

(अन्तर्गती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैसर्स आंशिबरा लैन्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट), लि. ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 1108, जो, 11वीं मंजिल, शेफिल्ड टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 354, एस. नं. 41 (अंश), बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8879/

84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उस काट दिया)

Ref. No. AR-II|37EE|8879|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1108, 11th floor, Sheffield Bldg., Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Crrus Pestonji Bhadha (Transferor)
2. Twisha Wadhawan (Transferee)
3. —

(Person in occupation of the property)

4. M/s. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

166 G1/85—14

or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1108, 11th floor, Sheffield Bldg., Plot No. 354 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8879|84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10377/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 102, जो, 11वीं मंजिल, चंद्रप्रभा, 84 इलाहाबाद के पीछे, स्वामी विवेकानंद रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गती से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में मविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स संधवी कन्स्ट्रक्शन्स ।
(अन्तरङ्ग)
2. श्री अमृतलाल रतनजी शहा और श्रीमती, व्रजकुंवर सोमचंद शहा ।
(अन्तरिती)
3. —————
(वह व्यक्ति, जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)
4. —————

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्यादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 102, जो, 1वीं मंजिल, चंद्रप्रभा, 84 इर्ला ब्रिज के पीछे स्वामी विवेकानंद रोड, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10377/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10377/84-85.—Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 102, Chandraprabh, Behind 84, Irla Bridge, Swami Vivekananda Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27-8-1984 for an apparent consideration which is

1. M/s. Sanghavi Construction (Transferor)
2. Shri Amrutlal Ratanji Shah and Smt. Vrajkoever Somchand Shah (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of this notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, Chandraprabh, Behind 84 Irla Bridge, Swami Vivekananda Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10377/84-85 on 27-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/88/84-85. —अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2 जो पहली और दूसरी मंजिल, युनिट नं. 5, सनो साईड युनिट, प्लॉट नं. 355, एस. नं. 41(अंश), 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरितो/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलप-

मेंट कंपनी प्रायवेट लि.

(अन्तरक)

श्री. एन. आर. अगरवाल और श्रीमती एस. एन. अगरवाल।

(अन्तरितो)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मेसर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आर. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 2 जो पहली और दूसरी मंजिल युनिट नं. 5 सनो साईड युनिट प्लॉट नं. 355, एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.सं. अई-2/37 ईई/8881/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख:—8-4-1985

मोहर

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8881/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 2, 1st & 2nd floor of Unit No. 5 of SUNNY SIDE UNITS, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more, fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

3-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Estates & Development Company Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mr. N. R. Agarwal & Mrs. S. N. Agarwal (Transferee),
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, 1st and 2nd floor of Unit No. 5 of Sunny Side Units, Plot No. 355 of S. No. 41 (Pt.) Four Bungaloes, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8881/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37-ईई/10382/84-85 -- अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट न. 701, जो 7वीं मंजिल, इमारत होमलेन्ड्स प्लॉट न. 341 पम. न. 41 (अण) 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरा (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (का) और अन्तरिता (यो) के बावजूद ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आग की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें दबाने से सन्दिग्ध के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्ध के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत्त में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1. मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायमेस प्रायवेंट लि. । (अन्तरक)

2. श्रीमती माथी फिलोमिना फर्नान्डिस और श्री मुकाबिका बालकृष्णन बालासुंदरन

(अन्तरिता)

3. --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति जिसके बाग में अधाह्यताक्षरी जानना है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 701 जो 7वीं मंजिल, इमारत होमलैंड्स, प्लॉट नं. 341, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलों, वर्सोवा, अंधेरा (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जेम्सकी क्र.नं.आई-2/37ईई/10382/84-85 और जो लक्ष्मण प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख :—8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10382/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 701, 7th floor, Homelands, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Mrs. Martha Filomena Fernandez and Mr. Mookambika Balkrishnan Balasundran
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Homelands, Plot No. 341 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10382/84-85, on 27-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/10406/84-85 मत.
मुझे, लक्ष्मण, दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269B के अधीन लक्ष्मण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. कमरा नं. 50 जो पड़रौ मंजिल, राशनलाल अग्रवाल शॉपिंग आर्केड, प्लॉट नं. 49, 50, 65, 66, एस. नं.

41 (अंश) ऑफ़ जे.पी. रोड, वसीवा अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रो है तारीख 28-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कां) और अंतरितो(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मेमर्स आर. एन. ए. बिल्डर्स (अन्तरक)
2. श्री नरसिंगदास एन. अदनानी (अन्तरितो)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“कमरा नं. 50, जो पहली मंजिल, रोशनलाल अगरवाल शॉपिंग आर्केड, प्लॉट नं. 49, 50, 65, 66 एस. नं. 41 (अंश) ऑफ़ जे.पी. रोड, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स के पास, वसीवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10406/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 को रजिस्ट्रार किया गया है।

तारीख:-8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10406/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Room No. 50, 1st floor, Roshanlal Agarwal Shopping Arcade, Off J.P. Road, Near Lokhandwala Complex, Versova, Andheri(W), Bombay (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. R. N. A. Builders (Transferor)
2. Mr. Narsingdas N. Adnani (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Room No. 50, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66 S. No. 41(Pt), Off J. P. Road, Near Lokhandwala Complex, Versova Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10406/84-85, on 28-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ७ आर-2/37ईई/10381/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं. 202 जो 2री मंजिल बसोवा सबेरा को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. पिकनिक कॉटेज बसोवा रोड, बम्बई-61 में स्थित है और (इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मदद के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269अ के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. स्किपर कन्स्ट्रक्शन कंपनी (प्रायवेट) लि. ।
(अन्तरक)
2. मिनर्वी सिल्क मीलम ।
(अन्तरिती)
3. अन्तरको ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 202 जो 2री मंजिल बसोवा सबेरा को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. पिकनिक कॉटेज बसोवा रोड बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. आई-2/37ईई/10381/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10381/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000— and bearing Flat No. 202, 2nd Floor, Versova Sevara Co-opp. Housing Society Ltd., Picknic Cottage, Versova Road, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Skipper Construction Co. (P) Ltd.
(Transferor)
2. Mincra Silk Mills (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Floor, Versova Sevara Co-op. Housing Society Ltd., Picknic Cottage, Versova Road, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10381/84-85, dt. 27-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन. अ. आर 2/37ईई/8880/84-85 —अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति जिसका बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट न. 202 जो 2री मंजिल प्राचीम रोड इमारत प्लॉट न. 318 एम्. न. 41(अंश) 4 बगलोअ बर्मावा अंधेरी(प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अंतरको और अन्तरिती/अन्तरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें वृद्धि में गृहिणा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सृजिणा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थान्ति :—

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मेमर्स लोखंडवाल प्रिमायसेम प्रायवेट लि. ।

(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्रीमती कमल अरोरा ।

(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी —मेसर्स ओशिवरी एण्ड डेवेलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अज्ञातसाधरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संदर्भ में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञातसाधरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे ।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"प्लेट नं. 201 जो 2री मंजिल प्राइम रोस इसारन प्लॉट नं. 318 एस. नं. 41 (अण) 4 बंगलोज वर्सोवा अंधेरी (प). बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. में आई-2/37ईई/8880/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उस बात के लिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8880/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Prime Rose Bldg., Versova, Andheri(W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

166 GT/85-15

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Mrs. Kamal Arora (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Prime Rose Bld., Plot No. 318 of S. No. 41(pt) 4 Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8880/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. एआर-2/37ईई/8818/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे हमके पत्रात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 3 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 1000,00/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 302 3री मंजिल होम कोर्ट इमारत प्लॉट नं. 336 ए. न. 41 (अंश) 4 बंगलोज वर्सावा अंधेरी(प) बम्बई-58 में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अंतरकों और अंतरिनी/अन्तरिनीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें द्रव्य में मृदित्व के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भुगतान या अन्य आम्नियों की जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर एकाद गृहीत किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सन्निधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के क्रमसम्पत्ति में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित कार्यों अधीन —

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मेसर्स लोबन्डवाल प्रिमायसेम प्रायवेट लि. ।

—(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—श्रीमती रेजेमा बिगारा और अन्य ।

—(अन्तरिनी)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—मेसर्स ओगिवर लैन्ड डेव्हलपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाही में लाने का हेतु है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आदेश —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सम्पत्ति को तत्पश्चात् 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थल पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 302 जो 3री मंजिल होम कोर्ट इमारत, प्लॉट नं. 336, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की प्र. सं. आई-2/37ईई/8818/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

साहंर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37FE/8818/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, Home Court Bldg. Plot No. 336 of S. No. 41(pt) Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Limited
(Transferor)
2. Mrs. Teresa Viegas & Other, (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Home Court Bldg., Plot No. 336 of S. No. 41 (pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8818/84-85, dt. 2-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अं-2/37ईई/8836/84-85.—यह सूचे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 26 के अधीन गतम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी दुकान नं. 2, जा. ग्राउंड प्लॉट, "मिलीटन" प्लॉट नं. 27, एम. नं. 41 (अ) 4 बंगलोज ओशिवरा, अधीन (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन गतम प्राधिकार के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिनी/अन्तरिनीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्सियों की जिम्मेदारी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्व अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यह अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 के उक्त धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्याख्या करता हूँ :—

2. मिसस रबीगज कार्पोरेशन।

— (अन्तरक)

2 श्रीमती त्रया एन. गोयीया।

— (अन्तरिनी)

3 —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सक्षमता कोई भी शर्त है।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूजायुक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ लगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 2, जॉ. ग्राउंड फ्लोर, 'सिटीजन', प्लॉट नं. 27, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलाज, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. म. अई-2/37ईई/8836/84-85 और जॉ गन्धम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 3/4/1985

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/8836/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Shop No. 2, Gr. floor, Citizen, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Raviraj Corporation (Transferor)
2. Mrs. Jaya N. Gogia (Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 2, Citizen, Ground floor, Plot No. 27 of S. No. 41 (pt) Four Bungalows, Oshiwara, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8836/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37ईई/8882/84-85 - अतः मझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 1, जॉ ग्राउंड फ्लोर, युनिट नं. 5, मनी वार्ड युनिट, प्लॉट नं. 355, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलाज, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/ अंतरकों और अन्तर्गती/ अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

लिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गृहिणा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वेषणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहिणा के लिए

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269A के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269A की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मेसर्स लोकखवाला एस्टेट एंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.

—(अंतरण)

2. श्री जी. एन. अग्रवाल और श्रीमती मिना जी. अग्रवाल।

—(अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. मेसर्स ओशिवारा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों जमा करण ह। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोची

फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, यूनिट नं. 5, सनी माईड यूनिट्स, प्लॉट नं. 355, एम नं. 41 (अंश), 4 बंगलोर, बसावा, अंधेरी (ए), बम्बई में स्थित है।

अनुमोची जंमा कि. स. अई-2/37ईई/8882/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर

(जा लागू न हो उस काट दायित्व)

Ref. No. AR-II/37EE/8882/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1, Ground floor, Unit No. 5 of Sunny Side Units, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Lokhandwala Estates & Development Pvt. Ltd. (Transferor)

2. Mr. G. N. Agarwal & Mrs. Meena G. Agarwal (Transferee)

3. (Persons in occupation of the property)

4. M/s. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1 on ground floor, Unit No. 5 of Sunny Side Units, Plot No. 355 of S. No. 41(pt) 4 Bungalows, Versova, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8882/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8813/84-85 :- अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 403, जो 4थी मंजिल, "सुंदर पार्क", इमारत नं. ए, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करागनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2/8/1984 को पूर्ण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरको और अंतरिती/अंतरिनियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें वृद्धि में गृहस्था के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का

11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहस्था के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1 मेगम सुंदर कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

—(अन्तरक)

2 श्री रजनीकांत नदनलाल गांधीया और श्रीमती, पारुल रजनीकांत गांधीया ।

—(अन्तरिती)

3 —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 403, 4थी मंजिल, "सुंदर पार्क", ए-इमारत, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8813/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख . 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8813/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000,- and bearing Flat No. 403, 4th floor, 'Sunder Park, A Bldg., Andheri (W), Bombay-58 (and more-fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Sunder Construction Co. (Transferor)
2. Mr. Rajanikant N. Gadhia & Mrs. Parul R. Gadhia (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, 'Sunder Park, A Bldg., Off Veera Desai Road, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8813/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-II/37ईई/8814/84-85 — अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. यूनिट नं. 31/सी जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का, धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिता/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मैरॉ लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट

—(अन्तरक)

श्री फारुद्दीन एस. फ़ैसुल्लाभाई

—(अन्तरिता)

श्री/श्रीमती/कुमारी :-

(वह व्यक्ति जिसके विवरण में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :-

(वह व्यक्ति जिसके वश में अधोहस्ताक्षर आचना है कि वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचिह्न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के धाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

यूनिट नं. 31/सी जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, अंधेरी (प); बम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क्र.नं. अई-II/37ईई/8814/84-85 और जो मसुदा प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे कट देंगे)

Ref. No. AR-II/37EE/8814/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have been to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 31/C, Laxmi Indl. Estate, New Link Road Extension, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s. Laxmi Industrial Estate (Transferor)
- Mr. Fakruddin S. Faizullahbhai (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 31/C in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8814/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-II/37-ईई/8820/84-85 :- अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 502, जो 5वीं मंजिल, बेनहूर-बंग इमारत, प्लॉट नं. 15,8 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/आंशकों और अंतरितो/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपाधित :-

श्रीमती मोडक झुवेदा ।

—(अंतरक)

श्री अब्दुल कादिर यूसूफ भोमल

—(अंतरित)

श्री/ श्रीमती/ कुमारी :-

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैसर्स ओगिवरा लैण्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(5) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 502, जो 5वीं मंजिल, बेनहूर बंग इमारत, प्लॉट नं. 15,8 एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूचीजैम वि क्रम सं. अई II/37ईई/8820/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8820/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 502, 5th floor, Benhur-B, Versova, Andheri (W), Bombay-58 and more-fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Modak Zabeda (Transferor)
2. Mr. Abdul Kadir Yusuf Bhomal (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor in the building Benhur-B, Plot No. 151B, S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8820/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-II/37ईई/8837/84-85:- अतः मुझे; लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 3, जो ग्राउंड फ्लोर; "मिटीडन" स्ट्रीट नं. 27, एम. नं. 41 (अण), 4 बंगलो, ओशिवरा वर्पोवा अंगेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की

धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/ अंतरकी और अंतरितो/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

मैसर्स रविराज कार्पोरेशन

—(अन्तरक)

श्री रमेश एल. गोगीया

—(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :-

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“दुकान नं. 3’ जो’ ग्राउंड फ्लोर “सिटीजन” प्लॉट नं. 27 एस. नं. 41 (अंश) 4 बंगलोज, ओशिवरा वर्सोवा, अंधेरा (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-2/37ईई/8837/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8837/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 3, Gr. floor, Citizen, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Raviraj Corporation (Transferor)
2. Mr. Ramesh L. Gogia (Transferee)
3. — (Persons in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. floor, Citizen, Plot No. 27 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8837/84-85, dt. 2-8-1984.

Dated : 8-4-1985

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/ 8914/ 84-85 :- अतः मुझ, लक्ष्मण दाम आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त” अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 306, जी, उरी मंजिल, अकाई-बी इमारत प्लॉट नं. 17 एस. नं. 41, 4 बंगलोज वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आगकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के अर्थत्व से कमी करने या उससे बढ़ने में सीविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी उद्योग या किसी धन या अन्य आस्ति या की जिन्हें भारतीय धारकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धारकत्वार्थ अन्तर्गति कर प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित वर्णित उद्देश्य के लिए —

1 श्रीमती गायत्री एन. गुलाटी । (अन्तरक)

2 श्रीमती इंदिरा बलवन्तराव वालके । (अन्तर्गति)

3 —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 मैमर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधिभोगकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धारक के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति व अजन्त न संपत्ति में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् स्थितियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थितियों में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोगकारी के लिए लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 306, जो 3री मजिल, अकाई-बी इमारत, प्लॉट नं. 17, एस नं. 41, 4 बंगलोज, वर्सोवा, अर्धरी (प), बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई-2/37ईई/ 8914/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।)

Ref. No. AR-II/37EE/8914/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 306, 3rd floor, Bldg. Accord-B, Plot No. 17, S. No. 41, 4 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. Gayatri N. Gulati (Transferor)

2. Mrs. Indira Balwantrao Walke (Transferee)

3. —
(Persons in occupation of the property)

4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd floor, Bldg. Accord-B, Plot No. 17, S. No. 41, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8914/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/ 10035/ 84-85 :-अनः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 404, जो, 4थी मंजिल, रेजन्सी ए इमारत, प्लॉट नं. बी-3, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शकल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगसे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री नरेन्द्र मी. अवलानी । (अन्तरक)

2. श्रीमती आशा जी. आरोंरा । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

1 मैसर्स ओशिवरा लैण्ड डवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 404, जो, 4थी मंजिल, रेजन्सी- ए इमारत, प्लॉट बी-3, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-2/37ईई/ 10035/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10035/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 404, 4th floor, Bldg. Regency-A, Plot No. B-3, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has

been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Narender C. Awlani (Transferor)
2. Mrs. Asha G. Arora (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. Regency-A. Plot No. B-3, S. No. 41 (Part). 4 Bungalows. Verovala, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10035/84-85, on 16-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/ 10218/84-85 :- अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 468, जो, ग्राउंड फ्लोर आजाद नगर स्वास्तिक को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, 30, आजाद नगर वीग देमाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरित(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के आयित्व से कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किरी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्निही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1 श्री योगेन्द्र पास भल्ला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जबीन अली मोहमद ।

(अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 468, जो ग्राउंड फ्लोर, आज़ाद नगर स्वास्तिक को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, 30, आज़ाद नगर, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-2/37ईई/10218/84-85 और जो मध्यम पाधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/10218/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 468 Ground floor, Azad Nagar Swastik Co-op. Hsg. Society Ltd., 30-Azad Nagar, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Yogendra Pal Bhalla (Transferor)
2. Mrs. Jabeen Ali Mohmed (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 468, Ground floor, Azad Nagar Swastik Co-op. Hsg. Society Ltd., 30, Azad Nagar, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10218/84-85, on 21-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/8812/84-85.—अनः सूत्रे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसका प्लॉट नं. सी-1, जो 3री मंजिल पूरब अपार्टमेंट्स को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि. प्लॉट नं. 13 गिलबर्ट हिल अंधेरा (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरनो(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुदेश में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी ढांग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. दिना डोसामॉय रडरिया (अंतरक)

2. सुरेश गंगाराम पवार (अन्तरित्वी)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग से सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी अन्ततः है, कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तिगत पर

सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

प्लॉट नं. सी-1 3री मंजिल पूरब अपार्टमेंट्स को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. अंधेरा, प्लॉट नं. 13, गिलबर्ट हिल, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैसाकि क्र. स. आई-2/37ईई/8812/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर.

(जो लागू न हो उस कोट दायिमे)

Ref. No. AR-II/37EE/8812/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. C-1, 3rd floor, Pura’s Apartments Co-op. Hsg. Society Ltd., Flat No. 13, Gilbert Hill, Andheri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Dina Dossabhoj Randeria (Transferor)
2. Suresh Gangaram Pawar (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C-1, 3rd floor, Purab Apts. Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 13, Gilbert Hill, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8812 84-85 on 2-8-1984.

Dated: 10-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

166 GI/85—17

निर्देश म. अर्द्ध-2/37ईई/9955/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसने उसके पञ्चान्त "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269C के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु में अधिक है और जिसकी स फ्लैट न 1506-ए जो 15वीं मंजिल, ब्रिस्टल टॉवर्स इमारत फ्लैट न. 356 एम. न. 41, 4 बंगलोज ऑशिवरा अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269C के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से जैसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल में अधिक है और अन्तर्गत (क) और अन्तर्गत (ग) के अन्तर्गत अन्तर्गत के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर्गत निम्नलिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तर्गत में उई किसी आ की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने का अन्तर्गत के दायित्व से कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए और/या

(ख) जैसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति या तो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाय अन्तर्गती द्वारा प्रगट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 369 ग के अन्तर्गत में से उक्त अधिनियम की धारा 369 ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1 श्रीमती ग्यानी तेजबानी । (अन्तर्गत)

2 मास्टर हितन नदा । (अन्तर्गत)

3 —
(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 —
(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पब्लिश सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पब्लिश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

साफ्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1506-ए जो 15वीं मंजिल ब्राइटन टॉवर्स इमारत प्लॉट नं. 356 एस. नं. 41, 4 बंगलोज, आंधरी (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/9955/84-85 और जो सशम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 10-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9955/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1505-A, 15th floor, Brighton Towers Bldg., Plot No. 356, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Oshiwara, Andheri(W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Jyoti Tejwani (Transferor)
2. Master Hiten Nanda (Transferee)
3. — (Persons in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1506-A, 15th floor, Brighton Towers, Plot No. 356, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9955/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/10042/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 604 जो 6वां मंजिल "कविता अपार्टमेंट्स," सी. टी. एस. 1030 यारी रोड वर्सोवा, अंधेरी(प), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरण (को) और अन्तरणियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वांछनीय रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भोपतराम सेखानी । (अन्तरण)

2. श्री, मंगलदास रणछोड़जी मोट्टा और श्रीमती रंजनबेन मंगलदास रणछोड़जी मोट्टा । (अन्तरिणी)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 604, जो 6वां मंजिल, "कविता अपार्टमेंट्स", सी. टी. एस. 1030, यारी रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूचा जैसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई/10042/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10042[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 604, 6th floor, "Kavita Apts" C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Bhopatram Sekhani (Transferor)
2. Mr. Mangaldas Ranchodji Motta & Mrs. Ranjamben Mangaldas Ranchodji Motta (Transferee)
3. — (Persons in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, "Kavita Apts", C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37FE/10042 84-85 on 16-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10336/84-85 — अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000-रु से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 102 जो 1वीं मजिल मोनिया अपार्टमेंट्स, सी. टी. एस. 1028 यारी रोड, वर्मोवा, अंधेरी(प), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के विपरीत अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में

प्रतिफल से अधिक है और अन्तर्गत (कों) और अन्तर्गत (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तर्गत से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आस या किसी धन या अन्य आगंत्यों की जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में साधना के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. श्री जोगाजीवन बानिक । (अन्तर्गत)
2. श्रीमती अनीता बैनर्जी । (अन्तर्गति)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीवा शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 102 जो 1वीं मजिल मोनिया, अपार्टमेंट्स, सी. टी. एस. 1028 यारी रोड, वर्मोवा, अंधेरी(प), बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूचा जिसका क्र. सं. अई-2/37ईई-10336/84-85 और जा लखम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जा लखम न हा उस काट दोजिय)

Ref. No. AR-II 37EE, 10336, 84-85. —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 102, 1st floor, Sonia Apts, C.F.S. 1028, Yari Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Jogajiban Banik (Transferor)
2. Mrs Anita Banerji (Transferee)
3. (Persons in occupation of the property)
4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Sonia Apts, C.F.S. 1028, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 10336/84-85 on 25-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. अई-2/37ईई/8985/84-85 --अन मुझे लखमन दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इस्मे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269-घ के अधीन लखम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि शायद सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है ओ जिसका सं. फ्लैट नं. 28, जो. 2री मंजिल, दिन्ड प्लाटिंग हॉल ग्रुप (वर्ती सता मार्ग, अबोली, अंधेरी (प) बम्बई-68 में स्थित है, और इसमें उपावद्ध अनुसूची में अर पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कारणनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-घ, ख के अधीन लखम प्राधिकारी के शायद, बम्बई में रजिस्ट्री ह. तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरता(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्धन नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

और अन्य उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री इंदूर उधराम अडवानी । (अन्तरक)
2. श्री चार्ल्स रॉड्रिग्स और लविना लविना रॉड्रिग्स । (अन्तरक)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अन्तर्गत में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अज्ञात है, जहाँ से वह सम्पत्ति में हस्तगत है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जित के लिए कार्यवाही शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्यक् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हस्तगत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञात/अज्ञात के नाम लिखित में किया जा सकता है ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ज्ञान शायक अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत 20क में परिभाषित है, यहाँ अर्थ लगा जा उस अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 28 जो 2रा भवन, वाइल फ्लॉवर हॉल, जै भवानी मार्ग, अम्बोली, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूचा जैसा कि क्र. नं. आई-2/57-ईई/8985/84-85 और जैसा कि राजपत्र द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उस कट दायरे में)

Ref. No. AR-II/37EE/8985/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 28, 2nd Floor, Wild Flower Hall Jai Bhavani Mata Marg, Amboli, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Indur Udharam Advani (Transferor)
2. Shri Charles Rodrigues & Mrs. Lavina Rodrigues (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 28, 2nd Floor, Wild Flower Hall, Jai Bhavani Mata Marg, Amboli, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8985/84-85 dated 6-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SFAI

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/10254/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने उसके पृष्ठ 11 पर "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसको सं. फ्लैट, नं० बी-28 जो 1ली मंजिल इला दार्शन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि० गिलवर्ट हिल, अंधेरी (प), बंबई-58 में स्थित है (जो इसने उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारियों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री, है तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रतिभा आर. बाहुलेकर । (अन्तरक)
2. श्रीमती ज्योति प्रकाश राजवाडे । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्नलिखित शर्तों पर कर देना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निर्दिष्ट हो सकेंगे ।

साक्ष्य कारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थ 200 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं० बी-28 जो, 1ली मंजिल, इला दार्शन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि० गिलवर्ट हिल, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची में कि का सं० आई-237-ईई/10254/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10254/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. B-28, 1st Floor, Illa Darshan Co-op. Housing Society Ltd., Gilbert Hill, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Pratibha R. Bahulekar, (Transferor)
2. Smt. Jyoti Prakash Rajwade (Transferee)

3. ---
(Person in occupation of the property)

4. ---
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-28, 1st Floor, Illa Darshan Co-op. Housing Society, Limited, Gilbert Hill, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37FE/10254/84-85 dated 24-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SEAL

(Struck off where not applicable)

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/10174/84-85—अतः मझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो ग्राउंड फ्लोअर सी स्ट्रेट इमारत नं० 1, 7 बंगलाज, जे० पी० रोड, अंधेरी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध असम्पत्ति से और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तर्गती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाण की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

अधिकार से इसी क्रम या उगमे अन्तरे में मजिदों के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी बाण या किसी धन या अन्य आम्निशों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, श्रिगाने में मजिदों के लिए

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- 1 श्रीमति माला हरीप जेभानदाजी । (अन्तरक)
- 2 काहेला लबोरटोरीज प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तर्गती)
- 3 ---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 ---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करवा हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या नत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त ग्राहक सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकते हैं ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 20क में परिभाषित है वही अर्थ लगाया जा उगा अनुच्छेद में दिया गया है ।

अनुमोदी

“फ्लैट नं० 1, जो ग्राउंड फ्लोअर सी स्ट्रेट इमारत, नं० 1, 7 बंगलाज, जे० पी० रोड, अंधेरी, बम्बई में स्थित है ।

अनुमोदी तैसाकि सं० अई-2/37 ईई/10174/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 10/4/1985

मोहर

(जो लागू नहीं उसे काट दिया गया है)

Ref. No. AR-II/37FE/10174/84-85.—Whereas, I, JAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000) and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Sea Crest Building No. 1, Seven Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons: namely :—

- Smt Mala Hatish Jetthanandani (Transferor)
- Cadila Laboratories Pvt Ltd. (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Sea Crest Building No. 1, Seven Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058,
166 GI/85—13

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10174/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SFAI.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37 ईई/8457/81-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन गतम प्राप्तिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि यथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी में फ्लैट नं. 501, जो, 5वीं मंजिल, कुष्णा अपार्टमेंट, प्लाट नं. 15, 4 बंगला रोड, आफिस जे पी रोड अधरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका बरकरार आयकर अधिनियम की धारा 209कख के अधीन मध्यम प्राप्तिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिनी(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में दायमानिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में दायी करने या उसमें बचन में मविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269D के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- श्रीमति प्रवेश्वती एम. साध (अंतरक)
- कुमारी तन्वीर बेगम मोहम्मद शरीफ (अंतरिनी)
- (वह व्यक्ति जिससे अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध

में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निरुद्ध में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अभाव अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 501, जो 5वीं मंजिल, कृष्णा अपार्टमेंट, प्लॉट नं. 154, बंगलॉज रोड, आफ जे. पी. रोड, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37 ईई/8957/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

संहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8957/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, 5th Floor, Krishna Apartments, Plot No. 15, 4, Bungalows Road, Off. J. P. Road Andheri West, Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- Mrs. Prakeshvati M. Sadh (Transferor)
- Miss Tanveer Begum Mohamed Sharif (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, Krishna Apartments, Plot No. 15, 4 Bungalows Road, Off J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8957/84-85 dated 4-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8970/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है और जिसकी म. फ्लैट नं. 003, जो, (ए) विंग, इमारत नं. 9 प्लॉट नं. 142/1/वी. लक्ष्मी रत्न को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गति की गई है और

मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक का दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्होंने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्ग में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. पी. रवीचन्द्र (मायनर) नैचरल गार्डी-
यन पी. राधाकृष्ण कुमारी (अन्तरक)
2. आर. एन. आनंद (अन्तरिनी)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त ग्राहक सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निरुद्ध किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 003, जो, 'ए' विंग, इगारम नं. 09, प्लॉट नं. 142/1/बी, लक्ष्मी रत्न को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र. म. अई-2/37 ईई/8970/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10/4/1985.

माहूर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]8970[84-85].—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 003, 'A' Wing Building No. 9, Plot No. 142/1/B, Laxmi Rattan Co-op. Housing Society Andheri (West) Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

1. P. Ravichandra (Minor) Nig P. Radhakrishna Kumari (Transferor)
2. R. N. Anand (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons which ever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 003, 'A' Wing, Building No. 9, Plot No. 142/B, Laxmi Rattan Co-op. Housing Society, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 8470/84-85 dated 4-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. अई-2/37 ईई/10235/84-85—अतः मूले लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मसुदा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. सी-8, जो लक्ष्मी गोविंद को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 142 ए, 4 बंगला, अधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन मसुदा प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23/8/1984 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अतरक (को) और अतरनी (या) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का उल्लेख कर देने के अन्तरक के अधिनियम में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगंतिकों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण सं. में उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन,

निम्नलिखित व्यक्ति या व्यक्तियों :—

- 1 श्रीमति, सराज के. रामनानी और श्री
अनील के. रामनानी (अन्तरक)
- 2 श्री विनायक दानायार (अन्तरिनी)
- 3 अन्तरिनी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

1 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में लिखित है)

जो यह सूचना जारी करते पूर्वाक्त सम्पत्ति में अंतरण के लिए आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। उक्त सम्पत्ति के अंतरण के संबंध में कोई भी आदेश —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या लक्ष्यधी व्यक्ति या व्यक्तियों की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त अधिभाग सम्पत्ति में लिखित में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. सी-8, जो लक्ष्मी गोविंद को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 142/ए, 4 बंगला, अधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची नैमाकि क्र. सं अई-2/37 ईई/10235/84-85 और जो मसुदा प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख : 10/4/1985.

साक्षर

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10235/84-85. —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. C-8, Laxmi Gobind Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 142/A, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mrs. Saroj K. Ramnani & Mr. Anil K. Ramnani, (Transferor)
2. Mr. Trilok Dalaya (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C-8, Laxmi Gobind Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 142/A, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10235/84-85 dated 23-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/8963/84-85:— अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथावश सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 जो 2 रंगमण्डल अर्धर, अन्तर्गत को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि० सं० 721-ए एच नं० ए-4, ए-5 ए-6 भांडानाडा रोड अर्धर (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाय अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 4/8/1984 को पूर्वकी संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकी संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत/अन्तर्गतों और अन्तर्गत/अन्तर्गतियों के बीच ऐसे अन्तर्गत के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत में हुई किसी आय की राशि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत रहे दायित्व में कभी करने या उसमें वचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उचित :—

1. विरुल बहुरामजी विमादलाल (अन्तर्गत)
2. भूपेन्द्रभाई शामजी भाई देसाई (अन्तर्गती)

3. (अन्तरक)--- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. (अन्तरिनी)---(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर सकता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 7जी, 2रो मस्जिद, हमारन अंधेरी अनुराग को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., भाडावाडा रोड, अंधेरी (प), सर्वे नं. 721 ए, एच नं. ए-4, ए-5, ए-6 बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क. सं. अई-2/37ईई/8963/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 का एजस्टिड किया गया है।

तारीख : 1/1/1985

मोहर.

(जालानू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8963/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 7, Andheri Anurag Bhardawadi Road, Andheri (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Viraf B. Vimadalal (Transferor)
- Bhupendra S. Desai (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, Andheri Anurag, Co-op. Housing Society, Ltd., Bardawda Road, Andheri (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8963/84-85 dated 4-8-1984

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/9759/84-85 --अन. मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं. 402 जो इमारत नं० 43 ए-वि-अ 4थी मंजिल मानप नगर जे. पी. रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 (वर्षावासनियम को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि.) में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरिणी(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें इच्छने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अन अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1 श्रीमता आरती कैलाश श्रिगी और कैलाश उद्योगम श्रिगी (अन्तरक)

2 श्री सुरेश मणिलाल ठक्कर और कुमारी काशिबाई पिताम्बरदास ठक्कर (अन्तरिणी)

3 --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--हमसे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 402 जो इमारत नं० 43, विंग-ए 4थी मंजिल मानप नगर जे. पी. रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-2/37 ई ई/9759/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख. 1/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9759/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 402, Bldg No. 43, Wing-A, 4th floor, Manish Nagar, Versova Manish Co-op. Hsg. Society Ltd., J. P. Road, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Arti Kailash Shringi & Mrs. Kailash Udham Shringi. (Transferor)
2. Mr. Suresh Manilal Thakker & Miss Kashibai Pitambardas Thakker.
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402, Bldg. No. 43, Wing-A 4th floor, Versova Manish Co-op. Hsg. Society Ltd., Manish Nagar, J. P. Road, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/9759/84-85 on 10-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/10000/84-85 ---अन सझे लक्ष्मण दाम आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अन अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं. 5 जो ग्राउंड फ्लोअर, हिमाचल जुहू लोन (वर्फीवाला मार्ग), अंधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित है) और इसमें अभावध्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 11-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय था या तय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से तब अन्तरक लिखित में वारन्विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के लायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्सियों की जिम्मे भारतीय आयदा अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सविधा के लिए

अन अद उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितियों अर्थात् —

1 खनिजलक्षितता उर्फ न की हर्देन हैदर हर्देन (अन्तरक)

2 अब्बकर हाजी अन्वर और मोहम्मद उमर हाजा हाजा अन्वर (अन्तरिनी)

3. _____

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. _____

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लाला बर्दाबिहिया शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकता है ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 5 जो ग्राउंड फ्लोर हिमाचल, जुहु लेन (बाईवाल मार्ग), अंधेरा (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैवकि क्र० सं० अई-2/37 ईई/10000/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II[37EE]10000[84-85]—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 5, Ground floor, Himachal Juhu Lane (Bailiwala Marg), Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Khalish Lucknavi Alias Naqi Husain Haider Husain (Transferor)
2. Aboohakar Haji Anwar and Mohamed Umer Haji Anwar (Transferee)
3. Transferees.
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 5, Ground floor, Himachal, Juhu Lane (Bailiwala Marg), Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III[37EE]10000[84-85] on 14-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10257/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 204 जो 2 रां मार्ग अंकाई ए इमारत फ्लैट नं. 17 एम नं. 41 (ग्रंज) 4 बंगलो 1 बंगला अंधेरा (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रनिफल के निये अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रनिफल से ऐसे दृश्यमान प्रनिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (यों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तप पाया गया प्रनिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्धता के लिए

उक्त अथवा उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगदीश एल. मल्होत्रा (अन्तरक)
2. श्रीमती बिमला पी. आनंद (अन्तर्गता)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. मैसर्स ओशिवरा लैंड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं 209 जो 2 री मंजिल अकाई ए इमारत प्लॉट नं 17 एम० नं 41/अंश 4 बंगलोज वर्मोवा अंधेरी (ए) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/10257/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया

तारीख : 1-4-1985।

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10257/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. Accord A, Plot No. 17, S. No 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Jagdish L. Malhotra (Transferor)
2. Mrs. Bimla P. Anand (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)

4. M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. Accord-A, Plot No. 17, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10257/84-85 on 24-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश नं. अई-2/37-ईई/10118/84-85.—अतः मुझे सक्षम दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 305 जो "बी" विंग 3री मंजिल ब्रेन्डेर प्लॉट नं. 9 और 9-ए जे. पी. रोड़, ओशिवरा बसोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. सैयद अमीर याक़ुबचांद और श्रीमती सैयद साहिरा (अन्तरक)
2. श्री आर. जे. बिटर और श्रीमती गिर्वेडा जे. बिटर। (अन्तरिती)
- 3 — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'फ्लैट नं. 305 जो "बी" विंग 3री मंजिल ब्रेन्डेर प्लॉट नं. 9 और 9-ए आफ जे. पी. रोड़, ओशिवरा बसोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।'

अनुसूची जैसाकि क्र.सं. अई-2/37 ईई/10118/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10118/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 305, 'B' Wing, 3rd floor, Benzer, Plot No. 9 & 9A, J. P. Road, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Syed Amir Yakubchand and Mrs. Syed Zaheera. (Transferor)
2. Mr. Ryan J. Winter, and Mrs. Giwenda J. Winter. (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 305, 'B' Wing, 3rd floor, Benzer, Plot No. 9 & 9A, J. P. Road, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10118/84-85 on 18-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8751/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का/43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिमकी सं० फ्लैट नं. 404 जो 4थी मंजिल, अशरफा महल, 5/105 जे. पी. रोड, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रो है तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के [लिये अन्तरण का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृविष्टा के लिए

अतः अद उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वयण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती वहीदा एम. शेख आर. श्रीमती झुहेदा ए. रझाक। (अन्तरक)
- 2 श्री. मोहम्मद सिद्दीक छाप्रा आर श्री अब्दुल गफ़ार एम. छाप्रा। (अन्तर्गती)
- 3 — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आशय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 404 जो 4थी मंजिल” “अशरफ महल” 5/105 जे. पी. रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37 ईई/8751/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref No. AR-II/37EE/8751/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 404, 4th Floor, Asraf Mahal, 5/105, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Waheeda S. Shaikh & Mrs. Zuheda A. Razak (Transferor)
2. Shri Mohmed Sidique Chhapra & Shri Abdul Gafar S. Chhapra (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th Floor, Ashraf Mahal, 5/105, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8751/84-85 dated 1-8-1984

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. अई-2/37-ईई/8986/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. बी/28 जो, सन-एन-सी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. जे. पी. रोड अंधेरी (प) बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कड के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 6/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्ग (कों) और अन्तरित (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्ग के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्ग में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. गुबोध विक्रमराज मेहरा। (अन्तर्ग)

2. एच. एन. देसाई। (अन्तरित)

3. अन्तरितः (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. बी/28 सन-एन-सी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. जे. पी. रोड बर्लीवा अंधेरी (प) बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37-ईई/8986/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No. AR-II/37-EE/8986/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/28, SUN-N-SEA Co-op. Housing Society Ltd., J. P. Road, Varsova, Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Subodh Bikramlal Mehra (Transferor)
2. H. N. Desai (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-28, SUN-N-SEA Co op. Housing Society Ltd. J. P. Road, Varsova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/8986/84-85 dated 6-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37/ईई/10085/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं. 202 जो 2री मंजिल, लक्ष्मण अना इमारत लिता आर. नं. 47 जे. पी. रोड अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उभावद अनुमूर्त्ता में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कड के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17/8/1984 को पूर्वीक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गयी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल में ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (की) और अन्तरिता (की) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यन गयी किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दस्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दृष्टिक से कमी करने या उससे बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उत्तरिणी द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप-धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घाटित :-

1. श्री. के. पी. वाधवा और श्रीमती.
आशा के. वाधवा (अन्तर्गत)
2. श्रीमती नयनाबन पी. शाह। (अन्तर्गती)
3. अतर्गती
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
4. ————
(वह व्यक्ति जिस के बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है, की वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
आवक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 202, जो 2री मंजिल "लक्ष्मण झुना
स्मारक, गिरा, आर. नं. 47 जे पी रोड अंधेरी (प),
वस्त्र-58 में स्थित है।

अनुसूची जमाक क्र. स. अई-2/37-ईई/10085/84-85
और जो सतम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1984
को रजिस्ट्रार किया गया है।

तारीख : 10/4/1985

मोहर

(जो न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37-EE/10085/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing Flat No. 202, Laxman Jhoola
Gera 2nd Floor, R. No. 47, J. P. Road,
Andheri (West), Bombay-400058 (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
17-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisi-
tion of the aforesaid property by the issue of this
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely :-

1. Mr. K. P. Wadhwa/Smt. Asha K. Wadhwa
(Transferor)
2. Mrs. Nayanaban P. Shah (Transferee)
3. ————
(Person in occupation of the property)
4. ————
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the under-
signed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette
or a period of 30 days from the service of
the notice on the respective persons which-
ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, Laxman Jhoola, Gesta, 2nd Floor, R. No. 47, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37-EE 10085 84-85 dated 17-8-1984.

Date 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/9946/84-85—अन मझे लक्ष्मण राम आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. जे-21, जो शिवाल, अविनाश के पिछे, जे.पी. रोड, 7 बंगला, अंधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 369 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरक की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अवर्ण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अवर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या नन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए
166 GI 85-20

उन अक उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 श्रीमति जेनाबवादी एम. मालेदिना। (अन्तरक)
- 2 श्री अशोक डी मंधानी श्रीमति कर्णमा ए. मंधानी और श्रीमति भगवती पी. ठाकुर। (अन्तरिनी)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग से सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यक शर्त करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. जे-21, जो शिवाल, अविनाश के पिछे, जे. पी. रोड, 7 बंगला, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37-ईई/9946/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू नहीं हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37-EE/9946/84-85.—Whereas, a. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. J-21, Sheetal, Behind Avinash, J. P. Road, Seven Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. Zamaabai M. Moledina. (Transferor)
2. Mr. Ashok D. Manghani, Mrs. Karishma A. Manghani and Mrs. Bhagwanti P. Thakur. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
3. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J-21, Sheetal, Behind Avinash, J. P. Road, Seven Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/9946/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9992/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 105, जो, 'ए' बिल्डिंग, जितेन इमारत, प्लॉट नं० 95-ए, जे० पी० रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गति (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सजिद्धा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सजिद्धा के लिए

अतः अद्य उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वये में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. डी. वि. भट। (अन्तरक)
2. श्री. बी. एम. ज़वेरी और श्रीमती आर. बी. ज़वेरी। (अन्तरिनी)
3. अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 105, जो, 'ए' विंग, जितेन इमारत, प्लॉट नं. 95-ए, जे० पी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37 ईई/9992/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9992/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 105, 'A' Wing, Jiten Bldg., Plot No. 95A, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. D. V. Bhat. (Transferor)
2. Mr. B. M. Jhaveri and Mrs. R. B. Jhaveri. (Transferee)
3. Transferor (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 105, 'A' Wing, Jiten Bldg., Plot No. 95A, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EF, 9992 84-85 on 14-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37-ईई/10027/84-85—अन. मं. लक्ष्मण दास आर्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 203-ए, जो अंधेरी मेहता कुज को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जयप्रकाश रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आर्यकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16-8-1984 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तर्गती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आर्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आर्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आर्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, से उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निर्धारित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. बाडीलाल हुगरशी नहू। (अन्तरक)

2. श्री. जेनशी हुगरशी नहू। (अन्तर्गती)

3. अन्तर्गती और परिवार

(वह व्यक्ति जिस के अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के योग्य कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आर्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 203-ए जो अंधेरी मेहता कुज को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जयप्रकाश रोड अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10027/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर .

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EF 10027 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 203-A, Andheri Mehta Kunj Co-op Housing Society Ltd., Jai Prakash Road, Andheri (W), Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Shri Vadilal Dungarshi Nandu (Transferor)
2. Shri Nenshi Dungarshi Nandu (Transferee)
3. Transferee and Family
(Person in occupation of the property)
4. _____

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203-A, Andheri Mehta Kunj Co-op. Hsg. Society Ltd., Jaiprakash Road, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF-I/10027 84-85 on 16-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देशन सं अर्द्ध-2/37 ईई/10222/84-85.—अन मुझे लक्ष्मण दाम आचकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 8 जो इमारत नं. डी. एम्बरगाईन अपार्टमेंट नं 2 को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि. जे. पी. रोड, वर्मावा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करणनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफलता के पदार्थ प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (सो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शियों की निम्नलिखित भागीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए।

उक्त अन्तर्गति अधिनियम की धारा 269A के अन्तर्गति में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269A की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 श्रीमति के. ए. चगानी (अन्तरक)
- 2 श्रीमति मधु नैयर (अन्तर्गति)
- 3 अन्तर्गति
(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पदावकाश समिति के अन्दर के लिए कार्यवाहता शुरू करना है। उक्त समिति के अर्जत के संबंध में कार्य भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती है, के भीतर पदावकाश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिनों के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी में, हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

फरद नं. 8 गा, इमारत नं. 2, एवर्सहाम अपार्टमेंट नं. 2 का-आप हाईसिंग सोसाइटी लि, जे. पी. राड बर्मोवा, अंधेरी (ए), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमोदी जैसाकि य. स. अर्द-2/37 ईई/10222/84-85 और जो मध्यम दायित्वकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उन फाट नीजिये)

Ref. No. AR-II-37/EE/10222/84-85.—Whereas, I, LAKMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, Bldg. No. D, Evershine Apartment No. 2 Co-op. Hsg. Society Ltd., J.P. Road Varsava, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. K. A. Chugani. (Transferor)
2. Mrs. Madhu Nayyar. (Transferee)
3. Transferee.
(Person in occupation of the property)
4. ————

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, Bldg. No. D, Evershine Apartment No. 2 Co-operative Housing Society Ltd., J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./10222/84-85 on 21-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9001/84-85:—अन-मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 105, जो पट्टकी मंजिल श्री शास्त्री कृपा को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि. इमारत नं. 44, बी-विंग, मनिप नगर, जे.पी. रोड, 4 बंगलोज, अंधेरी (प) में स्थित है) और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से किसी करने या उससे इच्छने से सूचना के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अन-उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, से उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गणवंश देव हुडकर । (अन्तरक)
2. श्री. अरम कुमार नायगम । (अन्तरिनी)
3. —

4. (यह व्यक्ति विशेष ब्रांसे मे अवोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहीत शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तन्मबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 105, जो. पट्टकी मंजिल, श्री शास्त्री कृपा को-आप, हाउसिंग सोसाइटी लि. इमारत नं. 44, "बी" विंग, मनिप नगर, जे.पी. रोड, 4 बंगलोज, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9001/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37EL/ 9001 84-85 —Whereas, I, LEXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 105, 1st Floor, Shri Shastri Krupa Co-op Housing Society Ltd., Building No. 44 "B" Wing Manish Nagar, J. P. Road, 4, Bungalows, Andheri (West) Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Shri Yashwant Dewoo Hadkar (Transferor)
2. Mr. Agam Kumar Nigam. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 105, 1st Floor, Shri Shastri Krupa Co-op. Housing Society Ltd., Building No. 44, "B" Wing Manish Nagar, J. P. Road, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EL/ 9001 84-85 dated 6-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8823/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. ए/303, जो, इमारत नं. 9 रतन नगर प्लॉट नं. 142/1/बी. 4 बंगलों, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयर अघिनियम की धारा 269-कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख * 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (को) और अतिरिक्त (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दूध पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत आयर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दाखिले में कमी करने या उससे दक्षते में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयर अघिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयर अघिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, से उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपाधि:—

- 1 राजू एम गगनानी । (अन्तरः)
- 2 हमनअली अलाभाजी अमरनवाला और युसुफ हमनअली अमरनवाला । (अन्तर्गता)
- 3 .. (वह व्यक्ति जिस के अधिमार्ग में सम्पत्ति है)
- 4 ' ' (वह व्यक्ति जिस के बारे में अधीन-हस्ताक्षरों जानता है, की वह सम्पत्ति में द्विबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं 9/30, जो, इसारत नं. 9, रतन नगर, प्लॉट नं 142/1बी, 4 बंगलो, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि श्र. स अई-2/37ईई 882 3/84, 85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिये) ।

Ref. No. AR-II/37EE,8823/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-303, Bldg. No. 9, Ratan Nagar, Plot No. 142/1 B, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Raju M. Gagnani (Transferor)
2. Hassanali Alibhai Amaranwala & Yusuf Hassanali Amranwala (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-303, Bldg. No. 9, Ratan Nagar, Plot No. 142/1B, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8823/84-85 dated 2-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8750/84-85:—अन: मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 219घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 23, जो, 2 गी मंजिल, सिद्धार्थ इमारत, सर्वे नं. 135, एच. नं. 2, सिटी सर्वे नं. 1315, व्हिलेज बर्मोवा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. दिनीप हिमनलाय तलसानिया । (अन्तरक)
2. नूरमोहम मुलेमात शेख आग मनभाबी (अन्तरिती)
नूरमोहमद ।
3. ---
(वह व्यक्ति जिन के अधिभोग सम्पत्ति है)
4. ---
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 23, जो 2 गी मंजिल, सिद्धार्थ इमारत, सर्वे नं. 135 एच नं. 2, सिटी सर्वे नं. 1315, व्हिलेज बर्मोवा, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. अई-2/37-ईई/8750/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिये)

Ret. No. AR-II/37EE/8750/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 23, Siddharth Building, Village Versova, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Dilip Himatlal Talsania (Transferor)
2. Noormohamed Syleman Shaikh & Salmabee Noormohamed (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd Floor, Siddharth Building, Survey No. 135, Hissa No. 2, City Survey No. 1315, Village Versova, Greater Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8750/84-85 dated 1-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/8886/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लॉट नं. 46, जो, प्लॉट बी-1, हिल लेक व्ह्यू को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (की) और अंतरस्ती (या) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिखने में सन्दिग्ध के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शर्तियाँ अधीन —

1. श्री परमल जे. गांधी (अन्तरक)
2. श्रीमती भगवती एम. सामवेदी (अन्तर्गती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 46, जो, प्लॉट नं. बी-1, हिल लेक व्यू को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37-ईई/8886/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8886/84-85.—Whereas, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 46, Plot B-1, Hill Lake View Co-op. Hsg. Society, Veera Desai Road Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Parimal J. Gandhi (Transferor)
2. Mrs. Bhagwati M. Samvedi (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 46, Plot B-1, Hill Lake View Co-op. Hsg. Society, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8886/84-86 dated 3-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देशन सं. अई-2/37-ईई/8810/84-85 :—अतः मूळ नक्षमण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट नं. 301-बी(अंश), जो, 3री मंजिल, वर्सावा समीर को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 7 बंगलोज के पास, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 169 क. ख. के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है। तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूँचे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उस दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित दायित्वों अधिनियम —

1. श्रीमता. बेला जीवन मंडल (अन्तरक)
2. श्री. सयद अहमद गहमम (अन्तरिती)
3. अन्तरक
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. ———
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 301-बी(अंश), जो, 3री मंजिल, वर्सावा समीर को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 7 बंगलोज के पास, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं अई-2/37-ईई/8810/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 19/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

(ग) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 (1) निम्न भागीदार आदेश अधिनियम, 1922 (1922 का
 1) या आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिमिती द्वारा
 निर्धारित किया गया या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में
 मदद के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमति, सिन्सी मैथ्यू । (अन्तरण)

2. अनील बडकर । (अन्तरण)

3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दाय निहित हो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

फ्लैट नं. बी/205 जो, शिवाल इमारत 7 बंगलोर, वर्सोवा शिवाल को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, ग्राम 7 प्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं-अई2/37ईई/10215/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-11,371-E 10215 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. B-205, Sheetal Bldg. 7 Bungalows, Versova Sheetal Co-op. Housing Society Ltd. Versova, Off J. P. Road, Andheri (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Sinsi Mathew (Transferor)

2. Anil Badkar (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-205, Sheetal Bldg. 7 Bungalows, Versova
Sheetal Co-op. Housing Society Ltd., Versova,
Off. J.P. Road, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE/10215 S4-85 dated 21-8-1984.

Dated : 10th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8984/84-85 -- अतः मुझे लक्ष्मण दास आयर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हमने इसे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अन्तर्गत सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि निम्न स्थान सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० में अधिष्ठित है और जिसकी सं. फ्लैट नं. जी-14, जो, 4 थी मंजिल न्यू अवीवली को-आप, हाउसिंग सोसाइटी लि. बीरा देमाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयर अधिनियम की धारा 269 घ के अन्तर्गत सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में उस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गृहीत है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिष्ठित है और अंतरण (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

एतत् उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत में, सं. उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन --

1. देवेन्द्र चन्द्र नन्त देवसूक्त (अन्तरण)

2. बमारी सरला जे भट्ट (अन्तरिती)

3. ---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अन्वेषण द्वारा ज्ञात है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मची

फ्लैट नं. जी-14, जो-4 थी मंजिल, न्यू अवीवली को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि. बीरा देमाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37ईई/8984/84-85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख : 10/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8984/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. G-44, 4th Floor, New Ambivli Co-op. Hsg. Society, Ltd. Veer Desai Road, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Devendra Chandrakant Deorukhkar
(Transferor)
2. Miss Sarla J. Bhatt
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. G-44, 4th Floor, New Ambivli Co-op. Housing Society Ltd., Veera Desai Road, Andheri (West) Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/

8984/84-85, dated 6-8-1984.

Dated : 10th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश नं. अई-2/37-ईई/10184/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसमें इनमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिष्ट है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 11, जो, 2री मंजिल प्लॉट 52 वृत्तावन, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिष्ट है और अंतरक (कों) और अंतरिती (याँ) के बीच अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप के अधिन नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. यशवंत शंकर शोडे । (अन्तरक)

2. श्रीमती. हिल्डा कुमार । (अन्तरिणी)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके

बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो, 2री मंजिल प्लॉट 52 वृंदावन, ग्राफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10184/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10184/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Vrindavan, Flat No. 11, Second Floor, Plot S2, Off, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay—400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Yeshwant Shankar Shende (Transferor)
2. Mrs. Hilda Kumar (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vrindavan, Flat No. 11, Second Floor, Plot S 2 Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10184/84-85, dated 18-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10338/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 602, जो, 6वीं मंजिल, कविता अपार्टमेंट्स, सी. टी. एस. 1030, यारी रोड, वर्सावा, अंधेरी, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूर्खता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राजेश प्रेम-जीणहा । (अन्तरक)
2. श्री मुरादअला बहूद्दीन भयानो (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 602, जो, 6वीं मंजिल, कविता अपार्टमेंट्स, सी. टी. एस. नं. 1030, यारी रोड, वर्सावा, बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10338/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10338/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 602, 6th Floor, Kavita Apartments, C.T.S. 1030 Vari Road Versova, Bombay-400061 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Rajesh Premji Shah, (Transferor)
2. Mr. Muradali Badruddin Bhayani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 602, 6th Floor, Kavita Apartments C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Bombay-400 061..

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10338/84-85, dated 25-8-1984.

Dated : 10th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10096/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया" है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 6, जो, सुंदर पार्क "बी", वीरा देसाई रोड, ऑफ अंधेरी वसोवा रोड, अंबीवली, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के आयत्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्येयार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269क के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269क की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

1. कुमारी जबीन खान (विद्वग ए मायनर थ्रु हर मदर एण्ड नेचरल गार्डियन श्रीमती बादर खान (अन्तरक)
2. श्रीमती दयाबाई भगवानदास पट्टजा । (अन्तरिती)
3. अन्तरिती और उनके परिवार सदस्य (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहां बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जा सुन्दर पार्क "बी", वीरा देसाई रोड, आफ
अंधेरी वर्सोवा रोड, अंबोवली, अंधेरी (प), बम्बई-58
में स्थित है।

अनुसूची जेंसाकि क्र.सं.अई-2/37ईई/10096/84-85
और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10096/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 6, Sunder Park 'B', Veera Desai Road, Off Anheri Versova Road, Ambivali, Andheri West, Bombay—400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 29BAB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Miss Jaheen Khan Being a minor through her mother and natural Guardian Mrs. Madar Khan.

(Transferor)

2. Mrs. Dayabai Bhagwandas Pahuja

(Transferee)

3.

(Person in occupation of the property).

166 GI/85—

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 6, Sunder Park 'B', Veera Desai Road, Off Andheri Versova Road, Ambivali, Andheri (West), Bombay—400 058.

Explanation : The terms and expressions used hereunder Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10096/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 10th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10034/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 306, जो, उरी मंजिल, कॉनकॉर्ड ए इमारत, प्लॉट नं. 16, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफलके लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययत्व में कमी करने या इससे बचने में सविधा के लिए और/या

(क) ऐसे किसी व्यक्ति या किसी अन्य या अन्य व्यक्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 3) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या अधिनियम, अन्तर्गत इस प्रकार की प्रकट नहीं किया गया था या किया जा रहा है, छिपे हुए सम्पत्ति को प्राप्त करने के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269C के अन्तर्गत, न, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269C के अन्तर्गत, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति या व्यक्तियों को :-

1. मैसर्स कुमार पाल वि. जवरी । (नगरक)
2. श्री जे. एन. हल्दर । (अन्तर्गति)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. मेसर्स जोशिया नाथ प्रकाशना । (अन्तर्गति) ।

वह व्यक्ति जिसके नाम न अन्तर्गत में सम्पत्ति है
वह व्यक्ति जिसके नाम न अन्तर्गत में सम्पत्ति है

को यह सूचना दी जा रही है कि वे सम्पत्ति को प्राप्त करने के लिए प्रकट नहीं किया गया था । उक्त अधिनियम के अन्तर्गत, (1) के अधीन, छिपे हुए सम्पत्ति को प्राप्त करने के लिए।

(क) उक्त अधिनियम के अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 3) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या अधिनियम, अन्तर्गत इस प्रकार की प्रकट नहीं किया गया था या किया जा रहा है, छिपे हुए सम्पत्ति को प्राप्त करने के लिए।

(ख) उक्त अधिनियम के अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 3) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या अधिनियम, अन्तर्गत इस प्रकार की प्रकट नहीं किया गया था या किया जा रहा है, छिपे हुए सम्पत्ति को प्राप्त करने के लिए।

सम्पत्ति को प्राप्त करने के लिए प्रकट नहीं किया गया था । उक्त अधिनियम के अन्तर्गत, (1) के अधीन, छिपे हुए सम्पत्ति को प्राप्त करने के लिए।

अनुच्छेद

“क्लैट न 306 जा 3री नंजिर कॉन्-डै-इमर-प्लॉट न 16 एच. नं. 41(अं), 4 बगनोज, बर्सावा अंधेरी (प) मज्जई-53 में स्थित है ।

अनुच्छेद नैतिक क्र. अं-2/37-7/10034/84-85 और जो मन्त्र प्रविष्टि बम्बई द्वार दिनांक 16-8-1934 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

नारीख 10-4-1983

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दिया है)

Ref. No. AR-II 37EE/10034/84-85.—Whereas, I, LAYMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269C of the Income-tax Act, 1961 (1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Plot No. 306, 3rd Floor, Concord-A, Plot No. 16, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay 400055 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 205A3 of the Transfer-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1934 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is shared between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of payment of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons namely :—

1. Ms. Kumar Pal V Javari (Transferor)
2. Mr. J. N. Halder (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 7 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The words and expressions used in this notice shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 37E, 2nd Floor, Concord-A, Flat No. 16, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No., AR-II/37EE/19034/84-85 dated 16-3-1984.

Date: 10-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8916/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दासा आचकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उप अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सधन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100 000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 1107 जो 11 वीं मंजिल शेफिल्ड टॉवर्स इमारत प्लॉट नं. 354 एस. नं. 41(अंश) 4 बंगलोन वर्सोवा अंधेरी(प) वर्गई-58 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आचकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सधन प्राधिकारी के पर्याप्त वर्गई में रजिस्ट्री है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतररंक(कों) और अंतरिस्ती(यों) के बीच ऐसे अंतररंग के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है :—

(क) कारण से हुई किसी आय की दायता, आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतररंक के प्रतिफल से कमी करने या उससे बढ़ने से अधिनियम के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी बात या किसी धन का अन्य व्यक्तियों की जिम्मेदारता आचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचकर अधिनियम, 1931 (1931 का 43) या आचकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वये धन के अंतररंक द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किताब बंधा पाए गए, लिखने से निम्न

अतः इस उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्वये, मैं, नीचे उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के लिये :—

1. श्रीमती फेनी सायरस (अंतररंक) (अंतररंक)
2. दिवेश वाघवान (अंतरिस्ती) (अंतरिस्ती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिसूचन में सम्पत्ति है)

4. मेसर्स ओगिवरा सेंट डेव्होपेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. (वह व्यक्ति जिसके लिये मैं अधोदत्ताधरी जानता हूँ कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्वये, मैं, नीचे उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के लिये :—

- (ग) इस सम्पत्ति के सम्पत्ति में प्रकाश की तारीख में 45 दिनों की अवधि का तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूल्य को अधिकतम 30 दिनों की अवधि, जो भी अधिक दिनों में समाप्त होती हो, दो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से लेनी करित होना ।
- (घ) इस सम्पत्ति के सम्पत्ति में प्रकाश की तारीख के 45 दिनों की अवधि का तत्संबंधी व्यक्तियों में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोदत्ताधरी के पास लिखित में किया जा सकता है ।

सांख्यिकीकरण :—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का जो अर्थकारण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1107, जो 11 वीं मंजिल शेफिल्ड टॉवर्स प्लॉट नं. 354, एस. नं. 41(अंश) 4 बंगलोन वर्सोवा अंधेरी(प) वर्गई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जमाकी क्र. सं. अई-2/37ईई/8916/84-85 और जो सधन प्राधिकारी वर्गई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 10-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दें/जिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8916/84-85.—Whereas, I LALMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1107, 11th Floor, Sheffiled Towers, Plot No. 354, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property or aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such value and I am of the opinion that no consideration for such transfer or conveyed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Frey Cyrus Bhadha (Transferor)
2. Divesh Wadhawan (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1107, 11th Floor, Sheffield Towers, Plot No. 354, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8916/84-85 dated 4-8-1984

Dated : 10-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/9956/84-85.—अतः मझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन गश्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट नं. 1506-बी जो 15वीं मंजिल, आईटन टॉवर्न, प्लॉट नं. 356, एस. नं. 41 4 बंगलो,

वर्तीवा अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध जनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कव के अधीन गश्म प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतर्गक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया जा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. नद केवलराम तेजवानी । (अंतरक)
2. श्रीमती त्रिप्ता नंदा । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में (अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति वध अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, उसी अर्थ में उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 1506-बी जो 15वीं मंजिल, ब्राइटन टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 356, एम्. नं. 4 बंगलो, वर्कोवा अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/9956/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9956/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1506-B, 15th Floor, Brighton Towers, Plot No. 356, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Nand Kewalram Teiwani (Transferor)
2. Smt. Tripta Nanda (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)

166 GI'85-23

4. _____

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever ever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1506-B, 15th Floor, Brighton Towers, Plot No. 356, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9956/84-85 dated 10-8-1984

Dated : 10-4-1985.

Seal : .

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9956/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसको सं० फ्लैट नं. 506, जो 15वीं मंजिल ब्राइटन टावर्स इमारत, प्लॉट नं. 356, एम्. नं. 11 (अंधेरी), 4 बंगलो, वर्कोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिकल के निम्न अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिकल से ठोस दृष्टमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अनवरक(को) और

अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगमे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 श्री नरेण मेओमल । (अन्तरक)
- 2 कुमारी सगिता ए० गुरबानी । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 मैमर्स ओजिवरा लैण्ड डेव्हलपमेंट कंपनी(प्राइवेट) लि० ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 506, जो, 5 वीं मंजिल, अकाउंट-ए इमारत, प्लॉट नं. 17, म. नं. 41(अंण) 4 बंगलोज, बसोवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है

अनुसूची क्रमांक क. स. अई-2/37ईई/9954/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9954/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 506, 5th Floor, Accord-A, Plot No. 17, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Naresh Seomal (Transferor)
2. Kum. Sangceta A. Gurbani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 506, 5th Floor, Accord-A, Plot No. 17, Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19954/84-85 dated 10-8-1984

Dated : 10-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8887/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100 000 रु. में अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. जी-33 जो 3री मंजिल, न्यू अबीखली को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जीवन नगर, ऑफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. टी. जी. बालमुश्रमणियन (अन्तरक)

2. श्रीमती भारती प्राणजीवनदास राजपूत । (अन्तरिती)

3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. जी-33, जो, 3री मंजिल, न्यू अबीखली को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जीवन नगर ऑफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है

अनुसूची जैसाकि क्र. म. अई-2/37ईई/8887/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8887/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-33, 3rd Floor, New Ambivali Co-op. Housing Society Ltd., Jeevan Nagar, Off Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. T. G. Balasubramanian (Transferor)
2. Smt Bharati Pranjivandas Raiput (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat, No. G-33, 3rd Floor, New Ambivali Co-operative Housing Society Ltd., Jeevan Nagar, Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/8887/84-85 dated 3-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/8958/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक और जिसकी सं. फ्लैट नं. 701, जो, 7वीं मंजिल, कृष्णा अपार्टमेंट्स, प्लॉट नं. 15, 4 बंगलोज़ रोड, अधेर (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269C के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(तों) और अंतरित(तों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में व स्तविक रूप में कायित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में रुचि के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में रुचि के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, से उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रमेश एच मधिश । (अन्तरक)
2. श्री गिरधर एस. असुदानी आर श्री हरीप एस असुदानी । (अन्तरित)

3.

(वह व्यक्ति जिसके अधिमात्र में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों से पता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाही करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त ग्राहक सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के माध्यम से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 701, 7वीं मंजिल, कृष्णा अपार्टमेंट
प्लॉट नं. 15, 4 बंगला रोड, अंधेरी (प), बम्बई
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/8958/84-85
और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984
को रजिस्ट्रार किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8958/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 701, 7th Floor, Krishna Apartments, Plot No. 15, 4 Bungalows Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Shri Girdhar S. Asudani and Ors
(Transferee)
- Ramesh H. Makhija
(Transferor)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 701, 7th Floor, Krishna Apartments, Plot No. 15, 4 Bungalows Road, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/5958/84-85 dated 4-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश स अई-2/37ईई/9779/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269A के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी म फ्लैट नं. 524, जो, जुहु अंगन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि., इमारत नं. 9-सी, न्यू डी एन. नगर, अधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करणनामा आयकर अधिनियम, 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कर्तव्य, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरको और अन्तरिनी/अन्तरिनीयो के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्जाएँ —

- 1 कुमारी सक्कर गुलामहुसैन विगानी। (अन्तरक)
- 2 महंदा सुलतानअली चदानी। (अन्तरिनी)
3. अन्तरिनी: —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 524, जो जुहु अंगन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि., इमारत नं. 9-सी, न्यू डी एन. नगर, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र.स. आई-2/37ईई/9779/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9779/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. O 524, Juhu Angan Co. Op. Housing Society, Ltd. Bldg. No. 9-C, New D. N. Nagar, Andheri (West), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Kum. Shakkar Gulamhussen Virani
(Transferor)
2. Mehandi Sultanali Chandni (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 524, Juhu Angan Co. Op. Hsg. Society Ltd., Bldg. No. 9-C, New D N Nagar, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE/9779/84-85 dated 10-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

Seal :

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37/ईई/8951/84-85/—अन. मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट नं० 210, जो, इमारत नं० 29-सी, मनिष नगर वर्मीवा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपावद्ध अतृप्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल

के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिणी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के निगूतय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सतिता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सतिता के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमती उमा पोददार, बार्डफ ऑफ रामप्रकाश पोददार,
(अन्तरक)

2 श्री हममुखलाल कानजी भाई पटेल । (अंतरिणी)

3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिमोंग में सम्पत्ति है)

4. (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्सद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 210 जो इमारत नं. 29-सी, मनिश नगर, वर्सावा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जमाईक नं. स. अई-2/37ईई/8451/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर.

(जो ताबूत हाउस में दस्तखत है)

Ref. No. AR-II/37EE/8951/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 210, Building No. 29, 'C' Manish Nagar, Versova Road, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Uma Poddar W/o Sh. Ramprakash Poddar (Transferor)
2. Sh. Hasmukhlal Kanji Bhai Patel (Transferee)

3 —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 210, Building No. 29-'C', Manish Nagar, Versova Road Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8951/84-85 dated 4-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10227/84-85 :- ज्ञात मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस डाके द्वारा पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) के धारा 269B के अंतर्गत मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि चूंकि अस्पष्ट, निश्चित उचित वास्तव मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 6, जो, गाड्ड पवार, इमारत नं. 39 नितकिर्न को आप० हाउसिंग सोसाइटी लि. गुरु नगर, 4 बंगलोज़ जे पी रोड अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और डाके उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस पर आयकर अधिनियम 1961 के धारा 269C के अंतर्गत मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 23/8/1984 को पूर्वोक्त जमाईक में उक्त वास्तव मूल्य में एक दृश्यमान प्रतिकल के तहत अंतर की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि चूंकि पूर्वोक्त सम्पत्ति में उक्त वास्तव मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकल में, एक दृश्यमान प्रतिकल के पत्र प्रतिलिपि में अधिक है और अंतर/अंतर और अंतरिनी/अंतरिनी के बीच ऐसे अंतर के लिए तय पाया

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Ground Floor, Building No. 39, Nitikirtan Co-op. Housing Society Ltd., Guru Nagar, 4, Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10227/84/85, dated 23rd August, 1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10044/84-85—अन. मुं. नक्षमण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 104, जो, इमारत नं. 45, सतिप नगर, जे. पी. रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-58, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरतो(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चतुर्थ में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दस्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक व दायित्व से कमी करने या उससे बचने में मदद के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए।

अन., अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उक्त धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 डा. श्रीकांथा राव (अन्तरक)

2. श्री मकसूद अहमद हिसामुद्दीन मुन्ना (अन्तरितो)

3 —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 104, जो, इमारत नं. 45, सतिप नगर जे. पी. रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि प्र. सं. अई-2/37ईई/10044/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे खट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10044/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 104, Building No. 45, Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Dr. Shrikantha Rao (Transferor)
- Mr. Maqsood Ahmed Misamuddin Mulla (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, Building No. 45, Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10044/84-85, dated 10-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देशन अर्द्ध-2/37ईई/9002/84-85.—अतः, मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पञ्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी में फ्लैट नं. 143A, 45 नं. 45 इमारत नं. 18, ए. विंग मनिश नगर, हा. जे. रोड नो. 45, बंगलोक, जे. पी. रोड अधीन (पं.) वम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिता(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की डा धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री. नेत्रा मिश्र चिम। (अन्तरक)
- श्री. हंसराज जी. पंजवानी और श्रीमती सविता एच. पंजवानी। (अन्तरिता)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों में ज्ञात है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन का साधन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 44, जो, 4थी मंजिल इमारत नं. 18, ए-विंग मनिष कावेरी हाउसिंग सोसाइटी लि. मनिष नगर, 4 बंगलाज, जे.पी. रोड अंधेरी (प०) बम्बई-58, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र.सं. अई-2/37ईई/9002/84-85 और जो सत्रम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9002/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 44, 4th Floor, Building No. 18, 'A' Wing, Manish Kaveri Housing Society Ltd., Manish Nagar, 4 Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Shri Teja Singh Cheema (Transferor)
- Mr. Hans Raj G. Panjwani & Mrs. Savita H. Panjwani. (Transferee)
-
- (Person in occupation of the property)
-
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 44, 4th Floor, Building No. 18, 'A' Wing, Manish Kaveri Housing Society Ltd., Manish Nagar, 4 Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AB-II/37EE/9002/84-85 dated 6th August, 1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश ३० आई-2/37-ईई/10228/84 85-- अतः मुझे परमण दास अधिकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनामक बहल (ह) का द्वार 269B के अन्तर्गत मक्षम प्रत्यक्ष कर का यह निश्चय करण का कारण है कि वे तब तक नहीं करेगा जब तक कि मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और नकद का मूल्य 2,00,000 रु. का आउट फ्लोअर प्रत्यक्ष कर को प्राप्त होगा। लाइस्टेड का कोई भी अंतर (प) बम्बई 58 के अन्तर्गत है (आर 269B अनुसूची में और 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000)

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दान में सविधा के लिए ओर/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की जिन्हें भारतीय आदर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन से अन्तरणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 280B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों, अधिनियम —

1. कुल वेतन का योगदान। (अन्तर्गत)
2. प्रकाश उमाकत मन। (अन्तरित)
3. — (40 तक, जिन्हें अधिभाग में सम्मिलित है)
4. — (13 तक, जिन्हें अधिभाग में सम्मिलित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कोई भी अर्जन —

(क) इस सूचना के गणना में प्रकाश की लागत में 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000)

सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक हो सके, समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त सूचना को प्रकटीकरण द्वारा।

(2) इस सूचना के गणना में प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित रहने पर।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के अन्तर्गत है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

निर्देश 2 डा. आचार्य पलाशर दि. न्यू वर्क का अप्र. 10 दि. भा. स्ट. बोरा देसाई रोड अध. (प), बम्बई 58 के अन्तर्गत है।

अन्तर्गत निम्नलिखित दि. 2/37ईई/10228/84-85 और आ. नक्षम प्रत्यक्ष कर बम्बई द्वारा दिनांक 23-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

दिनांक 10/11/1985

साहब

(जो लागू न हो उक्त डाटा दर्जिए)

Ref. No AR-II/37EE/10228/84-85 — Whereas, I, I. AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing No. 2 D, Ground Floor, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 26A of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Miss K. P. Manghani (Transferor)
2. Prakash Umakant Sant (Transferee)
3. —————
(Person in occupation of the property)
4. —————
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 2/D, Ground Floor, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10228/84-85 dated 23rd August, 1984.

Dated : 10th April, 1985

SEAL :

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10185/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिक है और जिसका सं. फ्लैट नं. 202, जो नेबुला अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट ओशिवरा अधोरी (प) बम्बई, में स्थित

है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और निम्नलिखित करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पत्र प्रतिलिपि में अधिक और अतः (को) और अन्तरिता (वा) के बावजूद ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधगत :—

1. मेसर्स अथेकम कंस्ट्रक्शन्स । (अन्तरक)
2. अमरत अमरनाथ कोटक और पुनना अमरत कोटक । (प्रत्यक्ष)
3. अन्तरकों
(वह व्यक्ति, जिसने अधिमोक्ष में सम्मति है)
4. —————
(वह व्यक्ति, जिसने धारे में अग्रोहस्ताक्षरों जाना है, कि यह सम्मति में दिव्य है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में भीतर हस्त-दत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 202 नेबुला अपार्टमेंट्स हिरानदानी इस्टेट, ओशिवरा अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैवकि क.सं.-2/37ईई/10185/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8/4/1985

साह्र :

(जो लागू न हो उो वाट दीजिये)

Bombay, 8th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10185/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 202/Nebula Apartments Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. M/s. Apex Constructions (Transferor)
2. Jaswant Jayantilal Kotak Punia Jaswant Kotak (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

* Flat No. 202/Nebula Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10185/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated: 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10045/84-85.—अतः मझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हममें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. डी-5 जो इमारत नं. 2 ब्लू अर्च को-आप० हार्डिंग सोमाडटी 4 बंगलो रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की राशति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व या कमी करने या उससे बचने में मतिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मतिधा के लिए

अतः अधोलिखित अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269C की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनियम—

1. श्रीमती चंचल अरोरा (अन्तर्गत)
2. डा. श्री कल्याण राव । (अन्तर्गत)
3. — (अन्तर्गत अधिनियम के अन्तर्गत है)
4. — (यह व्यक्ति निम्न धारा में उल्लिखित व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा है।)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के संचयन में प्रकाश की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर लागू की गयी है 20 दिनों की अवधि, जो भी अधिक बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (द) इस सूचना के संचयन में प्रकाश की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्पश्चात् सम्पत्ति के हितधारी व्यक्ति द्वारा व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित व्यक्तियों के नाम लिखित में लिखित जा सकते हैं।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत 20क से परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया गया है।

अन्तर्गत

“फ्लैट नं. डा-5 बिल्डिंग नं. 2 ब्लू आर्च को-ऑपेराटिव हाउसिंग सोसाइटी, आंधरी (प) बम्बई 58 में स्थित है।

अनुसूचक नं. 2, गेट-2/37ई/10045/84-85 और जो दाता प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे हटा दिया जाये।)

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Chanchal Arora. (Transferor)
2. Dr. Srikantha Rao (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. D-5, Building No. 2, Blue Arch Co-op Housing Society, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10045/84-85 dated 16th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAI.

(Strike off where not applicable.)

Ref. No. AR-II/37EE/10045/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. D-5, Building No. 2, Blue Arch Co-op Housing Society, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent

निर्देश म अई-2/37-ईई/9782/84-85.— अतः मुने लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट न 12-ए, जो, 1ली मंजिल, “बी” ब्लॉक निर्मल आनंद को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट न 107 सी, नवग सिनेमा के सामने, जय-प्रकाश रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपावृद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख. के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इष्टमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके इष्टमान प्रतिफल से ऐसे इष्टमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (को) ओर अन्तरिती (पो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मदद के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. एम सजीवा रामा शेट्टी। (अन्तरक)
2. इद्रवदन पोपटलाल शाह आर भरत पोपटलाल शहा। (अन्तरिती)
3. -- (वह व्यक्ति, जिसने अधिसूचना में स्मृति है)
4. -- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिस्सा है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

“फ्लैट न 12-ए, जो, 1ली मंजिल, “बी” ब्लॉक, निर्मल आनंद को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट न 107 सी, नवग सिनेमा के सामने, जयप्रकाश रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनसूची जैसाकि क्र. म. अई-2-/37ईई/9782/84-85 आर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख. 8/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/9782/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Flat No. 12-A, Nirmal Anand Co-Operative Housing Society Ltd., J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M. Sanjiva Rama Shetty, (Transferor)
2. Indravadan Popatlal Shah and Bharat Popatlal Shah (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12-A, Nirmal Anand Co-Op. Housing Society Limited, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9782/84-85 dated 10th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8959/84-85:— अन. मुद्दे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 4-ए, जो 2री मंजिल, दि एवरगार्डेन अपार्टमेंट्स नं.1 को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जय प्रकाश रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपा-वद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प-त्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचक में उक्त अंतरण लिखित में वार्षिक रूप से स्थित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री. रामचंद्र एम. अट्टाजी। (अन्तरक)
2. श्री अण्ण कुमार एच. वर्मा और श्री अमिताभ एच. वर्मा (अन्तरिती)

3. — (यह व्यक्ति, जिसने अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (यह व्यक्ति, जिसने बाड़े में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 4-ए, जो. 2री मंजिल, दि एवरगार्डेन अपार्टमेंट्स, नं.1 को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जय प्रकाश रोड, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी सं. अई 2/37ईई/8959/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है

तारीख 8-4-1985

महंर

(जो लागू न हो उसे घाट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8959/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 4-A, 2nd Floor, The Evershine Apartments No. 1, Co-operative Housing Society Limited, Jai Prakash Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

1. Mr. Ramchand M. Ahuja (Transferor)
- Mr. Anoop Kumar H. Verma and Mr. Amitabh H. Verma. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4-A 2nd Floor, The Evershine Apartments, No. 1, Co-op. Housing Society Limited, Jai Prakash Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8959/84-85 dated 4th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई. 2/37-ईई/10186/84-85:—
अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. द्कान नं. 12/बी, जो ग्राउंड फ्लोअर, सिल्वर सैण्ड्स अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है) और उसमें उपावद्ध अनमूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), और निम्न धारणाओं के अधीन अधिनियम की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री के तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उस के दृश्यमान प्रतिकल के निम्न अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकल के निम्न दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और और/अथवा ओर अनमूर्ति/अधिनियमों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पास गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

उक्त अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत में, और उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स हिरानंदानी कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लि.।

(अन्तरक)

2. श्री. परमानंद घनशामदास मलकानी आर. तुमारी स्क—
मीर्गा घनशामदास मलकानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तर्गत— (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसने बांधने अधोहस्ताक्षरी जानकारी दियी है सम्पत्ति के हिस्से-पट्टे में)

को यह सूचना जारी करके पदोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पदोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान न 12/बी, जो सिल्वर सैंड्स अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची नंबर का क्र.स. प्रॉ. 2/37ईई/10186/84-85 और जो महसूस प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8/4/1985

साहब

(जो नाम नहीं होगा उसे काट दिया जाए)

Ref No. AR-II/37EE/10186/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 12/B, Silver Sands Apartments, Hiranandani Park, Yari Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hiranandani Constructions Pvt. Ltd.
2. Mr. Parmanand Ghanshamdas Malkani
Miss Rukmini Ghanshamdas Malkani
(Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No 12/B, Silver Sands Apartments Hiranandani Park, Yari Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10186/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं आई-2/37-ईई/10189/84-85—अतः मुने लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस समये इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. में अधिक है और जिसकी सं फ्लैट नं. जे/401ए, जो ज्यूपिटर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी एस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प.व.), बम्बई, में स्थित है) और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख. के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वाप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिणी(या) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति का जो जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य आय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 के उ. धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. हिरानंदानी बिल्डर्स। (अन्तरक)
2. श्री. शशिकांत गोपाल खन्ना और श्री जी वाई खन्ना (अन्तरिणी)
3. --- (वह व्यक्ति जिसके सम्पत्ति में सम्पत्ति है)
4. --- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अधिक हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. जे/401ए, जो, ज्यूपिटर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी एस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प.व.), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैनाजी प्र.स. आई-2/37ईई/10189/84-85 और जो इस प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-1-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे कट दिया जाए)

Ref. No. AR-II/37EE/10189/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000 and bearing Flat No. J/401 A in Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Hiranandani Builders, (Transferor)
2. Mr. Shashikant Gopal Khanna and Mr. G. Y. Khanna. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J/401 A, in Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EF/10189/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SFAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश न अर्द्ध-2/37-ईई/10271/84-85 — अतः मझे लक्ष्मण दास अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस दममें उसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि, स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु से अधिक है और जिसकी ग फोरेट न जे/302 जा अपार्टमेंट्स हिरानंदानी इस्टेट, अपनाथर के पीछे ओशिवरा, अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है (और दममें उपावद्ध अनुसूची में और पुण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के तारिख 21/8/1981 को पुरावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के निम्न अंशित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक

सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और और अतरक(को) और अतरिनी(यां) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अतरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) में धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा एकत्र गृहीत किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उा धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मंगस हिरानंदानी विल्डर्स । (अन्तरक)
2. श्रीमती विना प्रभुलाल शहा, और कुमारी विमला भगवानदास थापा । (अन्तरिनी)
3. अन्तरको ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बांटे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीना शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त ग्राहक सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — दममें प्रयुक्त शब्दा शार पदा का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अगसची

फोरेट न. जे/302, जो, अपार्टमेंट्स हिरानंदानी इस्टेट, अपनाथर के पीछे ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनसूची नैसाकी क्र.स.अई-2/37ईई/10271/84-85
आर जा मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसाक 24/8/1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8-4-1985

मोहर

(जा लागू न हो उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10271/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. J/302, Jupita Apartments Hiranandani Estate Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West) Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

1. M/s. Hiranandani Builders, (Transferor)
2. Smt. Veena Prabhlul Shah Kum. Vimla Bagwandas Shroff. (Transferee)
3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J/302 in Jupita Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10271/84-85 dated 24th August, 1984.

Dated: 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37ईई-10191/84-85 —अनसूची लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें उसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट न बि/609, जो. विलस अपार्टमेंट्स हिरानदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है) और उसमें उदाबद्ध अनसूची में और पूर्णतः वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम सं. धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के तत्वावध, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरण की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (का) और अन्तरिनी (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्वावक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि में कम करने या उससे बचने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्य दान अन्त आभितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स हिरानंदानी बिल्डर्स । (अन्तरक)
2. श्री, भूपिंदर सिंह धिल्लन । (अन्तरिनी)
3. अन्तरकों—
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. वि/609, जो, विनस अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, 4 बंगलोज, अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्रमस. अई-2/37ईई-10191/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 8-4-1985

भोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10191/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. V/609, Venus Apartment Hiranandani Estate, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hiranandani Builders, (Transferor)
2. Mr. Bhupinder Singh Dhillon, (Transferee)
3. ———
(Person in occupation of the property)
4. ———
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. V/609, Venus Apartments, Hiranandani Estate, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10191/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10190/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 प के अधीन न्याय प्राधिकारी को यह विषयगत करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. जे/601, जो ज्यूपिटर अपार्टमेंट्स हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई, में स्थित है) और हाथ उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम द्वारा की 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विषयगत करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अन्तरिका (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्येयार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

आतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपरि :-

1. मेमर्स हिरानंदानी इस्टेट्स । (अन्तरक)

2. श्री गुणार गोपाल खन्ता और श्री जी. वाई. खन्ता (अन्तरिकी)

3. अन्तरिकी ।

(वह व्यक्ति जिसके आश्रय में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अज्ञातकारी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञातकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं० जो ज्यूपिटर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा अंधेरी, (प) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-2/37ईई/10190/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख:- 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10190/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. J/601, Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hiranandani Builders, (Transferor)
2. Mr. Sunil Gopal Khanna and Mr. G. Y. Khanna. (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J/601, Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10190/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL

Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई-2/37-ईई-10188/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 12/ए, जो, सिल्वर सैडस, हिरानंदानी पार्क यारी रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के निये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-क. अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स हिरनंदानी कन्स्ट्रक्शन्स प्राइ लि० (अन्तरक)
2. कुमारी रुक्मीणी जी. मलकानी और श्री परमानंद जी. मलकानी । (अन्तरिती)
3. अन्तरकों ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. _____
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"दुकान नं. 12/ए, जो, सिल्वर सैंड्स, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क.स.अई-2/37ईई-101 88/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10188/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Shop No. 12/A, Silver Sands Hiranandani Park, Yari Road, Andheri (West), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hiranandani Const. Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Miss Rukmini G. Malkani Mr. Parmanand G. Malkani.
(Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 12/A, Silver Sands, Hiranandani Park, Yari Road, Andchri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for AR-II/37EE/10188/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश सं. अई-2/37ईई/8753/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. बि/102, जो, 1ली मंजिल, विनस अपार्टमेंट्स, ओशिवरा, अपना घर के बाजू में, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. हिरानंदानी विल्डर्म । (अन्तरक)
2. श्री फ्रेडडी भोपटी और श्रीमती निलोफर फ्रेडडी भोपटी (अन्तरिनी)
- 3.—अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
- 4.— (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. वि/102, जो, 1 ली मंजिल, विनस अपार्ट-मेंट्स, ओशिवरा, अपना घर के बाजू में, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8753/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./8753/84-85. —Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No V/102, 1st Floor, Venus Apartments, Oshwara, Near Apna Ghar, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Hiranandani Builders (Transferor)
2. Mr. Freddy Bhopti and Mrs. Niloufer Freddy Bhopti (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No V/102, 1st Floor, Venus Apartments, Oshiwara, Near Apna Ghar, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./8753/84-85 dated 1-8-1984.

Dated : 8th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8905/84-85 :—अतः मुझे नक्षमण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विषय कर देने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 201, जो, 2 री मंजिल, निर्माण कॉटेज, टी. भी. एम. नं. 1036, ऑफ जे. पी. रोड, बर्मोबा, बम्बई-68 में स्थित है) और इसमें जपाबद्ध अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी बन या अन्य आरित्यों की जिम्मे भागीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. अब्दुल शकुर अब्दुल करीम। (अन्तरक)
2. रेनु देवी कन्हैयालाल विधानी और तुलसी-दाम परसगम विधानी। (अन्तरिती)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं., 201, जो, 2 री मंजिल, निर्माण कॉटेज, टी. भी. एम. नं. 1036, ऑफ जे. पी. रोड, बर्मोबा, बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/8905/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./8905/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Nirman Cottage, Off J. P. Road, Versova, Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 29AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Abdul Shakoor Abdul Karim (Transferor)
2. Renudevi Kanayalal Vidhani & Tulsidas Parsram Vidhani (Transferee)
3. Transferees
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Nirman Cottage CT. S. No. 1036, Off J. P. Road, Versova, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./8905/84-85, dated 4-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL

(Strike o/ where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9766/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी प्लैट नं. 3, जो, 1 ली मंजिल, शिवा प्रिमायसेम, सिमर रोड, अंबोली, अंधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पिटी मार्टीन्स, और श्रीमती मार्गरेट मार्टीन्स (अन्तरक)
2. श्रीमती कविता पप्पू वर्मा, और श्री पप्पू बी. वर्मा (अन्तरिती)
3. अन्तरिता और उनके परिवार सदस्य (यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्मुखी

“फ्लैट नं. 3, जो, 1 ली मंजिल, शिवा प्रिमायमेस, मिसर, रोड, अंबोली, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अतसूची जैसा कि क्र. गं. अर्द्ध-2/37ईई/9766/84-85 और जो मशम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता. 8-4-1985

मोहरः

(जो नाग न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./9766/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 3, 1st Floor, Sheeba Premises, Caesar Road, Amboli, Andheri (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 256AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Piety Martins & Mrs Margaret Martins (Transferor)
2. Mrs. Kavita Pappu Verma & Mr. Pappu B Verma (Transferee)
3. Transferees (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Floor, Sheeba Premises. Caesar Road, Amboli, Andheri, Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./9766/84-85, dated 10-8-1984

Dated . 8-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10397/84-85. ---अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 201, जो, 2 री मंजिल, "बम्ब" हाउसिंग सोसाइटी लि., जे. पी. रोड, बम्बोवा, बम्बई-61. में स्थित है) और इसमें ब्यावहारिक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पद्धत प्रविष्टन से अधिक है और अन्तरक/अन्तरको और अन्तरिती/अन्तरितिया के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उसमें बचने से मजिदगी के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी अन्य या अन्य आगित्यो की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवाह नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित मजिदगी के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269क के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269क की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित वर्णितों प्रतिकल ---

- 1 श्री गोपाद कृष्णा सक्सेना और श्रीमती स्वरत कृष्णा सक्सेना (अन्तरक)
- 2 श्री विजय खेमका, और श्रीमती सुषमा खेमका। (अन्तरिती)

3. ---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अनुच्छेद में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 201, जो, 2 री मंजिल, "बम्ब" को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., जे. पी. रोड, बम्बोवा, बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/10397/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता. 8-4-1985

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10397/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Vaman CHSL, J. P. Road, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AR of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 264D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Gopal Krishna Saxena & Smt. Swaran Krishna Saxena (Transferor)
2. Shri Vijay Khenka & Smt. Sushma Khenka (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, 'VARUN' Co-op. Hsg. Society Ltd., J. P. Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE.10397/84-85, dated 28-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

166 GI/85-27

निर्देश नं. अई-2/37-ईई/10119/84-85 :—अतः

मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मंडुकांत नं. 10, जो. ग्राउंड फ्लोअर, "बेन्डर", (प्लॉट नं. 9 और 9-ए, एम. नं. 41 (अंश), ओशिवरा, 4 बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अंतर्मुखी में अंतर्पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ब्ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पृथग्वर्तित सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अंतर्गत(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अर्जित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थात् कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कविता ए. अलवेजा । (अन्तरक)
2. काचन गोबिंद खिमान्नी । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहसोक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान नं. 10, जो, ग्रांड फ्लोर, "बेन्जर", प्लॉट नं. 9 और 9A, एस. नं. 41(अण), ओशिवरा 4 बंगलो, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10119/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता: 8-4-85

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./10119/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Shop No. 10, Gr. Floor, BENZER, Plot No. 9 & 9A of S. No. 41(pt) Oshiwara, 4 Bungalows, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Mrs. Kavita A Alreja (Transferor)
- Kanchan Gobind Khimani (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 10, Gr. Floor, 'BENZER', Plot No. 9 & 9A of S. No. 41(pt) Oshiwara, 4 Bungalows, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./10119/84-85, dated 18-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10335/84-85 :—अतः सूजे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं. ए-11, जो, इमारत नं. "ए" 1 ली मंजिल, मुनील निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि., प्लॉट नं. 89 और 90, 4 बंगलो, जे.पी. रोड, अंधेरी (प), में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य : बाजार के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और नवो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिगत में अधिका है और आर. (को) और आरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब मान्य गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण विधि में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वामी करने या उससे दबने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की उचित भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्धारित —

1. श्रीमती सुपमा के. गेहानी (अन्तरक)
2. श्री विनोद के. शहा (अन्तरिनी)
3. आरिनी
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानना है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्ष्य —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोची

"प्लैट नं. ए-11, जो, इमारत नं. "ए", 1 नी मंजिल, सुनील निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 89 और 90, 4 बंगलो, जे.पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमोची जैसा कि क्र.सं. अई-2/37ईई/10335/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता० 8-4-84

मोहर :

*(जो लागू न हों उन्हें काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./10335/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. A-11, Bldg. A, 1st floor, Sunil Niwas CHSL Plot No. 89 & 90 4 Bungalows, J. P. Road Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Sushma K Gehani (Transferor)
2. Mr. Vinod K Shah (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-11, Bldg. A, 1st floor, Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 89 & 90, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37E/10355 84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/8982/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे हमके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया" है) की धारा 269ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट नं. 402, जो, 4थी मजिल, पुरुषोत्तम इमारत, रक्षमणि पुरुषोत्तम को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 21, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित, है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कगारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के परब्रह्म प्रतिशन से अधिक है और अन्तरक (का) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वाधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री सुरेश रतीनाथ जहा और श्रीमती ज्योत्सना सुरेश जहा ।

(अन्तरक)

2 श्री अर्जुन जे सानी और श्री अश्व जे. सोनी ।

(अन्तरिती)

d. —

(वह व्यक्ति, जिसे अधिराग में सम्पत्ति है)

d. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अत्राध बाद में समाप्त होगा है, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

सम्पत्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

'प्लेट नं. 402, जो, 4थी मजिल, पुरुषोत्तम इमारत, रक्षमणि पुरुषोत्तम को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., 21, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जिसका क्र. सं. अई-2/37/ईई/8982/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

मोहर ।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8982/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 402, Purshottam Building, Rukhmuni Purshottam Co-operative Housing Society, 21, J. P. Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Suresh Ratilal Shah, Smt. Jyotsna Suresh Shah (Transferor)
2. Shri Anil J. Soni & Shri Ajay J. Soni (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402, Purshottam Building, Rukhmuni Purshottam Co-operative Housing Society, 21, J. P. Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8982/84-85, dt. 6-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश में अर्द्ध-2/37/ईई/8983/84-85 —अन मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् "उक्त अधिनियम" माना गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विषयस करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 - रु. से अधिक रहा है और जिसकी फ्लैट नं. 302 जो पुरुषोत्तम हमारन, रुक्मिणी पुरुषोत्तम को-ऑप हाउसिंग सोसायटी, 21, जे. पी. रोड, अंधेरा (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विषयस करने का कारण है कि यथापूर्ववत सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिफल में अधिक है और अंतरक (कों) और अतिरिक्त (या) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निशों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमती एम जी गोपालानी । (अन्तरक)

2 श्री सुरेश रमोल ल शह और श्रीमती ज्योत्सना सुरेश शह । (अन्तरक)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 303, जो, पुरुषोत्तम इमारत रुखमणि पुरुषोत्तम को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, 21, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अ. स. अई-2/37ईई/8983/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

transferee for the purposes of the Indian or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. S. G. Gopalani (Transferor)

2. Shri Suresh R. Shah & Smt. Jyotsana S. Shah (Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, Purshottam Building, Rukhmani Purshottam Co-operative Housing Society, 21, J. P. Road, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8983/84-85, dt 6-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

Ref. No. AR-II/37EE/8983/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 303, Purshottam Building, Rukhmani Purshottam Co-operative Housing Society, 21, J. P. Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

(परिणाम स. अई-II/37-ईई/10102/84-85 --अन मुझे, लखमण दास जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) का धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु से अधिक है और जिसकी फ्लैट न. 84, जो, रूप दर्शन "ब" इमारत, सप्त तरंग को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., सी डी. बर्फवाला मार्ग अधरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थार्थ —

1. प्रवीण बाबूला पंचाल और काशिवेन बाबूला पंचाल। (अन्तरक)

2. बसन्तलाल रणछोडदास ठक्कर । (अन्तरिती)

3 —

(वह व्यक्ति जिसके अविभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट न. 84 जो रूप दर्शन "ब" इमारत, सप्त तरंग को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि. सी डी बर्फवाला मार्ग अधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि स अई-2/37ईई/10102/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख . 8-4-1985

मोहर .

(जा लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EU/10102/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000 and bearing Flat No 84, Roop Darshan B Building, Sapt Tarang Co-operative Housing Society Ltd., C. D. Barluwala Marg, Andhri(W) Bombay 58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 26JC of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Pravin Babulal Panchal & Keshiram Babulal Panchal (Transferor)
2. Vasantlal Ranchhoddas Thakkar (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 84, Roop Darshan B Building, Sapt Tarang Co-operative Housing Society, Ltd., C. D. Barfiwala Marg, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10102/84-85. dt 18-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9773/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी पर्यटन 707, जो 7 वां मजिल, निम्न अपार्ट-मेंट्स, निम्न शांति सेंटर को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि. जो. पा. रोड अधरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुगृही में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चात्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत/अन्तर्गतों और अन्तर्गत/अन्तर्गतियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी डाग या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति —

1. परवेश चंदर दात्रा । (अन्तरक)

2. देवेंद्र चंद्रकांत देवस्थकर । (अन्तर्गती)

3. अन्तर्गती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 707, जो, 7 वीं मंजिल, शिवम अपार्टमेंट्स, शिव शॉपिंग सेंटर को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जे. पी. रोड अधेरी (प.), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची (जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9773/84-85 और जो यत्र प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंगिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9773/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 707, 7th floor, Shiv Shopping Centre Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Parvesh C. Batra (Transferor)
2. Devendra C. Dorubkhan (Transferee)
3. Transferee (Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 707, 7th floor, Shivam Apartments in Shiv Shopping Centre Co-operative Housing Society Ltd., Andheri(W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9773/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8840/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 504-सी जो. गोल्डन चारीओट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 4 बंगलों, ओशिवरा, (प.), बम्बई -58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा

आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सशम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें कटने में मूविडा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविडा के लिए

उक्त प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री इंदरजीव दारोथा । (अन्तरक)

2 श्री राजनीकान्त आर. शहा, और श्रीमती एन. आर. शहा (अन्तरिती)

3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुमोची

फ्लैट न. 504-सी, जो, गोल्डन चारोआट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी (ल.), 4 बंगलो अंधेरी (प.), ओशिवरा, बम्बई-59 में स्थित है ।

अनुमोचक जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8840/84-85 और जो सशम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया जा रहा है ।

तारीख : 8/4/1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II37EE./8840/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 504-C, Gold Chariot Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Inderjit Dariya (Transferor)

2. Shri Rajnikant R. Shah & Mrs. N. S. Shah (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 504-C, Gold Chariot Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 15-5, S. No. 41- 4 Bungalows, Oshiwara, Bombay-58.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./8840/84-85, dt. 2-8 1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9801/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 505, जो, सी फ्रेस्ट 1, 7 बंगलोज, वर्मावा, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उध धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. लेफ्टनंट कर्नल वि. जी. कोलवाल । (अन्तरक)
2. श्रीमती माला जेयानंदानी और श्री हरीश जेयानंदानी (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 505, जो, सी फ्रेस्ट 1, 7 बंगलोज, वर्मावा बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9801/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 8/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9801/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 505, Sea Crest, I, 7 Bungalows, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

1. Lt. Col. V. G. Kotwal (Transferor)
2. Mrs. Mala Jethanandan and Mr. Harish Jethanandani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 505, Sea Crest, I, Seven Bungalows, Versova, Andheri, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9801/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/9757/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. ए-52, जो, 5वीं मंजिल, गंगा भवन, जय प्रकाश रोड, बर्मोवा, अधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्व अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रमिला जसपाल हर्यानी और श्री विजय जसपाल हर्यानी। (अन्तरक)
2. श्रीमती नदिनी बाबू नाडकर्णी और श्री बाबू शंकर नाडकर्णी। (अन्तरिनी)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. ए-52, जो, 5वीं मंजिल, गंगा भवन, जयप्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प.), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9757/84-85 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8/4/1985

मोहर:

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9757/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. A-52, Ganga Bhavan, J. P. Road, Versova, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Pramila Jaspalharyani & Mr. Vijay Jaspal Haryani (Transferor)
2. Mrs. Nandini Baboo Nadkarni & Mr. Baboo Shankar Nadkarni (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-52, Ganga Bhavan, Jay Prakash Road, Versova, Andheri(W) Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9757/84-85, dt: 10-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37ईई/10058/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी में फ्लैट नं. ए-1, जो, ग्राउंड फ्लोर, “आशिर्वाद” इमारत, वीरा देसाई क्रॉस रोड नं. 1, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. इष्टदेव सदन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती प्रमिला मुरलीधर । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है ।)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है की
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. ए-1, जो, ग्राउंड फ्लोर, “आशिर्वाद” इमारत, वीरा देसाई क्रॉस रोड नं. 1, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10058/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख :- 8-4-1985

मोहर :

(जो) लागू न हो उसे काट दीजिये

Ref. No. AR-II/37EE/10058/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. A-1, Gr. floor, Ashirwad Bldg., Veera Desai X Road No. 1, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Ishtadev Sadan Co-operative Housing Society (Transferor)
2. Smt. Pramila Muralidhar (Transferee)
3. -Do- (Person in occupation of the property)
4. -Do- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-1, Gr. floor, 'Ashirwad' Bldg., Veera Desai Cross Road, No. 1, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. A-II/37EE./10058/84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ई ई/8743/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 604, जो, 6 वी मंजिल, बेनाहूर को-ऑप, हाउसिंग सोसाइटी लि. विंग-सी प्लॉट नं. 15/8, एम. नं. 41 आफ 4 बंगलोज, वसन्ति अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की श्रावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उा धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति जयवंती जेयानंद नागपाल । (अन्तरक)
2. श्री श्रीचंद एस. ठाकुरेल । (अन्तरिती)
3. श्री एस.एस. ठाकुरेल
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 604, जो 6 वीं मंजिला, बेनहूर को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., विंग-सी, प्लॉट नं. 15/8, एस. नं० 41, आफ 4 बंगलोज, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैना की क्र. सं. अ ई-2/37ईई/8743/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8743/84-85.—Whereas, I Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 604, 6th floor, Benhur CHSL, Versova, Andheri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Jaivanti Jethanand Nagpal (Transferor)
2. Shri Srichand S. Thakurel (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)

4. -Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Benhur Co-op. Hog. Soc. Ltd., Wing No. C, Plot No. 15/8 S N. 41, Off Four 8743/84-85, dt. 1-8-1984.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8743/84-85, dt. 1/8/1984.

Dated 8-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अ ई-2/37—ईई/10149/84-85:—अन: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसमें पश्चात् “उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्पष्ट रूप से सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 33-ए, जो, मुनिन निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 4 बंगलोज, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(क) उस किसी आ या किसी इन या अन्य आस्तिया की जिन्हें भारतीय आयदा र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयदा र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयदा र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायोर्जनार्थ अन्वयिणी द्वारा प्रकाशित किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद करने के लिए।

अब अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूची में, में उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थों में —

- 1 श्री. एन. क. कानूनी (अन्तर)
- 2 श्रीमति वि. वि. भट (अन्तरिणी)
- 3 —
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4 —
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अज्ञातस्थानी जानकारी है की वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के लिए फाँट कागजातों का इस्तेमाल करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि या भी अवधि बाद में समाप्त जानी है, के भीतर पब्लिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ भारतीय आयदा र अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 33 ए, जे. भनीरामि रा को अप हाउसिंग सोसाइटी, 4 बंगला अग्रेरी (प०) बम्बई 55 में स्थित है।

अनुसूची जै 1 की क्रम अर्द्ध 2/37ईई/10149/84-85 और जे अक्षम प्राप्ति गरा बम्बई द्वारा दिना 18/8/1984 को प्रकाशित किया गया है।

तारीख 8/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे वापस लिजिये)

166 GI 85-29

Ref No AR-II 37EE 10149 84-85 —Whereas I Laxman Das being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000 and bearing Flat No 33 A Sunil Ni is CHSL, 4 Bungalows Andheri Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

- 1 Mr O L Kotwani (Transferor)
- 2 Vasantri Vishnu Bhat (Transferee)
- 3 —
- (Person in occupation of the property)

- 4 —
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 33A, 3rd floor, Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10149/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9076/84-85 :— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्रापर्टी व्हिलेज अंबिवली सिटी सर्वे नं. 217 और 217 (1 से 4), अंधेरी, बम्बई में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. विन्सेन्ट डिमेलो, और रेनारड डिमेलो (अन्तरक)
2. मैसर्स इंटरिन्टेल कन्सल्टन्स (अन्तरिती)
3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“प्रापर्टी व्हिलेज अंबिवली सिटी सर्वे नं. 217 और 217 (1 से 4), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/9076/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9076/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property situated at Village Ambivali City Survey No. 217 & 217 (1 to 4) Mun. Ward No. K-5674(1) 46 BA Ambivali Pada Zavali Shed (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Vincent D'Mello & Reynold D'Mello
(Transferor)
2. M/s. Interintel Constructions (Transferee)
3. Transferors
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property bearing Survey No. 217 & 217(1 to 4) Municipal Ward No. K-5674(1) 46 BA Ambivali, Pada Zavali Shed, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9076/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9083/ 84-85 :— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,000,00/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. बी-13 जो चौथी मंजिल, पाप्युलर अपार्टमेंट्स को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि. 4 बंगलो, जे.पी. रोड, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगजीत सिंग धरमसिंग अनेजा, (अन्तरक) और श्रीमति परमजीत कौर जे. अनेजा।
2. श्रीमति ज्योत्सना जनार्दन प्रभु (अन्तरिती) और कुमारी माधवी जनार्दन प्रभु।

3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(रु) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए गए संशोधन।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. बी-13 जो, चौथी मंजिल, पॉपुलर अपार्टमेंट्स को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि 4 बंगलोज, जे पी. रोड, अंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.म अई-2/37ईई/9083/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37EE. 9083 84-85.—Whereas, I, Laaman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. B-13, Popular CHSL, 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Mr. Jisjitsingh Dhanusingh Arnedra and
Mrs. PParamjeet Kaur Jagjit Singh Arnedra
(Transferee)
- Mrs. Jyotsna Janardhan Prabhu and
Kum. Madhavi Janardhan Prabhu
(Transferee)
- Transferees
(Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-13, Popular Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W) Bombay 58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II 37EE 9083 84-85, dt. 9-8-1984.

Date: 8-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन म. अई-2/37-ईई/10043/84-85 -अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 605, जो. 6 वी मंजिल सी ब्रेड 7 बंगलोज, बर्मोवा रोड, अंधेरी (प.), बम्बई-61 में स्थित है) और इसमें उपावद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधिन, मक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दायमान प्रान्तफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल है, ऐसे दायमान प्रतिकूल के पदार्थ प्रतिगत में अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिणी (या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रान्तफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दिये नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री नरेंद्र सिंह घेंडी । (अन्तरक)
2. श्रीमते नन्दीबाई के स्वामीजी और (अन्तरिणी)
श्री कन्हैयालाल डी खानानी ।
3. —————
(वह व्यक्ति, जिसके अभिप्राय में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीवा शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्वामी सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 2(1) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 605 जी, 6वीं मंजिल सी ब्रेजी, 7 बंगला, वर्सोवा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की कम में आई-2/37ईई/10043/84-85 और जो सबसे प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे का दायजें)

Ref. No. AR-II 37EE/10043/84-85.—Whereas, I, Lakman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 605, 6th floor, SEA Freeze, 7 Bungalows, Versova Road, Andheri (W) Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Narindar Singh Bedi
Co. (P) Ltd. (Transferor)
2. Mrs. Laxmitbai K. Gwalani & Mr. Kanayalal (Transferee)
3. (Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 605, 6th floor, SEA Breeze, 7 Bungalows, Versova Road, Andheri (W) Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-113/LL. 10043/84-85, dt. 16-8-1984

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10337/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 6/ए जो, कविता अपार्टमेंट्स सी० टी० एस० 1030, यारी रोड, वर्सोवा अंधेरी, (१), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मेरजीस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर (हॉ) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निर्दिष्ट रद्दीय है. उक्त अंतरण लिखित में दस्तदिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तर्गत से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी डाप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आदर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री केदारनाथ राय (अन्तरक)
2. श्रीमति. उपा जयराम चावला । (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए बर्तवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो' के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अंतर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में, परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान न. 6/ए, जो, कविता अपार्टमेंट्स सी.टी.एस. 1030, यारी रोड वर्सोवा, अंधेरी (१), बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्रम सं. अई-2/37ईई/10337/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

गोहर

जो लागू न हो उसे काट दें ।

Ref. No. AR-II,37EE,10337/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 109B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 5/A, Kavita Apartments, CTS No. 1050, Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay-61 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Kcdarnath Rai (Transferor)
2. Mrs. Usha Jairam Chawla (Transferee)
3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 6 A, Kavita Apartments, CFS No. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE, 10337/84-85, dt. 25-8-1984

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/8744/84-85. —अन. मुझे, लक्ष्मण दाम आयर आर्धनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसमें पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 13 जे. "ए" इमारत, पहली मजिल, इंदर-सुख को आप. हाउसिंग सोसाइटी लि. प्लॉट नं. 143/1/बी, 4 बंगला रोड, जे पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनमची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/त

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ;

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम नरेशदास खत्री। (प्रतिरत)
2. श्री सईद चौहान और अहमद चौहान। (अन्तरिती)

3. —अन्तरह

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 13, जो, "ए" इमारत, पड़वी मंजिल, इंदु-सुख को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि, फ्लैट नं. 143/4/बी, 4 बंगला राड, जे.पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.सं.-2/37ईई/8744/84-85 और जो सक्षम प्राविण्यो बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 8744/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 13, A Bldg., 1st floor, Indra-Sukh CHSL, Plot No. 143/4 B, 4 Bungalow Road Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Mr. Ram Tirathdas Khatri (Transferor)
- Mr. Saeed Chauhan & Mr. Ahmed Chauhan (Transferee)
- Transferor
(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 13, A Bldg., 1st floor, Indra-Sukh CHSL, Plot No. 143/4 B, 4 Bungalow Road, J. P. Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8744/84-85, dt. 1-8-1984.

Dated : 8-4-1985.

Seal :

Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई-2/37-38/10409/84-85 - अतः महे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस अधिनियम के अधीन "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/ रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 403, जा. 4 थी मंत्रालय, इमारत नं. 19, अप्पा घर यूनित नं. 5 को अप्पा हाउसिंग सोसाइटी लि., विल्हेज ऑगिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 28-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और महे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति-जन्य से अधिक है और अन्तर्गत (को) और अन्तर्गत (यो) के बीच अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर्गत लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत से हुई किसी अप्पा की बावत आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व से कमी करने या उसमें कटौती में मदद के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी अप्पा या किसी अन्य या अन्य आगियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित उद्देश्यों के अन्तर्गत :—

1. मेमर्स समर्थ डेवलपमेंट प्रापिंगन। (अन्तर्गत)
2. श्री प्रसाद वासुदेव कुलकर्णी। (अन्तर्गती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिस वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कर रहा है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 403, जा. 4 थी मंत्रालय, इमारत नं. 19, अप्पा घर यूनित नं. 5 को-अप हाउसिंग सोसाइटी लि., विल्हेज ऑगिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की स. सं. आई-2/37-38/10409/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1/4/1985

माहिर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 371-I, 10409/84-85 --Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 403, 4th floor, Bldg., No. A 19 Appa Ghar Unit No. 5 Co-op. Hsg. Soc. Ltd, Oshiwara, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M. S. Samartha Development Corpn.
(Transferor)
2. Shri Prasad Vasudeo Kulkarni (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Building No. A/19, Apna Ghar Unit No. 5 Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Village Oshwara, Andheri (W) Bombay-53

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-11/57EE/10409/84 85, dt. 28-8-1984

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अट-2/37ईई/8930/84-85 :- अतः मझे, लक्ष्मण दाम आयर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन गन्तव्य प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं 005, जो अपना घर युनिट नं 1 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि० इमारत नं. ए-4(ए), ओशिवरा आफ जे.पी. रोड, 4 बंगलोज के पास, अंधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से दर्शाया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उा धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उपात्त :-

1. समर्थ डेक्लरमेंट एअरपॉजित। (अन्तर 1)
2. श्रीमती. शकीला टी. शामसु और
श्री. माहिब अब्दुल ग़ादर। (अन्तरिणी)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दफनने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिम्मेदारी भारतीय आदतदर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

उक्त अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैमर्ग समर्थ डेवेलपमेंट कॉर्पोरेशन। (अन्तरगत)

2. श्री हरीचंद जीवन्दास तलरेजा और आमतो तमन्ना हरीचंद तलरेजा। (अन्तर्गति)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गति

"फ्लैट नं 003, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं ए-7 अपना घर यूनिट सं 2 को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि., आंशिकता श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. बी रोड, 4 बंगलाज के सामने, अश्वरी (ग), बम्बई-59 में स्थित है।

अन्तर्गति जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10088/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

सोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10088/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000— and bearing Flat No. 003, Bldg. No. A-7, Gr. floor, Apna Ghar Unit No. 2 CHSL, Andheri (West) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M.s. Samarth Development Corporation (Transferor)

2. Shri Harichand Jeevandas Talreja & Mmt. Tamanna H. Talreja (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 003, Gr. floor, Building No. A-7, Apna Ghar Unit No. 2 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara Shree Swami Samarth Nagar, Off J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EL/10088/84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन में अर्द्ध-2/37ईई/10270/84-85 :- अतः मुझे), लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी न फ्लैट नं. 406, जो, 4थी मंजिल इमारत नं. बी-14, अपना घर यूनिट नं. 9 को० आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., ओशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. पी. रोड, 4 बंगलोज के सामने अधोरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (जो इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 हख के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरनी (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सीविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निपटारे में सीविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मेसर्स सधर्म डेवलपमेंट कार्पोरेशन। (अन्तरक)
2. श्रीमती फिलोमिना डिओला (अन्तरिणी)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 406, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. बी-14, अपना घर यूनिट नं. 9 को० आप. हाउसिंग सोसाइटी लि. ओशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. पी. रोड, 4 बंगलोज के सामने, अधोरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अर्द्ध-2/37ईई/10270/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10270/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 406, 4th floor, Bldg. No. B-14, Apna Ghar Unit No. 9 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (West) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule appended hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Samarth Development Corporation
2. Smt. Philomena Desouza (Transferee)
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 406, 4th floor, Bldg. No. B-14, Apna Ghar Unit No. 9 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Gokulnagar, Shree Swami Samarth Nagar, Off. J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10270/84-85, dt. 24-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई—2/37ईई/10089/84-85 :— अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है। (की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संप्लैट नं. 407, जो, 4थी मजिल इमारत नं. ए-22, अपना घर यूनिट नं. 4 को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि. ओशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. पी. रोड, 4 बंगलोज के सामने, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसी उपायवादी अनुपुत्री व आर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका प्राप्त बाजार अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हेतु तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के समान दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरि की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर/अंतरकों और अंतरि/अंतरियों के बीच ऐसे अंतर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में दिया नहीं गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाढ़त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरि द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वये में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित वस्तुओं का अधिनियम :-

1. मैसर्स समर्थ डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन । (अन्तरक)

2. श्रीमती अन्ना जे. रॉड्रिगुज । (अन्तरिती)

3. ---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानुसार, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 407 जो, 4थी मंजिल इमारत नं. ए-22, अपना घर यूनिट नं. 4 को अप हाउसिंग सोसाइटी लि., ओशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. पी. रोड, 4 बंगलोज के सामने, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अ. सं. अई-2/37ईई/10089/84-85 और जो पञ्चम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

। (जो नाम न ही उक्त अधिनियम)

Ref. No. AR-JJ/37EE/10089/84-85.—Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 407, 4th floor, Bldg., No. A-22 Apna Ghar CHSL, Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar, Off J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (West) Bombay-58 (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)
2. Smt. Anna Joequine Rodrigues (Transferee)
3. ---
(Person in occupation of the property)
4. ---
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 407, Bldg., No. A-22, 4th floor, Apna Ghar Unit 4 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar, Off J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10089/84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8996/84-85 :- अन्तः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 004, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. ए-4(ग) अपना घर यूनिट नं. 1 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. विलेज ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका अगस्तनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दाम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपावृद्ध सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) अंतर्गती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या मत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्तरित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित दायित्वों उपावृद्ध :-

1. समर्थ डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन। (अन्तरक)
2. श्री अशोक वसंत पाटकर और श्री वसंत जी पाटकर। (अंतर्गती)

3. ---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पृथक् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथक् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 004, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. ए-4 (ग), अपना घर यूनिट नं. 1 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., विलेज ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि प्र. सं. अई-2/37ईई/ 8996/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे छूट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8996/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 004, Building No. A4(a), Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Village Oshiwara, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Samarth Development Corporation
(Transferor)
2. Mr. Ashok Vasant Patkar, Vasant Gpatkar
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 004, Building No. A4(a) Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Village Oshiwara, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/8996/84-85, dt. 6-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/10209/84-85 :—अतः

मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन समक्ष प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट नं. 406, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. ए-22, अपनाघर हाउसिंग सोसाइटी, जय प्रकाश रोड, चार बंगलो, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 बख के अधीन लक्ष्मण प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 21-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (कों) और अंतर्ली (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. समर्थ डेवलपमेंट कारपोरेशन । (अन्तरक)
2. अनील चंदन मन सिधवी । (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) ।

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अर्थात् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 406, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. ए-22, अपना घर हाउसिंग सोसाइटी, जय प्रकाश रोड, चार बंगलों, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्र. सं. अई-2/37ईई/10209/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10209/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Flat No. 406, A-22, Apna Ghar Hsg. Society, Jay Prakash Road, Char Bungalow, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income, or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Samanth Development Corporation
(Transferor)
- Anil Chandmal Singhvi
(Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 406, A/22, Apna Ghar Hsg. Soc., Jay Prakash Road, Char Bungalow, Andheri (W) Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10209/84-85, dt. 21-8-1984
Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9088/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 003, जो, ग्रान्ड फ्लोर, इमारत नं. ए-29, अपना घर युनिट नं. 3, सी-आप 2 हाउसिंग सोसाइटी लि., ओशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, जाफ जे पी. रोड, 4 बंगलो के सामने अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसका उक्तवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, (और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में वसूली के दृश्यमान प्रतिकर्ष के लिये अनुरोध की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापारिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, में उक्त दृश्यमान प्रतिकर्ष में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर्ष के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतर/अंतरको और अंतरिणी/अंतरिणीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर्ष, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम करने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की निम्ने भागीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वयिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-गणन में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स समर्थ डेवलपमेंट कार्पोरेशन। (अन्तरक)
2. श्री प्रदीप कृष्णा पाटील। (अन्तरिणी)
3. — (वह व्यक्ति, जिसने अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त अधिभोग सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के

अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 003, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. ए-29 अपनाघर युनिट नं. 3 को-ऑप, हाउसिंग सोसाइटी लि. ओशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, ऑफ जे. पी. रोड ऑफ 4 बंगलाज, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई- 2/37ईई/ 9088/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 1-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे वाट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./9088/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 003, Gr. floor, Building No. A-29, Apna Ghar Unit No. 3 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar, Off J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. M/s. Samntha Development Corporation
(Transferor)
2. Shri Pradip Krishna Patil
(Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 003, Building No. A-29, Gr. floor, Apna Ghar Unit No. 3 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar Off J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9088/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 1-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10163/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 28, जो सुनील शापिंग सेंटर, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वसूलीनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्रान् प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत् में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घातः :—

1. श्री एम. के. जुनेजा। (अन्तर्गत्)

2. मैसर्स इलाईट प्रॉडक्ट्स। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिस्सेदार है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं. 28, जो, सुनील शापिंग सेंटर, जे. पी. रोड अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10163/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसका हटा दिया जाये)

Bombay, the 8th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10163/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 28, Sunil Shopping Centre, J. P. Road, Andheri (West) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri M. K. Juncja (Transferor)
2. M/s. Elite Products, (Transferee)
3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 28, Sunil Shopping Centre, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10163/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10286/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269B के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी की तरह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. डी-2, जो ग्राउंड फ्लोअर, कैलाश को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि. सी. डी. बर्कीवाला मार्ग, जुहूँ गली, अर्धेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) ओ. पी. ए. ए. ए. ए. ए. आयकर अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिनी (याँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमती बिमला देवी पिनाडीदार आनंद । (अन्तरक)

2 श्री और श्रीमती आर एम पंचगिर । (अन्तरक)

3. —

(वह व्यक्ति, जिनके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पत्र लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. डी-2 जो ग्राउंड फ्लोअर, कैलाश को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि. सी. डी. वर्कोवाला मार्ग जुहू, गली, अवेनी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जे.म.क.क. म. अई-2/37ईई/10286/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

मोहर ।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10286/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000[—

and bearing Flat No. D-2, Ground Floor, Kailash Co-op. Housing Society Limited, Juhu Gally), Andheri (West), Bombay-400058 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 27-8-1984 for an apparent consideration which is

1 Mrs. Bimladevi Pindidas Anand

(Transferor)

2. Shri and Smt. R. M. Panchigar

(Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of this notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. D-2, Ground Floor, Kailash Co-op Housing Society, Limited, C. D. Barfiwala Road (Juhu Gally), Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10286/84-85 dt. 25-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8904/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है”) को धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1000,00/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट सं. 204 जो 2 री मंजिल निर्माण कांटेज, सी. टी. एस. 1036 यारी रोड, ऑफ जे. पी. रोड, वर्सोवा, बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरितो/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने से सन्दिग्धता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्धता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में ये उक्त अधिनियम की धारा 269B को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सैयद अब्दुल कादर और सैयद फरीद । (अन्तरक)
2. जीतराम हजानंद गावतानी और दूरुदेवी जीतराम सावतानी । (अन्तरितो)

3. अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. do

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करना हें । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 204 जो 2 री मंजिल निर्माण कांटेज, सी. टी. एस. 1036 यारी रोड ऑफ जे. पी. रोड, वर्सोवा, बम्बई-68 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8904/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख:—8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8904/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 204, 2nd Floor, Nirman Cottage, C.T.S. 1036 Yari Road, Off J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Syed Abdul Kadar Syed Farid (Transferor)
(Transferee)
- Jiwatram Hassanand Sawlani Durudevi Jiwatram Sawlani (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd Floor, Nirman Cottage, C.T.S. 1036, Yari Road, Off J. P. Road, Versova, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/18904/84-85, dt. 4-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37-ईई/10117/84-85.---अत. मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसका मूकान नं. 11 जो ग्राउंड फ्लोअर, बेल्जर प्लॉट नं. 9 आर 9-ए, एस. नं. 41 (अंण), ओगिणगरा 4 बगलोज, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है) (और इसमें उपावृद्ध अनुशुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मानिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दादत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के नायिख में कमी करने या उसमें इस्तेमाल में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगंत्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निर्मानिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1. श्रीमती कविता अलरेजा । (अन्तरक)
2. जानकीबाई प्रि.दास खिमान्नी । (अन्तरिती)
3. ---
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. ---
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं. 11, जो ग्राउंड फ्लोअर बेन्जर, प्लॉट नं. 9 और 9A, एस. नं. 41(अंश), ओशिवरा 4 बंगलोज, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है।”

अनुसूची जैगहिस क्र. ग. अई-2/37ईई/100,177/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख :—8-4-1985

महंर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10117/84-85.—Whereas, 1, Lakshman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 11, Ground Floor, Benzer Plot, No. 9 and 9A, S. No. 41(Part), Oshiwara, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or :

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Kavita A. Alreja (Transferor)
2. Jankibai Pribhdas Khimani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 11, Ground Floor, Benzer, Plot No. 9 and 9A, S. No. 41 (Part) Oshiwara, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10117/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 8-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10401/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास अयकर अधिनियम” 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “इक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. ए-33 जो 3री मंजिल, सुनील निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी 4 बंगलोज अंधेरी(प), बम्बई-58

में स्थित है) और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 28-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजारमूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

इतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. ओ. एल. कोटवानी । (अन्तरक)
2. श्रीमती वसन्ती वि. भट्ट । (अन्तरिती)
3. —
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अंतिम दिनांक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त ग्वांर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. ए-33, जॉ. 3 री मंडिल, सुनील निवाग का-
ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, 4 बंगलोस अंधेरी (प),
बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10401/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28/8/1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख:-8-4-1985

मोहोर

(जो लागू न हों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10401/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. A/33, 3rd Floor, Sunil Niwas Co-op. Housing Society, 4 Bungalows, Andheri (West), Co-operative Housing Society, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. O. L. Kotwani (Transferor)
2. Smt. Vasanti V Bhat (Transferee)

- 3 —
(Person in occupation of the property)
- 4 —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No A/33 3rd Floor Sunil Niwas Co-op Housing Society, 4 Bungalows Andheri (West), Bombay 400058

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No AR-II/37EE/10401/84-85 dt 28-8-1984

Dated 8-4-1985

Seal

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं अई-2/37ईई/8994/84-85—अन मुझे, लक्ष्मण दास गायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने हमारे पश्चात् उस अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति निम्नका उचित बाजार मूल्य 100,000/ रु में अधिक है और जिसकी सं प्लॉट नं 140-बी कामगार नगर के पास 4 बंगलो, अग्नेरी बसोवा रोड, बम्बई 51 में स्थित है) और हमने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वम् सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुधिर नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

इत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनियम —

- 1 श्रीमती कुसुमबाई आर टक्कर और श्री पंडित ताडीकान वेदालवार । (अन्तरक)
- 2 श्रीमती आशा राघवेद्र निराले और श्रीमती सरस्वती बाई दिगवर गव निराले । (अन्तरिती)

3 —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनसूची

"प्लॉट नं 140-बी जो कामगार नगर के पास, 4 बंगलो, अग्नेरी बसोवा रोड, बम्बई-59 में स्थित है ।"

अनुसूची जैसाकि क्र सं अई-2/37ईई/8994/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8994/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 140-B, Near Kamgar Nagar, Four Bungalows, Varsova Road, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Kusumbai R. Thakkar & Mr. Pandit Tadikant Vedalankar (Transferor)
2. Smt. Asha Raghavendra Nirale and Smt. Saraswatibai Digamber Rao Nirale (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 140-B, Near Kamgar Nagar, Four Bungalows, Andheri (West), Varsova Road, Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8994/84-85 dated 6-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8946/84-85—अन. मुझे. लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. युनिट नं. 109-बी, जो प्लॉट नं. 22, अंधेरी इंडस्ट्रियल स्टेट को-ऑप. सोसाइटी लि., अंबोवली विहारेज, बीरा देसाई रोड अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की श्राव्य, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किमी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. अकबर इब्राहीम बूटवाला । (अन्तरक)
2. टी. सधियानाथ । (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"यूनिट नं. 109बी, जो, प्लॉट नं. 22, अंधेरी इंडस्ट्रियल इस्टेट को-ऑप सोसाइटी लि., अंबिवली विलेज, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/8946/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8-4-1985

मोहोर

(जो लागू न हो उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8946/84-85.—Whereas, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No. Andheri Industrial Estate Co-op. Society Limited, Unit No. 109B Plot No. 22, Ambivli Village, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay—400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Akbar Ebrahim Bootwala (Transferor)
2. Thayyullathil Sathianath Prop. Laxmi Tools (Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Andheri Industrial Estate Co-op. Soc. Ltd., Unit No. 109B, Plot No. 22, Ambivli Village, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8946/84-85 dated 4-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश में अई-2/37ईई/10121/84-85—अन मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु से अधिक है और जिसकी ग फ्लैट नं. 304 जो पुरुषोत्तम रुक्मणि पुरुषोत्तम हाउसिंग सोसाइटी लि., 21, जे पी रोड, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिनी/अन्तरिनियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने से सन्दिग्ध के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी अंग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्ध के लिए

अन अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को उचित :—

1. विजय एन. गोपावामी । (अन्तरक)

2. बाडीलाल नंदू आर. जीमनी मिना वि. नंदू । (अन्तरिनी)

3. अन्तरिनियों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके धार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई शुरू कराई है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निम्नलिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 304, जो, पुरुषोत्तम, रुक्मणि पुरुषोत्तम हाउसिंग सोसाइटी लि., 21 जे पी रोड, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि च स अई-2/37ईई/10121/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 8-4-1985

मोहोर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37FE/10121/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 304, Purshottam, Rukmani Purshottam Housing Society Limited, 21 J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- 1 Vijay N. Gopalani (Transferor)
- 2 Vadilal Nandu and Smt Meena V. Nandu (Transferee)
- 3 —
(Persons in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 304, Purshottam, Rukhmai Purshottam Housing Soc. Ltd., 21, J. P. Road, Andheri (West), Bombay—400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EP/10121/84-85 dated 18-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अर्द्ध-2/37-ई/10066/84-85—अतः मैं, लक्ष्मण राम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार

मूल्य 1 00 000 रु. से अधिक है और जिसकी मैं पत्तै न 401, जो इसारत "ज्ञान" गी टी. एस. नं. 1243 और 1243/1 आंक भारी रोड, वर्मावा, अंधेरी (प), बम्बई - 61 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिमी/अन्तरिनियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दफने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्व अन्तरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् —

- 1 कुमारी गिता मूलचंद पंजाबी । (अन्तरक)
- 2 श्री फाजल माववी । (अन्तरिमी)
- 3 —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4 —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके परोक्ष सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 10 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त अधिनियम के अधोदस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आ-
यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 401 जो, इमारत "शान", सी टी. एस.
नं. 1243 और 1243/1, ऑफ यारी रोड, वर्सोवा,
अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10066/84-85
और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10066/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000
and bearing Flat No. 401, Building Shaan C.T.S. No.
1243 and 1243/1, Off Yari Road, Versova,
Andheri (West), Bombay-58 (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
17-8-1984 for an apparent consideration which on
less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Miss Geeta Moolchand Punjabi (Transferor)
- Mr. Fazal Malvi (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 401, Building Shaan, C.T.S. No. 1243 and 1243/1, Off Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay—400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/10066/84-85 dated 17-8-1984.

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. अई-2/37ईई/8998/84-85 —अ.स.
मझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधि-
नियम" कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. युनिट नं. 401-अ, जो, प्लॉट नं. 22, अंधेरी वंडरमिथल इस्टेट को ऑफ योसावडी रोड अंधेरी विलेज, वर्सोवा फ्लैट नं. 501/अ, जो नेबुला आगाटेमेंट्स हीराचन्दाने स्टेट, अपना घर है प्लॉट ऑफिस रोड, अंधेरी (प), बम्बई, 58 में स्थित है) (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजि-
स्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/ अंतरकों और अंतरितो/ अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्वारा अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. अपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स । (अन्तरक)

2. पद्मा एल. ऑगडी । (अन्तरिनी)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

1 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पब्लिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 504/बी. जो, नेबूला अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, अपना घर के पीछे, ओ-शिवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची नैसा कि क्र. स. आई-2/37ईई/8998/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख . 8/4/1985

संहर :

(जो लागू न हों उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8998/84-85.—Whereas, I, J. AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 504/B, Nebula Apts, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Apex Constructions (Transferor)
2. Padma Lhadca Wongdi (Transferee)
- 3.

(Persons in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 504/B, Nebula Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/8998/84-85 dated 6-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37ईई/10187/84-85 :—अतः मझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सड़क नं. 11, जो सिल्वर सैंड्स, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क/अंतरकों और अंतर्गती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का

11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स हिरानंदानी कन्स्ट्रक्शंस प्राइवेट लि. । (अन्तरक)

2. श्री गोविंद चंदनानी, और श्री रमेश जी. देवानी । (अन्तरिनी)

3. अन्तरकों
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

‘दुकान नं. 11, जो, सिल्वर सैंड्स, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, वसोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है’

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10187/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10187/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Shop No. 11, Silver Sands, Hiranandani Park, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay—400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Hiranandani Const. Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Mr. Govind Chandnani
Mr. Ramesh D. Dewani (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 11, Silver Sands, Hiranandani Park, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10187/84-85 dated 18-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8890/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 50 प्रतिशत इन प्लॉट नं. 301 और गैरेज नं. 2, "कन्वेरा" जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कारणमा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरितों/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आशियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश पंडित । (अन्तरक)
2. श्रीमती लवलीन प्रभाकर । (अन्तरितो)

3 ---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“50 प्रतिशत शेयर इन फ्लैट नं. 301 और गैरेज नं. 2, जो, “कान्वरा”, जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, अधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/8890/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंगे)

Ref. No. AR-II/37EE/8890/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 301 and Garage No. 2, ‘Canvera’ Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay—400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Omprakash Pandit (Transferor)
2. Mrs. Loveleen Prabhakar (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301 and Garage No. 2, Canvera, Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay—400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8890/84-85 dated 3-8-1984

Dated : 8-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10025/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 606, जो, 6वीं मंजिल, इमारत "गायत्री", वर्सोवा गायत्री को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्रताप सोसाइटी के सामने, जे. पी. रोड़, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मीबाई के. खालानी । (अंतरक)
2. श्री जगजीत सिंह डी. अनेजा और श्रीमती परमजीत कौर जे. अनेजा । (अंतरिती)
3. अन्तरिक्तियों और उनके परिवार
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 606, जो, 6वीं मंजिल, "गायत्री" इमारत, वर्सोवा गायत्री को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जे. पी. रोड़, प्रताप सोसाइटी के सामने, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/10025/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref No. AR-II/37EE/10025/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 606, Gayatri, Versova Gayatri Co-op. Housing Society, Ltd., J. P. Road, Opp : Pratap Society, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Laxmibai Kanhaiyyalal Gwalani
(Transferor)
2. Shri Jagjit Singh D. Arneja
Smt. Paramjit Kaur J. Arneja (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1606, Gayatri, Versova Gayatri Co-op. Housing Society Ltd., Opp. : Pratap Society, Andheri West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under Serial No. R-II/37EE/10025/84-85 dated 16-8-1984

Dated : 8-4-1985

Signature :

Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9935/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 303, जो, 3री मंजिल, मनिष गार्डन जे-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. "बी" बिल्डिंग, बंगलोज, जे. पी. रोड, अधिनी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख

के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दौलतराय शिवनाल, और श्री कमल दौलतराय, श्री हेमंत दौलतराय (एच.यू.एफ) (अन्तरक)
2. डॉ. (श्रीमती) प्रमिला विनायक केंकरे और श्री विनायक वसंत केंकरे। (अन्तरिनी)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 303, जो, 3री मंजिल, मनिष गार्डन को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., ‘बी’ विंग, 4 बंगलोज, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. 2/37ईई/9935/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9935/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 303, 3rd Floor, Manish Garden Co-op. Housing Society Limited, ‘B’ Wing, Four Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Dolatrai Shivalal, Mr. Kamal Dolatrai and Hemani Dolatrai (HUF) (Transferor)
2. Dr. (Mrs.) Paramila Vinayak Kenkre and & Mr. Vinayak Vasant Kenkre (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, (3rd Floor, Manish Garden Co-op. Housing Society Ltd., ‘B’ Wing, Four Bungalows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9935/84-85 dated 10-8-1984.

Dated : 8-4-1985

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10028/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात, “उक्त अधिनियम कहा गया है”) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. 1, झकारिया आघाडी नगर नं. 1 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., गुलमोहर मार्डन्स, यारी रोड, वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 16-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्वितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मुमताज मुस्ताक शेख । (अन्तरक)
2. श्री अब्दुल रशीद गार्ड और पमेली डिसिल्वा । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. 1, झकारिया आघाडी नगर नं. 1 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., गुलमोहर गार्डन्स, यारी रोड, वर्सावा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10028/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।)

Ref. No. AR-II/37EE/10028/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Building No. 1 Zakaria Aghadi Nagar No. 1, Co-op Hsg., Society Limited, Gulmohar Gardens, Yari Road, Bombay-61 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mrs. Mumtaz Mustaque Shaikh (Transferor)
2. 1. Mr. Abdul Rashid Guard,
2. Pamela D'Silva (Transferee)
3. —
(Persons in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Building No. 1, Zakaria Aghadi Nagar No. 1, Co-op Housing Society Limited, Gulmohar Gardens Yari Road, Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10028/84-85 dated 16/8/1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश में. अई-2/37ईई/8752/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिस का सं. फ्लैट नं. 301, जो, स्कायवाल्कर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट ओशिवरा, अपना घर के पीछे, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशन से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिता (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्राव्य, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए
166 GI/85—34

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स ओपेस कन्स्ट्रक्शन्स । (अन्त रक)

2. श्री राफेल थार्टटन । (अन्तरिती)

3. अन्तरकों
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 301, जो, स्कायवाल्कर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अपना घर के पीछे, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/8752/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8752/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 301, Skywalker Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Behind Apna Ghar, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has

been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Apex Constructions, (Transferred)
2. Mr. Raphael Thottan (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, Skywalker Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Behind Apna Ghar, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8752/84-85 dated 1-8-1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9067/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 604, जो "लव कुण" हिल में को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., बोरगा देमाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरितो (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घातित :—

1 श्रीमती चंद्रा जैथानंद लालवानी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गितू एल. शहानी और श्री लाल-
चंद जे. शहानी। (अन्तरिता)

3. अन्तरितियों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 604, जो, 'लव कुश', हिल सी को-ऑप. सोसाइटी, वेरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/57ईई/9067/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट डालिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9067/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 604, Luv Kush, Hill Sea Co-operative Society, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Chandia Jethanand Lalwani,
(Transferor)

2. Smt. Gita L. Shahani and Shri Lalchand J. Shahani
(Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 604, Luv Kush, Hill Sea Co-operative Society, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9067/84-85 dated 9-8-1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37-ईई 9780/84-85 :— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100 000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लेट नं. 2, जो 3री मजिल, इमारत नं. 2, झकारीयप अघाडी को-आप हाउसिंग सोसाइटी लि. यारी रोड, वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख, 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिष्ठान में अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (को) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवक्तियों अर्थात् :—

1. नसरअली गुलामअली मुरदानी । (अन्तरक)
2. सुभाष बाबू हेजमाडी । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिगत पर

सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लेट नं. 2, जो, 3री मजिल इमारत, नं. 2, झकारीया अघाडी को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., यारी रोड, वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/9780/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9780/84-85. —Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 2, 3rd Floor, Zakaria Agadi Co-op. Housing Society Limited, Versova, Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

1. Nazarali Gulamani Mardani (Transferor)
2. Subhash Babu Hejmady (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which, ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd Floor, Zakaria Agadi Co-operative Housing Society Limited No. 1, Versova, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9780/84-85 dated 10-8-1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म.अई—2/37ईई/10036/84-85:— अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट नं. 303, जो, 3 री मंजिल, इमारत होम कॉर्ट, प्लॉट नं. 336, एस. नं. 41 (अण), 4 बंगलोज, वर्सावा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूच. में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और निम्नलिखित करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्री है तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 369-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 369-ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स लॉखंडवाला प्रिमायसेस (अन्तरक)
प्रायवेट लि.।
2. श्रीमर्तः मधु अग्रवाल। (अन्तरिती)
3. —
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — मैसर्स ऑगिबरा लेन्ड डेव्लपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि०
(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 303, जो 3 री मंजिल, इमारत होम कोर्ट, प्लॉट नं. 336, एस. नं. 41 (अंग), बंगलोज. वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अर्दे-2/37ईई/10036/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10036/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 303, 3rd Floor, Home Court Bldg. 4 Bungalows, Versova, Andheri (West) Bombay-400058, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.;
(Transferor)
2. Smt. Madhu Agarwal
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Devp. Co. (Pvt.) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10036/84-85 on 16-8-1984.

Dated : 6th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37-ईई/10032/84-85.— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-, रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 1809, जो, 8वीं मंजिल, इमारत मैग्नुम टावर्स प्लॉट नं. 357, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैग्स लॉन्डवाला स्टेट्स एण्ड डेव्हलोपमेंट कंपनी प्रायवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
2. मास्टर मैयद महमूदुद्दीन और श्रीमती अविदा बेगम । (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. मैग्स ऑशिवरा लेन्ड डेव्हलोपमेंट कंपनी प्रायवेट लि. ।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिस्सद्व है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1809, जो, 18वीं मंजिल, इमारत मैग्नुम टावर्स, प्लॉट नं. 357, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई 2/37-ईई/10032/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE./10032/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 1809, 18th Floor, Magnum Towers, 4 Bungalows, Versova, Andheri (West) Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Estates & Devp. Co. Pvt. Ltd.,
(Transferee)
2. Master Seiyad Mazaharuddin and Smt. Abida Begum
(Transferee)
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Devp. Co. (Pvt.) Ltd.;
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1809, 18th Floor, Magnum Towers Building, Plot No. 357, S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10032/84-85 on 16-8-1984.

Dated : 6th April, 1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई -2/37-ईई/993/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं. (फ्लैट नं. 17 नार्थ-ईस्ट साईड, जो 5वीं मंजिल, मार्था पैलेस, प्लॉट बेअरिंग सी. टी. एम. नं. 385/बी, जय भवानीमाता मार्ग, आफ सिसर रोड, अंबोली, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पंद्रह

प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरितों (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकूल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आप्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स गिरीराज कन्स्ट्रक्शन्स (अन्तरक)
2. कुमारी अनीता मोटेरो (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 17, जो (नार्थ-ईस्ट साईड), 5वीं मंजिल मार्था पैलेस प्लॉट बेअरिंग सी. टी. एम. नं. 385/बी, जय भवानीमाता मार्ग, आफ सिसर रोड, अंबोली-अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र.सं. अई-2/37 ईई/9934 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-U|37EE|9934|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 17 (North-East side), 5th Fl. Marthia Palace, Jai Bhawanimata Marg, Off. Ceasor Road, Amboli, Andheri (W), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Giriraj Constructions (Transferor)
2. Miss Anita Montexiro (Transferee)
3. (Persons in occupation of the property)
4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 17 (North-East side), 5th Floor, Marthia Palace, Plot bearing CTS No. 385|B, Jai Bhawanimata Marg, Off. Ceasor Road, Amboli-Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9934|84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9953/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मणदास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 203 जो, 3 री मंजलि इमारत होम कोर्ट, प्लॉट नं. 336 एम नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, बर्सीवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसमें कटने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किण्व जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेंट लि. 1
(अन्तरक)

2. श्री कौशिक कांतीलाल शाहा। (अन्तरिनी)

3

4. मैसर्स ओगियवरा लैन्ड डेव्हलपमेंट कंपनी (प्रायवेट लि.)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लट नं. 203, जो, 2 री मंजिल, इमारत होम कोर्ट कार्ड प्लॉट नं. 336 एस नं. 41 (अंश), बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (पं) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. आई-2/37 ईई/9953/84-85.
जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9953/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a Fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 203, 3rd Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Pt.) Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Lokhandwala Premises Private Limited
(Transferor)
2. Shri Kaushik Kantilal Shah (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. M/s. Oshiwara Land Devp. Co. Pvt. Ltd.,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203, 3rd Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9953/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई.-2/37-ईई/9933/84-85—अतः मुझे लक्ष्मणदाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इससे इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विन्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 7 (साउथ) जो 3 री मंजिल, “अल्फोन” प्लॉट बेअरींग सी. टी. एस. नं० 406, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड, अंधेरी (पं) बम्बई-58 निर्माणाधीन इमारत में स्थिति है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम का धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (की) और अन्तरिता (या) के बाव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स गिरिराज एसोसिएट्स। (अन्तरक)

2. अन्थोनी राड्रिक्स। (अन्तरिता)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिवोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 7 (साउथ) जो, 3 री मंजिल “अल्फोन” प्लॉट बेअरींग सी टी एस नं. 406, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड अंधेरी (पं) बम्बई-58 में स्थित है। निर्माणाधीन इमारत)

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई.-2/37/ईई 9933/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE.9933/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair mark at value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 7 (South), 3rd Floor, “ALPHONE” Bhawanimata Marg, Ceasor Road, Andheri (West), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- M/s. Giriraj Associates (Transferor)
- Anthony Rodricks (Transferee)

3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7 (South), 3rd Floor "ALPHONE" Plot bearing CTS No. 406, Bhawanimata Marg, Ccassar Road, Andheri (W), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9933/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9937/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मणदास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं. यूनिट नं. 30/के जो, ग्राऊंड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड, एक्सटेंशन, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट । (अन्तरक)
2. श्री विजयामह मथुरादास पालिचा श्री जितेन्द्र जयराम संपत्त एच यू एफ (और श्री नेनसी जयराम संपत्त एच. यू एफ) (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्याद पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

यूनिट नं. 30/के जो ग्राऊंड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं. अई-2/37ईई/9937/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 6/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये ।)

Ref. No. AR-II/37EE/9937/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Unit No. 30/K, Ground Floor Laxmi Indl. Estate, New Link Road Extension Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Laxmi Industrial Estate (Transferor)
2. Shri Vijaysingh Mathuradas Palicha, Shri Jitendra Jayram Sampat (H.U.F.) and Shri Nensi Jasram Sampat (H.U.F.) (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 30/K, Ground Floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 9937/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अर्ह-2/37-ईई/10033/84-85.— अतः मुझे, लक्ष्मणदाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं एन्ट नं. 1810, जो 18 वीं मजिल, इमारत मगनम टावर्स प्लॉट नं. 357, एम. नं. 41 (अण) 4, बगलोज, बर्मावा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(क) और अंतरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में द्वायन्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की द्वायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी बन या अन्य आम्सियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्मिन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लोखडवाना इस्टेट्स एण्ड डेव्हलपमेन्ट कंपनी प्रायवेट लि० (अन्तरक)
2. श्री मैयद ख्याजा मुईनुद्दीन और श्रीमती अबिदा बैगम (अन्तरिनी)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. मैसर्स ओशिवरा नैन्ड डेव्हलपमेन्ट कंपनी (प्रायवेट) लि०

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध

में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1801, जो 18वीं मंजिल, इमारत मग्नम टावर्स प्लॉट नं. 357 एस नं. 41 (अश) 4, बगलोज, वसोवा अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई-2/37 ईई/10033/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10033/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mark at value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 1810, 18th Floor, Magnum Towers Bldg; Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- M/s. Lokhan wala Estates & Devp. Co. Pvt. Ltd., (Transferor)
- Mr. Saiyad Khawaja Moinuddin, and Smt. Abida Begum (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- M/s. Oshiwara Land Devp. Co. (Pvt.) Ltd., (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1810, 18th Floor, Magnum Towers Building Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10033/84-85 on 16-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/9983/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 12-ए, जो. ए-1 नं. मंजिल, वसोवा, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और

मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को निम्नलिखित भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपाधितः :-

1. एम. संजीवा शेट्टी (अन्तरक)
2. श्री इंद्रवदन पोपटलाल शहा और श्री भरत पोपटलाल शहा (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

मेरे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 12-ग, 1^{री} मंजिल, वी.ए. ब्लॉक, निर्मल आनंद को. ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., फ्लैट नं. 107सा, नारायण सिनेमा के सामने, जयप्रकाश रोड, अंबेडकर (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई/9983/84-85 और जो अक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9983/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 12-A, 1st Fl. B-Block, Nirmal Anand CHSL., Opp. Navrang Cinema, J. P. Road, Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the 13-8-19984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

1. Mr. M. Sanjeeva Shetty (Transferor)
2. Mr. Indravadan Popatlal Shah, and Mr. Bharat Popatlal Shah (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12-A, 1st Floor, B-Block, Nirmal Anand Co-op Housing Society Ltd., Plot No. 107-C, Navrang Cinema, J.P. Road, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9983/84-85 on 13-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/8829/84-85 :-अतः मुझे लक्ष्मण दास आयर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले पञ्चात् "इकः अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिक है और जिसका सं. फ्लैट नं. 405, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. ए. 20, अप्ना घर यूनिट नं. 5 को. ऑफ, हाउसिंग सोसाइटी लि. ओशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर आफ जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (का) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निशों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् :-

1. मैसर्स समर्थ देव्दत्तापमेंट कार्पोरेशन। (अन्तरक)
2. जगदीश सीमा अयर। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 405, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. ए. 20 अप्ना घर यूनिट नं. 5 को. ऑफ हाउसिंग सोसाइटी लि., ओशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर आफ जे. पी. रोड, 4 बंगलों के सामने, अंधेरी, (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं. अई-2/37 ईई/8829/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8829/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 405, 4th Fl. Bldg. A-20, Apna Ghar Unit No. 5 CHSL, Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar, Off J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. In the

Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Samarth Development Corporation
(Transferor)
2. Shri Jagdish Soma Ayyar (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 405, 4th Floor, Building No. A-20, Apna Ghar Unit No. 5 Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara Shree Swami Samarth Nagar, Off. J. P. Road, Andheri (W), Bombay 400058.

GI/85—26

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8829/84-85 on 2-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10007/84-85 अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान पर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 704, जो, 7वीं मंजिल, हनुमंती ए इमारत, प्लॉट नं. 343, एच. नं. 41(अंग), 4 बंगलौर, बर्मोदा, अंगोरी (प) बम्बई 58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिनी/अन्तरिणियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269C के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269C की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री/श्रीमती/कुमारी :— मैमर्मे लखंडावा
प्रियायदास दि. 1 (अन्तरक)
- श्री/श्रीमती/कुमारी :— श्री ए. आर. एस.
चावला (अन्तरिनी)

श्री/श्रीमती/कुमारी —

(वह व्यक्ति, जिस अग्रिमो में सम्पत्ति है)

सैपर्स आश्रितन लेण्ड

डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 704, जो, 7वीं मंजिल हरमनी ए. इमारत,
प्लॉट नं. 343, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलॉस,
वेरुवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-II/37ईई/10007/
84-85 और जो संक्षेप प्राधितरी बम्बई द्वारा दिनांक
14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10007/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 704, 7th Floor, Harmani-A Building, Plot No. 343, S. No. 41 (Pt.), Four Bungalows, Veeruva Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd.,
(Transferor)
- Shri A. R. S. Chawla
(Transferee)
(Person in occupation of the property)
-
- M/s. Oshiwara Land Development Company
Pvt. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 704, 7th Floor, Harmani-A Building, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Veeruva Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 10007/84-85 on 14-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-II/37ईई/9939/84-85 :—यतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इनके इनके शब्दात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यादा सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० में अधिक है और जिसकी फ्लैट नं० जे/101, जो, ज्यूपिटर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की राशि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगम करने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स हिरानंदानी बिल्डर्स (अन्तरक)
2. रेगिना, ए० शेरी (अन्तरिती)
3. अन्तरकों
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जे/101, जो, ज्यूपिटर अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-II/37ईई/9939/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 6-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हों उसे काट दें/जिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9939/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. J/101, Jupiter Apartments, Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Hinchandani Builders (Transferor)
2. Regina A. Shethi (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J/101, Jupiter Apartments, Hinchandani Estate, Oshriwara, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9939/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० आई-II/37ईई/10062/84-85 :—यतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रु० से अधिक है और जिसका फ्लैट न० 203, जो, दमरी मंजिल, हिरानंदानी इस्टेट, अपनाघर के गोछे, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,

तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (को) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राहत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. मेमर्स अपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स (अन्तरक)
2. श्री ए० डिसोजा, और श्रीमती, मरीया डिसोजा (अन्तरिती)
3. अन्तरको

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. _____

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, हिरानंदानी इस्टेट, अपनाघर के पोछे, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।"

अनुसूची जैसाकि क्र०स० अर्द्ध-II/37ईई/10062/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

Ref. No. AR-II/37EE/10062/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 203, 2nd Fl. Hirachandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Appex Constructions (Transferor).
2. Shri A. D'Souza, and Smt. Maria D'Souza (Transferee)
3. Transferer.
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Hirachandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10062/84-85 on 17-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal.

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं० अर्द्ध-II/37ईई/9938/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसका फ्लैट नं० 501, जो, बी-विंग, स्कायवलकर, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प) बम्बई, में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स अपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स। (अन्तरक)
2. जगन्नाथा बाबू, और श्रीमती, सुनीता जगन्नाथा। (अन्तरिती)
3. अन्तरकों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 501/बी-विंग, जो, स्कायवल्कर, हिरचंदानी एस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी(प), बम्बई में स्थित है।”

अनुसूची अंशक क्र०सं० अई-II/37ईई/9938/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9938/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 501, B-Wing, Skywalkar Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Apex Constructions (Transferor)
2. Mr. Jagganattha Babu and Smt. Sunita Jagannatha (Transferee).
3. Transferer (Person in occupation of the property)
4. ————

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 501, B-Wing, Skywalker Hirachandani Estate, Oshiwara Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9938/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10109/84-85:- अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य (100,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 3, जॉ, विंग-बी, 4थी मंजिल, श्री पदमावती डेवहलेपर, फ्लैट नं. 54, ए.स. नं. 41 (अंग), ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है, (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैसर्स श्री पदमावती डेवहलेपरस (अन्तरण)
2. श्री भरत राजकुमार आनंद और श्रीमती स्नेहलता राजकुमार आनंद। (अन्तरिनी)
- 3.--- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4.--- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्याह्वियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति में अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 3, जॉ, विंग-बी, 4थी मंजिल, श्री पदमावती डेवहलेपर, फ्लैट नं. 54, ए.स. नं. 41 (अंग), ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जमा की क्र. सं. अई-2/37ईई/10109/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हों उसे वाट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10109/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 3, 4th Floor, B-Wing, Shree Padmawati Developers, Oshiwara, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Shree Padmawati Developers (Transferor)
2. Shri Bharat Rajkumar Anand and Smt. Snehata Rajkumar Anand (Transferee)

3. —————

(Person in occupation of the property)

4. —————

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, Wing-B, 4th Floor, Shree Padmawati Developer, Plot No. 54, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10109/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10115/84-85 :—अंतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "नक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन समझ प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. में अधिक है और जिसकी सं. दु गन नं. 10, जी, निर्मला आगर्टमेंटस, ग्राऊंड फ्लोर, वर्मोवा रोड, अंधेरो (प), बम्बई 61 में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन समझ प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिये अन्तरण को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पत्र प्रतिशत में अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरितो(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गतिविधि के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अन्वय, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थों में :—

1. श्री अल्फान्सो डिमोआ और श्रीमती लेनी प्रभु। (अन्वय)
2. श्री कृष्ण अमर खन्ना और श्री सोहनलाल अर्जुनदास विजय। (अन्वय)
3. — (वह व्यक्ति जिसे अधिनियम में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिनियम में जाना है कि वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं 10, श्री. निर्मला अपार्टमेंट्स, ग्राउंड फ्लोर, बर्मोदा रोड, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. में अर्द्ध-2/37ईई/10115/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EF/10115 84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under 166 GI/85—37

Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 10, Nirmala Apts. Ground Floor, Versova Road, Andheri (W), Bombay 400061 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Altmso D’Souza and Smt. Leni Prabhu (Transferor)

2. Shri Kishan Amar Khanna and Shri Sohanlal Arjundas Vajan. (Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Versova Andheri, Bombay 400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10115/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9942/84-85:- अतः भुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 1,00,000 रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. एम/508, जो, मर्कगुरो अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, अपना घर के पीछे, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है) (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगरतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मससे हिरानंदानी विल्डर्मे । (अन्तरक)
2. श्री पी. रघुनाथन । (अन्तरिती)
3. अंतरिकों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. एम/508, जो, मर्कगुरो अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, अपना घर के पीछे, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।"

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/9942/84-85 और जा मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दी जाए ।)

Ref. No. AR-II|37EE|9942|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. M|508, Mercury Apartments, Hirachandani Estate, Behind Apna Ghar Oshiwaru Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. M/s. Hurchandani Builders (Transferor)
2. Shri P. Raghunathan (Transferee).
3. Transferor,
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. M|508, Mercury Apartments, Hirachandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwaru, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9942|84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. आई-2/37/ईई/9942/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० जे 601, जो, ज्युडिटर अमर्सेमेन्ट्स, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुगृही में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्निहित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिणी (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्निती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाये में सन्निधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अन्वय में निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स हिरचानंदानी बिल्डर्स (अन्तरक)
2. सुनील गोपाल खन्ना (अन्तरिणी)
3. अन्तरक (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (यह व्यक्ति, जिसके द्वारा अधोहस्ताक्षर जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 601, जो, ज्यूपीटर अपार्टमेंट्स, हिरचानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची तैयारी १० एच २/३७-ईई/११४३/८४-८५ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II,37EE,9943/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. J[601, Jupiter Apartments, Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Hirchandani Builders (Transferor)
2. Mr. Sunil Gopal Khanna (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J,601, Jupiter Apartments, Hirebandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37-EE 9943/84-85 on 10.8.1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश म अर्द्ध-2/37-ईई/9941/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उससे इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100 000 रु. से अधिक है और जिसकी म फ्लैट न. एम/205 जा, मक्यरी अपार्टमेंट्स, हिरानदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी व कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 10-8-1984 का पूर्ण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल व पद्धत प्रनिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्वय में, मुझे उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स हिरानदानी बिल्डर्स (अन्तरक)

2. श्री चेतन बी. उबेराय और श्याम बी. उबेराय (अन्तरिती)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसका अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

का यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट न. एम/205, जा, मक्यरी अपार्टमेंट्स, हिरानदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम संख्या अर्द्ध-2/37 ईई/9941/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9941/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. M/205, Mercury Apartments, Hiranandani Estate Oshiwara, Andheri, Bombay (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Hiranandani Builders (Transferor)
2. Shri Chetan B. Oberoi, and
Shri Shyam B. Oberoi (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. M/205, Mercury Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9941/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37- ईई/9941/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिमा उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु० से अधिक है (और जिसका फ्लैट नं० जे/401 ए, जो, ज्युपिटर अपार्टमेंट्स हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (ए) बम्बई में स्थित है) (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अन्तरित (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्ति के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत उद्देश्यः—

1. हिरचंदानी विरठम (अन्तरक)
2. शशिकान्त गोपाल खन्ना (अन्तरिनी)
3. अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को वह सक्त जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानुसार, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 2(क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. जे/401 ए, जो, ज्युपिटर अपार्टमेंट्स, हिरचंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.सं. अई-2/37ईई/9940/84-85 और जं. सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-1-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9940/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. J/401, Jupiter Apartments, Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Hirachandani Builders (Transferor)
2. Shashikant Gopal Khanna (Transferee)
3. Transferor (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J/401, Jupiter Apartments, Hiranandani Estate Oshiwara, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19940/84-85 on 10-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SEAL :

Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10145/84-85.— अन्तर्-मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 402, जो. 4थी मंजिल, होम कोर्ट इमारत, प्लॉट नं. 336, एम. नं. 41 (अण). 4 बंगलोज, बर्मोवा, अंधेरी(अ), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतर्गती(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अथ अथ उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स लाखड़वाला प्रिमायमेस प्रायवेट लि. ।
(अन्तरक)
2. श्री टी के. मिश्रा और श्रीमती माया मिश्रा ।
(अन्तर्गती)
3. अन्तरिनी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मैसर्स शोशिवरा लैण्ड डेवेलपमेंट कंपनी (प्रा.) लि. ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्समवधी व्यक्तियों पर सचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निम्नलिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 402 जो. 4थी मंजिल, होम कोर्ट इमारत, प्लॉट नं. 336 एम नं. 41 (अण). 4 बंगलोज, बर्मोवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र.सं. अई-2/37ईई/10145/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू नहों उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EF/10145 84-85. -Whereas, I, Lasman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 402, 4th Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Pt), Four Bungalows, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M's. Lokhandwala Premise, Private Ltd.,
(Transferor)
2. Shri T. K. Mishra and Smt. Maya Mishra
(Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. M's. Oshiwara Land Development Co. (Pvt.) Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402, 4th Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Andheri (West) Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/10145 84-85 on 18-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

SGAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ई/10145/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं यनिष्ठ न की 117 पट्टली मंजिल हिंद मोरगुटा इंस्टीट्यूट इस्टेट अधीन कुर्ली रोड अधीन (पूरब), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कक्ष के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मातव्य उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भूत-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स आश्विन प्लास्टिक कॉर्पोरेशन। (अंतरक)
2. मैसर्स शाह प्लास्टिक एंड इंजीनियरिंग वर्क्स (अंतरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की प्रामाण्य से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में, हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट बी/117 जो पहली मंजिल, हिंद सौराष्ट्रा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी, कुर्ला रोड, अंधेरी (पूरब), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. आई-2/37ईई/9085/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9085/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 8/117, 1st floor, Hind Saurashtra Industrial, Andheri Kurla Road, Andheri (E) Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Ashwin Plastic Corporation
(Transferor)
2. M/s. Shah Plastic & Engineering Works
(Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. Hind Saurashtra Indl. Estate
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. B/117, 1st Floor, Hind Saurashtra Industrial Estate, Andheri Kurla, Andheri (E) Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-11/3/EP-9085184-85, dated 14-8-1984

Dated 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

विशेष अर्द्ध-2/37-ईई/10154/84-85—अन सुझे, न.न.ग. दा. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (निम्नलिखित इससे पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 10, पर्सवा दर्शन, ओल्ड नागरदास रोड, अंधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-8-1984 को अर्द्धांत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से दृष्टान्त प्रतिक्रिया से निम्नलिखित की गई है और सुझे यह निष्कर्ष करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उक्त दृष्टमान प्रतिक्रिया में ऐसे दृष्टमान प्रतिक्रिया के पद्धत प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक(को) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(द) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के सम्पत्ति —

1. श्रीमती पी. जे. शाह और केतन कुमार जे. शाह (अंतरक)
2. श्रीमती बी. एच. खाटर और
श्री हनुमतराज एच. खाटर (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. (वह व्यक्ति जिसका बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

गण्योकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 10 जो पर्सवा दर्शन, ओल्ड नागरदास रोड, अंधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची प्रमाण कि क. स. अर्द्ध-2/37-ईई/10154/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर : ।

(जो लागू न हो उसे बाट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 10154/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000— and bearing Flat No. 10, Parswa Darshan, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269I of the said Act to the following persons, namely :

1. Mrs. P. J. Shah & Shri Ketankumar J. Shah
(Transferor)
2. Mrs. V. H. Khanter,
Shri Hukumraj H. Khanter (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 10, Parswa Darshan, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 10154/84-85, dated 1-8-1984.

Dated 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9949/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 1, जी. ग्राउंड फ्लोर पुष्प का-आप हाउसिंग सोसाइटी लि., टी. पी. एम. 2, 22 लिफ्टिंग ग्राउंड एक्सपोज़र पुलिस स्टेशन के सामने, साताक्रुज (प). बम्बई-54 में स्थित है (और इसने उपरोक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (का) और अंतरिनी(यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से ठीकी किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसार में,
मे उक्त अधिनियम की धारा 269A की उप-धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती वि. पिटो, 2. श्री जोजेफ पिटो
और 3. नोमैन पिटो। (अंतरक)
2. 1. सालाउद्दीन जे. काजी, और 2. अलीमुद्दीन झेड,
शेख। (अन्तर्गता)
3. ... (वह व्यक्ति जिसके
अधिनियम में
सम्पत्ति है)
4. ... (वह व्यक्ति जिसके
बारे में अध्या-
त्मशरीर जानता
है, की वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सचता जारी करके पत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आशंका —

(क) इस सचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
गृह्यता की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पत्रोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा —

(ख) इस सचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का जो
अर्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1, जो, ग्राऊंड फ्लोर पुष्प को-ऑप. हाउसिंग
सोसाइटी लि., टी. पी. एम. 2, 22, त्रिकिंग रोड
एक्सपेंशन, पुलिस स्टेशन के सामने सांताक्रुज (प),
बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. स. अई-2 37ईई/9914/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1981
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)।

Ref. No. AR-II/37EE. 9949/84-85.—Whereas, I,
Laxman Das, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act')
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Pushpa Co-
Op. Hos. Soc. Ltd., IPS-II, 22 Linking Road,
Police Station, Santaacruz (W) Bombay (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
10-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of this
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Valdumira Pinto & Others
(Transferor)
2. Mr. Salauddin J. Kazi & Others
(Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the official Gazette
or a period of 30 days from the service of
the notice on the respective persons which-
ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 1, Ground Floor, Pushpa Co-Op. Hous Soc. Ltd., FPS-II, 22 Linking Road, Extn. Opp. Police Station, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37E/9949/84-85, dated 10-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं अई-2/37-ईई/10041/84-85—अन मुझे लक्ष्मण राम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें उसके पञ्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 - रु में अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 4, पहली मंजिल, पियेना, प्लॉट नं. 340, श्रद्धानन्द रोड, विलेपार्ले पुरब बम्बई में स्थित है) और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वक सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरिती(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में बधिन नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ग) ऐसे किसी आय या किसी भूमि या अन्य आगमियों का जिनका भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, स्थिति में सुविधा के लिए ;

अन अह उदा अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 श्री हरिसाई ओ चावडा और (अन्तरण) जयवेल हरिसाई चावडा
2. मैमर्ल उद्यम कम्पकता कार्गि (निर्दिष्ट)

3. — (वह व्यक्ति जिसे अधिमोक्ष में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसे बारे में विचारित करी जाना है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्वेषणाक्षरी के पास लिखित में किए गए स्कोपे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुभाग 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 4, जो पहली मंजिल, पियेना प्लॉट नं. 340 श्रद्धानन्द रोड, विलेपार्ले (पुरब), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/10041/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

दिनांक : 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10041/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 4, 1st Floor, Piena, Plot No. 340, Shradhanand Rd. Vile Parle (E) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Haribhai O. Chavda & Jayaben H. Chavda (Transferor)
2. Uday Construction Co. (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned know, to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. Piena Plot No. 340, Shradhanand Road, Extension, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10041/84-85, dated 16-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10269/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 17-ए, जो: इल्को आर्कड, 46, विल रोड, वांद्रा बम्बई-50, में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 को (उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अनुरक्त(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अनुरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अनुरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अनुरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वर्तित न हो प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थानों में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अन्वय, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घाटित :-

1. श्रीमती वेनेटिया पाव। (अन्वय)

2. श्री जेकब सी. परेरा। (अन्वय)

3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 17-ए, जो, इल्को आर्केड, 46, हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्रम सं. अई-2/37ईई/10269/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

सोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR 1137F-1, 10269 84-85. Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 17-A, Elco Arcade, 46, Hill Road, Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Veronica Paul (Transferor)

2. Mr. Jacob C. Parrira (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 17-A, Elco Arcade, 46, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-JI/37EE/10269/84-85, dated 24-08-1984.

Dated : 12-0-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं अई-2/37ईई/8809/84-85—अन्तः मुझे, नक्षमण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उल्लेख पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन यक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 8, पहिली मंजिल, मिनाक्षी अपार्टमेंट, मरोल, मरोली रोड, अन्धेरी (पूरब), बम्बई, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन यक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है। तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्गत (को) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी उक्त या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा 166 GI/85—39

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेएसर्स विरल कन्स्ट्रक्शन (अन्तरक)

2. श्रीमती बिंदी आर. बेलानी और अन्य (अन्तरिती)

3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होरी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 8, जो पहिली मंजिल, मिनाक्षी अपार्टमेंट मरोल मरोली रोड, अन्धेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र.सं. अई-2/37ईई/8809/84-85 और जो यक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 02/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8809/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 8, 1st Floor, Minakshi Apt., Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Virat Construction (Transferor)
2. Mrs. Bindi R. Belani & Others. (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, 1st Floor, Minakshi Apartment, Marol Maroshi Road, Village Marol, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8809/84-85, dated 02-08-1984.

Dated : 12-04-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8809/84-85.—अन. मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पञ्जात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है (और जिसकी सं. युनिट नं. ए-60, द्वारी मंडीन, नन्दकिशोर इण्ड. इस्टेट, महाशाली केवत रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई, में स्थित है (और इसमें उताबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिस पर करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269AB के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (कों) और अंतर्गामी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक व दायित्व में कमी करने या उसमें तत्त्वों में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए था, स्थानों में सुविधा के लिए ।

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मेरस वरुण रमणलाल शाह (अन्तरक)
2. श्री रमेश यु. शेट्टी (अन्तर्गती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित हो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं. ए-60, जो दूसरी मंजिल, नन्दकिशोर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोज, अन्धेरी (पूर्व) बम्बई-400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/8980/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 01/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8980|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. A-60, 2nd Floor, Nandkishore Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. M/s. Varsha Ramanlal Shah (Transferor)
2. Shri Ramesh U. Shetty (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. A-60, 2nd Floor, Nandkishore Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8980/84-85, dated 01-08-1984.

Dated : 12-04-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9945/84-85,---अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसको पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,000,00/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2, विलिडिंग नं., 21, तलमाला, रम्य जीवन को-ऑप. हा. सोसा. लि., महाकाली केवज रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400093, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरित (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम. के. पद्मानन्द (अन्तरक)
2. श्रीमती विजया डी. मुद्गुमदार (अन्तरित)

3.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 2, तलमाला, जो विलिडिंग नं. 21, रम्य जीवन को-ऑप. हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, महाकाली केवज रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9945/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9945/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 2, Bldg. No. 21, Ground Floor, Ramya Jeevan Co-op. Hos. Soc. Ltd. M. Caves Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Mr. M. K. Padmanand (Transferor)
2. Mrs. Vijaya D. Muzumdar (Transferee).
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Bldg. No. 21, Flat No. 2, Ground Floor, Ramya Jeevan Co.Op. Hos. Society, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9945/84-85, dated 12-08-1984.

Dated : 12-04-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/10128/84-85. --अ. मूजे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन लक्ष्मण दास प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्न उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. युनिट नं. 304, निगरी मंजिल, माहिम इण्ड.-इम्पेट, 571, माहिम रोड, माहिम, बम्बई 400016, में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269C के अधीन लक्ष्मण दास प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री तारीख 18-8-1984 को पूर्वानुमति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (कों) और अन्तरिता (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप के लिये नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूढिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूढिधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती निजया हिरालाल शेट (अन्तरक)

2. मेज़र्स जी. विंशिन एण्ड सन्स (अन्तरिती)

3. ———
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ———
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रखावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं. 304, जो निगरी मंजील, माहिम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 571, मोरी रोड, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित है।

अनुसूची जैपाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10128/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/08/1974 रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10128/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Gala No. 304, 3rd Floor, Mahim Indl. Estate, 571 Mori Road, Mahim, Bombay-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. Vijaya Hiralal Seth (Transferor)
2. M/s. G. Vishin & Sons (Transferee)
3. ———
(Person in occupation of the property)
4. ———
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala No. 304, 3rd Floor, Mahim Industrial Estate, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10128/84-85 dated 18-08-1984.

Dated : 12th April, 1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10212/84-85.— भतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन निम्न प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसमें जमीन, प्लॉट नं. 93, टी. पी. एम. तीन, माहिम, बालगोविन्ददास रोड, बम्बई-400016, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों की जिन्हें भारतीय आदर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्रीमती सी. के. कपलानी और श्रीमती कीना नारी कपलानी (अन्तरक)
2. श्रीमती डॉ. अंजना अजीत गोविंदा (अन्तरिती)
3. --- (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोह में सम्पत्ति है)

4. --- (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिता शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संघर्ष में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, जो प्लॉट नं. 93, टी. पी. एम. तीन, माहिम, बालगोविन्ददास रोड, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37 ईई/10212/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दिये)

Ref. No. AR-II/37EE./10212/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 93, TPS III, Mahin, Balgovindas Road, Bombay-400016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Mrs. C. K. Kriplani and
Smt. Lila Nari Kripalani (Transferor)
2. Mrs. Dr. Anjana Ajit Tolia (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Plot No. 93, TPS III, Mahim, Balgoviandas Road, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10212/84-85, dated 21-08-1984

Dated : 12-04-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं अई-2/87-ई/8935/84-85 --का मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले पञ्चायत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के तहत पञ्चम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लॉट नं. 707, आयमण तालुके में, मर्मदा विंग रोड, धारावी, माहिम (पूर्व), बम्बई-400017, में स्थित है (सं. डी. उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269ख के अधीन पञ्चम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-8-1984 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृष्टिमान प्रतिफल के नियम अन्तर्गत की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्टिमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दस्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयदाता अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, उद्देश्य --

1. श्री फाहमीन एच. ताहुना (अन्तरक)
2. श्री लैव मोहम्मद इन्गानर्वा (अन्तरिती)
3. — (अन्तरक)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में विचार जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 707, जो डाइमण्ड अपार्टमेंट्स, जस्मिन मिल रोड, धरावी, माहिम (पुर्ब), बम्बई-400017 में स्थित है।

अनुसूची जैनाजी क्र. सं. अई-2/37ईई/8935-ए/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 04/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 04-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8935-A/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 707, Diamond Apts., Jasmine Mill Road, Daravi, Bihim (E), Bombay-400017. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Fakhruddin H. Takulla (Transferor)
2. Mr. Lais Mohammed Insanali (Transferee)
3. Transferor.

(Person in occupation of the property).

166 GI/85—40

4

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 707, Diamond Apts., Jasmine Mill Road, Dharavi, Mahim (E), Bombay-17.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8935-A/84-85. dated 04-08-1984.

Dated : 12-04-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10248/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिस की सं. फ्लैट नं. 707, पहली मंजिल, कुकन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. पी. एन. कोटनीम मार्ग, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (और हमें उगावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) एम किमी आर गा किमी हत या अन्य आम्नियो की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अन्तर्गत द्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सम्मिलित है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269A की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा —

1. श्रीमती सप्तमी सुरेश सम्मलकर (अन्तर्गत)
2. श्री रामचन्द्र मो. शिरसगर (अन्तर्गत)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवत् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जों को लिए कार्यवाहियों शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जों के मदों में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अधिनियम में हितवत् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 20A में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. ए-43, जो पहली मंजूर, कलकत्ता को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, पी. एन. कोटनीस मार्ग, माहिम जम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची नैसर्गिक क सं अर्-1/37ईई/10248/84 85 और जो मजम प्रतिकाश, जम्बई द्वारा दिनांक 24-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दिया जाये।)

Ref. No. AR-II/37FE/10248/84-85 —Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. E-43, 1st Floor, Kookan Co-Op Housing Soc. Ltd., P.N. Kotnis Marg, Mahim, Bombay-16. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of section 269B of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mrs. Saptami Suresh Samalkar (Transferor)
2. Ramchandra C. K. Shirsagar (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. E-43, 1st Floor, Kookan Co-Op. Hos. Soc. Ltd., P. N. Kotnis Marg, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE.|10248|84-85, dated 24-08-1984.

Dated : 12-04-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश न. अई-2/37-ईई/10082/84-85 :—अन मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ये विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु में अधिक और जिसका फ्लैट नं. 9 जो पहली मंजिल गिरिश बिल्डिंग, श्री काशिविश्वेश्वर हाउसिंग सोसाइटी लि, प्लॉट नं. 224-ए टी.एच.के. मार्ग माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (और इससे उद्भवित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व से बन्नी करने या उससे बचने में गद्दिधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अन अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्देश्य -

1. श्री मोमनाथ के. गावडे (अन्तरक)
2. श्री विजय जे ठक्कर और अन्य । (अन्तरिती)
3. _____

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. _____
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुपूर्वो

फ्लैट नं. 9, जो पहली मंजिल, गिरिश बिल्डिंग, श्री काशिविश्वेश्वर हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लॉट नं. 224-ए, टी.एच.के. मार्ग, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित है ।

अनुपूर्वो जैसे कि क. म. अई-2/37ईई/10082/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10082|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, 1st Floor, Girish Bldg., Shri Kashivishveshar Co-op. Hos. Soc. Ltd. Plot No. 224-A T.H.K. Marg, Mahim, Bombay-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Somnath K. Gawade (Transferor)
2. Mr. Vijay J. Thakkar and Others (Transferee)
3. _____ (Person in occupation of the property)
4. _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 9, 1st Floor, Gish Building Shri Kashivshveshwar Co-Op Society, Offi T H.K. Marg. Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II[37EF] 10082[84-85 Dt. 17-8-1984.

Dated : 12-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश न अई'2/37ईई/8742/84-85 --अत मूअ लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे हमके पञ्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं 302 तीसरी मंजिल, पाटील अपार्ट, प्लॉट नं 47, गिथार्जा पाक माहिस, बम्बई-400016

में स्थित है (आर इसमें उपावृत्त अनुमति, में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अनुरोध को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पदह प्रतिकल में अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरित(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अ. अ. अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को अधिनियम --

1. श्रीमती आर के हरिश्वा और अन्य । (अन्तरक)
2. श्रीमती कमला किशनचन्द ल खानी और अन्य (अन्तरित)
3. --- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. --- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति व अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण --हमसे प्रयुक्त शब्द और पदा का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुयाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 47, श्री लक्ष्मी मॉडल फ्लैट नं. 302, माहिम अपार्टमेंट माहिम, शिवाजी पार्क, बम्बई-400016 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि च. स. अई-2/37ईई/8742/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्ट्रार किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उस कोट दायित्व)

Ref. No. AR-II/37EE/8742/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 47, Shivaji Park, Flat No. 302, 3rd Floor, Mahim Patil Apt., Bombay-400016, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. R. K. Haria and Others (Transferor)
2. Mrs. Kamla Kishanchand Lakhani and Others (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd Floor, Patil Apt., Plot No. 47, Shivaji Park, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8742/84-85 Dt: 1-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्णय नं. अई-2/37 ईई/8742/84-85 --अतः मक्षम लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इममें उसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 47, "3" विंग मॉडल कलाती, 3 फ्लोर, श्री लक्ष्मी मॉडल अपार्टमेंट, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगरतामा आयकर अधिनियम की धारा 269-अ के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्निहित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतः (को) और

अन्तरिती (जो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा दफ्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269A के अन्वय में, में उक्त अधिनियम की धारा 269A की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मार्शल ए. ड'सूजा (अन्तरक)

2. श्रीमती इरेना फर्नांडेस (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. एफ. 2, जो 'ए' विंग, गार्डन कॉलोनी नं. 2, को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड एल. जे. मेकंड क्रॉस रोड माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है"

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9768/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दें)

Ref. No. AR-II/37EE/9768/84-85.—Whereas, I Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. F/2, A Wing, Garden Colony of 2, Co-op Hos. Soc. Ltd. L. J. Second Cross Road Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Marshal A D'Souza (Transferor)

2. Mrs. Irena Fernandez (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. F/2, A Building, Garden Colony No. 2 Co-Op Hos. Soc. Ltd., L J Second Cross Road, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-11/37EE/9768/84-85 Dt. 10-8-1984.

Dated . 12-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश न अई- 2 / 37- ईई- / 10240 / 84-85 --
अन मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इससे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है का धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण देने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसको यूनिट न 8-ए विमल उद्योग भवन को आप हा मास लि, नैकालवाडी रोड, माहिम, बम्बई 400016, में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 23/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विवरण देने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (को) और अन्तर्गती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिम्बित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सज्जित के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का उपयोगार्थ अन्तर्गती द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सज्जित के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1 श्री नरणाजी गोपाल पादरे (अन्तर्गत)

2 श्रीमती ए. वी. मयेकर (अन्तर्गत)

3 --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 --

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"यूनिट न 8-ए, जो विमल उद्योग भवन को आप हा मास लि (लिमिटेड) नैकालवाडी रोड माहिम बम्बई 400016 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क र अई-2/37 ईई / 10240 / 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिये)

Ref. No AR-II/37Et/10240/84-85. —Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 8A, Vimal Udyog Bhavan Co-Op Housing Society Ltd., Taikalwadi Road, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- 1 Mr. K. hnapl Gopal Pandre (Transferor)
- 2 Mrs. U. V. Mayekar (Transferee)
- 3 _____
(Person in occupation of the property)
- 4 _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Unit 8A, Vimal Udyog Bhavan Co-Op Hos. Soc Ltd., Taikalwadi Road, Mahim, Bombay-16

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37Et/10240/84-85 Dt. 23-8-1984

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8893/84-85 —
अन मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हमने इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000-रु से अधिक है और जिसकी दुकान नं. 10, 423 मेनापती बापट मार्ग, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित है (और इसमें स्थावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अन्तरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 श्री. मनोहरलाल लालचन्द थापर (अन्तरक)
- 2 श्री खामाराम डी. प्रजापती और अन्य (अन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर राजना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं 10 जो 423 सेनापती बापट मार्ग, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित है”

अनुसूची जैसा की नं स अई-2/37 ईई/8893/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8893/84-85.—Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 10, 423 Senapati Bapat Marg Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

166 GI 85-41

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. Mr. Manoharlal Lalechand Thaper
(Transferor)
2. Mr. Khasaram D. Prajapati & Oth.
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 10, 423 Senapati Bapat Marg, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8893/84-85 Dt. 3-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश म अई2/37ईई/8748/84-85—अत मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसने पञ्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है) कि धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000—रु. से अधिक है (और जिसको शेड नं. 18, सर्वोदया इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अन्धेरी कुर्लीरोड के सामने, अन्धेरी (पूरब), बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 01/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तर्गती (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गठित के लिए

उक्त अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों उर्ध्वतः :—

1. श्रीमती आर. एम. श्राफ और अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती जैड बी. गोम्स (अन्तर्गती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ज्ञा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ ज्ञाया जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“शेड नं. 18 सर्वोदय इण्डस्ट्रियल इस्टेट अन्धेरी कुर्ली रोड के सामने, अन्धेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. म. अई-2/37 ईई/8748/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 01/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE/8748]84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shed No. 18, Saryodaya Indl. Estate, Off Andheri Kurla Road, Andheri (F), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. R. M. Sbro/ & Others (Transferor)
2. Mrs. Z. B. Gomes (Transferee)
3. —
4. — (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shed No. 18, Sarvodaya Industrial Estate, Off : Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8748/84-85 Dt. : 1-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन में अई-2/37-ईई/10181/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण राम आचार्य अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे हमने हमारे पञ्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फर्नट नं. 16, बिल्डिंग नं. 9, ब्लॉक को आप. हा सोना. लि., मंगेद, अंधेरी (पूरब), बम्बई, में स्थित है (जो इसमें उपाद्रुत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल

के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अतरक (कों) और अतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती एम. वी. गावडर । (अन्तरण)
2. श्री के. ए. शेख । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित रखे है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रखे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 16, जो बिल्डिंग नं. 9, ब्लॉसम को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मरोल, अंधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10181/84-85 और जो गश्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे बाट दी जाए)

Ref. No. AR-II/37EE/10181/84-85 —Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16 Bldg. No. 9 at Blossom Co-Op Hos. Soc. Ltd., Marol, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. S. V. Gaokar (Transferor)
2. Mr. K. A. Shaikh (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 16, Bldg. No. 9 at Blossom Co-Op Hos. Soc. Ltd., Marol Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10181/84-85 Dt : 20-8-1984

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8928/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन गश्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 1, पहली मंजिल, आशिवाद बिल्डिंग ब्लाक डण्ड, इस्टेट के सामने, एल. जे. रोड के सामने, बम्बई 400016, में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब के अधीन गश्म प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत/(की) और अन्तर्गती/(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दर्शित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की राशति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी उग या किसी धन या अन्य जास्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269C की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. डा. कान्होजी अर्जुन पराडकार। (अन्तरक)
2. डा. रेखा नितीत चोक्शी और श्रीमती एन. एम. देसी (अन्तरनी)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फैट नं 1, जो पहिली मंजिल, आशिवाद बिल्डिंग भागड इण्डस्ट्रियल के सामने, एल. जे. रोड के सामने, बम्बई 400016 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8928/84 85 और जो महम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12/04/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Act. No. AR-II/37EE 8928/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ashirwad Bldg., 1st Floor, Opp. : Kakad Indl. Estate, Off : L. J. Road, Bombay-400016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Dr. Kanhoji Arjun Paradkar (Transferor)
2. Dr. Rekha Nitin Chokshi And Mrs. N. M. Desi (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1st Floor, Ashirwad Bldg. Off L. J. Road, opp. Kakad Industrial Estate, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8928/84-85 Dt : 4-8-1984.

Dated : 12-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं अई-2/37-ईई/10097/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस पर उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. ए-14, जगती को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड एल. जे. रोड, माहिम बम्बई-400016 में स्थित है है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(क) और अंतरक(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शहत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत में दाखिल करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (J) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :—

1. श्री एम. ए. जगत । (नं. 12)
2. श्री एम. एम. पी । (नं. 13)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. ए-14, जो जगती को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड एल. जे. रोड, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं अई-2/37-ईई/10097/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12/04/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे हटाना चाहिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10097/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-14 Jagruti Co-op. Hos. Soc. Ltd., L. J. Road, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. S. A. Kamat (Transferor)
2. Mr. M. S. Pai (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A/14, L. J. Road, Jagruti Co-Op Hos. Soc. Ltd., Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10097/84-85 Dt. 18-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10051/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 29-वीं कामरी मजीन जयगणेश को-ऑप हा. सोसा. लि. सेवापति बापट मार्ग, महिम (प.), बम्बई में स्थित है (और हमने उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए .

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूच में से उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्रीमती पी एम. धौतश्वरकर और अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती ईला रमणीकान्त पारीख । (अन्तरिनी)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 29-बी जगमेश को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सेनापति बापट मार्ग, महिम (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि य में आई-2/37ईई/10054/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10054/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 29.B Jaiganesh Co-Op Hos. Soc. Ltd., Senapati Bapat Marg, Mahim (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Mrs. P. M. Dhopeshwarkar and Others (Transferor)
- Mrs. Ila Rashmikant Pankh (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 29B Jaiganesh Co-op. Hos. Soc. Ltd., Senapati Bapat Marg, Mahim (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10054/84-85 Dt. 16-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश न. आई-2/37-ईई/10075/84-85. उन मुझे, लक्ष्मण दस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे उसने उसके पञ्चातु "उक्त अधिनियम, कहा गया है) का धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकार, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 19, तामागा, अजय शॉपिंग सेंटर, टी. जे. कटारिया मार्ग, माटुंगा (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद पर प्रतिशत में अधिक है और अन्तरण (को) और अन्तरिणी (यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गम में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपत् —

1. मैसर्स फार्मा सर्विसेस (अन्तरक)
2. मैसर्स सर्विस इन्डिया (अन्तरिणी)
3. —
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या सत्संबन्धी व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि दावत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या सत्संबन्धी सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

सम्पत्तिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान नं. 19, तामागा, अजय शॉपिंग सेंटर, टी. जे. कटारिया मार्ग, माटुंगा (पश्चिम), बम्बई स्थित है।

अनुसूची जिस कि नं. आई-2/37ईई/10075/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1995

मोहर :

(जो लागू न हो उसे ताट बाँजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10075/84-85 —Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 19, Ground Floor, Ajay Shopping Centre, T. J. Katara Marg, Matunga (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Pharma Services. (Transferor)
2. M/s. Service India (Transferee)
3. ——— (Person in occupation of the property)
4. ——— (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 19, Ground Floor, Ajay Shopping Centre, T.J. Kataria Marg, Matunga (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37LE] 10075 84-85, Dt. 17-8-1984

Dated : 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

तारीख, 8 अप्रैल, 1985

निर्देशन सं अई 2/37-ईई/10291/84-85-अतः मूख्य, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत इससे पञ्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है। नीचे धारा 269C के अन्तर्गत मूख्य प्राधिकारी को यह विचार करने का कारण है कि मूख्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संपत्ति सं 11, जो प्लॉट नं 581-जे, श्री रामा नगर को-ऑप सोसाइटी द्वारा (प) बम्बई-52 में स्थित है

(और इसमें अपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और निम्न अधिनियमों द्वारा 269C के अन्तर्गत मूख्य प्राधिकारी को कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 25-8-1981 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में मूख्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मूख्य यह विचार करने का कारण है कि मूख्य पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्र प्रविष्टि से अधिक और अन्तर्गत (को) और अन्तर्गत (को) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया फायदा प्राप्त करने निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व से तमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269C के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269C की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन—

- 1 श्री ईश्वरदास बच्चानी। (अन्तर्गत)
- 2 श्री रामाकांत जे. तिलानी। (अन्तर्गति)
3. — (बट बचि, जिसे अधिनियम में सम्पत्ति है)
4. —

(बट बचि, जिसे धारा में अवरोधकारी जानता है, कि बट सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त मूख्य सम्पत्ति में भीतर हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोधकारी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इससे प्रयुक्त शब्दा और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनसूची

"फ्लैट नं 11 जॉ फ्लैट नं 58-1-जें थॉ राम।

नगर का- जय माधव इला गार (ग) बम्बई-52
(स्थल ६)

अनुसूचा जन कि न म अई 2/3755/10291/
84-85 और जा मत्रा मत्रक रा बम्बई द्वारा दिनांक
25 8/1984 को रजिस्ट्र किया गया है।

तारीख 8/4/1985

मोहर

(जो लागू न हों उस पर टिप्पणी करें)

Bombay, 4th April, 1985

Ret. No. AR. II/37LE/10291/84-85 — Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, Plot No. 581-J, Shree Rannagar Co-op Hsg. Sec Khar (West), Bombay-400052 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Ishwar B Bachwan (Transferor)
2. Shri Radhakishan J Tilani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under-signed—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 11, Plot No 581-J, Shree Rama Nagar
Co-operative Society Khar (West), Bombay-400052

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R.II/37EE/10291 84-85, on 25-8-1984

Dated - 4-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable)

निर्देश नं० अई-2/37-ईई/98 26/11-95 - 47 मझे.
नक्षत्रण दाप आयामर अधिनिमि, 1961 (1961 न 43)
(जिने डामे डमके पञ्चात् "डवा अधिनिमि, उडा न 1")
की धारा 269 घ के अधीन पञ्चात् पाणिपानी को सानिग्रह
नये दा पाण है नि स्थान समानि, निपा उकि
बाजार मूल्य 100,000 रु ने निपा है और निपा
स दुकान न 8, जो, गजरा कान, नि सानिपा उमान,
इमारत बी, सानिपि निपा को-अन गी, नि-रुई
नि, निर राउ, खा-नान, निरई-5 नि निपा नि (अन
डमने उपावद्ध अनुसूचा ने और पूण रूप से निपा है)
और निमका कारनामा अयत अधिनिमिकाधरा 269
कब के अयानसक्षम प्राधिकारा के कयतिव बम्बई ने निरुई
ह, तारीख 2-8-1984 को गुर्वीत सन्धान के निच
बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रातिक के निपा अनानि
का गई है और मजे यह निचन काने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सन्धान का बाजार मूल्य नरो दृश्यमान
प्रातिक से ऐसे दृश्यमान प्रातिक के पञ्चात् प्राणा ने निच
है और अतरक (को) और अतीत (यो) ने निच
ऐसे अतरण के निपा तप पाया सान प्रातिक निमिनिचन
पुण्य मे उत अतरण मे निचन मे निरुई रूप से बायत
नई किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अर्पण; 8 रर/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भागीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उत्तरिणी द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिग्री में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. पॅटसन कन्स्ट्रक्शन्स । (अन्तराष्ट्रिय)
2. श्री मुरली चैतुराय लाला और श्री अनिल मुरली लाला (अन्तराष्ट्रिय)
3. — (वह व्यक्ति जिसने अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसने वारे से अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगसूची

“दु.गन नं. 8, जो, ग्राउंड फ्लोर, निर्माणाधीन इमारत, इमारत बा, गंगगिरी प्रिमायनेस को-ऑप. सोसायटी लि. कार्टर रोड, खार-दांडा बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूचो जै.कि.क. सं. अई-2/37ईई/88 26/8 4-8 5 और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1983 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे वाट दोजियो।)

Ref. No. AR. II/37EE/8826/1984-85.—Whereas I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 8/Gr. Floor, Prop. Bldg. Bldg.-B., Gangagiri Premises Co-op. Hsg. Society Ltd; Carter Road, Khardanda, Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Patson Constructions (Transferor)
2. 1. Shri. Murli Chainrai Lala & (Transferee)
2. Shri. Anil Murli Lala
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 8, Ground Floor, in Proposed Building, Bldg.-B, Gangagiri Premises Co-operative Housing Society Ltd; Carter Road, Khardanda, Bombay-400052

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II/37EE/8826/84-85 on 2-8-1984.

Dated : 4-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/10152/84-85—अंतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसे उक्त बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अविज्ञ है और जिसकी स. फ्लैट नं. 2 तलमाला, रोशन दीप, को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड 15वां रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पद्धति प्रतियोग से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय जाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्यता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री इडल फ्रैमरोल दे लाई, मेरवान फ्रैमरोल दे लाई और दिनेशा फ्रैमरोल दे लाई। (अन्तरक)
2. श्री शाहनाज मेहताजी सुलेमान और श्री मेहेराजी सुलेमान। (अन्तरिनी)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिसूचन में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियों शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 2, जो, तलमाला, रोशन दीप, को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 15वां रास्ता, खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

अनुसूची जमाकि क्र. सं. आई-2/37ईई/10152/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 10/4/1985

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10152/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Ground Floor, Roshan Deep Co-operative Housing Society Limited, 15th Road, Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Edal Framroze Desai
Mr. Merwan Framroze Desai and
Mr. Dinshaw Framroz Desai (Transferor)
2. Mrs. Shahbaz Meharali Suleman and
Mr. Meherali Suleman. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Shan Deep, Co-operative Housing Society Limited, 15th Road, Khar, Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 10152/84-85 dated 13-8-1984.

Dated : 10 April. 1985.

Seal.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/888 5/8 4-8 5.-अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसका स. ऑफिस नं. 14-ए, जो, 1 वी मंजिल, बिना बिना शॉपिंग सेंटर प्रिमायमेस को-ऑप. सोसाइटी लि., बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसर्स एम. एन. कन्स्ट्रक्शन। (अन्तरक)

2. मैसर्स अबोध कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लि.। (अन्तरिनी)

3. —

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(यह व्यक्ति, जिसके द्वारा अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"ऑफिस नं. 14-ए, जो, 1 वी मंजिल, बिना बिना शॉपिंग सेंटर प्रिमायमेस को-ऑप. सोसाइटी लि., बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जी 11 फी. क्र. सं. अई-2/37ईई/888 5/8 4-8 5 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिए)

Bombay, the 11th April, 1985

Ref. No. AR-II[37EE]8885[84-85].—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 14-A, 1st Floor, Veena Beena Shopping Centre Premises Co-Op Housing Society Ltd., Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. M. N Construction (Transferor)
2. M/s. Abode Construction Pvt Ltd (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Office No. 14-A, 1st Floor, Veena Beena Shopping Centre, Premises Co-Op-Housing Society Ltd, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]8885[84-85].

3-8-84.

Dated : 11-4-1985.

Seal.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/10294/84-85 --अन मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वतंत्र पक्षों, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है और जिसकी ग. फ्लैट नं. 6, जो, निम्न निम्न को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 19वां रास्ता, खार दाडा, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका प्रारम्भिक आयकर अधिनियम की धारा 269A के अधीन सक्षम प्राधिकारी के दायित्व, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निम्ने अन्तर्गत की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसमें दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर/अन्तरको और अन्तरिती/अन्तरिनियो के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मातृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

उक्त अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निर्मातृलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1. श्रीमती उर्मिला ओमप्रकाश खन्ना । (अन्तरक)
2. श्री महेश केशवदास मेनानी (अन्तरिती)

3. अन्तरिती— (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-पक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 6, जो, लिटल गिफ्ट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 19वां रास्ता, खार दांडा, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जमाकी क्र. सं. अई-2/37ईई/10294/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 11/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10294/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 6, Little Gift C.H.S.Ltd., 19th Road, Khar Danda, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Smt. Urmila Omprakash Khanna (Transferor)
- Shri Mahesh Keshwadas Sainani ((Transferee)
- Transferee
(Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Little Gift Co-op. Housing Society Ltd., 19th Road, Khar Danda, Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10294/84-85 on 25-8-1984.

Dated 11-4-1985.

Seal.

(Strike off where not applicable)

मिशन म. अर्ड-2/37ईई/10208/84-85 — इन मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमके पञ्चान "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 3 जो पहली मंजिल, प्लॉट नं. 1, गोलफ लिंक्स, 5 पाली हिल रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करगनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 21-8-1984 को पूर्वांत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अंतरिनी(या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में मद्दिता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मद्दिता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री. मिनू जोशी दीनशा और श्रीमति मनो मिनू दीनशा । (अन्तरक)
2. श्रीमति हिल्ला ट कृष्ण और रोशन सुशीद कका । (अंतरिनी)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लक्ष्यबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 3 जो पहली मंजिल, प्लॉट नं. 1, गोलफ लिंक्स 5 पाली हिल रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अर्ड-2/37ईई/10208/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21/8/1984 का रजि टर्ड किया गया है ।

तारीख 11-4-1985

मोहर .

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10208/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 1st Floor, Plot No. 1, Golf Links, 5 Pali Hill Road, Khan, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Minoo Jokhi Dinshan and Mrs. Mani Minoo Dinshan (Transferor)
2. Mrs. Hilla Erach Kooka and Mrs. Roshan Kmoorshed Kuka (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Floor, Plot No. 1, Golf Links, 5 Pali Hill Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10208/84-85.

Datd : 11-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8830/84-85 :—अतः मुझे, जदमण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लेट नं. 6 जो प्लॉट नं. 532, ज्युपिटर निकेतन को-ऑप. हाउसिंग लि. खार बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ठेके अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. गिरीश सुरचंद बेलानी । (अन्तरक)
2. श्री सुकरनदास शिवारामानी और (अन्तरिती)
अर्जनदास शिवारामानी ।
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लेट नं. 6, जो प्लॉट नं. 532, ज्युपिटर निकेतन को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी खार बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुवृत्त जैत्र कि क्र.सं. ई-2/37ईई/8830/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8830/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, Plot No. 532, Jupiter Niketan Co. op. Hsg. Society Ltd., Khar Bombay-52, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Girish Surchand Belani (Transferor)
2. Shri Sukarandas Shewaramani and Shri Arandas Shewaramani (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 532, Jupiter Niketan Co-op. Housing Society Ltd., Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8830/84-85.

Dated : 11-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ईई-2/37-ईई/10113/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 6, जो प्लॉट नं. 532, ज्युपिटर निकेतन हाउसिंग सोसाइटी रोड नं. 17 खार बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269C के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (गों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षमता के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जेंट—

1. श्री गिरीश सुरचन्द बेरानी । (अन्तरक)
2. श्री सुख रामदास शेवारामानी और श्री अर्जुन दास शेवारामानी । (अन्तर्गती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"प्लॉट नं. 6, प्लॉट नं. 532, रोड नं. 17, युनाइटेड निकेतन को.—आप हाउसिंग सोसाइटी, खार बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि व. सं. अई-2/37ईई/10113/84-85 और जो राक्षस प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-III37EE/10113/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, Plot No. 532, United Niketan Co. op. Hsg. Society, Road No. 17, Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Sche-

dule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Girish Surechand Belani (Transferor)
2. Shri Sukhramdas Shewaramani and Shri Arjundas Shewaramani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 532, United Niketan Co. op. Hsg. Society, Road No. 17, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10113/84-85.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ई/10275/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पञ्चान्न "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और स प्लॉट नं. 601, जो 6वीं मंजिल, मंगल भंडार, प्लॉट नं. 539, टी. पी. एस. 3, 13वां रोस्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करणनामा आयकर अधिनियम धारा की 269कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के शायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूच में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमति मनजीत आनंद और

मास्टर मनप्रिय आनंद थू हिज फादर

अण्ड नैचरल गार्डियन तन्त्राज्ञान सिंग

आनंद ।

(अन्तरक)

2. श्री. कोरमल मेहरमल, श्रीमति हूरबाई

कोरमल, श्री मन्नक राम कोरमल ।

और श्रीमति कमलाबाई मवकरम ।

(अन्तरिनी)

3. अन्तरिनीयों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता

है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिता शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"प्लॉट नं. 601, जो, 6वीं मंजिल, मंगल भंडार, प्लॉट नं. 539, टी. पी. एस. 3, 13वां रोस्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की प्र.सं. अई-2/37ई/10275/84-85 जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को और रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10275/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601 6th Floor, Mangal Bhandar, Plot No. 539, T.P.S. 3, 13th Road, Khar, Bombay-52. (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Manjeet Anand and Master Manpreet Anand (Transferor)
2. (1) Shri Kauromal Mehramal (2) Smt. Hoorbai Kauromal (3) Shri Shewakram Kauromal (4) Smt. Kamalabai Shewakram. (Transferee)
3. Transferee (Person in occupation of the property)
4. ——— (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 601, 6th Floor, Mangal Bhandar, Plot No. 539, T.P.S. No. 3, 13th Floor, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10275/84-85 dated 25-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10290/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अंतरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक और जिसकी सं फ्लैट नं. 588-एन, जो श्री रामनगर कॉन्फ्लैटिव हाउसिंग सोसाइटी लि., खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरण का गंत है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-क अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती गिताबाई मोहनदास आहुजा । (अंतरक)

2. श्री हंसराज किशनदास चावला । (अंतरिती)

3. ——— (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. ——— (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 588-N, जो, श्री रामनगर को-ऑप
हाउसिंग सोसाइटी लि., 3रा रास्ता, खार, बम्बई-52
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10290/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10290/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 588-N, Shree Ramnagar Co-op. Hsg. Society Ltd., 3rd Road, Khar, Bombay-52, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Sitabhai Mohandas Ahuja (Transferor)
2. Mr. Hansraj Kishindas Chawla (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. N-588, Shree Ramnagar Co-op. Hsg. Society Ltd., 3rd Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10290/84-85, dated 25-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/10172/84-85 —अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें हमके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 13, जो, 3री मजिल, लिलियन अपार्टमेंट्स को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., बृहम विल्हेज के पास, खार दांडा, डॉ. आंबेडकर रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ब) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आग या धन की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत् में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 श्री शिवम एच गियानी और श्रीमती ललिता एम गियानी । (अंतररत्न)
- 2 डा. दयाराम गुल्मल चंदनानी । (अंतरिनी)
3. अन्तरिनी । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि सम्पत्ति में हित-बन्ध है)

यदि यह सूचना जारी करके पृथक् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 13, जो, 3री मंजिल, निक्कीयन अपार्टमेंट्स, को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि, चंद्रम विलेज के पास, खार दांडा, डॉ. आंबेडकर रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि स. अई-2/37ई/10172/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 4th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10172 84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, 3rd floor, Lili Apartments Co-op. Housing Society Ltd. Near Chum Village, Khar Danda, Dr. Ambedkar Road, Khar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Shivam H. Giani and Smt. Lalita S. Giani (Transferor)
2. Dr. Dayaram Gulmal Chandanani (Transferee)
3. Transferee (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd Floor, Lilian Apartments Co-op Hsg. Society Ltd., Near Chuim Village, Khar Danda, Dr. Ambedkar Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10172, dated 18-8-84.

Dated 14-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8843/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 7, जो, 2री मंजिल, इमारत नं. 3, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मंगोल-मरोणी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या 166 GI/85—44

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दीपना विल्डर्स प्रायवेट लि.। (अंतरक)
2. श्री पी. एल. डिमेजो। (अंतरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 7, जो, 2री मंजिल, इमारत नं. 3, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मंगोल-मरोणी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37ईई/8843/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8843/84-85.—Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, 2nd Floor, Bldg. No. 3, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol-Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Shri P. I. D'Mello (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 7, 2nd Floor, Bldg. No. 3, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol-Maroshi Road, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8843/84-85, dated 3-8-1984

Dated: 11th April, 1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. अई-2/37ईई/8844/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 12, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 1, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल-मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरिनियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दापः बिल्डर्स प्राइवेट लि. (अर्जक)
2. अलीया अस्गर शकीर और साफुद्दीन शब्बिर-हसुन चरबीवाल (अर्जित)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि यह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके परोक्ष सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर परोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण :—इसमें परोक्ष शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 12, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 1, फ्लैट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं अई-2/37ईई/88 44/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता. 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8844/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, 3rd Floor Bldg. No 1, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Alefiya Asger Shakir and Saifuddin Shabbir-hussein Charbiwala (Transferee)
3. Transferees
(Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, Bldg. No. 1, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8844/84-85 Dt. 3-8-1984.

Dated : 4th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10273/84-85—अनः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लॉट नं. 15, जो 4थी मंजिल, इसारन नं. 4 प्लॉट नं. 16, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड अंधेरी (पूर्व) बम्बई-61, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकां (ओं) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी बन् या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दीपक विल्डर्म प्राइवेट लि.। (अंतरक)
2. धिरजलाल जयवीरलाल शहा और मिता धिरजलाल शहा। (अन्तरिती)

3.—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 15, जो, 4थी मंजिल, इसारन नं. 4, प्लॉट नं. 16, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10273/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10273/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, 4th Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 16, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt. Ltd., (Transferor)
2. Dhirajlal Jayanthilal Shah and Meena Dhirajlal Shah (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 15, 4th Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 16, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II, 37EE/10273/84-85 Dt. 25-8-84.

Dated : 4th April, 1984.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10144/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी प्लेट न. 404 जो 4थी मंजिल, राजेंद्र को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, चकाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका नगर-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में वस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें इच्छने में स्विधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स आमेक्स बिल्डर्स एंड कांटेक्टर्स। (अंतरक)
2. श्री एस. कुमार गोपाल। (अंतरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में संपत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अध्याहस्ताक्षरों जानना है, की वह संपत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 404 जो, 4 थी मंजिल राजेंद्र को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, चकाला, बम्बई, अंधेरी (पूर्व), में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10144/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता : 4-4-85

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10144/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 404, 4th Floor, Rajendra Co. Op. Housing Society, Chakala, Andheri (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Omex Builders and Contractors
(Transferor)
2. Shri M. S. Kumar Gopal (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th Floor, Rajendra Co. Op. Housing Society, Chakala, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]10144/84-85

Dated: 4th April, 1984.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10141/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 303 जो, 3री मंजिल राजेंद्र को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, चकाला अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,

तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरण(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसा अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैमर्स ओमेक्स बिल्डर्स एंड कान्ट्रक्टर्स । (अन्तरक)
2. एस. ए. वंचीनाथ । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिगोण में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 303 जो 3 री मजिल राजेंद्र कॉ-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, चकाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10141/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ता. 4-4-84

मोहर :

(जो लागू न हो उा काट दीजिय)

Ref. No. AR-II|37EE|10141|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 303, 3rd Floor, 'Rajendra Co-operative Housing Society Ltd., Chakala, Andheri (East), Bombay-400093 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M's. Omex Builders & Contractors
(Transferor)
2. S. A. Vanchinath
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, Rajendra Co-op. Housing Society Ltd., Ground Floor, Chakala, Anand (F), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/371 E/10141/84-85 dated 18-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10139/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी दुकान नं. 1 जो ग्राउंड फ्लोअर विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत नं. ए-1 चकाला अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदों प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स इंडिको कंस्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री स्टीफन फिलिप डिसिल्वा।

(अन्तरिनी)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी उक्त दृष्टि से संपूर्ण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा दायी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 1 जो, ग्राउंड फ्लोअर विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत ए-1, चकाला अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10139/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10139/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 1, Ground Floor, Bldg. A-1, Vidyadani Co-op. Housing Society Sahar Village, Andheri (East), Bombay-400069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Indico Construction Co. (Transferor)
2. Mr. Stephen Philip D'Silva (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vidyadani Co-op. Housing Society, Shop No. 1, Bldg. No. A-1, Ground Floor, Chakala, Andheri (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10139/84-85 dated 18-8-1984.

Date 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10138/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है (और जिसकी सं. दुकान नं. 1 और 2, जॉ. शाउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, इमारत नं. बी-2, चकाला अंधेरी (पूर्व), बंबई में स्थित है और इसमें उपावद्ध अन्तर्गति में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गति (को) और अन्तर्गति (यो) के बीच ऐसे अन्तर्गति के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गति लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तर्गति से हुई किसी आय की राशि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गति के दायित्व से कमी करने या उससे दक्षिण से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आयस्वयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वये में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों के प्रति :-

1. मैमर्स इंडिको कंस्ट्रक्शन कंपनी। (अंतरक)
2. श्रीमती मिनानी फर्नान्डीस। (अन्तरिणी)
3. —
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगमची

दुकान नं. 1 और 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत नं. बी-2, चकाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अतः सूची जसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10138/84-85 और जो सश्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10138/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 1 & 2, Ground Floor, Bldg No. B-2 Vidyadani Co-op. Housing Society, Sahar Village, Andheri (E), Bombay-400069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- 1 Ms. Indico Construction Co. (Transferor)
- 2 Mrs. Minano Fernandes (Transferee)
3. —
- (Person in occupation of the property)
4. —
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vidyadani Co-op. Housing Society, Shop No. 1 & 2 Ground Floor, Bldg. B-2, Chakala, Andheri (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10138/84-85 dated 18-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8949/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी स. (दुकान न. 9, जी. ग्राउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत न. बी-2, चकाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदहू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अन्तरिनी(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तदुपाय प्राप्त गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें दबाने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उपाति:—

1. मैसर्स इंडिका कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (अन्तरक)

2. श्री मानजी जेसमा पटेल। (अन्तरिनी)

3.—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान न. 9, जी. ग्राउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत बी-2, चकाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

[अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/8949/84-85, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर .

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8949/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Shop No. 9, Ground Floor, Vidyadani Co-op. Housing Society, Bldg. No. B-2, Chakala, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Indico Construction Company
(Transferee)
2. Manji Jessa Patel (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vidyadani Co-op. Housing Society, Shop No. 9, Ground Floor, Bldg. B-2, Chakala, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 8949/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश न अई-2/37-ईई/10140/84-85--अन मझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें उसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिक है और

जिसकी म० दुकान न 11, जॉ, ग्राउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, इमारत न० ए-1, चकाला, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक/अन्तरको और अन्तरिनी/अन्तरिनियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में द्वास्तिक रूप से बंधित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सन्निधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्निधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सैमर्स इंडिको कंस्ट्रक्शन कंपनी। (अन्तरक)
2. श्री पीटर अन्द्राडे। (अन्तरिनी)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह गहरा जागी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो में अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित हो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 11, जो, ग्राउंड फ्लोर, विद्यादानी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, इमारत ए-1, चकाला अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है:

अनुसूची जैसा कि क्र. म. अई-2/37 ईई/10140/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

सोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10140/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 11, Ground Floor, Vidyadani Co-op. Housing Society, Bldg. No. A-1, Chakala, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Indico Construction Co. (Transferor)
2. Shri Peter Andrede (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vidyadani Co-op. Housing Society, Shop No. 11, Ground Floor, Bldg. No. A-1, Chakala, Andheri (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10140/84-85 dated 18-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8976/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं.

आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दीपक विल्डर्स प्राइवेट लि. (अतरक)
2. गीता बक्शी और अवतार नारायण बक्शी, एच. यु. एफ (अंतरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तिगत पर गठना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुयाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 14, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/8976/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8976/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 14, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-40059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Geeta Bhakshi & Avtar Narayan Bhakshi H.U.F. (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 1, Ground Floor, Bldg. No. 4, Plot No 14, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8976/84-85 dated 6-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8979/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु में अधिगत है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 4, जो 1ली मंजिल, इमारत नं. 5, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्योगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. दीप : बिल्डर प्रायवेट लि । (अन्तरक)
2. विन्सेंट डिमोजा । (अन्तरिती)
3. —
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहियों शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 4, जो 1ली मंजिल, इमारत नं. 5, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है ।

अनुसूची नं. 1 सं. अई-2/37ईई/8979/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 4/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8979/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. 5, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400059 (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt Ltd. (Transferor)
2. Vinsent D'Souza. (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. 5, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8979/84-85 dated 6-8-1984.

Date : 4-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9752/84-85 --अत मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 3, जं. 1ली मंजिल, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती(यो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दिपक बिल्डर्स प्राइवेट लि.। (अन्तरः)
2. स्टेव डेविड और स्टानिलास टी जे फ्रासर। (अन्तरितः)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 3, जो, पहली मंजिल, इमारत नं. 1, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं अई-2/37ईई/9752/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक

10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 4/4/1985

मोहर:

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9752/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 1st Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is

166 GI/85-46

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Steve David & Stanilaus T J. Fraser (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9752/84-85 dated 10-8-1984.

Date : 4-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/9749/84-85—अतः मंजूर, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु० से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 4, जो पहली मंजिल, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि.। (अन्तरक)
2. डायगो मैस्केरेन्हस। (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करना हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के धारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 4, जो, पहली मंजिल, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई/9749/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख :- 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9749/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Deepak Builders Pvt. Ltd., (Transferor)
2. Diago Mascarenhas (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/9749/84-85.

Date : 10-8-1984.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37ईई/10090/84-85 -- अतः मुझे लक्ष्मण दास आपन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने हमसे पश्चात, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु में अधि है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 12, जो, 3 री मरिव, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 6, भवानी नगर, मरोल मराशी रोड, अधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क मरियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दिपन धिन्डर्स प्राथवेद लि (अन्तरक)
2. जगदाण माधव दाते (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 12, जे. 1, भावानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि यम आई-2/37ईई/10090/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 4/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10090/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 12, 3rd Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 6, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Deepak Builders Pvt Ltd., (Transferor)
- Jagdish Madhav Date (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 6 Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri(E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10090/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं आई-2/37ईई/10347/84-85 :-— अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 26 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिन 1 उचित बाजार मूल्य 100000/- रु से अधिक है और जिनकी सं फ्लैट नं. 1, जो, इमारत नं. 2, प्लॉट नं. 17, भावानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अंतर्गती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाखत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आगियों की जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्ध के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. आनंदी एम. सिरैया । (अन्तरण)
2. श्री राजू अबेनेस । (अन्तरिती)
3. —
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

“फ्लैट नं. 1, जो इमारत नं. 2, प्लॉट नं. 17, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड, बम्बई-59 में स्थित है।

अनुमोदी जैसा कि स. अर्द्ध-2/37ईई/10317/84-85 और जो मक्षम प्राधिभारी बम्बई द्वारा दिनांक 15/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ret. No. AR-II/37EE/10347/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1, Bldg. No. 2, Plot No. 17, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Anandi M. Siroya (Transferor)
2. Shri Raju Abenes (Transferee)
3. —
- (Person in occupation of the property)
4. —
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Bldg. No. 2, Plot No 17, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10347/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/10274/84-85 —अतः, मुझे लक्ष्मण दास आश्रम अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इनके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सफाई नं. 3 और 4, जो पहली मजिल इमारत नं. 2, प्लॉट नं. 8 भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है। (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदार्थ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अज उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दिपक विल्डर्स प्रायवेट लि. (अन्तरक)
2. परमेश्वर मास्की गमनाथन्. (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 3 और 4, जो, पहली मजिल, इमारत नं. 2, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ. म. अई-2/37ईई/10274/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10274/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 3, 4, 1st Floor, Bldg. No. 2, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Deepak Builders Pvt Ltd. (Transferor)
2. Parameswara Shastri Ramanathan (Transferor)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3 and 4, 1st Floor, Bldg. No. 2, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10274/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई- 2/37ईई/9947/84-85. —अन
मुझे नक्षम दास आयर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. ने अधिन है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 9, दूसरी संजिल, विलि क्विज अपार्टमेंट, महानगरी केवज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई 400093, में स्थित है और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका नगरनामा आयादा अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शकत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लैंग अहमद । (अन्तरक)
2. श्री जी. बी. प्रमाण । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(रु) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवादी किंवा अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के लिये लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 9, 2nd फ्लोर मजिल, बिलकिस अपार्टमेंट महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-400093 में स्थित है।"

अनुसूची जमा की क्र. म. अर्द्ध-2/37ईई/9947/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9947/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 9, 2nd Floor, Bilquis Apt., Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Laiq Ahmed (Transferor)
2. Shri G. B. Prakash (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd Floor, Bilquis Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9947/84-85, dt. 13-8-1984

Dated : 9th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अर्द्ध-2/37ईई/10072/84-85 —अन मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. अर्द्ध-2 का अंग या भूखण्ड महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास

के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मलान्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निर्मलान्वित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्णा चप्पल । (अन्तरक)
2. श्रीमती उमा चप्पल । (अन्तरिनी)
3. —————
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किया जा सकेगा ।

साष्टिकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है ।

अनुमोची

“जमीन का अंश या भूखण्ड जो महाकली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है ।”

अनुमोची जैसा कि क्र. सं अई-2/37/10072/84-85 और जो गवर्नर प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10072[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing a piece or parcel of land at Mahakali Caves Road, Andheri (F), Bombay (and more 17-8-1984 for an apparent consideration which is fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Krishna Kapur (Transferor)
2. Mrs. Prabha Kapoor (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

A piece or parcel of land, Plot No. 182, Shere Punjab Housing Society Ltd., Mahakali Caves Road, Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-JI/37EE/10072/84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 9th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश स. अई-2/37-ईई/10026/84-85 :- अतः मूखे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे मैं इस इसके पञ्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. जमीन, गिटीएम नं. 371, वीलेज गूण्डवली, अंधेरी कुर्ला रोड के सामने, अंधेरी (पूरब) बम्बई-400069 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 16-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैसर्स लीव होम्स । (अन्तरक)
2. श्री नीतिन हरमुखलाल दोशी तथा श्रीमती उषा नितीन दोशी (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो' के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के उक्त स्थावर सम्पत्ति में भीतर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में, परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"जमीन, जो मि. टी. एम. नं. 371, वीलेज गूण्डवली, अंधेरी कुर्ला रोड के सामने अंधेरी (पूरब) बम्बई 400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10026/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

Ref. No. AR-II/37EE/10026/84-85.—Whereas, 1. LAXMIAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing CTS No. 371, Village Gundavali, Off Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-400069 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Live Homes (Transferor)
2. Mr. Nitin Harsukhlal Doshi and Mrs. Usha Nitin Doshi (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

CTS No. 371, Village Gundavali, Off Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10026/84-85, dt. 16-8-1984.

Dated : 9th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

दम्बई, 10 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9061/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन गधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 3, जो, ग्राउंड फ्लोर, महाकाली केव्ज रोड, इमारत नं. 29, रामया जीवन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., अंधेरी बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, दम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कमला जवाहर वैद्य । (अन्तरक)
2. श्री दिलीप सदाशिव सकपाल और श्रीमती । (अन्तरिती)
दिलीप सकपाल ।

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू कर्ना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 3, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. 29, महाकाली केवज रोड, रामया जी वन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., अंधेरी, (पूर्व) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/9061/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/9061/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Ground Floor, Mahakali Caves Road, Bldg. No. 29, Ramaya Jeevan Co-op. Hsg. Society Ltd., Andheri (E), Bombay-93 (and more 4-8-1984 for an apparent consideration which is fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Smt. Kamala Jawahar Vaidya (Transferor)
- Shri Dilip Sadasiv Sakpal and Mrs. Sharmila Dilip Sakpal (Transferee)
- Transferor

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, Ground Floor, Mahakali Caves Road, Bldg. No. 29, Ramaya Jeevan Co-op. Hsg. Society Ltd., Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9061/84-85, dt. 4-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal :

(Strike off where no applicable.)

निर्देश में अई-2/37ईई/ 8977/84-85 -अन. मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट न. 2, जो. ग्राउंड फ्लोर, इमारत न. 4, प्लॉट न. 14, भवानी नगर, मंगोल मराणी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिनी (यों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई निम्नी आय को वास्तव आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की विस्तृत भारतीय आयदाय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री/श्रीमती/कुमारी :— दिपक बिल्डर्स प्राइवेट लि. (अंतरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी :— अवतार लारायण बक्शी एच. यू. एफ. (अन्तरिनी)
3. —
4. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न. 2, जो. ग्राउंड फ्लोर, इमारत न. 4, प्लॉट न. 14, भवानी नगर, मंगोल मराणी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/8977/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8977/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Ground Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 14, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri(E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Avtar Narayana Bhakshi H.U.F. (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 14, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8977/84-85, dt. 6-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-3/37ईई/8978/84-85 :- अतः मुझ, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. क्लैट नं० 11 जो, 3री मंजिल इमारत नं. 1, प्लॉट नं. 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोड, अंधरी (पूर्व), 59. में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किन्हीं धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दीपक बिल्डर्स प्रा. लि. (अन्तरक)
2. श्री गोपाल कृष्णन के. (अन्तरिती)
3. अन्तरकों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 11, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 1, प्लॉट नं. 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जंसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई/8978/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8978/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1, 3rd Floor, Bldg. No. 1, Plot No. 6, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400059 (and more 4-8-1984 for an apparent consideration which is Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Shri Gopal Krishnan K. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd Floor, Bldg. No. 1, Plot No. 6, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8978/84-85, dt. 6-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० आई-2/37ईई/10151/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अर्थात् सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स माईन फ्लैट नं०, पहिला मंजिल, बिल्डिंग नं० 10, मरोल-मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है) (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक एवं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुप्तता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत् में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अधिनियम—

1. श्री ए.एस. कोच्चर (अन्तरक)
2. श्री अमरजित सिंह पुरी। (अन्तर्गति)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कराने हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पब्लिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सहायक सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत्

"गार्डन सार्जिट फ्लैट, जो पहिली मंजिल, विन्डिंग नं० 10, जेम्स-प्लास को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, महाकाली नेशनल रोड, अंबेरी पुरव वस्ती में स्थित है"

अन्तर्गत् जैसा कि क्रमं० आई-2/37ईई/10151/81 85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्ती द्वारा दिनांक 18-8-81 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11-4-1985

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10151/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Garden Side Flat, First Floor, Bldg. No. 10, Sher-E-Punjab Co-op. Hos. Soc. Ltd., M. Caves Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. A. S. Kochhar (Transferor)
2. Mr. Amarjit Singh Puri (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Garden Side Flat, First Floor, Bldg. No. 10, Sher-E-Punjab Co-op. Housing Soc. Ltd., M. Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/10151/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० आई-2/37ईई/9974/84-84 :—अनं मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसको यूनिट नं० ए-48, न्यू एम्पायर इस्टेट, अन्धेरी, कुर्ला रोड के सामने, अन्धेरी (पूर्व) बम्बई-400059, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269क के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269क की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अमीचन्द चौकसी, और (अन्तरक)
श्री चन्द्रकुमार अमीचन्द चौकसी।
2. मैसर्स फ्रेडको कार्पोरेशन (अन्तरिती)
3. अन्तरिणी: (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"यूनिट सं० ए-47, जो न्यू एम्पायर इस्टेट, कोमडीवेला रोड, अन्धेरी, कुर्ला रोड के सामने, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई 400059 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/9974/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9974/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. A-48, New Empire Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E) Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Amichand Chowkshi and
Shri Chandrakumar Amichand Choksi
(Transferor)
2. M/s. Frezco Corporation (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. A-48, New Empire Indl. Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9974/84-85, dt. 14-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10169/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट बी-टाइप, चक्रवर्ती अशोक को-आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सहार रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-400099 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के दायरालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 श्री विनाद अमृतलाल पंचोली। (अन्तरक)
- 2 श्रीमता सुदाबेन जतेन कुमार शह। (अन्तरक)
- 3 ———
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4 ———
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट बी- टाइप, चक्रवर्ती अशोक को-ऑप हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड सहार रोड, अंधरी (पूर्व), बम्बई-400099 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा कि क्र०म० ईई-2/37ईई/10169/84-85 आर जो सन्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे बाद दीजिए)

Ref. No AR-II/37EE/10169,84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat B-Type, Chakravorthy Ashok Co-op Housing Society Ltd, Sahar Road, Andheri (E), Bombay-99 (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and,
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- 1 Shri Vinod Amrutlal Pancholi (Transferor)
- 2 Smt Sudaben Jateen Kumar Shah
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. B-type, Chakraworthi Ashok Co-op. Housing Society Ltd., Shar Road, Andheri (E), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10169/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10253/84-85 —अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसकी फ्लैट न० बी/3, 19 सिंधिया को-आप० हा० सोसाइटी लिमिटेड, सर एम०वी० रोड, अंधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के सम क दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उक्त दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एम०एम० सबनीस (अन्तरक)
2. श्री एम०आर० कानोन्दा ऐंड एम०एम० कानोन्दा । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसमें अधिसंगत सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट न० बी/3, जो 19, सिंधिया को-आप० हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सर एम०वी० रोड अंधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है ।”

अनुसूची जैसा कि क्र०स० अई-2/37ईई/10253/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-08-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे हटा दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10253/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing Flat No. B/3, 19, Sindhya Co-op. Housing Society Ltd., Sir. M. V. Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri S. M. Sabnis (Transferor)
2. Shri M. R. Kanondra and M. M. Kanondra (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B/3, 19, Sindhya Co-op. Housing Society Ltd., Sir, M. V. Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EF/10253/84-85, dt. 14-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37ईई/10236/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन लक्ष्मण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी/2, जो, ग्राउंड फ्लोअर, "मिनल अपार्टमेंट", ओल्ड नागरदाम रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका तत्परातामा आयकर अधिनियम की धारा 269 तख के अधीन लक्ष्मण प्राधिकारी के दायित्व, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (कों) और अनतिरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय प्राप्ता, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. गायल विल्डर्स प्रायवेट लि० । (अन्तरक)
2. श्रीमती, केटी टी० कासद । (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जागता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी

अर्थात् बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० बी/2, जो, ग्राऊड फ्लोर, “मिनल अपार्टमेंट” ओल्ड नागर्दास रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा कि क्र० स० अई-2/37ईई/10236/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

संहर :

(जो लागू न हों उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10236/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. B-2, Ground Floor, Minal Apartment, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Goyal Builders Pvt. Ltd.
(Transferor)
- Smt. Ketty T. Cassad
(Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-2, Ground Floor, Minal Apartment, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10236/84-85, dt. 23-8-1984.
Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स० अई-2/37ईई/10183/84-85 :—अन. सूक्ष्म लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० यनित नं० 139, जो, पहली मजिल, दागजी ग्रामजी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स प्लॉट नं० 28, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है। (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है,) और जिसका करारनामा बाजार अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन

मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के दिने अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, मेरे उनके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर/अंतरको और अंतर्गती/अंतर्गतीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त आगमन लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसर्जन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स दामजी शामजी गेंड सन्स । (अन्तरक)
2. जलाराम कैमिकल्स एंड फार्मास्यूटीकल्स प्रायवेट लि० (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन में संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के

अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“यूनिट न० 139, जो, पहली मंजिल दामजी शामजी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट न० 28, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।”

अनुसूची जैसाकि क्र०स० अर्क-2/37ईई/10183/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-4-1985

संहर :

(जो लागू न हो उसे आट दोजियो)

Ref. No. AR-II/37EE/10183/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 139, 1st Floor, Damji Shamji Indl. Complex, Mahal Indl. Estate, Mahakal Caves Road, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Damji Shamji & Sons (Transferor)
2. Jalaram Chemicals & Pharmaceuticals Pvt. Ltd. (Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

से उक्त अन्तर्ण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है।

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-नगर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्ण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

1. मैसर्स दामजी शामजी गेण्ड मन्स। (अन्तरक)

2. मैसर्स सविजय इंटरनेशनल प्राइवेट लि।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

Unit No. 139, 1st Floor, Damji Shamji Indl. Complex, Plot No. 28, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10183/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. आई-2/37ईई/10148/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० यूनिट नं० 140, जो, पहली मंजिल, दामजी शामजी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं० 28, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट महाकाली केवज रोड अंधेरी (पूर्व) बम्बई-93 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका जगरनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में दाम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किंगी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 140, जो, पहली मंजिल, दामजी शामजी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं० 28, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. आई-2/37ईई/10148/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उन काट दिजिये)

Bombay, the 8th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10148/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 140, 1st Floor, Damji Shamji Indl. Complex, Plot No. 28, Mahal Indl. Estate, Mahakali Caves Rd., Andheri(E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Damji Shamji & Sons (Transferor)
2. M/s. Subvijay International Private Ltd, (Transferee)
3. Transferee

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

166 GI/85—49

or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 140, 1st Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Plot No. 28, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-400093

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10148/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/10147/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं. यूनिट नं. 114, जो, 1वीं मंजिल दामजी शामजी इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स प्लॉट नं. 28 महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है और इसमें स्थावर सम्पत्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका राजनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर (को) और अंतरिता (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने से सविधा के लिए

अतः यद्य उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वयेण में,
यै उक्त अधिनियम की धारा 269D की उा धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स दामजी शामजी अँड सन्स। (अन्तरक)

2. श्री. अजय नायर। (अन्तरिती)

3. अन्तरित।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. ————

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिय शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“यूनिट नं. 111, जो 1 ली मंजिल, दामजी शामजी
इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं. 28, महल इंडस्ट्रीयल
इस्टेट महाकाली केन्ज रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-93 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.सं.अई-2/37ईई/10147/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10147/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS, being the Competent Authority
Authority under Section 269B of the Income-tax
Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the ‘Said Act’), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceed-
ing Rs. 100,000/- and bearing Unit No. 114, 1st

Fl, Damji Shamji Indl. Complex, Mahal Indl Estate,
Mahakali Caves Rd, Andheri (East).
Bombay-400093 (and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
16-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of this
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely:

1. M/s. Damji Shamji & Sons (Transferor)
2. Shri. Ajay Nair (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette,
or a period of 30 days from the service of
this notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from
the date of the publication of this notice in
the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 114, 1st Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Plot No. 28, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East) Bombay-93

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10147/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10040/84-85—अतः मन्त्रे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट नं. 8, 2रां मंजिल, प्रेमा, प्लॉट नं 340, श्रद्धानन्द रोड एक्सटे, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरितो/अन्तरितियों के बावजूद ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राहत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-1 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. डी.डी. माधवास्ता। (अन्तरक)
2. मैसर्स उदय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी। (अन्तरितों)

3. ————

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामीन 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हमसे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 8, दूसरी मंजिल, प्रेमा, प्लॉट नं 340, श्रद्धानन्द रोड, विस्तार, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्रम सं. अई-2/37ईई/10040/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख:- 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हों उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10040/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 8, 2nd Floor, Prema, Plot No. 340, Shradhanand Road Extn. Vile Parle (East), Bombay-400057 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. D. D. A. Madhastha (Transferor)
2. M/s. Uday Construction Co. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd Floor, Bldg. Prema, Plot No. 340, Shradhanad Road, Extension, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10040/84-85 Dated 16-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश में. आई-2/37-ईई/9060/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है) द्वारा 269ग के अधीन संपन्न प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं० 2 जो, ग्रांड फ्लोअर, इमारत नं० 8, शिवाजी अपार्टमेंट, वामनवाडा, विल पार्ले तालुका अंधेरी बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिता (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शियों की जिन्हें भारतीय आयदाय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. अब्दुल करीम हसनअली जमाल और जी.एच.विन्सेन्ट।

(अन्तरक)

2. श्री. शमिम अहमद।

(अन्तरिता)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त ग्राहक सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं० 2 जो याउंड फ्लोर, इमारत नं. “ए” शिन्ल अपार्टमेंट, बामणवाडा, विले पार्ले, तालुका अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

[अनुसूची जैसा कि क. स. आई 2/37-ईई/9060/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख :—12-4-1985

सोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9060/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 2, Gr. Floor, Bldg. A, Sheetal Apartments, Bamanwada, Vile Parle, Taluka Andhri Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Abdul Karim H. Jamal & Georing II. Vincent (Transferor)
2. Mr. Shamim Ahmed (Transferee)
3. Transferees (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 2, Gr. Floor Bldg. No. A, Sheetal Apartments, Bamanwada, Vile Parle, Taluka Andhri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9060/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई.-2/37-ईई/9059/84-85.—जब मैंने लक्ष्मण दास आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि अग्रोह सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसका स. दुकान नं० 3, जो याउंड फ्लोर शिन्ल अपार्टमेंट, इमारत नं. “ए”, बामणवाडा, विले पार्ले, तालुका अंधेरी बम्बई

में स्थित है (और इसमें 'उपावृद्ध अनुसूची में आरक्षण' रूप में वर्णित है) और जिसका कारणनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरक का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (की) और अंतरती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कायम नही किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयदातर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. अब्दुल करीम हसनअली जमाल और जे. एच विन्सेट
(अंतरक)

शमिम अहमद

(अन्तर्गति)

3 अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संज्ञान नं. 3, जा. ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. "ए", बामणवाडा, जितल अपार्टमेंट, विले पार्क, तालुका अधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. म. अर्द्ध-2/37ईई/9059/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9/8-1984

तारीख : 12-4-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

मोहर

(जो लागू न हों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9059/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 3 Gr. Floor and Car Parking apace in Sheetal Apartments, Baman Wada, Vile Parle, Taluka Andheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Abdul Karim Hasanali and Georing H Vincent (Transferor)
2. Shamim Ahmed (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-over period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 3 on ground floor and Car parking space in the building A, Sheetal Apartment, Bamarwada, Vile Parle, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9059/84-85, dt. 9-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/9058/84-85—प्रति मूले, लक्ष्मण राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे हमने इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त वातावरण मूल्य 100000/-रु. में अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 1 और 2, जो ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. "ग", वामनवाडा, विले पार्ले तालुका अंधेरी, बम्बई में स्थित है) और हमसे उपावृद्ध अनुसूची और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सश्रम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे दूबने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा से लिए

उक्त अन्त उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, से उक्त अधिनियम की धारा 269ग की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्देश्य :—

1. अब्दुल करीम हसनखली जमाल और जी एच बिसेन्ट ।
(अंतरक)
2. जमिम अहमद ।
(अन्तरिती)
3. अन्तरकों
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके धारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहियां शुरू करना हैं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचता की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं. 1 और 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. "ग", वामनवाडा, विले पार्ले, तालुका अंधेरी, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि नं. स. अई-2/37ईई/9058/84-85 और जो सश्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9058/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 1 and 2, Gr. Floor, Building A, Bamanwada, Vile Parle, Taluka Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Abdul Karim H. Jamal and Georing H. Vincent (Transferor)
2. Shamim Ahmed (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 1 and 2, Gr. floor, Building A, Bamanwada, Vile Parle, Andheri Taluka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/9058/84-85, dt. 9-8-1984.
Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. अई-2/37ईई/10356/84-85 —अन
सूत्र, लखम दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) (जिसमें हमने उसके पक्षान "उक्त अधिनियम" कहा
गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यात्र सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 5, पहला मजिद, झुनाबिआ
मिडिलेन प्लॉट नं. 8/L, जे.वा.पी. डि स्ट्रीट, विने पार्क
बम्बई-400056, में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 25-8-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रति-
फल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों)
और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें दबने में मविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार हमने,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री इस्माईल अब्दुला चुनावावा । (अन्तरक)
2. श्री राजेश एम. वर्मा । (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

"फ्लैट नं. 5, जो पहली मंजिल, झुनुबिया बिल्डिंग, प्लॉट नं. 8/1, जे.वी.पी.डी. स्कीम, विलेपार्ले बम्बई 400056 में स्थित है।

अनुमोदी जैसा कि क सं. अई-2/37ईई/10356/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/08/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 9-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37.EE./10356/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,100/- and bearing bearing Flat No. 5, 1st Floor, Junubia Building, Plot Flat No. 5, 1st Floor, Junubia Building, Plot No. 8/1, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle, Bombay-56 (and more been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Ismail Abdulla Chunawala (Transferor)
2. Shri Rajesh M. Varma (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 5 1st Floor, Junubia Building, Plot No. 8/1, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle, Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10356/84-8 dt. 25-8-1984.

Dated : 9-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9997/84-85 :—अतः मूखे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिस दमसे हमके पञ्चात “उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 छ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसमें स फ्लैट नं 2 माउथ पाण्ड रोड, माधव कुज, विलेपार्ले (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (और इससे उगावड और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिनी/अंतरिनियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. मैमर्स स्वस्तिक एन्टरप्राइजेस । (अन्तरक)
2. श्री अनुज जी. कपाडिया और अन्य । (अन्तरिनी)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त मध्यम सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्येक शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं 2, जो माउथ पाण्ड रोड, माधव कुज, विलेपार्ले (पश्चिम) बम्बई का स्थित है ।”

अनुसूची जैसा कि हम स अई-2/37ईई/9997/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

तारीख 9-4-1985

मोहोर

(जो लागू न हो उसे काट दोजिए)

Ref. No. AR-II[37EE]9997/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 2, South Pond Road, Madhav Kunj, Vile Parle (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Swastik Enterprise (Transferor)
2. Mr. Atul G. Kapadia & Oths. (Transferee)
3. Transferor
(Persons in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, South Pond Road, Madhev Kunj, Vile Parle (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9997/84-85 Dt. 14-8-1984.

Dated : 9-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/10394/84-85 :- अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 1, तलमाता, अमृतविआ, बिल्डिंग, प्लॉट नं. 8/1, जे बी पी डी. स्कम, बिल्डिंग (पश्चिम),

बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री ईम्माईल अब्दुल्ला चुनावाला । (अन्तरक)
2. कुमारी अनुगधा पटेल । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 4, जो तलमाला झुनोबिया बिल्डिंग, प्लॉट नं. 8/1, जूहू विलेपार्ले डेवलपमेंट स्कीम, विलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. स. अई-2/37ईई/10394/84-85 और जा सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 9-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10394/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 4, Ground Floor, Zunobia Building, Plot No. 8/1, J. V. P. D. Scheme, Vile Parle (West), Bombay-400056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Ismail Abdulla Chunawala (Transferor)
2. Miss Anuradha Patel (Transferee)

3. —
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Floor, Zunobia building, Plot No. 8/1, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10394 84-85 dt. 27-8-1984.

Dated : 9-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37-ईई/10155/84-85.—अन: मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट सं. 7. दूसरी मंजिर. झुनोबिया बिल्डिंग प्लॉट नं. 8/1, जे. वी. पी. डी. स्कीम, विलेपार्ले बम्बई-56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरको और अन्तरिनी/अन्तरिनियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

लिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण में हुई किसी आग की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री इस्मालिया इस्मईल ए. चुनावाला ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती फातिया अब्बास मामाजी वाला । (अन्तरिणी)

3. ———

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ———

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं 7 जो दूसरी मंजूर ज़ुनोबिया बिल्डिंग, प्लॉट नं 8/1, जे. पी.जी. स्कीम, विल्लेपार्ले, बम्बई 400056 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 9/4/1985

महूर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10155/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 7, 2nd Floor, Zunobia Building, Plot No. 8/1, J. V. P. D. Scheme, Vile Parle, Bombay-400056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Ismail A. Chunawala (Transferor)

2. Mrs. Fatia Abbas Mamajiwal (Transferee)

3. ———

(Persons in occupation of the property)

4. ———

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd Floor Zunobia Building, Plot No. 8/1, J.V.P.D. Scheme, Zunobia Building, Vile Parle, Bombay-56

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE/10155/84-85 dt. 18-8-1984.

Dated : 9-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

बम्बई 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10392/84-85:—अन. मूखे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी म. फ्लैट नं डी-11ए जो मेल्फ हेल्व को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि० सेंट्रल नॉर्थ रोड विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अन्तर्गती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आशियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का

11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 के अन्तर्गत से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कुमारी लक्ष्मी एफ कृपलानी और (अन्तरक)

कुमारीलिना एफ कृपलानी

2 श्रीमती रेखा हिरा बासवानी (अन्तर्गती)

3

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—हमने प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का आ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं डी-11ए जो, जो, मेल्फ हेल्व को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि० सेंट्रल नॉर्थ रोड, विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं. अई-2/37ईई/10392/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10392/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. D-11A, Self Help Co. op. Housing Society Ltd., St. Francis Road, Vile Parle (West) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Miss Lachhimi F. Kripalani Miss Lila F. Kripalani (Transferor)
2. Mrs. Rekha Hiroo Vaswani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. D-11A Self Help Co. op. Hsg. Society Ltd., St. Francis Road, Vile Parle (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10392/84-85 Dt. 27-8-1984

Dated : 10-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं अई-2/37-ईई/8846/84-85—अत मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थित सम्पत्ति, जिस पर उचित बाजार मूल्य 100000/- रु में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 301, जो, 3 री मंजिल इमारत नं. 16, सर्वे नं. 41, व्हिलेज ऑगिबरा, वैहगन बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 2-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर(कों) और अन्तरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जिनाउद्दीन बखारी (अन्तरक)
2. शेख मोहम्मद आझम (अन्तरिती)

3 ---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 ---

(वह व्यक्ति जिसके द्वारा में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त ग्राहक सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थानियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 301, जो तृतीय मंजिल इमारत नं. 8 गवर्नर नं. 41 विंग ऑशिवरा, वैह्रम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प) बम्बई 56 में स्थित है।

अनुसूची जाँचकी क्रम अर्द्ध-2/37 ईई/8866/84-85 और मक्षम प्राप्ति तारीख अर्द्ध-3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/8846/37EE/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd Floor, Building. No. 8, Village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Nasim Ahmed Khan (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

* Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Bldg. No. 8, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8866/84-85 dt. 3-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

दिनांक 17-8-1984/10060/84-85. में, लखन दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निम्न डी. आर. पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसका प्लॉट नं. 404, 4th मंजिल, इमारत नं. 16, सर्वे नं. 41 विल्ज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई में स्थित है (और इसका अनावद्ध अनुसूची में और पूर्ण हस्तबर्णन 2) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निम्न अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 27) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री विनायकजी बुधारी (अंतरक)

2. श्री ए. ए. हर्षा (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कर रहा है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अज्ञान —

166 GI/85—51

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 404, जो 4थी मंजिल, इमारत नं. 16, सर्वे नं. 41, विल्ज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई/10060/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10060/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 404, 4th Floor, Building No. 16, S. No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bakhari (Transferor)
2. Mr. K. S. Hamid (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th Floor, Bldg. No 16, Village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-11 37LE/10060 84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश में, अर्द्ध-2/37-ईई/9987/81-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 103 जी, 1वीं मजिल इमारत नं. 6, सर्वे नं. 41, विल्हेज ओशिवरा, बहुराम दास के पश्चिमी जोगेश्वरी (प) वस्त्रधर्म में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरगत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (वा) और अन्तरिती (या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या उक्त आयियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिकंदरुल्लाह बखारी (अन्तरक)
2. अर्मानाबी अब्दुल गफूर। (अन्तरिती)

3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी उक्तता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पक्षों द्वारा सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 20 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती है के भीतर पृष्ठांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिये निर्दिष्ट में किया जा सकेगा।

साष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ज्ञा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 103, 1st फ्लोर, इमारत नं. 6, सर्वे नं. 41, विन्हेज शिवावरा, पेडगाव बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प) प्रमर्श में स्थित है।

अनुसूची जैसा की य. स. अर्क-2/37-ईई/9987/84-85 और श्री नक्षत्र प्राधिकाारी प्रमर्श द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 11/4/1985

साहू

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref No AR-II 37EF/9987/84-85 —Whereas, I, Taxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Plot No 103, 1st Floor Building No 6, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- 1 Mr Ziauddin Bukhari (Transferor)
- 2 Mr Aminbai Abdul Gafoor (Transferee)
- 3 —
(Persons in occupation of the property)
- 4 —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Bldg. No. 6, Village Oshiwara, Jogeshwari (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19987/84-85 dt. 13-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37ईई/10363/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट नं. 401, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. 4, सर्वे नं. 41 विन्नेज ओगिश्वरी, नेहराम बाग के पिछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई 58, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के माध्यम से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शिवाउद्दीन बुखारी (अन्तरक)
2. एम एस शेख (अन्तरिती)

3 —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 401, जो 4थी मंजिल, इमारत नं. 4, सर्वे नं. 41 विन्नेज ओगिश्वरी, नेहराम बाग के पिछे जोगेश्वरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं अई-2/37ईई/10363/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No. AR-II/37EE/10363/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 401, 4th Floor, Bldg. No. 4, Village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Mr. M. S. Shaikh (Transferee)
3. — (Persons in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as, given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 401, 4th Floor, Bldg. No. 4, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II, 37EE.10363/84-85 dt. 27-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37/ईई/10200/84-85 : —अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें हमके पञ्चान्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 504, जो, 5वीं मंजिल, इमारत नं. 3, सर्वे नं. 41, विल्हेज आंगिवरा, बेह्राम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प.) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरितो(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बर्ती करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी धन या अन्य आगिन्या की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंगी जाना चाहिए था, छिपाने में मदद की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उग धारा (1) के अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् .—

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी । (अन्तरक)
2. कादीबाल जवीर टट्राहीम (अन्तरिनी)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 504, जो, 5वीं मंजिल, इमारत नं. 3, सर्वे नं. 41, विल्हेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि नं. ग. अर्-2/37ईई/10200/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref No. AR-II 37EE. 10200/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing Flat No. 504, 5th Floor, Building, No. 3, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behram Village, Jogeshwari, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Kadiwal Jabu Ibrahim (Tenant)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 504, 5th Floor, Bldg. No. 3, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behram Bang, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10200/84-85, dt. 18-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन सं. अई-2/37ईई/10201/84-85 : --अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिस की फ्लैट नं. 503, जल, 5वां मंजिल इमारत नं. 3, सर्वे नं. 41, ओशिवरा विलाज, बेह्रम बंग के पोले, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (जो इसमें उपावृद्धि अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टान्त प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरक(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है.--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) के अधीन कर देने के अन्तरक के अभाव में करी करने या उसमें वृद्धि या मोटाई के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के 5 योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी । (अन्तरक)
2. कादीवाल अब्दुल रहीम । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 503, जो, 5वां मजिल, इमारत नं. 3, सर्वे नं. 41, विहार्ज आशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जात कि क्र. स. 4टे-2/37टेई/10201/84-85 और जो सक्षम प्रायिवारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट डालिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10201/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 503, 5th Floor, Bldg. No. 3, Survey 41, Village Oshiwara, Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay, 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Kadiwal Abdur Rahim (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

* Plot No. 503, 5th Floor, Bldg No. 3, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behram Baug, Jogeshwari, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10201/84-85 dated 18-8-1984.

Date : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

166 GI/85—52

निर्देश म अई-2/37ईई/8910/84-85 :—अत, मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी म. फ्लैट नं. 301, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. 20, सर्वे न. 41, व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी, बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्री है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिकल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 369-ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मियाउद्दीन बुखारी । (अन्तरक)
2. अशफक अहमद खान । (अन्तरिती)

3. — (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पक्का सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पक्का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्हादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 301, जो, 3री मंजिल इमारत नं. 20, सर्वे नं. 41, ओशिवरा विलेज, बेहराम, बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बंबई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि स. अई-2/37ईई/8910/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर

(जो लगे न हों उसे कट दीजिये)

Rel. No. AR-II/37EE/8940/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor, Bldg. 20 Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari, Bombay (and more 16-8-1984 for an apparent consideration which is fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Ashfarve Ahmed Khan (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor Bldg. No. 20, Survey No. 41, Oshiwara Village Behind Behram Baug Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8940/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अर्द-2/37ईई/8941/84-85.—अन सखे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 201, जो, 2री मजिल, इमारत न. 19, सर्वे न. 11, शिवनज आशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारियों के कर्षित बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें इकट्ठे में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269अ के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कियाउद्दीन बुखारी । (अन्तरक)
2. मोहम्मद इमरान । (अन्तरिनी)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क) इस सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 201, जो, 2री मजिल, इमारत नं. 19, सर्वे नं. 11, शिवनज आशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अर्द-2/37ईई/8941/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/8941/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Bldg. No. 19, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Mohammed Imran (Transferee)
3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Bldg. No. 19, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8941/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8943/84-85 :—यतः मुझ लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त (अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 303, जो, 3 री, मंजिल, इमारत नं. 20 सर्वे नं. 41, व्हिजेज ऑशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेशवरी (प) बम्बई में स्थित है (सौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह

प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरित (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये नय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी । (अन्तरक)
2. फिरोज़ा खानूम । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 303, जो, 3 री, मंजिल इमारत नं. 20, सर्वे नं. 41, व्हिजेज ऑशिवरा, बेहराम बाग के पीछे जोगेशवरी (प). बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/8943/84-8 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 4 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. 2/37 ईई/9934 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जा लागू न हो उसे काट दो)

Ref. No. AR-II/37EE/8943/84-85.—Whereas, I, LAXMIAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd Floor, Bldg. No. 20, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Feroz Khanum (Transferee)
3. (Persons in occupation of the property)
4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd Floor, Bldg. No. 20, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8943/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. 37-ईई/8944/84-85:— अतः मूले लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 304, जो 3 री मंजिल इमारत नं. 20, सर्वे नं. 41, ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पिछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई, में स्थित है)

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तर्गती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जियाउद्दीन बूखारी । (अन्तरक)
 2. अकथारी खानम । (अन्तरिनी)
 3

(अन्तरक)

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, वो वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 304, जो. 3 री मजिल, इमारत नं. 19, सर्वे नं. 41, ओशिवरा औशिवरा, बेहराम बाग जे पिछ जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. में ग्रह/2/37ईई/8944/84-85 और जा मद्रास प्राविकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

सोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref No. AR-II/37EE/8944/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000— and bearing Flat No. 304, 3rd Floor, Oshivara Village, Bldg. No. 20, Survey No. 41 Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
 (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
 2. Akthari Khanam (Transferee)
 3. _____
 (Person in occupation of the property)

(जो लागू न हो)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Bldg. No. 20, Survey No. 41, Oshivara Village, Behram Baug Jogeshwari (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8944/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 12-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/8943/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) 'जिसे हमसे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संपत्ति नं. 301, जी. 3 री मंजिल इमारत नं. 20 सर्वे नं. 41 विहवज ओशिवरा बेहराम बाग के पिछे जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है) (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करानामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

उक्त अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उभारित :—

1. श्री. जियाउद्दीन बुखारि । (अन्तरक)

2. मोहम्मद शोब खान । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—हमसे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ लगा जा उस अध्याय से दिया गया है ।

अनुसूची:

"फ्लैट नं. 301, जी. 3 री मंजिल इमारत नं.

सर्वे नं. 41, विहवज ओशिवरा बेहराम बाग के पिछे, (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की सं. आई-2/37ईई/9842/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंगे)

Ref. No. AR-II/37EE/8942/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd Floor, Bldg. 19, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)

2. Mohammed Shoeb Khan (Transferee)

3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Bldg. No. 19, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behnam Baug, Jogeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8942/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8981/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. में अधिक है और जिसकी स. गाला नं. 48-ए, जो सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेट 2री मंजिल जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है) उपवादा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उक्त:—

1. सत्यम बिल्डर्स । (अन्तरक) —
2. श्री, रमेश गोकुलचंद बूबना । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"गाला नं. 48-ए, जो, सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेट, 2री मंजिल जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्रम सं. अई 2/37ईई/8981/84-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 6/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये ।)

Ref. No. AR-II/37EE/8981/84-85 — Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 48-A in Satyam Indl. Estate, 2nd floor, Jogeshwari (E) Bombay-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Satyam Builders (Transferor)
2. Mr. Ramesh Gokulchand Bubna (Transferee)
3. Transferor (Person in occupation of the property)
4. ——— (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala No. 48 A in Satyam Indl. Estate 2nd floor, Jogeshwari (E), Bombay-60.

166 GI/85—53

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EC 8981/84-85. dated 6-8-1984.

Date 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9055/84-85.— अतः मुझे, लक्ष्मणदाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं फ्लेट न० 703, जो 7वीं मंजिल इमारत न० 2 सर्वे न० 41, व्हिटेज ओगिदरा, वेहगम बाग के पीछे जंगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचन में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयदाता अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिद्धान्त बुखारी (अन्तरक)
2. फकीर मोहम्मद अली खान (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध

में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आशय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 703, जो, 7 वीं मंजिल, इमारत नं० 2, सर्वे नं० 41, बिहारेज ओशिवरा, बेह्राम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प) वस्त्रवर्द्ध में स्थित है।

अनुसूची जिसका क्रम सं० अई-2/37 ईई/9055/84-85 और सक्षम प्राधिकारी वस्त्रवर्द्ध द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9055/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000— and bearing Flat No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 2, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
- Fakhir Mohammed Ali Khan (Transferee)
- _____ (Person in occupation of the property)
- _____ (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 2, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9055/84-85 dated 9-8-1984

Date 12-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/9055/84-85 :— अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 703, 7वीं मंजिल, इमारत नं० 2, सर्वे नं० 41, बिहारेज ओशिवरा, बेह्राम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प) वस्त्रवर्द्ध-58 में स्थित है (जो इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम की धारा 269AB के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्त्रवर्द्ध में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और

एक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसर्ग में, में उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितियों अर्थात् —

1. शियाउद्दीन बुखारी (अंतरक)
2. सुग्रा बी अब्बास परकार। (अंतरिती)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वर्षवारियों शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त ग्राहक सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 202, जो, 2री मजिल इमारत नं. 15 गवें नं. 11, विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे पांगेणवरी (प) तस्वर्ड-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क.स.अई-2/37ईई/9056/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 12-4-1985.

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9056/84-85.—Whereas, 1 Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd Floor, Bldg. No. 15, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behram Baug, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Ziauddin Bhukhari (Transferor)
2. Sugra B. Abbas Parker (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons which-
ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Floor, Bldg. No. 15, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug Jogeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE.9056/84-85 dt. 9-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10022/84-85 :-अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इनके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लेट नं. 703, जो, 7वीं मंजिल, इमारत नं. 12, सर्वे नं. 41 व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है) (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री जिजाउददीन वुखारी। (अन्तरक)
2. नजमा हबीब शुक्ली। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लेट न. 703, जो, 7वीं मंजिल, इमारत नं. 12, सर्वे नं. 41, व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं अई-2/37-ईई/10022/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये) .

Ref. No. AR-II/37EE.10022/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 12, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, In the

Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

1. Shri Ziauddin Bhukari (Transferor)
2. Nazma Habib Zukri (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 12, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Beram Baug, Jogeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 10022/84-85 14-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAI

(Strike off where not applicable)

निर्देशन सं. आई-2/37-ईई/8952/84-85 'अ' में नमूने नाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (फिनि टमपेडर पध्ता, "अन अविनिम" कहा गया है) की धारा 269C के अन्तर्गत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावत सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं० 103, जॉ. 1 की मंजिल, मधुर विला, एम० नं० 51 ए/1, एच. नं० और सी. डी. एम. नं० 5.1/53, जूहू गावडा नमूने-49 में स्थित है। और इसमें उपायुक्त अनुगृहीत से और पूर्णरूप से वणिज है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269C के अन्तर्गत प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिकी/अन्तरिकियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्व अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269C के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269C की उप-धारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन —

1. रमाकान्त एम रावत (अन्तरक)
2. महेन्द्र मंतू। (अन्तरिकी)

3. अन्तरिम और सुनंदा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लट नं. 103, जो, पहली मंजिल, मयूर, विला, एम नं. 51 ए/1, एच. नं. 7 और सी.टी.एस. नं. 53/53, जुहु गावठाण, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची नैमाकी क्र. सं. अई-2/37ईई/8952/84-85 और नं. मक्षम गतिशरी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 14-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8952/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 103, 1st Floor, Mayur Village S. No. 51 A/1, H. No. 7 and C.T.S. No. 53/53, Juhu Gaonthan, Bombay-400049 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Ramakant M. Raut (Transferor)
- Mahendra Sundhu (Transferee)
- Transferee and Sunanda
(Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Mayur Vila, S. No. 51-A/1, H. No. 7 and C.T.S. No. 53/53, Juhu Gatathan, Bombay-400049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II 37EE/8952/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 6-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-237-ईई/10259/84-85. —अन. मूझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-भ के अधीन भक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिस की सं. फ्लैट नं. बी-1, जं. 1 नी मंजिल, पुष्पक कॉ-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., 4था रस्ता, सानाकन (पूर्व) बम्बई-55, में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन, भक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के गट्टर निमित्त से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिनी (गो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की राहत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भत्ता या उक्त आयियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भत्ता-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित में सहायता के लिए

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1 श्री बेंकटाचनम रामकृष्ण अय्यर (अंतरक)

2 श्री हरेश बल्लभ दास वागरना (अन्तरिनी)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 हाउसिंग डेव्हलपमेंट फाइनेन्स कॉर्पोरेशन लि०

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा —

(फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर

सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(रु) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. बी-1, जं. 1 नी मंजिल, पुष्पक कॉ-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., 4था रस्ता, सानाकन (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37ईई/10259/84-85 और जो भक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख. 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10259/84-85.—Whereas, Laxman Da., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and having Flat No. B-1, first floor, Pushpak C.H.S. Ltd., 4th Road, Santacruz, East, Bombay-400055 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of ---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Venkatachalam Ramakrishna Iyer
(Transferor)
2. Shri Haresh Vallabhdas Kagrana
(Transferee)
3. Transferor
4. Housing Development Finance Corporation Ltd.
(Person in occupation of the property)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-1, first floor, Pushpak Co-operative Housing Society Ltd., 4th Road, Santacruz (East), Bombay-400055.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE] 10259/84-85 on 24-8-84.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9078/84-85 :—अतः सूत्रे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसका फ्लैट नं० 7, जो, 1वीं मंजिल, दानेश कुंज, नेहरू रोड, सातक्रुझ, (पूर्व), बम्बई 55 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कक्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है

तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से मूल्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (को) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दस्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या क्रिणी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. कुमारी पुष्पा राठी (अंतरक)
2. श्री बालकृष्णा यन्त्रापांतुला (अन्तरिनी)
3. ———

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. ———

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति की अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रावन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 7, जो, 1 जी मजिल, दानेश कुंज, नेहरू रोड, सानाक्रुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है अनुसूची जैसा कि क्र. स. अर्-2/37ई/907384-85 और जा सक्षम प्राधिकारी' दम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

Ref. No. AR-II/37EE/9078/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 7, 1st Floor, Danesh Kunj, Nehru Road, Santacruz (East), Bombay 400 055 (and more Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Kumari Pushpa Rathi (Transferor)
2. Shri Balkrishna Yallapattul (Transferee)
3. Transferer.
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—
166 GI/85—54

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7/1st Floor, Danesh Kunj, Nehru Road, Santacruz (East), Bombay 400 055

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9078/84-85 on 9-8-1984

Dated : 11-4-1985.

Seal.

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं० अर्-II/37ई/10100/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिम्मा उचित उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिप, की सं. फ्लैट नं. 12, जो, 2री मजिल, इमारत नं. 5ए जुहू संगीता अपार्टमेंट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, सांताक्रुज (प), बम्बई-49 में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-अब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अनरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से बड़ी किराई आय की दावत, एग्रेकर अधिनियम, 1991 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सजिष्ठा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिरि राम खन्ना (अन्तरक)
2. श्री दर्शन सिंह गुजराल (अन्तरिनी)
3. अंतरकों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 12, जो, 2री मंजिल, इसारन नं. 5ए, जुहू संगीता अपार्टमेंट को-ऑप. सोसाइटी, मांताकंज (प), बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10100/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10100/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 12, 2nd Floor, Bldg. 5-A, Juhu Sangita Apt. C.H.S. Ltd., Santacruz (West), Bombay 400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Siri Ram Khanna (Transferee)
2. Shri Darshan Singh Gujral (Transferee)
3. Transferer
(Person in occupation of the property)
4. ———

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd Floor, Building No. 5-A, Sangita Apartment Co-operative Housing Society, Santacruz (West), Bombay 400 059

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10100/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं अई-2/37-ईई/10350/84-85 -- अ. मू. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस पर उचित बाजार मूल्य 10/- रु. से अधिक है और जिस की सं. दुकान नं. 2, जो, "अलोक", ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट्स, नं. 104 और 10 डटड, टी. पी. एम. 4, सांता-कुंज (प), बम्बई-54 में स्थित है और इससे उपायद्ध, अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (क) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें इन्होंने से सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहीत के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अछेताल माणिकचंद जयसवाल और श्री बांकेलाल माणिक चंद जयसवाल (अन्तरक)
2. मैसर्स जय संपद डेकोरेटर्स एण्ड कैंटरर्स (अन्तरिती)
- 3 -- (वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)
- 4 -- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिदा शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के या लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 2, जो, "अलोक", ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट्स नं. 104 और 105, टी. पी. एम. 4, सांताकुंज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स अई-2/37ईई/10350/85-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उन बातें दोहराये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10350/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Shop No. 2, 'Allox' Ground Floor, Plots Nos. 104 & 105, T.P.S. 4, Santacruz (West), Bombay 400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Ashhelal Manikchand Jaisawal
Mr. Bankelal Manikchand Jaisawal
(Transferor)
2. M/s. Jay Mandap Decorators & Caterers.
(Transferee)
3. Transferors
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 2, 'Allox', Ground Floor, Plot Nos. 104 and 105, T.P.S. 4, Santacruz (W), Bombay 54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10350/84-85 on 25-3-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

वि.सं. सं. 2/37 ईई/8938/34-35 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इस प्रकार कहा, "आय अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ में जयों का प्रविष्टि को यह विस्मय करने का कारण है कि स्थान पर स्थिति, जिसका उचित वास्तव मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसका सं. फ्लैट नं. बी-3, जो 1 नं. मॉडल, एडमंड्स, को-ऑ. हाउसिंग सोसाइटी लि., रिजि. रोड (एक्स्टेंशन), गानकुं (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इसने उपा-हे (और इसने उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका कारणमा अधिकार अधिनियम की धारा 269 कड के जयों पक्ष प्रविष्टि के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त समाप्त के उचित वास्तव मूल्य से कम के दृश्यमान प्राप्ति के लिये प्राप्त हो गई है और मुझे यह वास्तव करने का कारण है कि प्रामाणिक वस्तु का उचित वास्तव मूल्य उसके दृश्यमान प्राप्ति से ऐसे दृश्यमान प्राप्ति के पद्धत प्राप्ति से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरता(यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए जो वस्तु वस्तु प्रतिकल वस्तुवस्तु उद्देश्य से उक्त अंतरण लिपि में प्रस्तुत रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी वस्तु या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् :—

1. वैज 1थ विष्णु आठल्ये । (उत्तरा*)
2. शिरीश माधुकर गुप्ते । (अन्तरिती)
- 3 अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसने अधिभाष में सम्पत्ति है)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस राजपत्र के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. बी-3, जो पहली मंजिल, स्नेहकुंज को-ऑप. हार्लींग सोसाइटी, लिंकिंग रोड (एक्सटेंशन), सान्ता-क्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-2/37ईई/8938/84-85 और जो नक्षत्र प्रतीति तारीख बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8938/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. B-3, 1st Floor, Snehkunj C.H.S. Ltd., Linking Road Extn., Santacruz (West), Bombay 400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Vajinath Vishnu Aathalya (Transferor)
2. Shirish Madhukar Gupte (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-3, 1st Floor, Snehkunj Co-operative Housing Society Ltd., Linking Road (Extension), Santacruz (West) Bombay 400 054

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37FF/8938/84-85 on 4-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37ईई/10265/84-85 :—अन. मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विवरण देने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स फौट नं. 10, जो, अशोरा पैलेस को-ऑप सोसाइटी लि., 15, एम. वि. रोड, साताक्रज (प), बम्बई-54 में स्थित है) (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन सजम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 24/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरक तैयार किया गया है और मुझे यह विवरण देने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (गो) और अंतर्गती (घो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से नहीं किसी आय की वारदात, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

आ. अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 श्री सजम प्रसाद श्रीवास्तव । (अन्तरक)
- 2 श्री अशोरा पैलेस लिमिटेड । (अंतर्गती)
- 3 अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अग्रिमों में सम्पत्ति है)
- 4 —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फौट नं. 10, जो, अशोरा पैलेस को-ऑप सोसाइटी लि., 15, एम. वि. रोड, साताक्रज (प), बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/10265/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No. AR-II/37EE/10265/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 10, Ashok Palace Co. op. Society Ltd., 15, S. V. Road, Santacruz (West), Bombay 400 054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Mathura Prasad Srivastava (Transferor)
2. Mr. Sabbir Ebrahim Tambawala (Transferee)
3. Transferor.
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 10, Ashok Palace Co. op. Society Ltd., 15, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay 54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10265/84-85 on 24-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. AR-2/37-ईई/10150/84-85. —अंग्रेजी में, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले "उत्त अधिनियम" कहा गया था) की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रखावर-तरफती, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिस की सं. फाईटनं. 17, जो, महेश्वर निवासी, 14-15, निम्न रोड सोसाइटी (प), बम्बई-54 में स्थित है) और इससे उपायान्वित अनुसूचित में आने वाले रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायित्व, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तुनिधी द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अरुण आर. रावल (अन्तर-)
2. श्री सुरेश जे. मुछाला और श्रीमती निता एन मुछाला (अन्तरितो)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों गौर पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अंगूची

फ्लैट नं. 17, जी, महेश्वर निवास, 44-45, तिलक रोड, सांताक्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

गुपची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10150/84-85 और जो पक्षम प्रावि गरी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10150 54-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 17, Maheshwer Niwas, 44-45, Tilak Road, Santacruz (W), Bombay 54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Arun R. Raval (Transferor)
2. Shri Suresh J. Muchhala & Mrs. Neeta S. Muchhala (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 17, Maheshwar Nivas, 44-45, Filak Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10150/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 11-4-1985

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10001/84-85 :—आ: मुझे नक्षम दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्रमाणपत्र नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, आगा अपार्टमेंट्स को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, निर्माणाधीन इमारत, सांताक्रुज (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के निये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

166 GI/85—55

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 260ग के अनुसार मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती विमलानवती पी. रोहरा, और
श्रीमती मधु इंदरकुमार महानी । (अन्तरक)

2. श्री द्वारा नंद लछमनदाम मखीजा और श्रीमती
रेनु एच. मखीजा । (अन्तरिनी)

3. अन्तरकों
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रमाणपत्र नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर आगा, अपार्टमेंट्स को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, (निर्माणाधीन इमारत सांताक्रुज (प); बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37ईई/10001/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10001/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. J, Ground Floor, Asha Apts. C.H.S. (Prop. Building), Santacruz (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Khymyanvanti P. Rohra, and
Smt. Madhu Inderkumar Sahni (Transferor)
2. Shri Hiranand Lachmandas Makhija, and
Smt. Renu H. Makhija (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Asha Apartments Co-operative Housing Society (Prop. Building), Santacruz (West), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10001/84-85 on 14-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं.आई 2/37-ई/10001/84-85-अन. मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमने इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट सं. ए-303, जुहु संस्कार प्रीमायसेम को-ऑपरेटिव्ह सोसायटी लिमिटेड, जुहु चर्च, बम्बई 400049 में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफलद्र निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में प्वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गए है :—

1 श्रीमती नीता फिरोशा रंगूतवाला और श्री फिरोझ

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुनी निता फिरोजा रंगूनवाला और
फिरोजा जनशेद रंगूनवाला (अन्तरक)
2. श्रीकेशवजी जेठालाल सोनी और श्रीमती अमृतबेन
सोनी । (अन्तर्गती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्याद पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-303, जुहू संस्कार प्रीमायमेस को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड 3री मजिल, जुहू चर्च, जुहू, बम्बई 49 में स्थित है ।

अनुसूची जमा कि क्रम सं. आई-2/37ईई/10289/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो)

Ref. No. AR-II/37EE/10289/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. A-303, Juhu Sanskar Premises Co-operative Society Limited, 3rd floor, Juhu Church, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Neena Firoze Rangoonwalla
and Mr. Firoz Jamshed
Rangoonwalla. (Transferor)
2. Mr. Keshavji Jethalal Soni and
Mrs. Amrutbehn Jethalal Soni. (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-303, Juhu Sanskar Premises Co-operative Society Limited, 3rd floor, Juhu Church, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-11/37EE/10289/84-85, dated 13-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL :

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9765/84-85:— अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. बी-17, पहली मंजिल, कृष्णा सोसायटी, डूड रोड, जुहू (नार्थ). बम्बई 400 049 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम क.ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. हर्बर्ट जान डिमोजा (अन्तरक)
2. धनवंतराय एम. त्रिवेद और दृश्यन्त डी. त्रिवेदी (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. बी-17 पहली मंजिल कृष्णा, सोसायटी जुहू रोड, जुहू (नार्थ) बम्बई 100049 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्रम. पुई-2/37ईई/9765/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

(बोलागू नहीं उसे काट दिया)

Ref. No. AR-II/37EE/9765/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. B-17, 1st floor, Krishna Society, Juhu Road, Juhu (North), Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Herbert John D'Souza (Transferor)
(Transferor)
2. Dhanvantray M. Trivedi and
Dushyant D. Trivedi (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. M's. Oshiwara Land Development Co. (Pvt.)
Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

the notice on the respective persons which ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-17, 1st floor, Krishna Society, Juhu Road, Juhu (North), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-E/9765/84-85, on 10-8-1984.

Dated : 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9784/84-85—अन मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे हमके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु से अधिक है और जिसका मर्या फ्लैट, प्लॉट नं. 21, सुबोध, प्रेमीडोम्सी को-ऑपरेटिव्ह सोसायटी नार्थ माउथ रोड नं. 7 जे बी पी डी स्कीम जट्ट, बम्बई 400019 में स्थित है (और हमने उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकता के पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (कां) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उगसे बचने में सविश्वास के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती वसुमती एम. चोकसी और श्री दिलीप एम. चोकसी (अन्तरक)
2. श्री श्याम सुन्दर आई. सारावगी (अन्तरगति)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में, हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट, जो. प्लॉट नं. 21, मुबोध, प्रसीडन्सी को-ऑप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड नार्थ माउथ रोड नं. 7, जह विल पाले डेवलपमेंट सीम, जह बम्बई 400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-2/37ईई/9784/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9784/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Plot No. 21, Subodh, Presidency Co-op. Hos. Soc. Ltd., North South Road No. 7, Juhu Vile Parie Development Scheme, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreements is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Vasumati M. Choksi and
2. Mr. Dilip M. Choks
(Transferor)
2. Mr. Shyam Sunder I. Sarawgi
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. Plot No. 21, The Presidency Co-op Hos. Soc. Ltd., Subodh, North South Road No 7, Juhu Vile Parle Development Scheme, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EF/9784/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated 9-4-84.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-3/37ईई/1087/84-85.— अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 2, जो, प्लॉट नं. 45 मरीन एण्ड प्रिमायसम को-ऑप हाउसिंग सोसायटी लि., जुहु तारा रोड, जुहु, बम्बई-49 में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करानामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती, मनजीत कांग रुपैल सिंह अंगोरा (अन्तरक)
2. श्रीमती, रंजनशाला एस. जून, (बोहरा) (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 2, जो, प्लॉट नं. 45 मरीन एण्ड प्रिमायसम को-ऑप सोसायटी लि., जुहु तारा रोड, जुहु बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रमसं. अई-2/37ईई/10089/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10087/84-85.—Whereas, I, Lazman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Shop No. 2, Plot No. 45, Marine End Premises Co. Op. Society Juhu Tara Road, Juhu, fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Mrs. Manjit Kaur Gurbal Singh Arora (Transferor)
2. Mrs. Ranjanbala S. Jain (Bohra) (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 2, Plot No. 45, Marine End Premises co. op. society Ltd., Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37LE/10087/84-85.

Dated : 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश ग. अई-2/37-ईई 8845/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,0000 -रु. से अधिक है और जिसकी ग. फ्लैट नं. 301, जो. 3 रो. मजिल, अंधोरी ईश्वर, कोलीवाडा रोड, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है) से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (याँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा —

- 1 श्री तपन चटर्जी। (अन्तरक)
2. श्रीमती मिमा कपूर। (अन्तरिनी)
- 3 — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं 301, जो, 3री मंजिल, अक्होरी टॉवर कोलीवाडा रोड, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. अई-2/37-ईई/8845/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11-4-1985

साहू :

(आ लागू न हो उस काट दीजिये)।

166 GI/85-56

Ref. No. AR-II/37EE.8845/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd Floor, Ivory Tower, Koliwada Road, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Tappan Chatterji (Transferor)
(Transferor)
2. Mrs. Seema Kapur (Transferee)
(Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Ivory Tower, Koliwada Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8845/84-85, dated 3-8-1984.

Dated 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8873/84-85—अन. मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000-रु. से अधिक है और जिसकी (सं. फ्लैट नं० 62 जो, 6 वी मंजिल, उदाधी तरंग को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. जुहू, तारा रोड, जुहू होटल के पास, बम्बई-49 में स्थित है) (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अन. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती लता आर. हंसोटी और डॉ रमेश सी. हंसोटी (अन्तरक)

2 श्री नयन चंदर्जी (अन्तरिती)

3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं 62, जो, 6 वी मंजिल उदाधी तरंग को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि, जुहू, तारा रोड, जुहू होटल के पास, बम्बई-49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/8873/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

दिनांक : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8873/84-85.—Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 62, 6th Floor, Udhadi Tharang Co. op. Hsg. Society Juhu Tara Road, Near Juhu Hotel, Bombay 49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Lata R. Hansoti & Dr. Ramesh C. Hansoti
(Transferor)
2. Shri Thappan Chatterji (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 62, 6th Floor, Udhadi Co. op. Society Ltd., Juhu Tara Road, Near Juhu Hotel, Bombay 49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8873/84-85.

Dated : 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2 37-ईई 10342 84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. बी-27, 4 थी मंजिल, कृष्णा का-अप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जुहू रोड (उत्तर), बम्बई-50, में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

इत अत उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उद्घाटित :-

1 श्री आनंद मंगेश सावूर। (अन्तरक)

2 श्री ओमप्रकाश चतुर्वेदी और श्रीमती. मिता चतुर्वेदी। (अन्तरिनी)

3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

— (वह व्यक्ति, जिसके जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट न. बी-27, जो, 4 थी मंजिल कृष्णा को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. जह रोड (उत्तर), बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं. आई-2/37-ईई/10342/-84-85 और जो सक्षम प्रासिक्तागी बम्बई द्वारा दिनांक

तारीख : 12-4-1985

बीहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10342/84-85 —Whereas, I, Taxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No B-27, 4th Floor, Krishna Co. op. Housing Society Ltd., Juhu Road, (North) fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Anand Mangesh Savoor (Transferor)

2. Shri Omprakash Chadurvedi & Mrs. Meena Chadurvedi (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-27, 4th floor, Krishna Co. op. Hsg. Society Ltd., Juhu Road (North), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10342/84-85 on 25-8-85.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 4 अप्रैल 1985

निर्देश म. अर्द्ध-2/37-ईई/9986/84-85—अन
मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु से अधिक है और जिसकी म० () में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किंगी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (i) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 सजय कन्ट्रक्शन गण्ड फायनान्स प्रायवेट लि. ०।
(अन्तरक)

2 कुमारी मुजाना मनोहर भाटीया (अन्तरिती)

3.—

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान नं 6 जो, "अनाक", टी.पी.एस. 4 प्लॉट नं 104/105, खानवाडी, पी.एम. रोड, बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. म० ई-2/37-ईई 9986/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

गोहर -

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 4th April, 1985

Ret. No. AR-II/37EE/9986/84-85.—Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6, "Alok", T.P.S. IV, Plot No. 104/105, Khotwadi, P. M. Road, Bombay-400054 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Sanjay Construction & Finance Pvt. Ltd. (Transferor)
2. Kum. Sujata Manohar Bhatia (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 6, "Alok", TPS VI, P. M. Road, Plot No. 104-105, Khotwadi, Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9986/84-85, on 13-8-1984.

Dated 4-4-1985

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. ज ई-2/37-ईई/10084/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दाम आचकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. युनिट नं. 11, ज/5वीं मंजिल, पटेल अपार्टमेंट सी. टी. एम. नं. एच/305, एच/306, एच/307, प्लॉट नं. 77 डी. टी. पी. एस. 4, 84, एम. वि. रोड, सातक्रूस(प) बम्बई-54 में है (अर्थात् इसमें उपावृद्ध अनुसूची में अंतर्गत रूप से वर्णित है) अथवा जिसका कारगरामा आचकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (को) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायित्व, आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आचकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में,
मे उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मोहम्मद यू. पटेल और अमीना एस पटेल (अन्तरक)
2. श्याम रूपचंद सुगंध (अन्तरिनी)
3. मिनाक्षी बी. गणात्रा
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. अन्तरक और अन्तरिनी
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनमची

“यूनिट नं० 11 जो, 5 वी मंजिल, पटेल अपार्टमेंट्स
84, एम. वि. रोड, सी. टी. एम. नं. एच/305,
एच/306, एच/307, प्लॉट नं. 77 टी. गान्ताकृज (प),
बम्बई-54 में स्थित है।

अनमची जैगा वि. क्र. सं. अ ई-2/37ईई/10084-84/85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ड्राग दिनांक 17/8/1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10084/84-85.—Whereas, I,
Laxman Das, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the Said Act),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing Unit No. 11, 5th Floor, Patel Apts,
S. V. Road, Santacruz (W), Bombay 54 (and more
been transferred and the agreement is registered under
Schedule annexed hereto), has been trans-
ferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
17-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely:—

1. Mohd. U. Patel & Amina M. Patel
(Transferor)
2. Shyam Roopchand Sugandh (Transferee)
3. Minakshi B. Ganatra
(Person in occupation of the property)
4. Transferor & Transferee
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the official Gazette
or a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 11, 5th Floor, Patel Apartments, CTS No. H/305, H/306, H/307, Plot No. 77-D, TPS IV, 84, S.V. Road, Santacruz (West), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10084/84-85, on 17-8-1985.

Dated 4-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8872/84-85 - अन्तः मूले, लक्ष्मण दास आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 401, जो, 4थी मंजिल, "बी" विंग, शांतीमार, टागोर रोड, साताक्रूज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका दायरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 काख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतर (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में दायित्व नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अन्तः मूल्य उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत में, मूल्य अधिनियम की धारा 269 ग की उप-धारा (1) के अधीन निर्धारित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पद्माबाई देवदास बृधरानी । (अन्तरक)
2. श्री तन्वाकणी देवाजी गहा और श्रीमती रंजन तन्वाकणी गहा । (अन्तरिती)
3. अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्तर्गच्छी

"फ्लैट नं. 401, जो, 4थी मंजिल, "बी" विंग, शांतीमार, टागोर रोड, साताक्रूज (प), बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-2/37ईई/8872/81-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8872/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 401, 4th Floor, 'B' Wing, Shalimar, Tagore Road, Santacruz West Bombay, 400054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt. Padmabai Hemandas
Budhrani (Transferor)
2. Shri Talakshi Deoraj Shah and
Smt. Ranjan Talakshi Shah (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 401, 4th Floor, "B" Wing Shalimar, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay 400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8872/84-85 on 3-8-1984.

Dated : 3-8-1984.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश म. अई- 2/37-ईई/10225/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास आदर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथादर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसका म. दूधान सं 15, जो, ग्राउंड फ्लोर, "शालीमार" इमारत, गिटी सर्वे नं जी/ 10 से जी/46 और जी/48 आफ दाटा, साताक्रुज (प), बम्बई में स्थित है (और उसका उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका वर्तमान आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री नं 21-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप के अधिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसूल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक म. कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को अन्तर्गत भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आदर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनियम :—

1. मर्म वित्त डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन । (अन्तरक)

2. श्री अमरशी कारसन गाला और श्री कानजी
देसर फरिया (अन्तर्निहित)

3. अतरकों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुआर नं. 15, जो, ग्राउंड फ्लोर, "शालीमार"
इमारत, सिटी सर्वे नं. जी/40 से जी/46 और जी/48
आफ दंडा, सांताक्रुज (प), बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10225/
84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
21/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 4-4-85

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10225/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
and bearing Shop No. 15, Ground Floor, Shalimar
Bldg., Santacruz (West), Bombay (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at Bombay on
18-8-1984 for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefore by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising
from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of
the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
sition of the aforesaid property by the issue of
notice under sub-section (1) of Section 269D of the
said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Venus Development Corporation
(Transferor)
2. Shri Amershi Karsan Gala, and Shri Kanji
Desar Faria (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette
or a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from
the date of the publication of this notice in
the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 15, Ground Floor, Shalimar Building,
City Survey No. G/40 to G/46 and G/48 off Danda,
Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the
Competent Authority, Bombay under Serial No.
AR-II/37EE/10225/84-85 on 21-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

SEAL:

(Strike off where not applicable)

बम्बई 10, अप्रैल 1985

निर्देश सं ई-2/37-ईई/10176/84-85 - अन्तः
मुझे लखमण दान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) में निम्न में इति पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 4, जो, सी-6, संगीता को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, ग्राउंड फ्लोर, जुहु रोड, सांताक्रुज, बम्बई 49 में स्थित है :—

इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतर्गत (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगतों अर्थात् :—

1. श्री हनी अब्दुल ग़दर भायनगर वाला। (अन्तरक)
2. श्री मुश्ताक अहमद और श्रीमती झैनुत। (अन्तरिनी)
3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 4, जो, सी-6, संगीता को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, ग्राउंड फ्लोर, जुहु रोड, सांताक्रुज, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. ई-2/37-ईई/10176/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-85

माह

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10176/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 4, C-6, Sangecta Co-op. Housing Society, Ground floor, Juhu Road, Santacruz, Bombay-400049 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Husseini Abdul Kadar Bhavnagarwalla (Transferor)
2. Shri Mushtaq Ahmed & Smt. Zaitoon
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, C-6, Sangeeta Co-op. Housing Society, Ground floor, Juhu Road, Santacruz, Bombay-400049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10176/84-85, dt. 13-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9016/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 3, विजय गृह निवास, टि. पी. एम.-2, मालाक्रज (प), बम्बई-54 में स्थित है और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शान्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें दृष्टि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दुरुपयोग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसूची में, में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बीना प्रताप सिंह । (अन्तरक)

2. श्रीमती नूरजहान एम. बाइरी । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, विजय शुभ निवास, तलमावा, प्लॉट नं० 13, टाउन प्लान-2 सान्ताक्रुज (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अर्द्ध-2/37-ईई/9016/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख 9-4-1985


साहू.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9016/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 3, Vijay Subh Niwas, Ground floor, Plot No. 13, TPS II, Santacruz (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Bina Pratap Singh (Transferor)
2. Smt. Noorjehan M. Nazki (Transferee)
3.  Transferor,
(Person in occupation of the property).

4

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, Vijay Subh Niwas, Ground floor, Plot No. 13, Town Planning Scheme No. 2, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9016/84-85, on 4-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अर्द्ध-2/37-ईई/8745/84-85 — अन. सक्षम लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) में जिसमें दसवीं इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम द्वारा किया गया है" की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं० 18 3री मंजिल, रतूराज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी (प्रणालि), जूह रोड, सान्ताक्रुज, बम्बई 54 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या, इससे बचने से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संबंधी के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269A के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सतीश कुमार खन्ना। (अन्तरक)
2. श्री अमित बी. दमानिया और श्रीमती मोना ए. दमानिया। (अन्तर्गती)

3.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 18, उनीमजिन, रतुराज को— आपरेस्वि हाउसिंग सोसाइटी (प्रपोज्ड), जुहू रोड, सान्ताक्रुज (प), बम्बई 54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8745/84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/8745/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 18, 3rd floor, RUTURAJ, Co-operative Housing Society (Proposed), Juhu Road, Santacruz, Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :—

1. Satish Kumar Khanna (Transferor)
2. Amit C. Damania & Mrs. Mona A. Damania (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd floor, Ruturaj Co-operative Housing Society, (Proposed), Juhu Road, Santaacruz, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8745/84-85 on 1st August, 1984.

Dated : 10th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8746/84-85 - अन्तः महे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1963 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) 61 धारा 269 ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स प्लॉट न 70/डी/डी/3, जो, 2री मजिल, रामैया कुंज, गोलीवार, सांताक्रुज (पूर्व) बम्बई-55 में स्थित है। मार्ग माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गृहिधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहिधा के लिए

अन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थार्थ :-

1. एम. बी. कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (अन्तरक)
2. मणिबेन वापुभाई साई। (अन्तरिती)
3. _____

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. _____

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न. 70/डी/डी/3, जो, 2री मजिल, रामैया कुंज गोवार, सांताक्रुज (पूर्व), बम्बई -55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-3/37ईई/ 8746/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दनाक 1/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8746/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Land bearing Plot No. 70/D/D/3, along with building at Ramya Kunj, 2nd Road, Golibar, Santaacruz (E), Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :

1. Maniben Bapubhai Desai (Transferor)
2. M. B. Construction Co. (Transferee)
3. Trivedi Maniben Dhanwantraai, Dr. Narendra D. Trivedi, Jaganath J. Desai Dhirubhai K. Desai
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land bearing Plot No. 70/D/D 3 alongwith building standing a Ramya Kunj, 2nd Road, Golibar, Santacruz East, Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE/8746/84-85, dt. 1-8-1984

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/9936/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पञ्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट नं. 001, जो, ग्राउंड फ्लोर, ट्रेगेलेट विला, प्लॉट नं. 976, एस नं. 16, एच नं. 4, जुहू व्हिर्लेज फ्लाइटिंग क्लब के पास, बम्बई-49 में स्थित है।

(और जहाँ उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिकोण प्रतिकूल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्टिकोण प्रतिकूल में ऐसे दृष्टिकोण प्रतिकूल के पक्ष प्रतिकूल में अधिक है और अन्तर्गत(को) और अन्तर्गत(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में मदद के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तर्गत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-रक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धोखेपूर्ण अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मदद के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैमर्स इरोले इंटरप्राइजेस। (अन्तर्गत)
2. श्री कार्मो एफ. राडिज और श्रीमती
मी बी राडिज (अन्तर्गति)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जत के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जत के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त अधोहस्ताक्षरी में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के हस्ताक्षर लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 001, जो, ग्राउंड फ्लोर, इरोलेट विला, प्लॉट नं. सी. टी. एस. 976, एस. नं. 16, एच. नं. 4, जुहु विलेज, फ्लाईंग क्लब के पास, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स अर्द-2/37ईई/9936/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9936|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 001 Ground Floor, Irolette Villa, Plot No. 976, S. No. 16, H. No. 4, JUHU Village Near Flying Club, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Irolette Enterprises (Transferor)
2. Mr. Carmo F. Rodrigue, & Mrs. Tessie B. Rodrigues (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as, given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 001, Ground Floor, Irolette Villa, Plot No. C.T.S. 976, S. No. 16, H. No. 4, Juhu Village, Near Flying Club, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9936|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अर्द-2/37-ईई/10092/84/85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिखाने करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. से अधिक है और जिसकी मठ. फ्लैट नं. 5, जो, उरी मंचिन, पाम ब्रेस्ते को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. टी. पी. एस 4, वेस्ट अँव्हेन्यू रोड, सांताक्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और

अंश रिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. जुगल किशोर अग्रवाल । (अन्तरक)
2. श्री.शम्भु दयाल गुप्ता और श्रीमती. चंद्रा लेखा एस. (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 5, उरी मंजिल, पाम ब्रीज को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि., टी.पी. उ.स. 4, वेस्ट ग्रोव न्यू रोड, साताकूश (प). बम्बई-54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र. सं.आई-2 37-ईई 10092-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10092/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 5, 3rd Floor, Palm Breeze Co-op. Hsg. Soc. Ltd., T.P.S. IV, West Avenue Road, Santacruz (West), Bmbay-400054 (and more been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Jugal Kishore Aggarwal (Transferor)
2. Mr. Shambhu Dayal Gupta & Mrs. Chandra Lekha S. Gupta (Transferee)
3. Transferor (Person in occupation of the property)
4. Family Members (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 5, 3rd Floor, Palm Breeze Co-op. Housing Society Ltd., T.P.S. IV, West Avenue Road, Santa-cruz (W), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10092/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 4th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10399/84-85:—अप:

मुझे. लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000-रु. से अधिक है जिसकी सं. फ्लैट नं. 11, 11वीं मंजिल, मोनल अपार्टमेंटस, मुकुंदम प्रायवेट स्कम, सांताक्रुस, बम्बई-54. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स गुं चा बिल्लत । (अन्तरक)
2. श्री. अजोत सिंग आनंद । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 11, जो, 11वीं मंजिल, मोनल अपार्टमेंटस, मुकुंदम प्रायवेट स्कम, सांताक्रुस, बम्बई-54 में स्थित है

अनुसूची जैसाकी अमू सं. अई-2/37-ईई 100399 /84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई 11 तारीख 28-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR.II|37EE|10399|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 11, 1st Fl., Sonal Apts, Guzdar's Pvt. Scheme, Santacruz, Bombay-400 054 situated at Bombay (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Gundecha Builders (Transferor)
2. Mr. Ajit Singh Anand (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 11, First Floor, Sonal Apartments, Guzdar's Private Scheme, Santacruz, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II|37EE|10399|84-85 on 28-8-1984.

Dated 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. आई-2/37-ईई 8932/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000-रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. बी-2, जो, ग्राउंड फ्लॉअर, इमारत "बी", एस. तो. रोड, सांताक्रुस (प), बम्बई में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स विनस डेव्हलोपमेंट कॉर्पोरेशन (अन्तरक)
- मैसर्स जयकमल इंटरप्रायजेस । (अन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान नं. बी-2, जो ग्राउंड फ्लोअर, इमारत बी, एस. टी. रोड, सांतक्रुज (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. आई-2/37-ईई/9832-84-85 और जो मन्त्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा

तारीख : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8932/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. B-2, Ground Fl., “B” Bldg., G.T. Road Santacruz (W), Bombay (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s. Venus Development Corporation
(Transferor)
- M/s. Jaizal Enterprises
(Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. B-2, Ground Floor, in Building-B, S.T. Road, Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8932/84-85 on 4-8-1984.

DDated : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10243 84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम कहा गया है) का धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. में अधिक है और जिसको सं. फ्लॉट नं. 506, जामुना महल, प्रभात कॉलोनी, प्लॉट नं. 73 टो.पो.एस., सांताक्रूज़ (पूर्व), में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 01/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिका (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेसर्स जमनादास एम. चोकसी आर आसोसिएट्स।
(अन्तरक)

राजकमल गोविंदलाल ठक्कर। (अन्तरिकी)

3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जासता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ ' नं. 506, जॉ, जमूना महल, प्रभात कॉलोनी, प्लॉट नं. 73 टो.पो.एस., सांताक्रूज़पूर्व, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैसाका क्र. स अई-2 37-ईई 10243 - 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसें काट दीजिये)

Ret. No. AR.11/37EE/10243/84-85.—Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 506, Jamuna Mahal, Prabhat Colony, Plot No. 73, T.P.S., Santaacruz (East), Bombay- situated at Bombay (and more (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Jamnadas M. Choksi & Associates
(Transferor)
2. Shri Rajkamal Govindlal Thakkar
(Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 506, Jamuna Mahal, Prabhat Colony, Plot No. 73, T.P.S. Santacruz (East) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R.II/37FE/10243 84-85 on 24-8-1984.

Dated : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10029/84-85 ;— अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 201, जो 2री मंजिल इमारत नं. 15 व्हिलेज ओगिवरा बेहराम बाग केह पीछे, जोगेश्वरी (त), बम्बई में स्थित है)

(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है. तारीख 20/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल

के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गृहिणा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहिणा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. भिया उददीन बत्तारी (अन्तरक)
2. नर्स म. कासी (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 201 जो, 2री मंजिल, इमारत, नं. 15, नवें 41, विल्हेज ओगिवरा बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैसा की क्रम. अई-2/37ईई/10029/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे गट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10029/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 201, 2nd Floor of Bldg. No. 15 forming Part of S. No. 41 of village Ochivera, Opp. Behiram Baug, Jogeshwari(W) Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
2. Nazim Oazi (Transferee)

3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor of Building No. 15 forming part of Survey No. 41 of village Ochivera, Opp. Behiram Baug, Jogeshwari (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10029/84-85 dt. 11-9-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10344/84-84 — अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 8 जो 2 री मंजिल रामकृष्ण इमारत एम. वि रोड एन. आय. सी. आफिस के पास विलेपार्ले (प) बम्बई-56, में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में से वर्णित है), और जिस पर करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित/(की) और अन्तरित/(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में दक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री. के.बी.कारिया और (अन्तरक)
श्रीमति. इला के. कारिया
2. श्रीमति. पुष्पा छबिलभाई ठक्कर (अन्तरिती)
3. अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां शुरू करना हं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किंवा अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 8, जो 2री मंजिल रामकृष्ण इमारत, एम. बि. रोड, एल.आर्.सी. ग्राफिस के पास, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्रम. 2/37ईई/10344/84-85 और जो मन्त्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-04-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 12th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10344/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 8, 2nd Floor, Ramkrishna Building, S. V. Road, near LIC Office, Vile Parle (West) Bombay-400 056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. K. B. Karia & Mrs. ILA K. Karia
(Transferor)
2. Smt. Pushpa C. Thakkar (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd Floor, Ramkrishna Building, S.V. Road, near LIC Office, Vile Parle (W) Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10344/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10226/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और और जिसकी सं. फ्लैट नं. 64, जो, इमारत नं. 10, जूह रजनी गंधा को-आप, हाउसिंग सोसाइटी लि. इमारत, जे. वि. पी. डी. एच. ग्रायजी स्किम, गुलमोहर फ़ास रोड नं. 11 जुहू विले-पार्ले, बम्बई -49. में स्थित है है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-8-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाहता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तःक से दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए ।

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जयसिंग दौलतसिंग रावल । (अन्तरक)

2. पटेल विठ्ठलभाई गोकलभाई । (अन्तरिनी)

3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें उक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 64 जो, इमारत नं. 10, जूह रजनीगंधा को-आप, हाउसिंग सोसाइटी लि. निर्माणाधीन इमारत, जे. वि. पी. डी. एच. ग्रायजी. स्किम, गुलमोहर फ़ास रोड नं. 11, जुहू, विले पार्ले, बम्बई-49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि अ. सं. अई-2/37ईई/10226/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 23-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-04-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10226/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 64, Bldg. No. 10, Juhu Rajanigandha Co-op. Reg. Sec. Ltd. JVPD Scheme Gulmohur cross Road No. 11, Juhu Vile Pearle, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Jaysingh Daulatsingh Rawal (Transferor)
2. Patel Vithalbhai Gokalbhai (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 64, Bldg., No. 10, Juhu Rajanigandha Co-op. Reg. Sec. Ltd., J.V.P. HIG Scheme, Gulmohur cross Road, No. 11, Juhu-Vile Pearle, Bombay 49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10226/84-85, dt. 23-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10076/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लेट नं. 52 जो, इमारत. 1, गोलडमिस्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी गुलमोहर रोड, जे. वि. पी. डी. स्कीम मम्बई-49. में स्थित है (और इसमें उपबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगमें दत्तने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों कथित :—

1. श्री. मुकेश शांतीलाल पटेल । (अन्तरक)
2. श्री राज कुमार गहाबादी । (अन्तरिनी)
3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 52, जो, इमारत नं. 1, सोल्डमिस्ट को-ऑप. सोसाइटी, गुलमोहरी रोड, जे.वि.पी.डी.स्किम, एच.आय.जी. अडवेंस कन्ट्रीब्यूशन स्किम, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क्रम.-2/37ईई/10076/84-95 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10076/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 52, Building No. 1, Gold Mist Co-op. Society, Gulmohar Road, JVPD Scheme HIG Advance Contribution Scheme, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Mukesh Shantilal Patel (Transferor)
2. Mr. Rajkumar Shanabadi (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 52, Bldg., No. 1, Gold Mist, Co-op. Society, Gulmohar Road, J.V.P.D. Scheme HIG Advance Contribution Scheme, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10076/84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9084/84-85:—अनः
मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रु. से अधिक और जिसकी स. फ्लैट नं. 3-सी, जो, मधुगंधा को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., बामणवाडा, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-99 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा अधिभार अधिनियम की धारा 269-क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (यों) और अत-रिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की शबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री. गेराल्ड अन्थोनी फर्नांडीस । (अन्तरक)
2. श्रीमती. अंजली अशांक दिवेकर । (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 3-सी, जो, मधुगंधा को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., बामणवाडा, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-99 में स्थित है ।

अनुसूची जैमा की क्र. सं. अई-2/37-ईई/9084/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हों उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-11/37EE/9084/84-85.—Whereas, J. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 3-C, Madhugandha Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bamanwada, Vile Parle (E), Bombay-99 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mr. Gerard Anthony Fernandes (Transferor)
2. Mrs. Anjali A. Divekar (Transferee)
3. —————
(Person in occupation of the property)
4. —————
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3-C, Madhugandha Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Bamanwada, Vile Parle (E), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9084/84-85, dt. 4-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9982/84-85.—अन: मुझे, लक्ष्मण दास. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी से. ब्लॉक नं. 2ए, जो, श्री आदुंबर निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, पी.एम. रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण

रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भरन लक्ष्मण चव्हाण । (अन्तरक)
2. श्री पदमाकर यादवराव जानवे और श्रीमती मोहिनी पदमाकर जानवे । (अन्तरिती)

3. —————
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोह में सम्पत्ति है)

4. —————
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अवोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में दिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में भीतर हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं. 2ए, जो श्री औदुंबर निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, पो.एम.रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची में जैसा कि क्र. सं. अई-2/37-ईई/9982/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9982/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Block No. 2A, Shri Audumbar Niwas Co-op. Hsg. Soc., P.M. Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Bharat Laxman Chavan (Transferor)
2. Shri Padmakar Yadavrao Janve & Smt. Mohini P. Janve (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Block No. 2A, Shri Audumbar Niwas Co-op. Hsg. Society, P.M. Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9982/84-85, dt. 13-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अई-2/37-ईई/9054/84-85—अनं मुझे लक्ष्मण दाम आर्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2, जो, प्राउड फलोअर, दि विरेण्वर विहार को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 6, नेजपाल रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अन्तरिनी (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण में लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(1) अंतरण में हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(2) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. प्रविण केशवलाल मेहता और कुसुम प्रविण मेहता
(अन्तरक)
2. महेंद्र कुमार पुखराज जैन। (अन्तरिणी)
3. —
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अर्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 2, जो, ग्राउंड फ्लोअर दि विरेश्वर विहार को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 6 तेजपाल रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं अई-2/37-ईई/9054/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे वाट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37E/9054/84-85.—Whereas, I, Luxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing No. Flat No. 2, Gr. Floor, The Vireswar Vihar CHSL, Plot No. 6, Tejpal Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Pravin Keshavlal Mehta & Kusum Pravin Mehta (Transferor)
2. Mahendrakumar Pukhraj Jain (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Gr. Floor, Vireswar Vihar Co-op. Housing Soc. Ltd., Plot No 6, Tejpal Road, Vile Parle (E) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37E/9054/84-85. dt. 9-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SFAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8441/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. बी-53-573, जो, ग्रांड फ्लोर, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51. में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजी-स्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गृहविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृहविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. जगदीप सिंग चोपड़ा। (अन्तरक)
2. श्री. लेखा राज टंडन। (अन्तरिती)
3. अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए गृहविधियां शुरू करना हैं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. बी-53-573, जो, ग्रांड फ्लोर, एम.आय. जी. कॉलोनी, बांद्रा (पूर्व), बम्बई-51 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र.सं. अई-2/37-ईई/8441/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12/4/1985

मोहर : “

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8441/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. B/53/573, Gr. Floor, MIG Colony, Bandra (E), Bombay-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mr. Jagdeep Singh Chopra (Transferor)
2. Mr. Lekh Raj Tandon (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B/53/573, Gr. Floor, M.I.G. Colony, Bandra (E) Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8441/84-85, dt, 10-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 10 अप्रैल, 1985

निदेश सं. अई-2/37 ईई/10247/84-85.—अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000—रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. ए-4 जो, ग्राउंड फ्लोर, ए-विंग हैपी हाउस, प्लॉट नं. 1282 टी. पी. एस. 4, ओल्ड प्रभादेवी रोड, माहिम बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से-कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. बसंत धुंडीराज पाटणकर दत्ता धुंडीराज पाटणकर
(अन्तरक)
2. श्रीमती विना शंकरलाल वर्मा की
(अन्तरिती)
3. अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. ए-4, जो, ग्राउंड फ्लोर, ए-विंग हैपी हाउस प्लॉट नं. 1282, टी. पी. एस. 4, ओल्ड माहिम बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37-ईई/10247 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10247/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. A-4, Gr. Floor, A Wing, Happy House, Plot No. 1282, TPS IV, Old Prabhadevi Road, Mahim, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than **fifteen per cent** of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Vasant Dhundiraj Patankar and Datta Dhundiraj Patankar (Transferor)
2. Mrs. Veena Shankarlal Varma (Transferee)
3. Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4-A, Gr. Floor, A Wing, Happy House, Plot No. 1282, TPS IV, Old Prabhadevi Road, Mahim, Bombay.

The Authority has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10247/84-85, dt. 13-8-1984.

Dated : 10-4-1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/9083/84-85.— अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसको सं. 25 प्रतिशत प्राप्ति में "हरी निवास" एल जे रोड, शिवाजी पार्क बम्बई-25 में स्थित है (इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक/अन्तरकों और अन्तरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मणिबेन एम. चौहान (अन्तरक)
2. केशव जी कानजी चौहान एच. यू. एफ. श्री दामोदर कानजी चौहान और श्री जेटालाल कानजी चौहान (अन्तरिती)

3. 151 भाड़ून (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4 — (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-वश है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25 प्रतिशत प्रापर्टी में, "हरी निवास", एल. जे. रोड, शिवाजी पार्क, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/9086/84-85 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 12th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/9086/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 25 per cent Share in Property known as "Hari Niwas" as L. J. Road, Shivaji Park, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Smt. Maniben M. Chuvan (Transferor)
- Huf of Keshavji Kanji Chuhan, Shri Damodar Kanji Chauhan and Shri Jethalal Kanji Chauhan (Transferee)
- 151 tenants
(Person in occupation of the property)
- None
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

25 per cent Share in Property known as "Hari Niwas" at L.J. Road, Shivaji Park, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9086/84-85, dated 9-8-1984.

Dated : 12-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देश स. अई-2/37-ईई/8876/84-85.— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्याद पर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसका दुकान नं. 5, जो. बा.-इमारत, भावेश्वर मंशन को.-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., दिलीप गुप्ते मार्ग, माहिम, बम्बई-16 में स्थित है (और दमन उपायुक्त अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निम्ने अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और आरक(कों) और अंतरिती(गो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती. पी.मुलोजद। (अन्तरक)
2. मैमर्न दासवर्गे आर्ट प्रिटिंग। (अन्तरिती)
3. — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोदृष्टाक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दि. के भीतर उक्त अन्तर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"दुकान नं. 5, जो. बा.-इमारत, भावेश्वर मंशन को.-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., माहिम गुप्ते मार्ग, माहिम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूचा जिसका क्र. सं. अई-2/37-ईई/8876/-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दर्जिए)

Ref. No. AR-II/37EB/8876/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 5 in B Bldg., Bhaveshwar Mansion, CHSL, Lt. Dilp Gupte Path, Mahim, Bombay-400016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Parvatiben Moolchand (Transferor)
2. Basavray Art Printing (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 5 in B Building, Bhaveshwar Mansion Co-op. Housing Society Ltd., Lt. Dilip Gupte Path, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8876/84-85 dated 3-8-1984.

Date : 12-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं. अर्दे-2/37-ईई/10137 84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास आचर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने हमारे पञ्चान. "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी फर्स्ट ल. 8, जो, दूसरी मंजिल, समद अपार्टमेंट, बलमिया रोड, माहमि बम्बई-16 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आचर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दान्त, आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आचर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्योगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल रझाक हाजी जुसब (अन्तरक)
2. श्री पुराकन आलम कुरेशी (अन्तरिती)
3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्हावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लेट नं. 8, जो 2री मंजिल, "समद अपार्टमेंट", बलमिया लेन, माहमि, बम्बई-16 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं.स. अई-2/37ईई/10137/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref No. AR-II|37EE|10137|84-85.—Whereas, I, LANMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, 2nd floor, Samad Apartment, Balmiya Road, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Shri Abdul Razak Haji Joosab (Transferor)
2. Shri Purqan Alam Oureshi (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, 'Samad Apartment' Balmiya Ranc, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10137|84-85, dated 13-8-1984.

Date : 10-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 11 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10003/84-85 :— अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000-रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. 4, जो, ग्राउंड फ्लोअर, बी-इमारत, "मंजू महल" 35, पाली हिल रोड, बम्बई-50. में स्थित है) (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पर्णालय में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि में कोई कमी करने या उसमें बढ़ने में मद्दिता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री. हितेन चौधरी । (अन्तरक)
2. श्री. वाय. एन. नगरवाला और (अन्तरिती)
एस. एन. मर्चन्ट ।
3. अन्तरितियों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरितियों
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 4, जो, ग्राउंड फ्लोअर, बी-इमारत, “मंजू महल”, 35, पाली हिल रोड, बम्बई-50 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा की क्र.सं.अई-2/37ईई/10003/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 11-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 11th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10003/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Ground Floor, Bldg B “Manju Mahal”, 35, Palli Hill Road, Bombay-50 (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Hiten Choudary (Transferor)
2. Mr. Y. N. Nagarwala & S. N. Mechhant (Transferee)

3. Transferee
(Person in occupation of the property)

4. Transferee
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Floor, Bldg. B, Manju Mahal, 35, Palli Hill Road, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10003/84-85, dated 14-8-1984.

Date : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं अई-2/37-ईई/8967/84-85 :— अतः, मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें डाके पत्रान्त, "उन अधिनियम" कहा गया है) के धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट 383, ब्लू रोज सोसाइटी, 15वां रास्ता (30 वां रोड के पास), बांद्रा, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर्ष के निम्ने अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर्ष से ऐसे दृश्यमान प्रतिकर्ष के 15 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तैयार पाया गया प्रतिकर्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्वय में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं अर्थात् :—

1. श्री आई बी. मनमुखानी । (अन्तरक)

2. श्री किशन एच गोहरा । (अन्तरिनी)

3. अन्तरक और अन्तरिनी परितः

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

146 GI 85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी लंबी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दायित्व लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट नं. 383, ब्लू रोज सोसाइटी, 15 वां रास्ता, (30 वां रास्ता के पास), बांद्रा, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र.सं.अई-2/37ईई/8967/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8967/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Plot 383, Blue Rose Society, 15th Road, Near 30th Road, Bandra, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri I. B. Mansukhani (Transferor)
2. Shri Kishan H. Rohra (Transferee)
3. Transferor & His Family
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Plot No. 383, Blue Rose Society 15th Road, Near 30th Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8967/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं.अई-2/37ईई/8838/84-85 — अन

मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मसम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,00,00-रु से अधिक है और जिसकी सं.मी.टी.एन सं.-बी-686, जो प्लॉट नं. 100ए, सेंट सेंट्रैस्टिन को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., ग्रेवेल्लो रोड, बांद्रा बम्बई में स्थित है और (इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन मसम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिनी (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाखल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इनमें से सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों की अन्तर्गत भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-र. अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता आदि, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं को अधिसूचित करता हूँ :—

1. श्रीमति. एम. अल्मेडा और अन्य । (अन्तरक)
2. श्री.ज्युड लोबो । (अन्तरिनी)
3. श्री. डी.जे. डिमोहा और अन्य
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्रीमती और कन्या
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का वह सच्चा नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्ज के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सूचना सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सी.टी.एस.-बी-686, जो, प्लॉट नं. 100-ए, सेंट सेबेस्टियन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि, रीबेल्लो रोड, बान्द्रा बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र.सं.अर्ई-2/37ईई/8838/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

(जा लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8838/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.T.S. B-686, Plot No. 100-A, St. Sebastian Co-op. Housing Society Ltd., Rebello Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mrs. M. Almeida & others
(Transferor)
2. Mr. Jude Lobo
(Transferee)
3. Shri D. J. D'souza & Others
(Person in occupation of the property)
4. Mrs. & Daughter
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

C.T.S. B-686, Plot No. 100-A, St. Sebastian Co-op. Housing Society Ltd., Rebellow Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8838/84-85 dated 2-8-1984.

Date : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अर्ई-2/37ईई 10123/84-85 ---अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 9, जो, इलेजन्ट शापिंग सेंटर, 26-38, हिल रोड, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुलतानअली रेहमतुल्लाह और श्री ताजदीन रेहमतुल्लाह । (अन्तरक)
2. 1. श्री मोहमद कासम हाजी फक्रुदीन, (अन्तरिती)
2. मोहमद फारूख हाजी फक्रुदीन और
3. मोहमद इस्माईल हाजी फक्रुदीन ।
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 9, जो, इलेजन्ट शॉपिंग सेंटर, 26-38 हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं. अई-2/37ईई/10123/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10123/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 9, Elegant Shopping Centre, 26-38, Hill Road, Bandras Road, and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Sultanally Rehmatulla & Mr. Tajdin Rehamatullan (Transferor)
2. (1) Mohamed Kasam Haji Fakrudin
(2) Mohamed Farooq Haji Fakrudin &
(3) Mohammed Ismile Haji Fakrudin (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 9, Elegant Shopping Centre 26-38, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10123/84-85 on 18-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देशन सं. अई-2/37ईई/8961/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 311, जो, साउंड मेरी अपार्टमेंट, पिटर हायम रोड, बॉन्डा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक में कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तरियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य कय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सा. एम. पिरानी और अमीन एम. पिरानी (अन्तरक)
2. ना अर्जित मुसा साताजा और श्रीमती, मेहमूद निम्वा नाजवान मुसा । (अन्तरिती)

3. अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्यादर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय से दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 311, जो, साउंड मेरी अपार्टमेंट, पिटर हायम रोड, बॉन्डा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची तैनात : क. सं. अई-2/37ईई/8961/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11/4/1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8961/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 311, Mount Merry, Apts., Peter Dias Road, Bandra, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Sakar S. Pirani & Amin S. Pirani
(Transferor)
2. Tajdin Moosa Khwaja & Smt Mehmumissa Tajdin Moosa
(Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 311, Mount Merry Apartments, Peter Dias Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8961/84-85 dated 4-8-1984.

Date : 11-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable.)

निवेदक सं. अई-2/37-ईई/10380/84-85 - अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि: म्हावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. ए. रजिस्ट्रार ऑफ़ स्ट्रक्चर स्टैडिंग अट चपेल रोड, एन. नं. 157 सी जी, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरको और अंतरिनी/अंतरिनियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शायद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक जो दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसूची में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती एस्पेरान्स सिल्वेरा । (अन्तरः)
2. श्री रफाएल विमन डिमिल्ला, और श्री मिल्टन आर. डिमिल्ला । (अन्तर्गती)
3. भादूत
4. — (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पक्षों की सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पक्षों की व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ए. लैंड विथ स्ट्रक्चर स्टैंडिंग अट चैपेल रोड, गल्ले नं. 157 सी, बान्द्रा, बम्बई- 50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37ईई/10380/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ता. : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37LEj10380/84-85. —Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing a Land with structure standing at Chapel Road, H. No. 157-C, Bandra, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 256AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Esperance Silveira (Transferor)
2. Riphah Simon D'Silva and Milton R. D'Silva (Transferee)
3. Tenants (Person in occupation of the property)
4. —

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expire, later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

A Land with structure standing at Chapel Road,
H. No. 157-C, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF/10380/84-85 on 27-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9072/84-85—अतः मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 10, जो, याउंड फ्लोर, मंजू महल, 35, पाली हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कथारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगरे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दायित्वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों उधति:—

1. श्रीमती सुरेश शर्मा । (अन्तरक)

2. श्रीमती अंबिका प्रसाद । (अन्तरिती)

3.—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 10, जो याउंड फ्लोर, जी-बिंग, मंजू महल, 35, पाली हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैत की क्र. सं. अई-2/37ईई/9072/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता : 4-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9072/84-85.—Whereas I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, Ground Floor, Manjoo Mahal, 35, Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Sudesh Sharma (Transferor)
2. Smt. Ambika Prasad (Transferee)
3. _____
(Person in occupation of the property)
4. _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 10, Ground Floor, D-Wing, Manju Mahal, 35 Pali Hill Road, Bandra, Bombay 400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II/37EE/9072/84-85 on 9-8-1984.

Dated : 4th April, 1984.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

166 GI/85—62

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10261/84-85:- अतः मुझे लक्ष्मण दास आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसी पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सयाबा सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. है अधिगत है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 9, जो, 2री मंजिल, जल तामरीका को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 1439, 273, आफ गार्डन रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसका अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका प्रारम्भ नामा आगार अधिनियम की धारा 269 बख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 24-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में वाम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सयापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिगत है और अंतरक(कों) और अंतरित(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. नूरबानू वाली लाखा । (अन्तरक)
2. ताहेरा अमीन गनो । (अन्तरित)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसने अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसने वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 9, जो, 2री मंजिल, जल सागरिका को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 1439, 273 ऑफ कार्टर रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10261/84-85 और जो उक्त संप्रदायी, बम्बई द्वारा दिनांक 24/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता. : 4-4-85

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10261/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 9, 2nd Floor, Jal Sagarika Co-Op. Hsg. Soc. Ltd., 273, Off Carter Road, Bandra Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Neornanu Vali Lakha (Transferor)
2. Tahera Amin Gani (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd Floor, Jal Sagarika Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 1439, Off. Carter Road, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10261/84-85 on 24-8-1984.

Dated : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10364/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 706, जो, 7वीं मंजिल, “माउंट मेरी अपार्टमेंट्स” इमारत, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है,

तारीख 27/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में अर्जन के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(कों) और अन्तरित(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मुरादअली नाज़रअली सुरानी । (अन्तरक)
2. श्री सद्दुद्दीन कासम्भाई गिलानी और फरीदा एन. गिलानी (अन्तरितों)
3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भरोह-पात्रता जानता है, को वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में भीतर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 706, जो 7वीं मंजिल, “माउंट मेरी अपार्टमेंट” इमारत, बांद्रा, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-237/ईई/10364/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ता० 4-4-84

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE,10364]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 706, 7th Floor, Mount Mary Apts, Building, Bandra, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209A/B of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mooradali Nazarali Surani (Transferor)
2. 1. Shri Sadruddin Kasambhai Gilani, &
2. Smt. Farida S. Gilani (Transferee)

3. Transferor
(Person in occupation of the property)

4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 706, 7th Floor, Mount Merry Apartments Building, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10364/84-85 on 27-8-1984.

Dated 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10146/84-85 :—अतः मझे मक्षम दात आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उबिन बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट न. 402-बी, जो. 4 थी मन्जिल, कल्पना अपार्टमेंट्स-बी, शेली राजन रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (आर. ए. 10364/84-85 के अधीन) और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका उभारनामा आधर अधिनियम को धारा 269 वष के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्वह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरता(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं दिया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी इन या अन्य आयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अधर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्योतना अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निपटने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के लिये —

1. श्रीमती रेणमा एम. आवत (अन्तरक)
2. श्री विनोद कुमार चोप्रा (अन्तरिता)
3. अन्तरिता और उनके परिवार मध्य

(यह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

4. —

(यह व्यक्ति, जिसके धारा में पूर्वोक्तधरो नामा है, की वह सम्पत्ति में हिस्सा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करवा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, व भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

महतीकरण :—इसमें प्रस्तुत दावों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, तथा अधिनियम जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न. 402-बी जो. 4 थी मन्जिल, कल्पना अपार्टमेंट्स-बी, शेली राजन रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10146/84-85 जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10146/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 402-B, 4th Floor, Kalpana Apartments-B, Sherley Rajan Road, Bandra Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Smt. Reshma S. Sawant (Transferor)
2. Shri Vinodkumar Chopra (Transferee)
3. Transferee & family members.
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402-B, 4th Floor, Kalpana Apartments-B, Sherley Rajan Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10146/84-85 on 18-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/8741/84-85:—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है (और जिसकी सं. फ्लैट 2री मंजिल पर, जो, "दिल खुश" इमारत, 28, सेंट पाल्स रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टरी है तारीख 1/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में बंधी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में,
 कि उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन,
 निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अताफ अब्दुल लतीफ फर्निचरवाला (अन्तरक)
2. श्रीमती बर्टी मरिया डिकोस्टा (अन्तरिती)
3. —
 (यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
 (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
 कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध
 में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सचना का तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
 अन्तर्गत 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
 अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“कनेट 28” मजिद, “दिल खुश” इमारत, 28, सेंट पॉल
 रोड, बंद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8741/84-85
 और जो सभ्य प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984
 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिया जाए)

Ref. No. AR-II/37EE/8741/84-85.—Whereas, I,
 LAXMAN DAS, being the Competent Authority
 under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43
 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’),
 have reason to believe that the immovable property,
 having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
 and bearing Flat on 2nd Floor, “Dil Khush” Bldg.
 28-St. Paul’s Bandra, Bombay 400 050 (and more
 fully described in the Schedule annexed hereto), has
 been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on
 1-8-1984 for an apparent consideration which is
 less than the fair market value of the aforesaid prop-
 erty and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefore by more than fifteen per cent
 of such apparent consideration and that the considera-
 tion for such transfer as agreed to between the parties
 has not been truly stated in the said Instrument of
 Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
 liability of the transferor to pay tax under
 the said Act, in respect of any income arising
 from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income
 or any money or other assets which have not
 been or which ought to be disclosed by the
 transferee for the purposes of the Indian
 Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
 said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269B of
 the said Act, I hereby initiate proceedings for acqui-
 sition of the aforesaid property by the issue of this
 notice under sub-section (1) of Section 269D of the
 said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Altaf Abdul Latif Furnitrewala
 (Transferor)
2. Smt. Bertina Maria Decosta (Transferee)
3. —
 (Person in occupation of the property)
4. —
 (Person whom the under-signed knows to be
 interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said
 property may be made in writing to the under-signed—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
 period of 45 days from the date of publi-
 cation of this notice in the official Gazette
 or a period of 30 days from the service of
 the notice on the respective persons which-
 ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said
 immovable property within 45 days from
 the date of the publication of this notice in
 the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used
 herein as are defined in Chapter XXA of
 the said Act, shall have the same meaning
 as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat 2nd Floor, “Dil Khush” Building, 28-Saint
 Paul’s Road, Bandra, Bombay 400 050.

The agreement has been registered by the Compe-
 tent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/
 37EE/8741/84-85 on 1-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश न अई-2/37ईई/10031/84-85 —अतः मुझे सक्षम राज आदर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे अतः संक्षेप रूप से 'अतः अधिनियम' कहा गया है) को तारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स फ्लैट 3री मंजिल पर, जो, "दिल खुश", इमारत, 28, फाल्स रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (जो इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 16-8-1984 को पूर्वास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वस्थ सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक(को) और अन्तरिती(यो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तदुपाय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आदर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तरक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए

अतः अतः अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, अतः अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन अन्तरिती व्यक्तिओं अर्थात् —

1. सक्षम प्राधिकारी (अन्तरक)

2. श्री बामिन डिमोसा। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करा है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के बारे में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट 3री मंजिल पर, 'दिल-खुश' इमारत, 28, सेट फाल्स रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10031/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10031/84-85.—Whereas, J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat on 3rd Floor, Dil Khush Bldg., 28-St. Faul's Road, Bandra, Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the 'Said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Altaf A. Furnitureswala (Transferor)
2. Shri Basil D Souza (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat on 3rd Floor, "Dil Khush" Building 28-St. Paul's Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10031/84-85 on 16-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable.)

निर्देश नं. जई-2/37ई/10083/84-85 :—अतः मझे लक्ष्मण दास जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अर्जित सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सदावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं-

पट्ट नं. 64, जो, 6 वीं मजिल, "सी" इमारत, काशी-होम जो-जाय हाउसिंग सोसाइटी लि., 261, पानी हिण, नारा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें प्राप्त प्रत्यक्षी से और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करगनात अन्तर अधिनियम की धारा 269 रुब के अर्जित सभ्य प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 17-8-1984 को पूर्ववर्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पद्धत प्रतिशा से अधिक है और अन्तरक/अन्तरको और अन्तरित/अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में बांटाविह रूप में दिया नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारदा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें इससे में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी और या किसी रूप या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन अन्तरितियों द्वारा एकट गृही किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान्वे में सविधा के लिए

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्री शामस डिगोडा, और श्रीमती एस. एम. डिगोडा (अन्तरक)
2. श्री होशियार सिंग, और श्रीमती पनवीर कौर। (अन्तरित)

3. अन्तरितियाँ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. नाजोरोस जो-जाय हाउसिंग सोसाइटी लि.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितग्रह है)

को यह सूचना जारी करके पद्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षक —

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 90 दिनों की अवधि, जो भी अवधि उक्त में समाप्त होती है, के भीतर पद्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 64, जो, "सी" इमारत, काजीरो हाउसिंग सोसाइटी लि., 251, पाली हिल, 6वीं मजिल, बॉम्बे, बंबई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37 ईई/10083/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंगे)

Ref. No. AR-II/37EE/10083/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 64, 6th Floor, 'C' Building, Cozihom Co-op. Hsg. Soc. Ltd; 251-Pali Hill, Bandra, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

166 GI/85—63

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Thomas D'Souza. &
Smt. S. M. D'Souza (Transferor)
2. Shri Hoshiyar Singh. &
Smt. Manjit Kaur (Transferee)
3. Transferee.
(Person in occupation of the property)
4. Cozihom Co-op. Housing Society Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No 64, 6th Floor, 'C' Building, Cozihom Co-operative Housing Society Ltd; 251-Pali Hill, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/10083/84-85 on 17-8-1984.

Date : 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8934/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 18, जो, फ्लैट नं. 2277, "आशियाना" पॅरागॉन को-ऑप. सोसाइटी, रोड नं. 31, टी. रो एम. 3 बंबई-50 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा

आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक(का) और अन्तरिणी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दानत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री के. टी. गजरीया । (अन्तरक)
2. श्री एफ. आर. भागवागर और कुमारी कुमी आर. भागवागर । (अन्तरिणी)

3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 18, जो, प्लॉट नं. 227ए, "आशियाना" परामर्श-को-ऑप. सोसाइटी, रोड नं. 31, टी. पी. एम. 3, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि व. म. अई-2/37ईई/8934/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 4/4/1985.

मोहर .

(जो नामू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8934/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, Plot No. 227-A Ashiana Paragon Co-op. Hsg. Society, Road No. 31, T.P.S. 3, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri K. T. Gajaria (Transferor)
2. Shri F. R. Bhagwagar and Kum. Kumari R. Bhagwagar (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 18, Plot No. 227-A, "Ashiana" Paragon Co-op Hsg. Society, Road No. 31, T.P.S. 3, Bombay-400 050

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EF/8934/84-85 on 4-8-1984.

Dated 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं अई-2/37ईई/10332/84-85—अन. मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 201, जो 2री मंजिल निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट नं. 86, मालमेडटे रो-ऑफ. हाउसिंग सोसाइटीज इस्टेट प्लान नं. 1, मेट्रोमार्किंग रोड, वांद्रा, बम्बई-59 में स्थित है (जो इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल है निम्न अन्तर की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदों प्रदर्शन से अधिक है और अन्तरक (को) और अन्तरिती (या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कतिन नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय या धन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दान में या अन्तरक के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अन अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अन्तरण में, से उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवित्तों के अन्तर्गत —

- 1 मुहल कन्ट्रक्शन्स । (अन्तरक)
- 2 श्रीमती मुनीता मरीयान मोटेरो और श्री क्लारेम पिटरमोटेरो । (अन्तरिती)
- 3 1 श्रीमती एफ. फर्नान्डीस, आनर,
2 श्री ड. पी. रांड्रिक, भाडून, और
3 श्री आम्बाल्ड अन्नाडे, भाडून ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

1. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

— (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 201, जो, 2री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट नं. 86, मालमेडटे रो-ऑफ. हाउसिंग सोसाइटीज इस्टेट प्लान नं. 1, मेट्रोमार्किंग रोड, वांद्रा, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि अ. स. अई-2/37ईई/10332/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

तारीख 4/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10332|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Prop. Bldg. Salsatte Co-op. Hsg. Societies Estate Plan No. 1, St. Dominic Road, Bandra, Bombay, (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Suhail Constructions (Transferor)
2. Smt. Sunita Mariyan Monterro, & Shri Clarence Peter Monterro (Transferee)
3. Smt. F. Fernandes, Owner
 2. Shri E. P. Rodricks, and
 3. Shri Oswald Andrade, Tenant
 (Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Prop. Building, Plot No. 86, Salsatte Co-operative Hsg. Societies Estate, Plan No. 1, St. Dominic Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10332|84-85 on 25-8-1984.

Dated : 4-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 10 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10219/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 7, जो, 3री मंजिल, डी-डोल को-कॉप. हाउसिंग सोसाइटी लि., पाली माला रोड, प्लॉट नं. 32, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उक्त धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मार्था मंधोरा । (अन्तरक)
2. श्रीमती जी. कार्बेल । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 7, जो, 3री मंजिल, डी-डोल को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., पाली माला रोड, प्लॉट नं. 32, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10219/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 10/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

BOMBAY, 10 April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10219/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 7, 3rd floor, DI-Dol Co-op. Hsg. Sec. Ltd., more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or order assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Mrs. Martha Mandhora (Transferor)
2. Mrs. Genevieve Cabrel (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, DI-Dol Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Pali Mala Road, Plot No. 32, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10219/84-85, dt. 13-8-1984.

Dated : 10-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10153/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. सी-7, जो, युनिवर्सल को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, सेंट जॉन बाप्टिस्ट रोड, बांद्रा (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) आर अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री धनवंत ब्रजलाल व्होरा। (अन्तरक)
2. डॉ. विनोदकुमार बाबूलाल जैन। (अन्तरिती)
3. अन्तरक। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है।)
4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. सी-7, जो, युनिवर्सल को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, सेंट जॉन बाप्टिस्ट रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10153/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख :- 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10153/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C-7, Universal Co-op. Housing Society, St. John Baptista Road, Bandra (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Mr. Dhanvant Vrajlal Vora (Transferor)
2. Dr. Vinodkumar Babulal Jain (Transferee)
3. Transferor
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C-7, Universal Co-op. Housing Society, St. John Baptista Road, Bandra (W) Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10153/84-85, dt. 13-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8874/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 8, जो, इमारत ए, शांती सदन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 36वां रास्ता, वांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में दस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व से कमी करने या उससे दफने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उा धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. जीत सिंह कोहली। (अन्तरक)
2. हरमिंदर सिंह कोहली। (अन्तरिती)
3. अन्तरक और अन्तरिती।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. 8, जो, इमारत नं. ए, शान्ती सदन को-ऑप.
हाउसिंग सोसाइटी लि., टी. पी. एस. 282/283,
36वां रस्ता, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।”

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/8874/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8874/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 8, Building A, Shanti Sadan Co-op. Housing Society Ltd., 36th Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Jit Singh Kohli (Transferor)
2. Harminder Singh Wohli (Transferee)
3. Transferor & Transferee
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, Building A, Shanti Sadan Co-op. Housing Society Ltd., T.P.S. 282/283, 36th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8874/84-85, dt. 1-8-1984.

Dated : 10th April, 1985

SALE :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8997/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 25, जो, ग्राउंड फ्लोअर, बिना शॉपिंग सेंटर प्रिमायसेस सोसाइटी लि., बांद्रा (प), बंबई-50 में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 6/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को दाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी ङग या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ढ्योञ्गार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहूँ किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्निधता के लिए

अन अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उा धारा (1) के अन्ी, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्णित् —

- 1 मैपर्स डिवाइज कन्स्ट्रक्शन कपनी (अन्तरक)
- 2 श्रीवती ताजुनिसा एम. एम. मुखिया । (अन्तरिनी)
- 3 अन्तरिनी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णग लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं. 25, जो ग्राउंड फ्लोअर, विना शॉपिंग सेंटर प्रिमायसेस मोसाइटी लि., बान्द्रा (प.), बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र. स अई-2/37ईई/8997/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

166 GI/85-64

Ref. No. AR-II/37EE/8997/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 25, Ground floor, Veena Beena Shopping Centre Premises Soc. Ltd., Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Divine Construction Co. (Transferor)
2. Mrs. Tajunisa S. M. Mukhia (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(8) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Shop No. 25 on ground floor, Veena Beena Shopping Centre Premises Society Ltd., Bandra (W), Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE/8997/84-85, dt 6-8-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10182/84-85—अनं. मूजे. लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 601, जो, 6वीं मंजिल, “इमारत अंकरेज”, सी. टी. एम. नं. 553, सेंट अलेक्सीअस रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दियोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अनं. उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, सं. उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों उर्ध्वान् —

1. वनाशा कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लि. (अन्तरक)
2. श्री मनाहरलाल वासुदेवा (अन्तरिती)
3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है।)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए पर्याप्त शुरु करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के परामर्श लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 601, जो, 6वीं मंजिल, इमारत “अंकरेज”, सी. टी. एम. नं. 553, सेंट अलेक्सीअस रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र.म. अई-2/37ईई/10182/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10182/84-85 --Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, 6th floor, ‘ANCHORAGE’ Bldg., C.T.S. No. 553, St. Alexis Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Natasha Constructions Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Mr. Manoharlal Vasudeva (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, 'ANCHORAGE' C.T.S. No. 553, St Alexius Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37FE]10182[84-85. dt. 18-8-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal .

(Strike off where not applicable.)

निर्देशन म. अई-2/37-ईई/9951/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी म. फ्लैट नं. मी-4, जो, 15वीं मजिल, कांती अपार्टमेंट, माउंट मेरी रोड, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्योतनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स कमल अण्ड कंपनी । (अन्तरक)
2. श्री उत्तम चंद एम. अलिमचदानी, श्रीमती राधारानी यू. अलिमचदानी, श्री हिरालाल यू. अलिमचदानी, और श्रीमती निशा एच अलिमचदानी । (अन्तरिती)
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितरक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं. सी-4, जो, 15वीं मंजिल, कान्ती अपार्टमेंट, माउंट मेरी रोड, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई-9951/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंगिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9951/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘Said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. C4/15th Floor, Kanti Appartment, Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Kamal & Co. (Transferor)
2. Mr. Uttam Chand S. Alimchandani, Mrs. Radharani U. Alichandani, Mr. Hiralal U. Alichandani and Mrs. Nisha H. Alichandani, Ambica (Transferee)
3. — (Person in occupation of the property)
4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C4/15th Floor, Kanti Appartment, Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9951/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9993/84-85 :—अन. मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, निर्माणधीन इमारत, रेव्हीन्यू विहलेज, बान्द्रा, सिटी सर्वे नं. सी/758, बम्बई में स्थित है इसका उपाक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका उपाक्ष अधिनियम अधिनियम की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दृष्टि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स रोहित विल्डर्स एण्ड कान्स्ट्रक्टर्स ।
(अन्तरक)
2. श्री थामस जार्ज कोल्लानपाडीकल और श्रीमती यास्मिन थामस कोल्लानपाडीकल ।
(अन्तरिती)
3. —————
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —————
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लॉअर, निर्माणधन इमारत, रेव्हीन्यू विल्हेज, बान्द्रा, सिटी सर्वे नं. सी 758, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37 ईई/9993-84-85 और जो महसूम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट देंगे)

Ref. No. AR-II/37EE/9993/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Revenue Village, City Survey No. C/758, Bandra, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. M/s. Rohit Builders & Contractors
(Transferor)
2. Mr. Thomas George Kollanpadical and Mrs. Yasmin Thomas Kollanpadical (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Bldg. No. 3, Revenue Village, Bandra, City survey No. C-758, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9993/8485, dt. 14-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश स. अई-2/37ईई/10315/84-85 —अतः मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. प्लॉट नं. 12, जो, 3री मंजिल, हिल फ्रेस्ट कॉ-ओप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 16 वा रस्ता, वाद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की विन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों दर्शाता —

1. श्रीमती चंदर मोहिनी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नंदकुमारी सैगल और श्री धिर्माद कुमार
निलक सैगल

(अन्तरिनी)

- 3 —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग से सम्पत्ति है)

- 4 —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिन के उक्त स्यावर सम्पत्ति में भीतर हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"प्लॉट नं. 12, जो, 3री मंजिल, हिल फ्रेस्ट कॉ-ओप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 16वा रस्ता, वाद्रा (प), बम्बई 50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/10315/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दोड़िए)

Ret No. AR-II/37EE/10345/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, 3rd Floor, Hill Crest Co-op. Housing Society Ltd., 15th Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Mrs. Chander Mohani (Transferor)
- Mrs. Nand Kumari Saigal and Mr. Vinod Tilak Saigal (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, Hill Crest Co-op. Housing Society Ltd., 16th Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37/EF/10345/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश न. आई-2/37ईई/10293/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट न. 44, जो. धर्म ज्योति 2, न्यू कॉन्स्टाबल रोड, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (कों) और अन्तरिनी (यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त आरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सहायता के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की उचित भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपयोगार्थ अन्तरिनी द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269C की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

- श्रीमती अमलिया बरेट्टी, और श्री विल्यम जे बरेट्टी।

(अन्तरक)

- श्री स्वदेश राम. भारद्वाज, और श्रीमती जमजीत भारद्वाज।
- (अन्तरिनी)

3. अन्तरांग
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोऽस्ताक्षरी जानना है,
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन का संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोऽस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 44, जो, धरम ज्योत 2, न्यू कान्टवाडी रोड, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/10293/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 11/4/1985

सोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10293/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 44, Dharam Jyot II, New Kantawadi Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Mrs. Acelia Barretto & Mr. William J. Barretto (Transferor)
- Mr. Swadesh S. Bharadwaja and Mrs. Jasjit Bharadwaja (Transferee)
- Transferor

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 44, Dharam Jyot II, New Kantwadi Road, Bandra, (W), Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10293/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated : 11th April, 1985

Seal :

(Strike off where no applicable.)

बम्बई, 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8910/84-85 :—अतः मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं., फ्लैट नं. 24, जो, 2री मंजिल, निब्वना, पाली हिल रोड, वाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में आर पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के नित्य अन्तरिणी की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिणी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती कुसुम कुमारी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती यशोदा देवी ।

(अन्तरिणी)

3. श्री एं. के. मिश्रा एम. डी. के. आर. एल (इंडिया) प्राइवेट लि.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

166 GI/85—65

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 24, जो, 2री मंजिल, "निब्वना", पाली हिल रोड, वाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि फ. स. अई-2/37ईई/8910/84-85- और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख : 12/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 12th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/8910/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 24, 2nd floor, NIBBANA Palli Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor or pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Kusum Kumari (Transferor)
2. Smt. Yashoda Devi (Transferee)
3. Mr. B. K. Mishra, M. D. KRL (India) Pvt. Ltd.
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 24, 2nd floor, "NIBBANA" Palli Hill Road, Bandra, Bombay-50

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EF/8910/84-85, dt. 10-6-1984.

Dated : 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-जी/3659/अगस्त, 84:—अतः सझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सी. सर्वे नं. 41 (अंश), खाजन क्षेत्र, एल-एलॉट, व्हिलेज ऑशियरा, वर्गावा, विक्कोली रोड, अंदोरी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और सझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाखल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी उद्योग या किसी धन या अन्य आम्निश्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

उक्त अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उा धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी वेगमजी जिजिभाय प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी बेलवाई देवशी, अमरीतबेन मालशी, तानजी सोजपार, और चापमी देवशी । (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसाकि विलेख सं. डॉक-2564/67 (न्यु नं. 3341/84) ओर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37G/3659/Aug. 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Cadastral Survey No. 41 (Pt.), Khajan Lane, L Plot, Village Oshiwara, Versova, Vikhroli Road Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd.
(Transferor)
2. Mrs. Velbai Devshi, Amritben Malshi, Nanji Sojpar & Chapshi Devshi (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2564/67 (New No. 3341/84) and registered on 8-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-II/37-जो/3663/नेष्ट-84 : —अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 100,000 रु. में अधिक है और जिसका सं. "श्रियस इमारत", तमरी मजिल, सी. टी. एस. नं० 127/1, 127/2, 127/3 और म्युनिसिपल वार्ड नं० 6031 (1) स्ट्रीट नं० 113, जयप्रकाश रोड, अंधेरी (ए), बम्बई-58 में स्थित है। तथा जो बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्ध की लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती चंपाबेन रामणलाल पारीख (अन्तरक)
2. (1) श्री दाउद युसुफअली, (अन्तरिनी)
और (2) कुमारी फरीदा दाउद युसुफअली।
3. —
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. —
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुगृहीत

अनुसूची जैसा कि विनियम सं एम.-2129/83 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37G/3663/Sept. 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shreyas Building, 3rd floor, CTS No. 127/1, 127/2, 127/3, & Mun. Ward No. K-6031 Street No. 113, Jayaprakash Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Champaben Ramanlal Parikh (Transferor)
2. Dawood Yusufali & Miss Farida Dawood Yusufali (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No S-2129/83, and registered on 18-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-II/37-जी/3661/अगस्त, 84 :—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जमीन के खण्ड एवं अंश, न्यु सर्वे सं. 2 आर और जे/35, सी. टी. एस. सं. 995, माहिम डिविजन, बम्बई, है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई शिवां प्राप्त हो बावन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और या

(ख) ऐसी शिवां प्राप्त या शिवां धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब अधिनियम की धारा 269-B के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वथी 1. कुर्बानजी तीरोजजली (अन्तरक)
हिरजी, और 2. कुर्बानजी तीरोजजली हिरजी
2. श्री कुट्टकल अयथाकुट्टी बामू। (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिनके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. बॉम-945/81, और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37G/3661/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing New Survey No. 2 I & J/35, C.T.S. No. 995 of Mahim Division, situated at Mahim (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269E of the said Act to the following persons, namely :

1. S/Shri Kurbanali Nowrojali Hirji,
Nurali Nowrojali Hirji (Transferor)
2. Sh. Kottukal Ayyappakutty Vasu (Transferee)
3. —
(Person in occupation of the property)
4. —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM 945/81 and registered on 17-8-1984 with the Sub-Registrar, Bombay.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-II/37-जी/3664/निम्बर-84 अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन, सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जमीन प्लॉट नं. 21, मिटी सर्वे नं. 1731, माहीम डिवीजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे

उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरतियाँ) के बीच में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय, या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1957 (1957 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-

1. श्री रजनी पी. नाडकर्णी। (अन्तरक)
2. श्री खिमजी एस. सामनिया (अन्तरिता)
3. बाह्य—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. --- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

का यह सूचना जगत् करके पूर्वोक्त भारत के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करवा है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अध्याय बाद में लाना पड़ेगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा, या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सप्ताह सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरों के नाम निम्नलिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची तैयारि विवेक मं. बॉम-1749/80 और जो
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-9-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 12-4-85

महूर .

(जो लागू न हो उसे हट जायें)

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी,

न्यायिक जायजर आर्क (निरोक्षण)

अर्जुन रेज।

Ref. No. AR-II/37G/3664/Sept. 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 21, C.S. No. 1731 of Mhm Division (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the

acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

1. Sh. Rajani P. Nadkarni (Transferor)
2. Sh. Khimji M. Mamna (Transferee)
3. Tenants

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-1749/80 and registered on 21-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

Date : 12-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable.)

LAXMAN DAS, Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.

